# sample horoscope

10 अगस्त 2019 * 17:42:23 घंटे *Hyderabad, India

सौजन्य


Om Sri Sai Jyotisha Vidyapeetham

10-140, Godavari Road,

Dharmapuri - 505425 Telangana

Ph: +91 9948989512

www.onlinejyotish.com

admin@onlinejyotish.com


दिनांक: 10 अगस्त 2019

# sample horoscope

## जन्म विवरण

| | | |
|---|---|---|
| लिंग | : | पुरुष |
| जन्म दिन | : | **10 अगस्त 2019** |
| जन्म वार | : | शनिवार |
| जन्म समय | : | **17:42:23 घंटे** |
| इष्टकाल | : | 29:12:20 घटी |
| जन्म स्थान | : | **Hyderabad** |
| देश | : | India |

| | | |
|---|---|---|
| अक्षांश | : | 17उ22'00 |
| रेखांश | : | 78पू28'00 |
| समयक्षेत्र | : | -05:30:00 घंटे |
| समय संशोधन | : | 00:00:00 घंटे |
| जी.एम.टी. समय | : | 12:12:23 घंटे |
| स्थानीय समय संस्कार | : | -00:16:08 घंटे |
| स्थानीय समय | : | 17:26:15 घंटे |
| सांपातिक काल | : | 14:41:00 घंटे |
| सनसाइन (सायन सूर्य) | : | सिंह |
| लग्न राशि | : | मकर 07:24:40 |

## पारिवारिक विवरण

| | | |
|---|---|---|
| दादा का नाम | : | |
| पिता का नाम | : | |
| माता का नाम | : | |
| जाति | : | |
| गोत्र | : | |

## अवकहडा चक्र

| | | |
|---|---|---|
| 1. वर्ण | : | ब्राह्मण |
| 2. वश्य | : | कीट |
| 3. नक्षत्र - चरण | : | **ज्येष्ठा - 4** |
| 4. योनि | : | मृग |
| 5. चन्द्र राशि स्वामी | : | मंगल |
| 6. गण | : | राक्षस |
| 7. चन्द्र राशि | : | **वृश्चिक** |
| 8. नाड़ी | : | आदि |
| वर्ग | : | मृग |
| युञ्जा | : | अन्त्य |
| हंसक (तत्व) | : | जल |
| नामाक्षर | : | **यू** |
| राशि पाया | : | **सुवर्ण** |
| नक्षत्र पाया | : | **ताँबा** |

## जन्मकालीन पंचांगादि

| | | |
|---|---|---|
| <u>चैत्रादि विधि</u> | | |
| विक्रम संवत् | : | 2076 |
| मास | : | श्रावण |
| <u>कार्तिकादि विधि</u> | | |
| विक्रम संवत् | : | 2075 |
| मास | : | श्रावण |
| शक संवत् | : | 1941 |
| सूर्य अयन/गोल | : | दक्षिणायण/उत्तर |
| ऋतु | : | वर्षा |
| पक्ष | : | **शुक्ल** |
| ज्योतिषिय वार | : | शनिवार |
| सूर्योदयी तिथि | : | शुक्ल दशमी |
| तिथि समाप्तिकाल | : | 10:08:43 घंटे |
| | : | 10:18:10 घटी |
| जन्मकालीन तिथि | : | **शुक्ल एकादशी** |
| सूर्योदयी नक्षत्र | : | ज्येष्ठा |
| नक्षत्र समाप्तिकाल | : | 23:05:32 घंटे |
| | : | 42:40:12 घटी |
| जन्मकालीन नक्षत्र | : | **ज्येष्ठा** |
| सूर्योदयी योग | : | ऐन्द्र |
| योग समाप्तिकाल | : | 10:43:44 घंटे |
| | : | 11:45:43 घटी |
| जन्मकालीन योग | : | **वैधृति** |
| सूर्योदयी करण | : | गर |
| करण समाप्तिकाल | : | 10:08:43 घंटे |
| | : | 10:18:10 घटी |
| जन्मकालीन करण | : | **वणिज** |
| सूर्योदय समय | : | 06:01:27 घंटे |
| अंश | : | कर्क 23:00:08 |
| सूर्यास्त समय | : | 18:41:30 घंटे |
| अंश | : | कर्क 23:30:34 |
| आगामी सूर्योदय | : | रविवार 06:01:41 घंटे |
| चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश | : | 9 अगस्त 19 21:58:12 |
| चन्द्र का नक्षत्र निकास | : | 10 अगस्त 19 23:05:32 |
| भयात | : | 49:20:27 घटी |
| भभोग | : | 62:48:19 घटी |
| जन्मकालीन दशा | : | बुध-गुरु-शुक्र |
| दशा भोग्यकाल | : | बुध 3व.-7मा.-12दि. |
| अयनांश | : | -24:07:36 लहरी |

ॐ

## जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महर्षियों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पड़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

### अवकहडा चक्र

| | | |
|---|---|---|
| लग्न | : | मकर |
| चन्द्र राशि | : | वृश्चिक |
| चन्द्र राशि स्वामी | : | मंगल |
| जन्मकालीन नक्षत्र | : | ज्येष्ठा |
| नक्षत्र चरण | : | 4 |
| नामाक्षर | : | यू |
| राशि पाया | : | सुवर्ण |
| नक्षत्र पाया | : | ताँबा |
| वर्ण | : | ब्राह्मण |
| वश्य | : | कीट |
| नाड़ी | : | आदि |
| योनि | : | मृग |
| गण | : | राक्षस |

### जन्मकालीन पंचांगादि

| | | |
|---|---|---|
| विक्रम संवत् | : | 2076 |
| मास | : | श्रावण |
| जन्मकालीन तिथि | : | शुक्ल एकादशी |
| जन्मकालीन योग | : | वैधृति |
| जन्मकालीन करण | : | वणिज |
| आधुनिक जन्म वार | : | शनिवार |
| ज्योतिषिय जन्म वार | : | शनिवार |

### घात चक्र

| | | |
|---|---|---|
| घात मास | : | आश्विन |
| घात तिथि | : | 1/6/11 |
| घात वार | : | शुक्रवार |
| घात नक्षत्र | : | रेवती |
| घात योग | : | व्यतिपात |
| घात करण | : | गर |
| घात प्रहर | : | 1 |
| घात चन्द्र | : | वृषभ |

ॐ

## महत्त्वपूर्ण जानकारी

**आपका मूल वाक्य है**
मैं बरतता हूँ।

**सबसे बड़ा गुण है**
गम्भीरता।

**सबसे बड़ी कमी है**
अनुचित सीमा तक जिज्ञासा।

**महत्वाकांक्षा है**
सार्वजनिक प्रतिष्ठा एवं सत्ता प्राप्ति।

**शुभ दिन**
शुक्रवार तथा शनिवार।

**शुभ रंग**
खाकी, बैगनी, काला, गहरा हरा, गहरा भूरा रंग शुभ हैं।

**शुभ अंक**
6,9,8 सर्वाधिक शुभ हैं।

**शुभ रत्न**
नीलम तथा हीरा।

**शुभ उपरत्न**
जमुनिया।

**अशुभ मास तारीखें**
प्रतिवर्ष मई का महीना, प्रतिमास 1, 5, 15, 25 तारीखें और शुक्रवार का दिन खराब रहेगा।

**अशुभ तिथि**
प्रतिप्रदा, षष्ठी एवं एकादशी तिथि जातक के लिए अशुभ हैं।

**शुभ राशि**
मेष, कर्क, सिंह धनु और मीन राशि वाले मनुष्य मैत्री के लिये अच्छे होते हैं। मिथुन राशि वाले शत्रुता करने वाले होते हैं।

**शुभ दिवस**
बृहस्पतिवार

**अरिष्ट समय**
यवनाचार्य के मतानुसार ज्येष्ठ मास, शुक्लपक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, हस्तनक्षत्र एवं अर्द्धरात्रि जातक के लिए अनिष्टकर होता है।

**10 अगस्त 2019 * शनिवार * 17:42:23 घंटे**

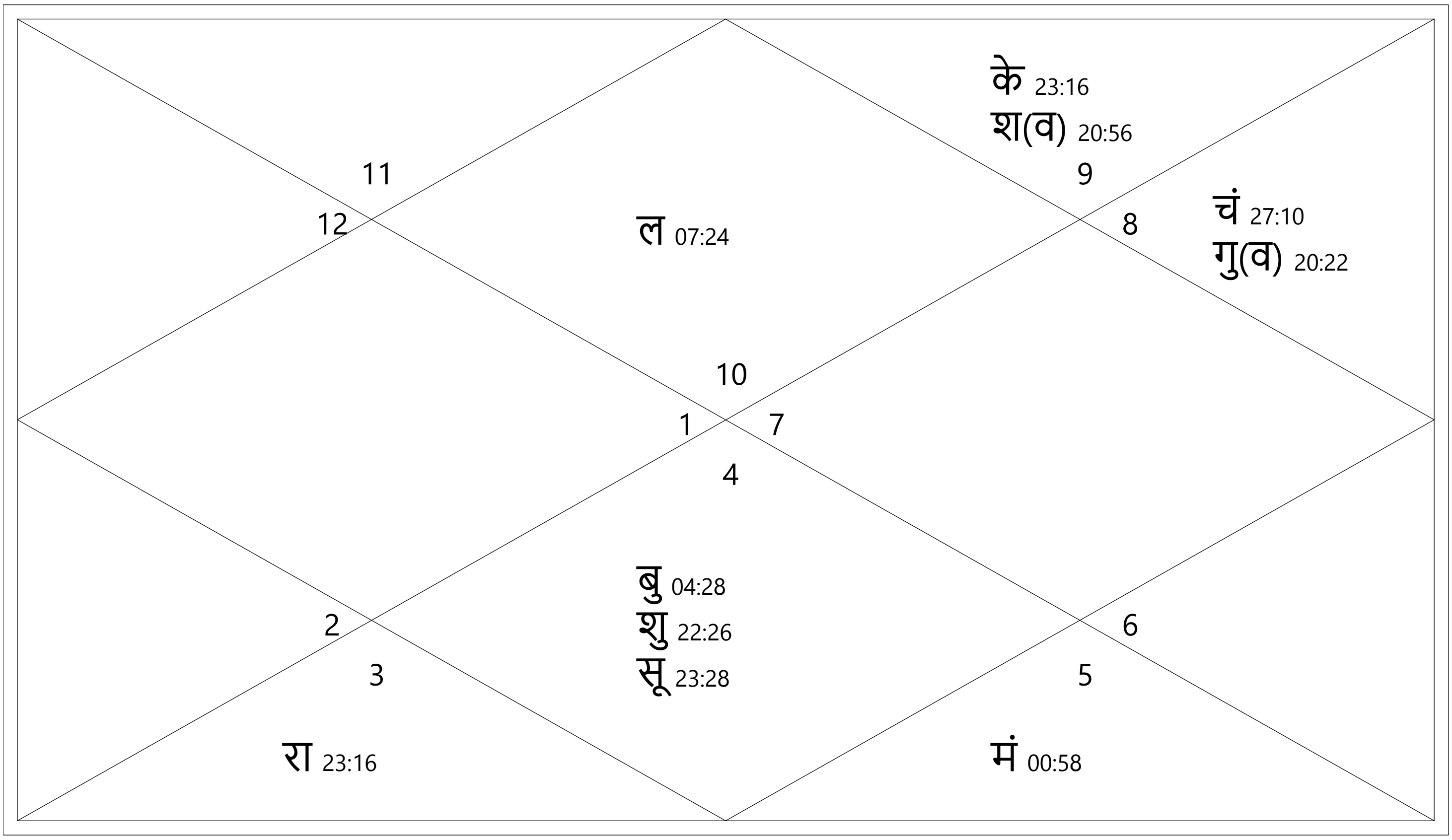


## चंद्र कुण्डली

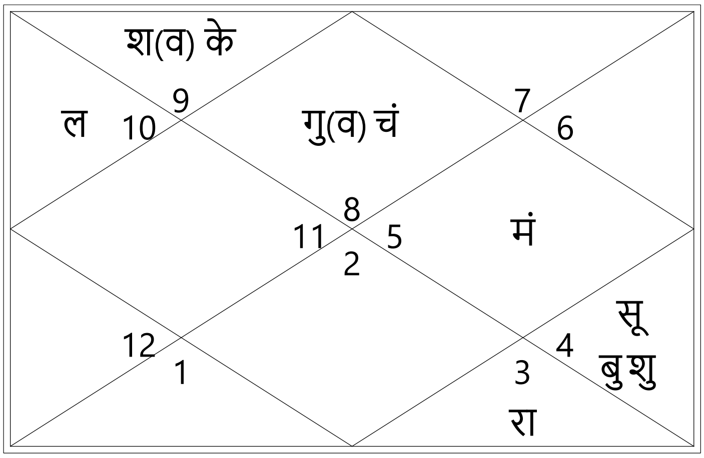


## नवांश कुण्डली

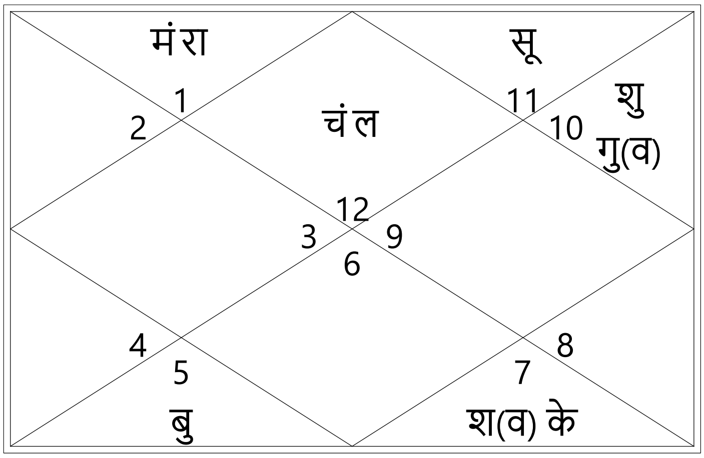


| ग्रह | व/अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | रा. स्वा. | न. स्वा. | उप स्वा. | उप उप स्वा. | शुभा-शुभ | षड्बल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मकर | 07:24:40 | | उत्तराषाढ़ा | 4 | श | सू | के | रा | | |
| सूर्य | | कर्क | 23:28:08 | 00:57:32 | आश्लेषा | 3 | चं | बु | मं | रा | सम | 1.33 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | 27:10:00 | 12:39:16 | ज्येष्ठा | 4 | मं | बु | गु | शु | नीच | 1.09 |
| मंगल | (अ) | सिंह | 00:58:35 | 00:38:05 | मघा | 1 | सू | के | शु | शु | अतिमित्र | 1.47 |
| बुध | | कर्क | 04:28:39 | 00:59:44 | पुष्य | 1 | चं | श | श | सू | अतिशत्रु | 0.96 |
| गुरु | (व) | वृश्चिक | 20:22:48 | -00:00:12 | ज्येष्ठा | 2 | मं | बु | शु | रा | अतिमित्र | 0.92 |
| शुक्र | (अ) | कर्क | 22:26:05 | 01:14:06 | आश्लेषा | 2 | चं | बु | चं | रा | अतिशत्रु | 1.43 |
| शनि | (व) | धनु | 20:56:18 | -00:03:21 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | गु | शु | गु | के | मित्र | 1.22 |
| राहु | | मिथुन | 23:16:11 | 00:01:38 | पुनर्वसु | 1 | बु | गु | श | मं | मूलत्रिक. | |
| केतु | | धनु | 23:16:11 | 00:01:38 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | गु | शु | श | चं | मूलत्रिक. | |

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## चन्द्र कुण्डली

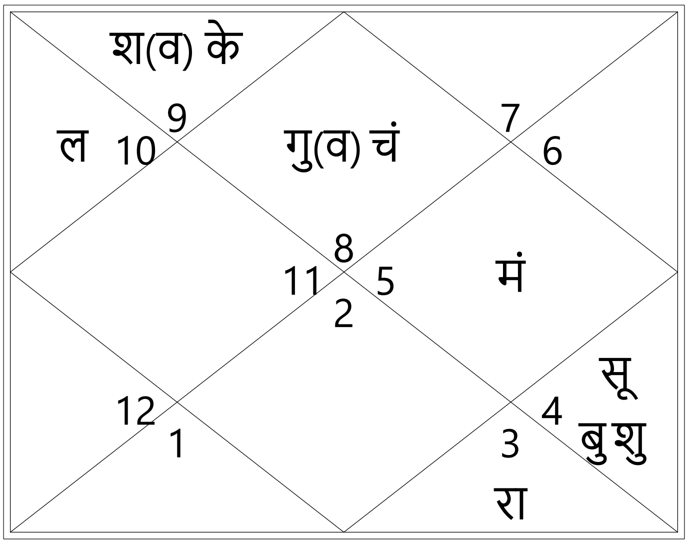


## नवांश

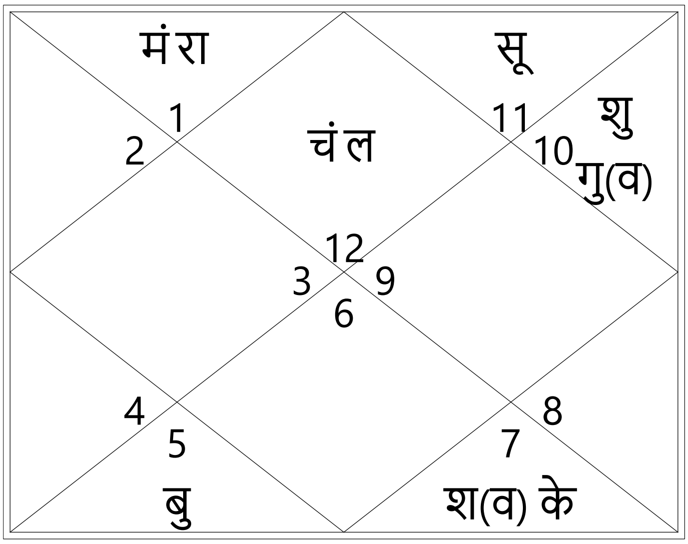


## भाव (श्रीपति)

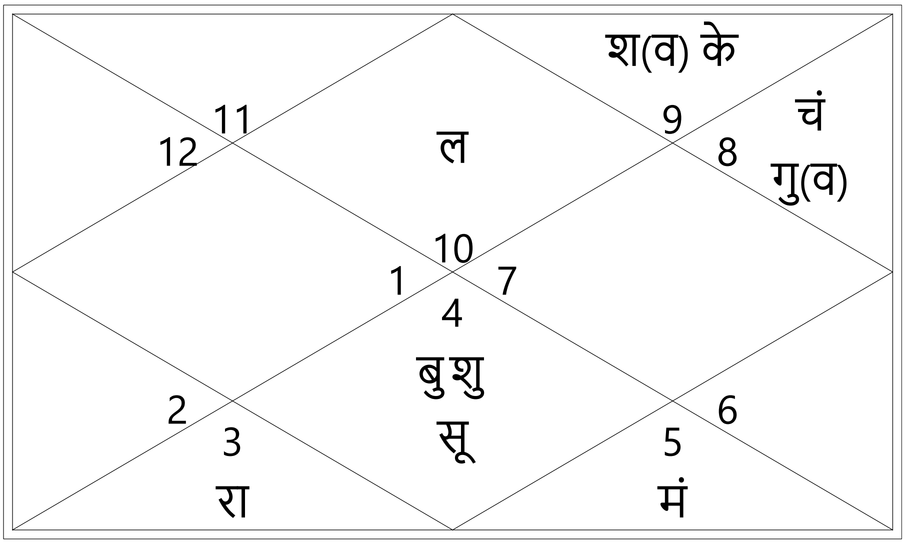


## भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

| **भाव** | **भाव आरम्भ** | | **भाव मध्य** | | **भाव अन्त** | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम भाव | धनु | 24:16:15 | मकर | 07:24:40 | मकर | 24:16:15 |
| द्वितीय भाव | मकर | 24:16:15 | कुंभ | 11:07:49 | कुंभ | 27:59:24 |
| तृतीय भाव | कुंभ | 27:59:24 | मीन | 14:50:59 | मेष | 01:42:34 |
| चतुर्थ भाव | मेष | 01:42:34 | मेष | 18:34:09 | वृष | 01:42:34 |
| पंचम भाव | वृष | 01:42:34 | वृष | 14:50:59 | वृष | 27:59:24 |
| षष्ठ भाव | वृष | 27:59:24 | मिथुन | 11:07:49 | मिथुन | 24:16:15 |
| सप्तम भाव | मिथुन | 24:16:15 | कर्क | 07:24:40 | कर्क | 24:16:15 |
| अष्टम भाव | कर्क | 24:16:15 | सिंह | 11:07:49 | सिंह | 27:59:24 |
| नवम भाव | सिंह | 27:59:24 | कन्या | 14:50:59 | तुला | 01:42:34 |
| दशम भाव | तुला | 01:42:34 | तुला | 18:34:09 | वृश्चिक | 01:42:34 |
| एकादश भाव | वृश्चिक | 01:42:34 | वृश्चिक | 14:50:59 | वृश्चिक | 27:59:24 |
| द्वादश भाव | वृश्चिक | 27:59:24 | धनु | 11:07:49 | धनु | 24:16:15 |

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## जन्म कुण्डली

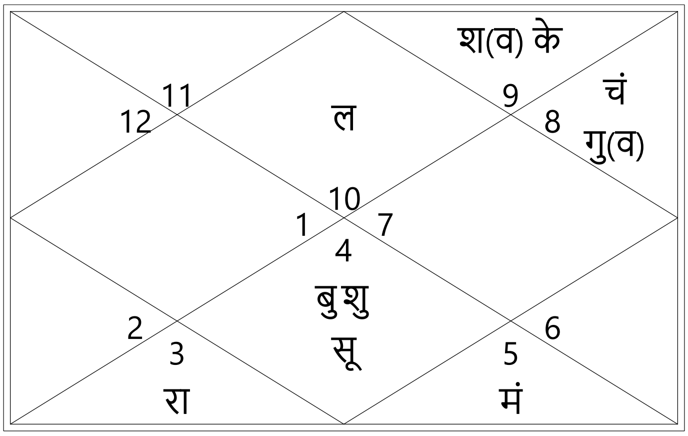


## होरा (धन-सम्पत्ति)

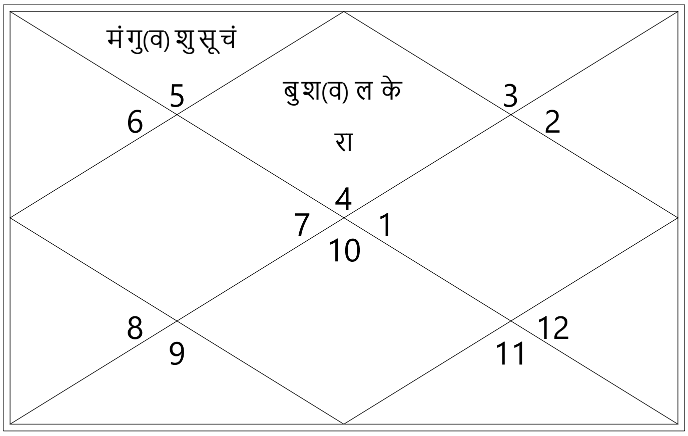


## द्रेष्काण (भाई-बहन)

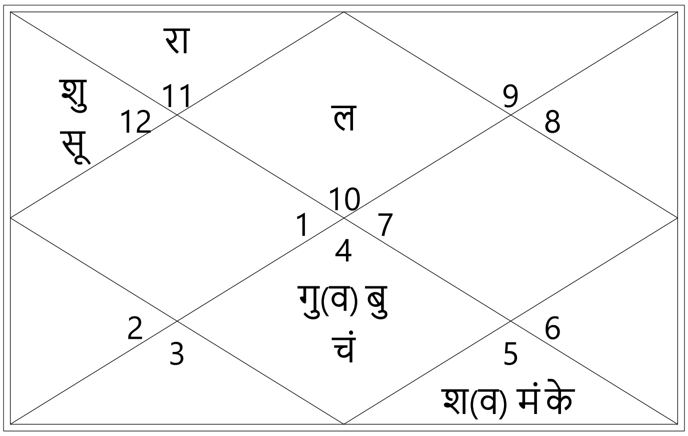


## चतुर्थांश (भाग्य)

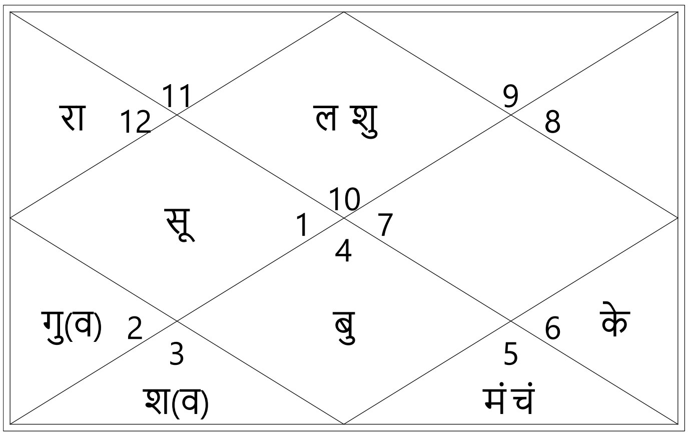


## सप्तांश (संतान)

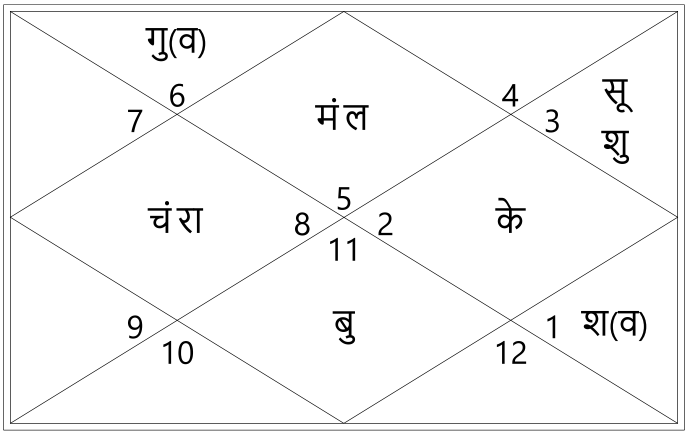


## नवांश (जीवनसाथी)

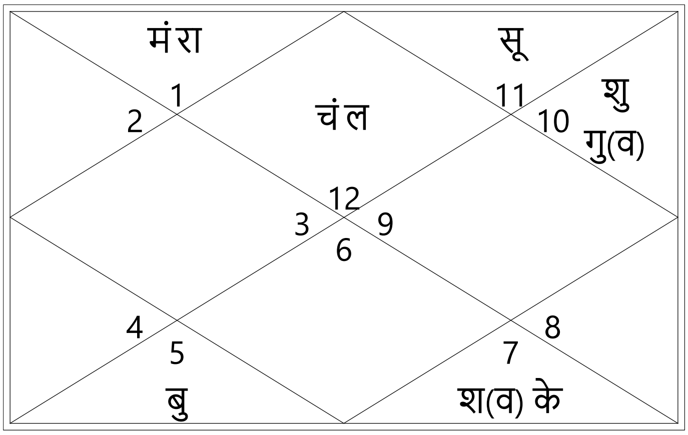


## दशांश (कर्मफल)

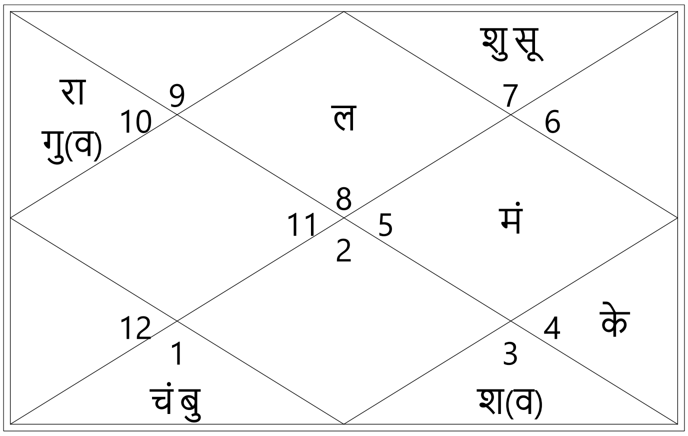


## द्वादशांश (माता-पिता)

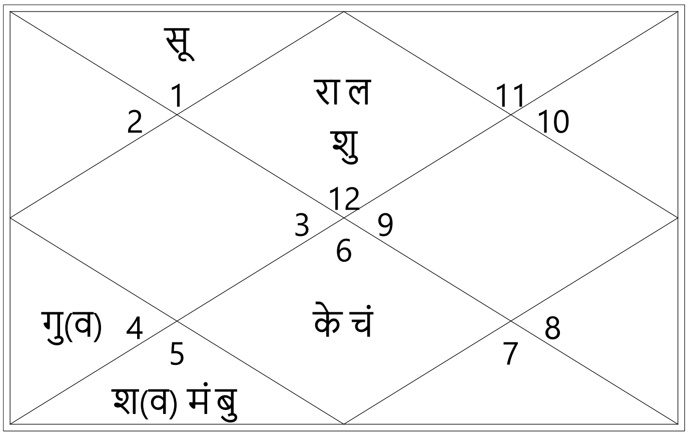

## षोडशांश (वाहन)

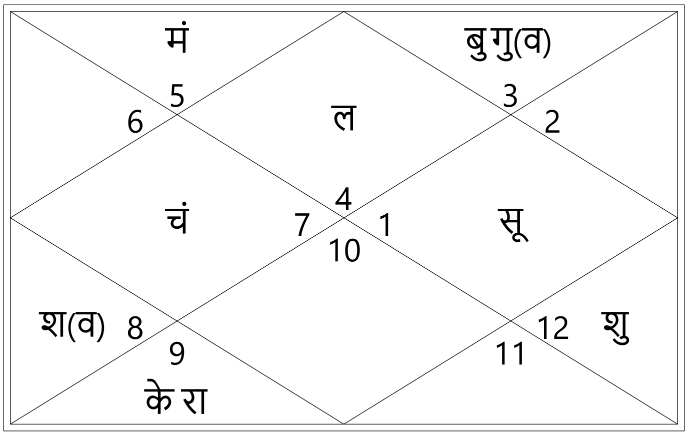


## विंशांश (उपासना)

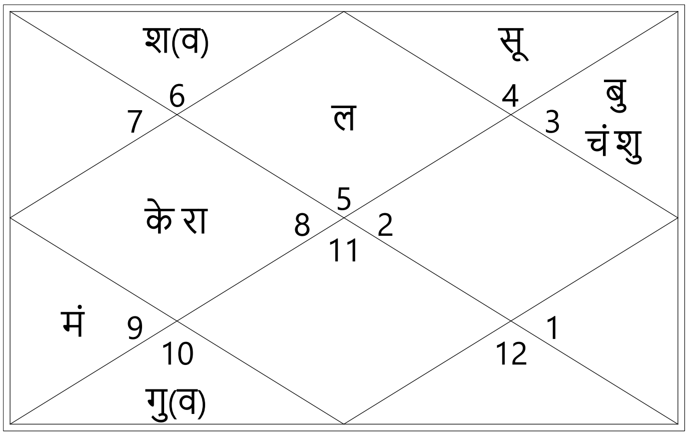


## चतुर्विंशांश (विद्या)

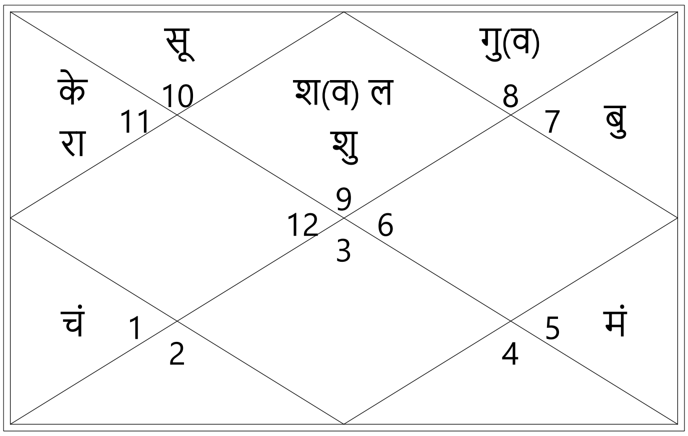


## सप्तविंशांश (बलाबल)

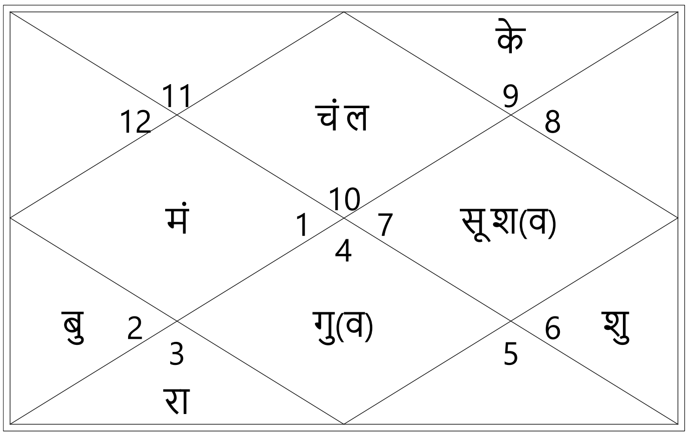


## त्रिंशांश (अरिष्ट)

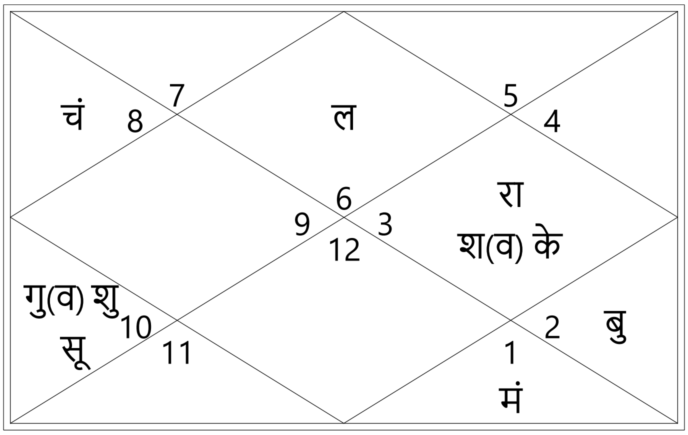


## खवेदांश (शुभ-अशुभफल)

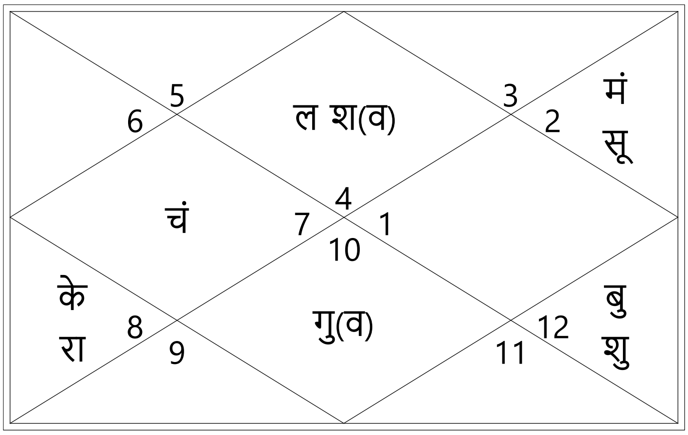


## अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)

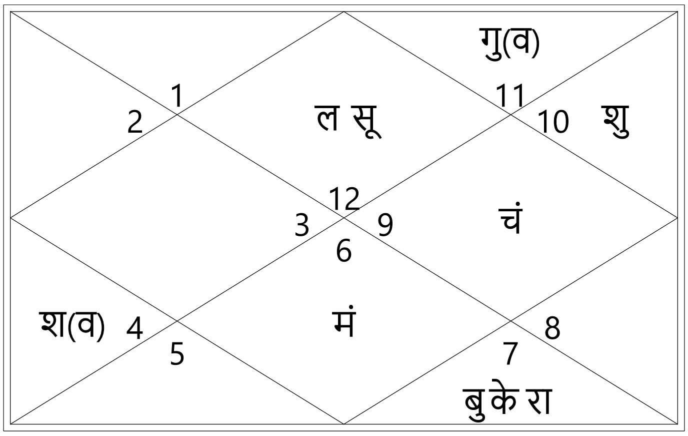


## षष्ट्यांश (सभी क्षेत्र)

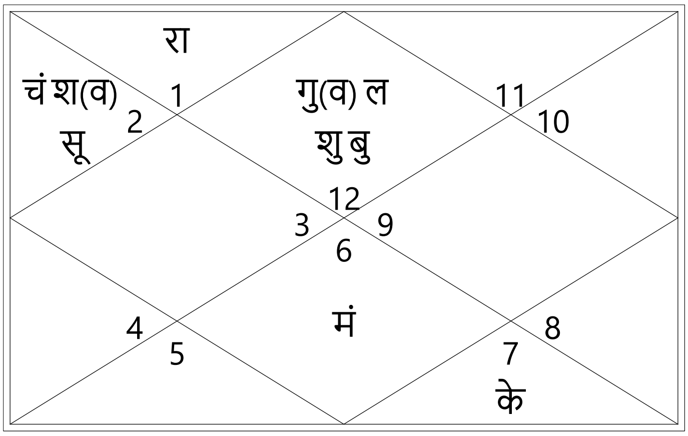

# षोडशवर्ग सारणी

## षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

| | लग्न | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जन्म | मकर | कर्क | वृश्चिक | सिंह | कर्क | वृश्चिक | कर्क | धनु | मिथुन | धनु |
| होरा | कर्क | सिंह | सिंह | सिंह | कर्क | सिंह | सिंह | कर्क | कर्क | कर्क |
| द्रेष्काण | मकर | मीन | कर्क | सिंह | कर्क | कर्क | मीन | सिंह | कुंभ | सिंह |
| चतुर्थांश | मकर | मेष | सिंह | सिंह | कर्क | वृष | मकर | मिथुन | मीन | कन्या |
| सप्तांश | सिंह | मिथुन | वृश्चिक | सिंह | कुंभ | कन्या | मिथुन | मेष | वृश्चिक | वृष |
| नवांश | मीन | कुंभ | मीन | मेष | सिंह | मकर | मकर | तुला | मेष | तुला |
| दशांश | वृश्चिक | तुला | मेष | सिंह | मेष | मकर | तुला | मिथुन | मकर | कर्क |
| द्वादशांश | मीन | मेष | कन्या | सिंह | सिंह | कर्क | मीन | सिंह | मीन | कन्या |
| षोडशांश | कर्क | मेष | तुला | सिंह | मिथुन | मिथुन | मीन | वृश्चिक | धनु | धनु |
| विंशांश | सिंह | कर्क | मिथुन | धनु | मिथुन | मकर | मिथुन | कन्या | वृश्चिक | वृश्चिक |
| चतुर्विंशांश | धनु | मकर | मेष | सिंह | तुला | वृश्चिक | धनु | धनु | कुंभ | कुंभ |
| सप्तविंशांश | मकर | तुला | मकर | मेष | वृष | कर्क | कन्या | तुला | मिथुन | धनु |
| त्रिंशांश | कन्या | मकर | वृश्चिक | मेष | वृष | मकर | मकर | मिथुन | मिथुन | मिथुन |
| खवेदांश | कर्क | वृष | तुला | वृष | मीन | मकर | मीन | कर्क | वृश्चिक | वृश्चिक |
| अक्षवेदांश | मीन | मीन | धनु | कन्या | तुला | कुंभ | मकर | कर्क | तुला | तुला |
| षष्ट्यांश | मीन | वृष | वृष | कन्या | मीन | मीन | मीन | वृष | मेष | तुला |

## षोडशवर्ग में शुभाशुभ

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जन्म | सम | नीच | अतिमित्र | अतिशत्रु | अतिमित्र | अतिशत्रु | मित्र | मूलत्रिक. | मूलत्रिक. |
| होरा | मूलत्रिक. | सम | सम | सम | सम | अतिशत्रु | सम | सम | सम |
| द्रेष्काण | सम | स्वराशि | सम | अतिशत्रु | उच्च | उच्च | अतिशत्रु | स्वराशि | सम |
| चतुर्थांश | उच्च | सम | सम | सम | अतिशत्रु | सम | अतिमित्र | सम | सम |
| सप्तांश | शत्रु | नीच | अतिमित्र | मित्र | अतिशत्रु | सम | नीच | नीच | नीच |
| नवांश | अतिशत्रु | मित्र | मूलत्रिक. | सम | नीच | अतिमित्र | उच्च | सम | सम |
| दशांश | नीच | शत्रु | अतिमित्र | शत्रु | नीच | मूलत्रिक. | अतिमित्र | सम | सम |
| द्वादशांश | उच्च | अतिमित्र | सम | सम | उच्च | उच्च | अतिशत्रु | सम | सम |
| षोडशांश | उच्च | शत्रु | सम | स्वराशि | अतिशत्रु | उच्च | सम | सम | मूलत्रिक. |
| विंशांश | अतिमित्र | सम | अतिमित्र | स्वराशि | नीच | सम | अतिमित्र | नीच | उच्च |
| चतुर्विंशांश | सम | शत्रु | सम | अतिमित्र | अतिमित्र | मित्र | मित्र | स्वराशि | सम |
| सप्तविंशांश | नीच | मित्र | स्वराशि | सम | उच्च | कन्या | उच्च | मूलत्रिक. | मूलत्रिक. |
| त्रिंशांश | अतिशत्रु | नीच | मूलत्रिक. | सम | नीच | सम | अतिमित्र | अतिमित्र | सम |
| खवेदांश | सम | शत्रु | मित्र | नीच | नीच | उच्च | सम | नीच | उच्च |
| अक्षवेदांश | अतिमित्र | मित्र | सम | अतिमित्र | शत्रु | सम | अतिशत्रु | सम | सम |
| षष्ट्यांश | सम | उच्च | अतिशत्रु | नीच | स्वराशि | उच्च | अतिमित्र | सम | सम |

## विंशोपक बल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| षड्वर्ग | 10 | 13 | 19 | 7 | 14 | 7 | 10 | 11 | 10 |
| सप्तवर्ग | 12 | 13 | 18 | 7 | 13 | 7 | 9 | 11 | 10 |
| दशवर्ग | 9 | 11 | 16 | 9 | 14 | 8 | 9 | 11 | 10 |
| षोडशवर्ग | 9 | 11 | 17 | 9 | 14 | 8 | 10 | 11 | 11 |

## नैसर्गिक मैत्री चक्र

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मित्र | चन्द्र<br>मंगल<br>गुरु | सूर्य<br>बुध | सूर्य<br>चन्द्र<br>गुरु<br>केतु | सूर्य<br>शुक्र | सूर्य<br>चन्द्र<br>मंगल | बुध<br>शनि<br>राहु<br>केतु | बुध<br>शुक्र<br>राहु | गुरु<br>शुक्र<br>शनि | मंगल<br>शुक्र |
| शत्रु | शुक्र<br>शनि<br>राहु<br>केतु | राहु<br>केतु | बुध<br>राहु | चन्द्र | बुध<br>शुक्र | सूर्य<br>चन्द्र | सूर्य<br>चन्द्र<br>मंगल<br>केतु | सूर्य<br>चन्द्र<br>मंगल<br>केतु | सूर्य<br>चन्द्र<br>शनि<br>केतु |
| सम | बुध | मंगल<br>गुरु<br>शुक्र<br>शनि | शुक्र<br>शनि | मंगल<br>गुरु<br>शनि<br>राहु | शनि<br>राहु<br>केतु | मंगल<br>गुरु | गुरु | बुध | गुरु<br>बुध |

## तात्कालिक मैत्री चक्र

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मित्र | मंगल राहु | मंगल शनि केतु | सूर्य चंद्र बुध गुरु शुक्र राहु | मंगल राहु | मंगल शनि केतु | मंगल राहु | चंद्र गुरु | सूर्य मंगल बुध शुक्र | चंद्र गुरु |
| शत्रु | चंद्र बुध गुरु शुक्र शनि केतु | सूर्य बुध गुरु शुक्र राहु | शनि केतु | सूर्य चंद्र गुरु शुक्र शनि केतु | सूर्य चंद्र बुध शुक्र राहु | सूर्य चंद्र बुध गुरु शनि केतु | सूर्य मंगल बुध शुक्र राहु केतु | चंद्र गुरु शनि केतु | सूर्य मंगल बुध शुक्र शनि राहु |

## पंचधा मैत्री चक्र

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अतिमित्र | मंगल | | सूर्य चंद्र गुरु | | मंगल | राहु | | शुक्र | |
| मित्र | | मंगल शनि | शुक्र | मंगल राहु | शनि केतु | मंगल | गुरु | बुध | गुरु |
| सम | चंद्र गुरु राहु | सूर्य बुध केतु | बुध राहु केतु | सूर्य शुक्र | सूर्य चंद्र | बुध शनि केतु | चंद्र बुध शुक्र राहु | सूर्य मंगल गुरु शनि | चंद्र मंगल शुक्र |
| शत्रु | बुध | गुरु शुक्र | शनि | गुरु शनि केतु | राहु | गुरु | | | बुध |
| अतिशत्रु | शुक्र शनि केतु | राहु | | चंद्र | बुध शुक्र | सूर्य चंद्र | सूर्य मंगल केतु | चंद्र केतु | सूर्य शनि राहु |

## षड्बल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. स्थान बल | 175.51 | 176.81 | 248.49 | 143.37 | 121.75 | 160.27 | 127.81 |
| 2. दिग्बल | 31.63 | 12.87 | 34.14 | 0.98 | 44.32 | 28.71 | 5.49 |
| 3. काल बल | 147.42 | 127.47 | 92.51 | 135.11 | 135.74 | 185.28 | 209.32 |
| 4. चेष्टा बल | 50.23 | 41.23 | 3.13 | 49.50 | 48.42 | 1.30 | 49.68 |
| 5. नैसर्गिक बल | 60.00 | 51.42 | 17.16 | 25.74 | 34.26 | 42.84 | 8.58 |
| 6. दृक् बल | 53.94 | -16.02 | 46.43 | 49.08 | -24.38 | 54.97 | -35.41 |
| कुल षड्बल | 518.73 | 393.77 | 441.86 | 403.77 | 360.12 | 473.38 | 365.47 |
| षड्बल (रुप में) | 8.65 | 6.56 | 7.36 | 6.73 | 6.00 | 7.89 | 6.09 |
| न्यूनतम वांछनीय | 390 | 360 | 300 | 420 | 390 | 330 | 300 |
| वांछनीय का अंश | **1.33** | **1.09** | **1.47** | **0.96** | **0.92** | **1.43** | **1.22** |
| तुलनात्मक स्थिति | 3 | 5 | 1 | 6 | 7 | 2 | 4 |
| इष्ट फल | 34.82 | 24.64 | 2.06 | 42.99 | 31.65 | 11.41 | 44.69 |
| कष्ट फल | 25.18 | 35.36 | 57.94 | 17.01 | 28.35 | 48.59 | 15.31 |

## भावबल

| | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भावमध्य राशि | म | कु | मी | मे | वृ | मि | क | सिं | क | तु | वृ | ध |
| भावमध्य अंश | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 |
| भावाधिपति बल | 365 | 365 | 360 | 441 | 473 | 403 | 393 | 518 | 403 | 473 | 441 | 360 |
| भाव दिग्बल | 30 | 50 | 50 | 0 | 10 | 10 | 60 | 40 | 20 | 30 | 20 | 50 |
| भाव दृष्टि | -51 | -28 | 8 | 18 | 32 | 56 | 50 | 38 | -21 | -56 | -40 | -12 |
| ग्रह | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -60 | 0 | 0 | 60 | -60 |
| दिन-रात्रि | 0 | 15 | 0 | 0 | 0 | 15 | 0 | 15 | 15 | 15 | 15 | 0 |
| कुल भावबल | 344 | 402 | 419 | 460 | 516 | 486 | 504 | 552 | 417 | 462 | 496 | 338 |

## विंशोपक बल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| षड्वर्ग | 10 | 13 | 19 | 7 | 14 | 7 | 10 | 11 | 10 |
| सप्तवर्ग | 12 | 13 | 18 | 7 | 13 | 7 | 9 | 11 | 10 |
| दशवर्ग | 9 | 11 | 16 | 9 | 14 | 8 | 9 | 11 | 10 |
| षोडषवर्ग | 9 | 11 | 17 | 9 | 14 | 8 | 10 | 11 | 11 |

## षड्वर्ग में डिस्पोज़िटर

| सू | चं | मं | बु | गु | शु | श | रा | के |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श(2) | मं(2) | सू(4) | चं(3) | चं(2) | गु(2) | सू(2) | बु(2) | बु(2) |
| चं(1) | चं(1) | मं(2) | सू(2) | श(2) | श(2) | चं(1) | चं(1) | चं(1) |
| मं(1) | सू(1) | | शु(1) | मं(1) | सू(1) | बु(1) | मं(1) | सू(1) |
| गु(1) | बु(1) | | | सू(1) | चं(1) | गु(1) | गु(1) | गु(1) |
| सू(1) | गु(1) | | | | | शु(1) | श(1) | शु(1) |

## ग्रहों की अवस्थाएं

| ग्रह | जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह) | बालाद्य अवस्था (5 का समूह) | लज्जिताद्य अवस्था (6 का समूह) | दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह) | शयनाद्य अवस्था (12 का समूह) |
|---|---|---|---|---|---|
| **सूर्य** | स्वपन (मध्यमफल) | कुमार (आधाफल) | मुदित | दीन (समक्षेत्र) | नृत्यलिप्सा (विद्वान) |
| **चन्द्र** | सुषुप्ति (शून्यफल) | बाल (चतुर्थांशफल) | मुदित | खल (पापराशि) | नृत्यलिप्सा (गान निपुण) |
| **मंगल** | स्वपन (मध्यमफल) | बाल (चतुर्थांशफल) | | मुदित (अधिमित्र) | प्रकाशन (राज्य से सम्मान) |
| **बुध** | सुषुप्ति (शून्यफल) | मृत (शून्यफल) | क्षुधित मुदित | खल (पापराशि) | उपवेश (गुण समूह पूर्ण) |
| **गुरु** | स्वपन (मध्यमफल) | कुमार (आधाफल) | मुदित | मुदित (अधिमित्र) | प्रकाशन (आनन्द अनेक सुख) |
| **शुक्र** | सुषुप्ति (शून्यफल) | कुमार (आधाफल) | क्षुधित मुदित | खल (पापराशि) | प्रकाशन (काव्यविद्या लीलाशील) |
| **शनि** | स्वपन (मध्यमफल) | वृद्ध (अत्यलपफल) | मुदित | शान्त (मित्र) | आगमन (मूर्ख निराश्रित) |
| **राहु** | जागृत (पूर्णफल) | वृद्ध (अत्यलपफल) | गर्वित | स्वस्थ (स्वक्षेत्र) | आगमन (क्रोधी कामी कंजूस) |
| **केतु** | जागृत (पूर्णफल) | वृद्ध (अत्यलपफल) | गर्वित क्षुधित | स्वस्थ (स्वक्षेत्र) | नृत्यलिप्सा (दुराधर्ष अनर्थकारी) |

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

## नीचभंग योग

**चन्द्र के नीचभंग योग :-**

- शुक्र जोकि उच्च राशि का स्वामी है, वह केन्द्र में है।

## सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली
मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली

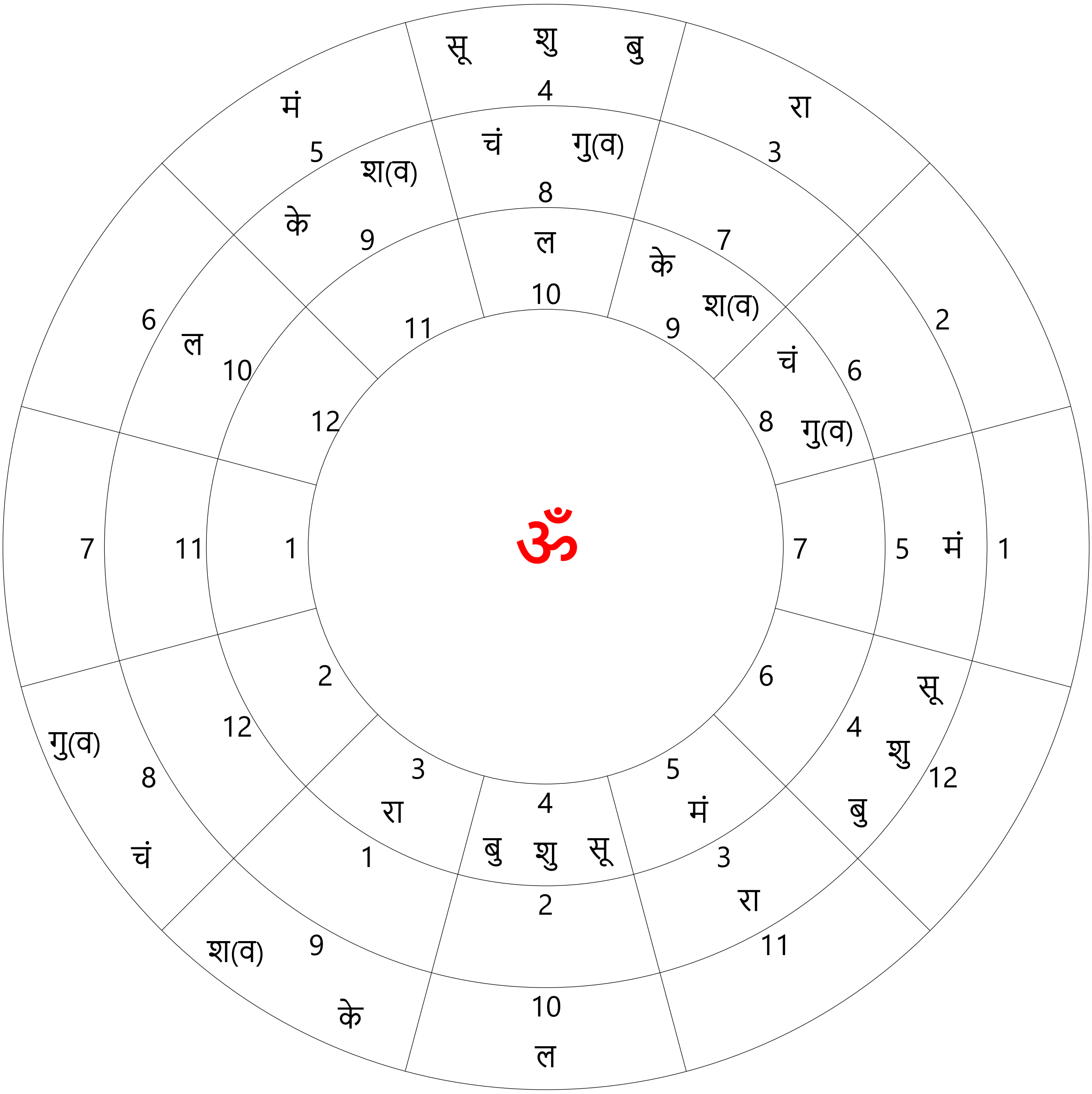


सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषन किया जाता है।

# जैमिनी पद्धति

## चर कारक

| आत्म | अमात्य | भ्रातृ | मातृ | पितृ | ज्ञाति | स्त्री |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चंद्र | सूर्य | शुक्र | शनि | गुरु | बुध | मंगल |
| 27:10 | 23:28 | 22:26 | 20:56 | 20:22 | 04:28 | 00:58 |

## नवांश

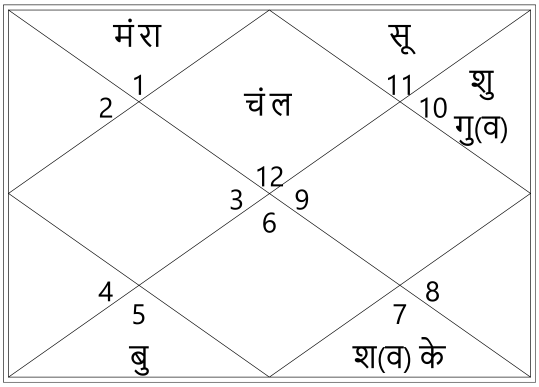


## जन्म कुण्डली

10 अगस्त 2019 17:42:23 घंटे Hyderabad, Andhra Pradesh, India

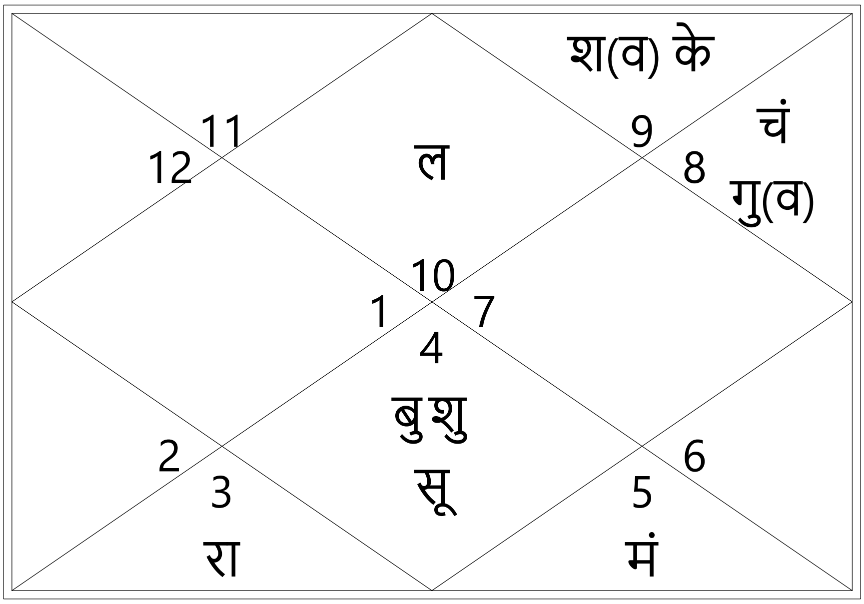


## पद कुण्डली

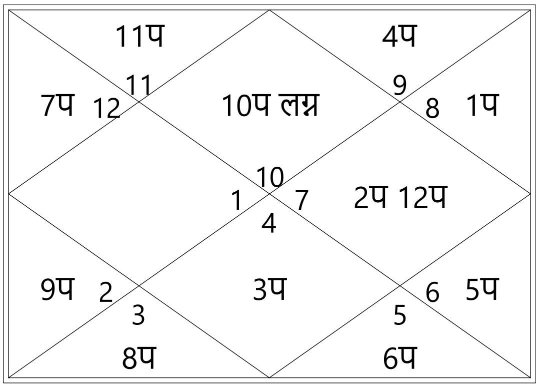


## कारकांश (जन्म कुण्डली में)

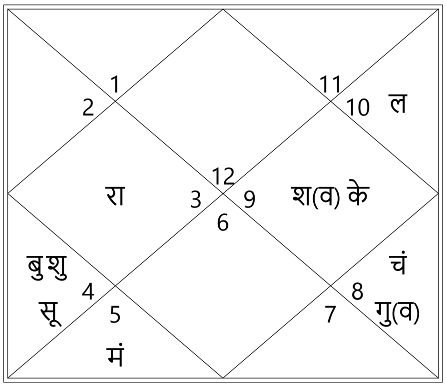


## स्वांश (कारकांश नवांश में)

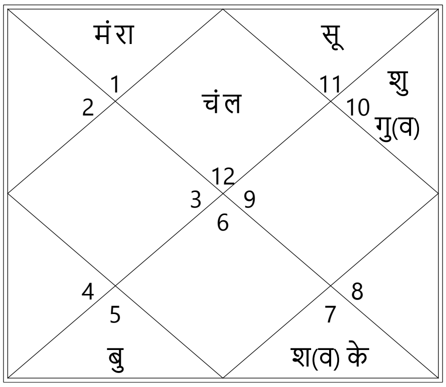


## उपपद लग्न कुण्डली

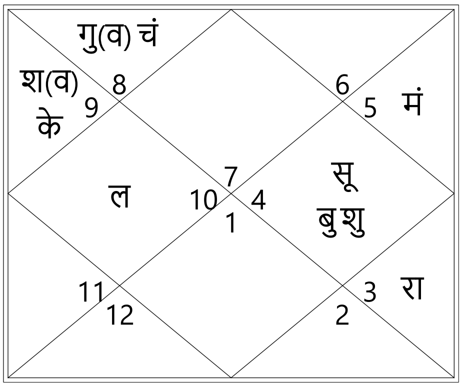


## जैमिनी दृष्टियां

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ श-रा-के
चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ सू-चं, सू-गु, बु-चं, बु-गु, शु-चं, शु-गु

## विशेष गणनाएं

| | | |
|---|---|---|
| जैमिनी होरा लग्न | : | धनु 27:52:46 |
| वर्णद लग्न | : | कुंभ |
| प्राणपद लग्न | : | मेष 18:09:07 |
| आरुढ़ लग्न | : | वृश्चिक |
| उपपद | : | तुला |
| दग्ध राशि | : | धनु,मीन |
| ब्रह्मा | : | गुरु |
| महेश्वर | : | शुक्र |
| रुद्र | : | चन्द्र |

# अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

## सूर्य

| सूर्य राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 8 |
| गुरु | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| सूर्य | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| शुक्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| बुध | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| लग्न | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| योग | 3 | 4 | 5 | 3 | 3 | 4 | 4 | 2 | 6 | 6 | 3 | 5 | 48 |

## सूर्य

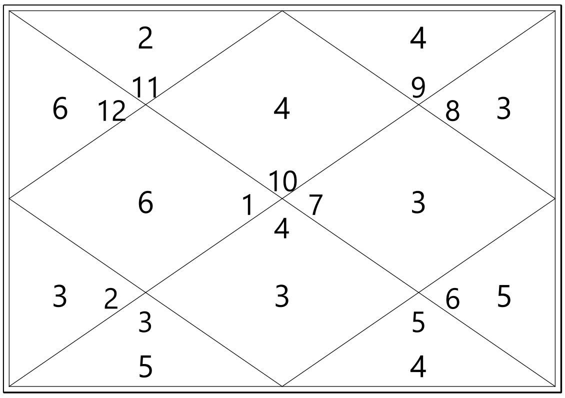


## चन्द्र

| चन्द्र राशि | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| गुरु | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| शुक्र | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| लग्न | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| योग | 5 | 2 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 2 | 6 | 6 | 49 |

## चन्द्र

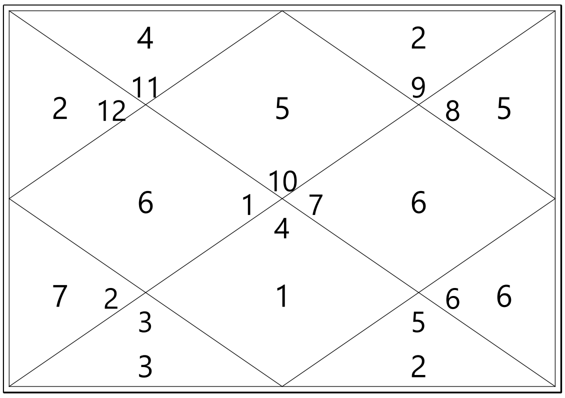


## मंगल

| मंगल राशि | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| शुक्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| योग | 3 | 6 | 3 | 4 | 4 | 2 | 2 | 3 | 3 | 4 | 4 | 1 | 39 |

## मंगल

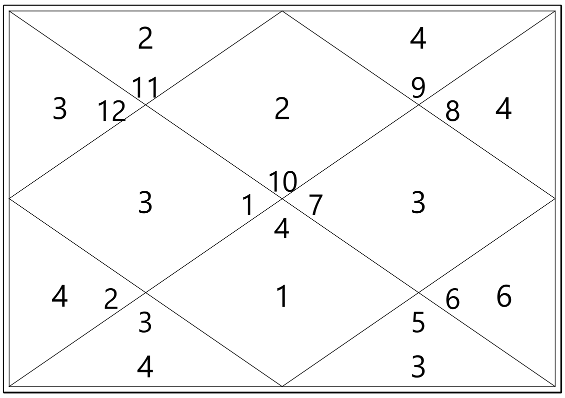


## बुध

| बुध राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 8 |
| गुरु | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| शुक्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 8 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| योग | 3 | 5 | 6 | 4 | 5 | 4 | 2 | 4 | 5 | 5 | 4 | 7 | 54 |

## बुध

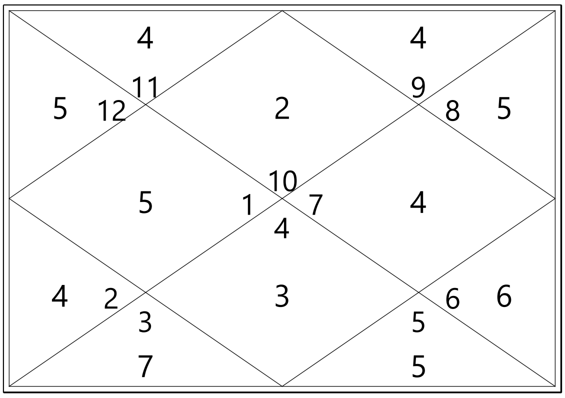


**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

## गुरु

| गुरु राशि | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| बुध | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| लग्न | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| योग | 6 | 4 | 3 | 5 | 5 | 5 | 8 | 3 | 4 | 5 | 5 | 3 | 56 |

## गुरु

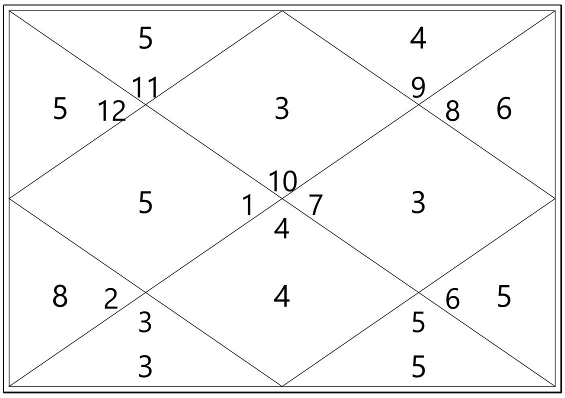


## शुक्र

| शुक्र राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 |
| शुक्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| बुध | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 9 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| योग | 5 | 4 | 6 | 4 | 4 | 3 | 3 | 5 | 6 | 4 | 4 | 4 | 52 |

## शुक्र

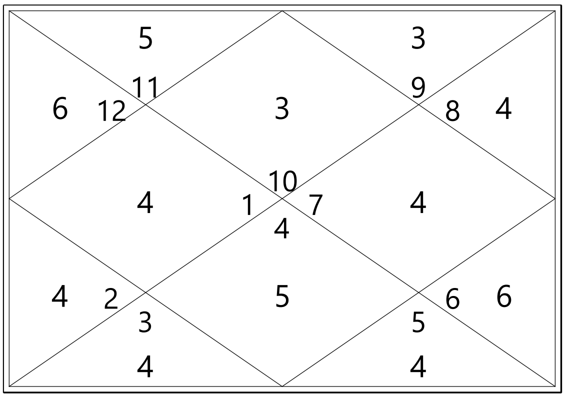


## शनि

| शनि राशि | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| गुरु | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 7 |
| शुक्र | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| योग | 3 | 4 | 3 | 3 | 6 | 5 | 4 | 2 | 1 | 2 | 5 | 1 | 39 |

## शनि

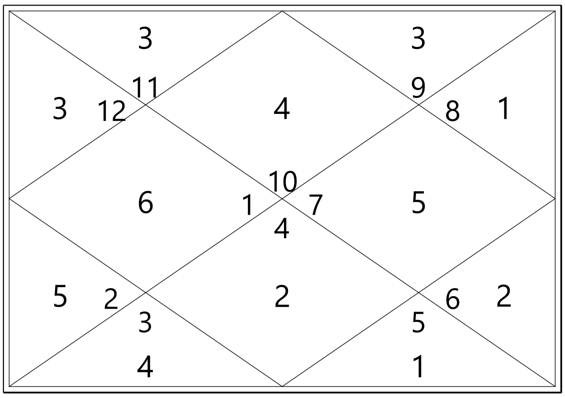


## लग्न

| लग्न राशि | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| गुरु | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| शुक्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| योग | 2 | 4 | 4 | 4 | 5 | 3 | 3 | 5 | 5 | 7 | 3 | 4 | 49 |

## लग्न

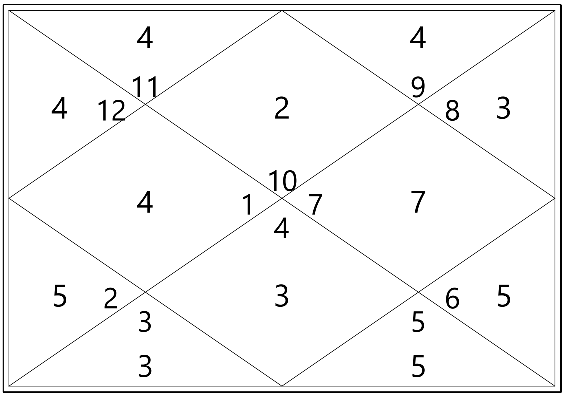

# अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

## सूर्य

| सूर्य राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 8 |
| गुरु | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| सूर्य | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| शुक्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| बुध | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| लग्न | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| योग | 3 | 4 | 5 | 3 | 3 | 4 | 4 | 2 | 6 | 6 | 3 | 5 | 48 |

## गुरु

| गुरु राशि | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| बुध | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| लग्न | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| योग | 6 | 4 | 3 | 5 | 5 | 5 | 8 | 3 | 4 | 5 | 5 | 3 | 56 |

## चन्द्र

| चन्द्र राशि | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| गुरु | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| शुक्र | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| लग्न | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| योग | 5 | 2 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 2 | 6 | 6 | 49 |

## शुक्र

| शुक्र राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 |
| शुक्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| बुध | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 9 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| योग | 5 | 4 | 6 | 4 | 4 | 3 | 3 | 5 | 6 | 4 | 4 | 4 | 52 |

## मंगल

| मंगल राशि | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| गुरु | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूर्य | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| शुक्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| योग | 3 | 6 | 3 | 4 | 4 | 2 | 2 | 3 | 3 | 4 | 4 | 1 | 39 |

## शनि

| शनि राशि | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| गुरु | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 7 |
| शुक्र | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| योग | 3 | 4 | 3 | 3 | 6 | 5 | 4 | 2 | 1 | 2 | 5 | 1 | 39 |

## बुध

| बुध राशि | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 8 |
| गुरु | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 5 |
| शुक्र | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 8 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| योग | 3 | 5 | 6 | 4 | 5 | 4 | 2 | 4 | 5 | 5 | 4 | 7 | 54 |

## लग्न

| लग्न राशि | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| गुरु | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 9 |
| मंगल | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| सूर्य | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| शुक्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| बुध | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| चन्द्र | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| योग | 2 | 4 | 4 | 4 | 5 | 3 | 3 | 5 | 5 | 7 | 3 | 4 | 49 |

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# कृष्णमूर्ति पद्धति

10 अगस्त 2019 • 17:42 घंटे • Hyderabad, Andhra Pradesh, India

| ग्रह | व/अ | राशि | अंश | नक्षत्र | चरण | रा.स्वा. | न.स्वा. | न.उप. | उप.उप. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मकर | 07:30:27 | उत्तराषाढ़ा | 4 | श | सू | के | गु |
| सूर्य | | कर्क | 22:35:08 | आश्लेषा | 2 | चं | बु | चं | गु |
| चन्द्र | | वृश्चिक | 27:15:48 | ज्येष्ठा | 4 | मं | बु | गु | शु |
| मंगल | (अ) | सिंह | 01:04:23 | मघा | 1 | सू | के | शु | शु |
| बुध | | कर्क | 04:34:27 | पुष्य | 1 | चं | श | श | चं |
| गुरु | (व) | वृश्चिक | 20:28:36 | ज्येष्ठा | 2 | मं | बु | शु | गु |
| शुक्र | (अ) | कर्क | 22:31:52 | आश्लेषा | 2 | चं | बु | चं | रा |
| शनि | (व) | धनु | 21:02:06 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | गु | शु | गु | शु |
| राहु | | मिथुन | 23:21:59 | पुनर्वसु | 2 | बु | गु | श | रा |
| केतु | | धनु | 23:21:59 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | गु | शु | श | मं |
| यूरेनस | | मेष | 12:35:03 | अश्विनी | 4 | मं | के | बु | रा |
| नेपच्यून | (व) | कुंभ | 24:04:41 | पूर्वाभाद्रपद | 2 | श | गु | बु | बु |
| प्लूटो | (व) | धनु | 27:14:14 | उत्तराषाढ़ा | 1 | गु | सू | सू | शु |

## जन्म कुण्डली

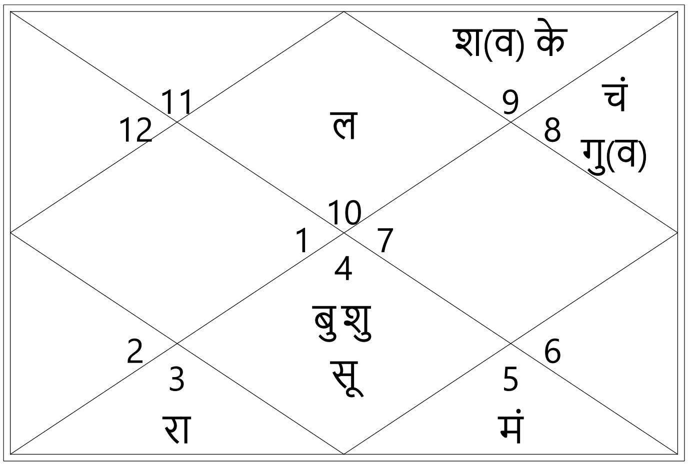


## कस्प कुण्डली

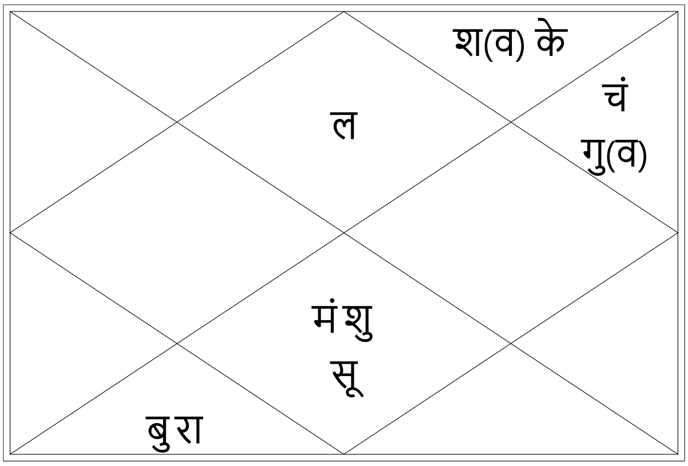


## भाव विवरण

| भाव कस्प | राशि | अंश | नक्षत्र | चरण | रा.स्वा. | न.स्वा. | न.उप. | उप.उप. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. प्रथम | मकर | 07:30:27 | उत्तराषाढ़ा | 4 | श | सू | के | गु |
| 2. द्वितीय | कुंभ | 12:33:37 | शतभिषा | 2 | श | रा | बु | बु |
| 3. तृतीय | मीन | 17:38:24 | रेवती | 1 | गु | बु | बु | मं |
| 4. चतुर्थ | मेष | 18:39:56 | भरणी | 2 | मं | शु | रा | गु |
| 5. पंचम | वृष | 15:29:03 | रोहिणी | 2 | शु | चं | गु | रा |
| 6. षष्ठ | मिथुन | 10:37:39 | आर्द्रा | 2 | बु | रा | श | श |
| 7. सप्तम | कर्क | 07:30:27 | पुष्य | 2 | चं | श | के | शु |
| 8. अष्टम | सिंह | 12:33:37 | मघा | 4 | सू | के | बु | रा |
| 9. नवम | कन्या | 17:38:24 | हस्त | 3 | बु | चं | श | गु |
| 10. दशम | तुला | 18:39:56 | स्वाति | 4 | शु | रा | चं | श |
| 11. एकादश | वृश्चिक | 15:29:03 | अनुराधा | 4 | मं | श | गु | बु |
| 12. द्वादश | धनु | 10:37:39 | मूल | 4 | गु | के | श | चं |

# कृष्णमूर्त्ति पद्धति

## भावों के कारक ग्रह

| भाव | भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह | भाव स्थित ग्रह | भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह | भाव कस्प स्वामी |
|---|---|---|---|---|
| 1. प्रथम | | | बु | श |
| 2. द्वितीय | | | बु | श |
| 3. तृतीय | | | रा | गु |
| 4. चतुर्थ | | | | मं |
| 5. पंचम | | | श,के | शु |
| 6. षष्ठ | सू,चं,गु,शु | बु,रा | सू,चं,गु,शु | बु |
| 7. सप्तम | श,के | सू,मं,शु | | चं |
| 8. अष्टम | | | | सू |
| 9. नवम | | | सू,चं,गु,शु | बु |
| 10. दशम | | | श,के | शु |
| 11. एकादश | रा | चं,गु | | मं |
| 12. द्वादश | बु,मं | श,के | रा | गु |

## ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

| ग्रह | ग्रहों से अभिप्राय भाव | | | |
|---|---|---|---|---|
| | अत्यधिक बली कारक | बली कारक | सामान्य कारक | निर्बल कारक |
| सूर्य | | 6 | 7 | 8 9 |
| चन्द्र | | 6 | 11 | 7 9 |
| मंगल | | | 7 12 | 4 11 |
| बुध | | 6 | 12 | 1 2 9 |
| गुरु | | 6 | 11 | 3 9 12 |
| शुक्र | | 6 | 7 | 5 9 10 |
| शनि | | | 7 12 | 1 2 5 10 |
| राहु | | | 6 11 | 3 12 |
| केतु | | | 7 12 | 5 10 |

## स्वामी ग्रह

| | | |
|---|---|---|
| वारेश | : | शनि |
| लग्नेश | : | शनि |
| लग्न नक्षत्र स्वामी | : | सूर्य |
| लग्न नक्षत्र उपस्वामी | : | केतु |
| चन्द्र राशि स्वामी | : | मंगल |
| चन्द्र नक्षत्र स्वामी | : | बुध |
| चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी | : | गुरु |

| | | |
|---|---|---|
| फॉरच्यूना | : | वृष 11:12:20 |
| भोग्य दशा | : | बुध 3व.-5म.-25दि. |
| के.पी. आयनांश | : | -24:01:48 |

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**बुध** महादशा : 10-08-2019 से 22-03-2023

आयु : 0व 0म से 3व 7म

## बुध-बुध

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |

## बुध-केतु

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |

## बुध-शुक्र

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |

## बुध-सूर्य

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |

## बुध-चन्द्र

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |

## बुध-मंगल

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | | - |
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |

## बुध-राहु

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | | - |
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | | - |
| सूर्य | | - |
| चन्द्र | | - |
| मंगल | | - |

## बुध-गुरु

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | | - |
| शनि | | - |
| बुध | | - |
| केतु | | - |
| शुक्र | 10-08-2019 | - 03-10-2019 |
| सूर्य | 03-10-2019 | - 13-11-2019 |
| चन्द्र | 13-11-2019 | - 21-01-2020 |
| मंगल | 21-01-2020 | - 09-03-2020 |
| राहु | 09-03-2020 | - 12-07-2020 |

## बुध-शनि

0व11म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 12-07-2020 | - 14-12-2020 |
| बुध | 14-12-2020 | - 02-05-2021 |
| केतु | 02-05-2021 | - 29-06-2021 |
| शुक्र | 29-06-2021 | - 10-12-2021 |
| सूर्य | 10-12-2021 | - 28-01-2022 |
| चन्द्र | 28-01-2022 | - 20-04-2022 |
| मंगल | 20-04-2022 | - 16-06-2022 |
| राहु | 16-06-2022 | - 11-11-2022 |
| गुरु | 11-11-2022 | - 22-03-2023 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**केतु** महादशा : 22-03-2023 से 21-03-2030

आयु : 3व 7म से 10व 7म

## केतु-केतु 3व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | 22-03-2023 | 30-03-2023 |
| शुक्र | 30-03-2023 | 24-04-2023 |
| सूर्य | 24-04-2023 | 02-05-2023 |
| चन्द्र | 02-05-2023 | 14-05-2023 |
| मंगल | 14-05-2023 | 23-05-2023 |
| राहु | 23-05-2023 | 14-06-2023 |
| गुरु | 14-06-2023 | 04-07-2023 |
| शनि | 04-07-2023 | 28-07-2023 |
| बुध | 28-07-2023 | 18-08-2023 |

## केतु-शुक्र 4व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | 18-08-2023 | 28-10-2023 |
| सूर्य | 28-10-2023 | 18-11-2023 |
| चन्द्र | 18-11-2023 | 24-12-2023 |
| मंगल | 24-12-2023 | 17-01-2024 |
| राहु | 17-01-2024 | 21-03-2024 |
| गुरु | 21-03-2024 | 17-05-2024 |
| शनि | 17-05-2024 | 24-07-2024 |
| बुध | 24-07-2024 | 22-09-2024 |
| केतु | 22-09-2024 | 17-10-2024 |

## केतु-सूर्य 5व2म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | 17-10-2024 | 23-10-2024 |
| चन्द्र | 23-10-2024 | 03-11-2024 |
| मंगल | 03-11-2024 | 10-11-2024 |
| राहु | 10-11-2024 | 30-11-2024 |
| गुरु | 30-11-2024 | 17-12-2024 |
| शनि | 17-12-2024 | 06-01-2025 |
| बुध | 06-01-2025 | 24-01-2025 |
| केतु | 24-01-2025 | 31-01-2025 |
| शुक्र | 31-01-2025 | 22-02-2025 |

## केतु-चन्द्र 5व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | 22-02-2025 | 11-03-2025 |
| मंगल | 11-03-2025 | 24-03-2025 |
| राहु | 24-03-2025 | 25-04-2025 |
| गुरु | 25-04-2025 | 23-05-2025 |
| शनि | 23-05-2025 | 26-06-2025 |
| बुध | 26-06-2025 | 26-07-2025 |
| केतु | 26-07-2025 | 08-08-2025 |
| शुक्र | 08-08-2025 | 12-09-2025 |
| सूर्य | 12-09-2025 | 23-09-2025 |

## केतु-मंगल 6व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | 23-09-2025 | 01-10-2025 |
| राहु | 01-10-2025 | 24-10-2025 |
| गुरु | 24-10-2025 | 13-11-2025 |
| शनि | 13-11-2025 | 06-12-2025 |
| बुध | 06-12-2025 | 27-12-2025 |
| केतु | 27-12-2025 | 05-01-2026 |
| शुक्र | 05-01-2026 | 30-01-2026 |
| सूर्य | 30-01-2026 | 06-02-2026 |
| चन्द्र | 06-02-2026 | 19-02-2026 |

## केतु-राहु 6व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | 19-02-2026 | 17-04-2026 |
| गुरु | 17-04-2026 | 08-06-2026 |
| शनि | 08-06-2026 | 07-08-2026 |
| बुध | 07-08-2026 | 01-10-2026 |
| केतु | 01-10-2026 | 23-10-2026 |
| शुक्र | 23-10-2026 | 26-12-2026 |
| सूर्य | 26-12-2026 | 14-01-2027 |
| चन्द्र | 14-01-2027 | 15-02-2027 |
| मंगल | 15-02-2027 | 09-03-2027 |

## केतु-गुरु 7व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | 09-03-2027 | 24-04-2027 |
| शनि | 24-04-2027 | 17-06-2027 |
| बुध | 17-06-2027 | 04-08-2027 |
| केतु | 04-08-2027 | 24-08-2027 |
| शुक्र | 24-08-2027 | 20-10-2027 |
| सूर्य | 20-10-2027 | 06-11-2027 |
| चन्द्र | 06-11-2027 | 04-12-2027 |
| मंगल | 04-12-2027 | 24-12-2027 |
| राहु | 24-12-2027 | 13-02-2028 |

## केतु-शनि 8व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 13-02-2028 | 17-04-2028 |
| बुध | 17-04-2028 | 14-06-2028 |
| केतु | 14-06-2028 | 07-07-2028 |
| शुक्र | 07-07-2028 | 13-09-2028 |
| सूर्य | 13-09-2028 | 03-10-2028 |
| चन्द्र | 03-10-2028 | 06-11-2028 |
| मंगल | 06-11-2028 | 29-11-2028 |
| राहु | 29-11-2028 | 29-01-2029 |
| गुरु | 29-01-2029 | 24-03-2029 |

## केतु-बुध 9व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | 24-03-2029 | 14-05-2029 |
| केतु | 14-05-2029 | 05-06-2029 |
| शुक्र | 05-06-2029 | 04-08-2029 |
| सूर्य | 04-08-2029 | 22-08-2029 |
| चन्द्र | 22-08-2029 | 21-09-2029 |
| मंगल | 21-09-2029 | 12-10-2029 |
| राहु | 12-10-2029 | 06-12-2029 |
| गुरु | 06-12-2029 | 23-01-2030 |
| शनि | 23-01-2030 | 21-03-2030 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**शुक्र** महादशा : 21-03-2030 से 21-03-2050

आयु : 10व 7म से 30व 7म

### शुक्र-शुक्र 10व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | 21-03-2030 | 10-10-2030 |
| सूर्य | 10-10-2030 | 10-12-2030 |
| चन्द्र | 10-12-2030 | 22-03-2031 |
| मंगल | 22-03-2031 | 01-06-2031 |
| राहु | 01-06-2031 | 30-11-2031 |
| गुरु | 30-11-2031 | 11-05-2032 |
| शनि | 11-05-2032 | 19-11-2032 |
| बुध | 19-11-2032 | 11-05-2033 |
| केतु | 11-05-2033 | 21-07-2033 |

### शुक्र-सूर्य 13व11म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | 21-07-2033 | 08-08-2033 |
| चन्द्र | 08-08-2033 | 07-09-2033 |
| मंगल | 07-09-2033 | 29-09-2033 |
| राहु | 29-09-2033 | 23-11-2033 |
| गुरु | 23-11-2033 | 10-01-2034 |
| शनि | 10-01-2034 | 09-03-2034 |
| बुध | 09-03-2034 | 30-04-2034 |
| केतु | 30-04-2034 | 21-05-2034 |
| शुक्र | 21-05-2034 | 21-07-2034 |

### शुक्र-चन्द्र 14व11म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | 21-07-2034 | 10-09-2034 |
| मंगल | 10-09-2034 | 15-10-2034 |
| राहु | 15-10-2034 | 15-01-2035 |
| गुरु | 15-01-2035 | 06-04-2035 |
| शनि | 06-04-2035 | 11-07-2035 |
| बुध | 11-07-2035 | 05-10-2035 |
| केतु | 05-10-2035 | 10-11-2035 |
| शुक्र | 10-11-2035 | 19-02-2036 |
| सूर्य | 19-02-2036 | 21-03-2036 |

### शुक्र-मंगल 16व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | 21-03-2036 | 15-04-2036 |
| राहु | 15-04-2036 | 18-06-2036 |
| गुरु | 18-06-2036 | 13-08-2036 |
| शनि | 13-08-2036 | 20-10-2036 |
| बुध | 20-10-2036 | 19-12-2036 |
| केतु | 19-12-2036 | 13-01-2037 |
| शुक्र | 13-01-2037 | 25-03-2037 |
| सूर्य | 25-03-2037 | 15-04-2037 |
| चन्द्र | 15-04-2037 | 21-05-2037 |

### शुक्र-राहु 17व9म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | 21-05-2037 | 01-11-2037 |
| गुरु | 01-11-2037 | 27-03-2038 |
| शनि | 27-03-2038 | 17-09-2038 |
| बुध | 17-09-2038 | 19-02-2039 |
| केतु | 19-02-2039 | 24-04-2039 |
| शुक्र | 24-04-2039 | 24-10-2039 |
| सूर्य | 24-10-2039 | 17-12-2039 |
| चन्द्र | 17-12-2039 | 18-03-2040 |
| मंगल | 18-03-2040 | 21-05-2040 |

### शुक्र-गुरु 20व9म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | 21-05-2040 | 27-09-2040 |
| शनि | 27-09-2040 | 01-03-2041 |
| बुध | 01-03-2041 | 17-07-2041 |
| केतु | 17-07-2041 | 11-09-2041 |
| शुक्र | 11-09-2041 | 21-02-2042 |
| सूर्य | 21-02-2042 | 11-04-2042 |
| चन्द्र | 11-04-2042 | 01-07-2042 |
| मंगल | 01-07-2042 | 26-08-2042 |
| राहु | 26-08-2042 | 20-01-2043 |

### शुक्र-शनि 23व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 20-01-2043 | 22-07-2043 |
| बुध | 22-07-2043 | 02-01-2044 |
| केतु | 02-01-2044 | 09-03-2044 |
| शुक्र | 09-03-2044 | 18-09-2044 |
| सूर्य | 18-09-2044 | 15-11-2044 |
| चन्द्र | 15-11-2044 | 19-02-2045 |
| मंगल | 19-02-2045 | 27-04-2045 |
| राहु | 27-04-2045 | 18-10-2045 |
| गुरु | 18-10-2045 | 21-03-2046 |

### शुक्र-बुध 26व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | 21-03-2046 | 15-08-2046 |
| केतु | 15-08-2046 | 14-10-2046 |
| शुक्र | 14-10-2046 | 05-04-2047 |
| सूर्य | 05-04-2047 | 26-05-2047 |
| चन्द्र | 26-05-2047 | 21-08-2047 |
| मंगल | 21-08-2047 | 20-10-2047 |
| राहु | 20-10-2047 | 23-03-2048 |
| गुरु | 23-03-2048 | 08-08-2048 |
| शनि | 08-08-2048 | 19-01-2049 |

### शुक्र-केतु 29व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | 19-01-2049 | 13-02-2049 |
| शुक्र | 13-02-2049 | 25-04-2049 |
| सूर्य | 25-04-2049 | 16-05-2049 |
| चन्द्र | 16-05-2049 | 21-06-2049 |
| मंगल | 21-06-2049 | 16-07-2049 |
| राहु | 16-07-2049 | 18-09-2049 |
| गुरु | 18-09-2049 | 13-11-2049 |
| शनि | 13-11-2049 | 20-01-2050 |
| बुध | 20-01-2050 | 21-03-2050 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**सूर्य** महादशा : 21-03-2050 से 21-03-2056
आयु : 30व 7म से 36व 7म

## सूर्य-सूर्य 30व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| सूर्य | 21-03-2050 - 27-03-2050 |
| चन्द्र | 27-03-2050 - 05-04-2050 |
| मंगल | 05-04-2050 - 11-04-2050 |
| राहु | 11-04-2050 - 28-04-2050 |
| गुरु | 28-04-2050 - 12-05-2050 |
| शनि | 12-05-2050 - 30-05-2050 |
| बुध | 30-05-2050 - 14-06-2050 |
| केतु | 14-06-2050 - 20-06-2050 |
| शुक्र | 20-06-2050 - 09-07-2050 |

## सूर्य-चन्द्र 30व10म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| चन्द्र | 09-07-2050 - 24-07-2050 |
| मंगल | 24-07-2050 - 04-08-2050 |
| राहु | 04-08-2050 - 31-08-2050 |
| गुरु | 31-08-2050 - 24-09-2050 |
| शनि | 24-09-2050 - 23-10-2050 |
| बुध | 23-10-2050 - 18-11-2050 |
| केतु | 18-11-2050 - 29-11-2050 |
| शुक्र | 29-11-2050 - 29-12-2050 |
| सूर्य | 29-12-2050 - 07-01-2051 |

## सूर्य-मंगल 31व4म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| मंगल | 07-01-2051 - 15-01-2051 |
| राहु | 15-01-2051 - 03-02-2051 |
| गुरु | 03-02-2051 - 20-02-2051 |
| शनि | 20-02-2051 - 12-03-2051 |
| बुध | 12-03-2051 - 30-03-2051 |
| केतु | 30-03-2051 - 07-04-2051 |
| शुक्र | 07-04-2051 - 28-04-2051 |
| सूर्य | 28-04-2051 - 05-05-2051 |
| चन्द्र | 05-05-2051 - 15-05-2051 |

## सूर्य-राहु 31व9म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| राहु | 15-05-2051 - 03-07-2051 |
| गुरु | 03-07-2051 - 16-08-2051 |
| शनि | 16-08-2051 - 07-10-2051 |
| बुध | 07-10-2051 - 23-11-2051 |
| केतु | 23-11-2051 - 12-12-2051 |
| शुक्र | 12-12-2051 - 05-02-2052 |
| सूर्य | 05-02-2052 - 21-02-2052 |
| चन्द्र | 21-02-2052 - 20-03-2052 |
| मंगल | 20-03-2052 - 08-04-2052 |

## सूर्य-गुरु 32व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| गुरु | 08-04-2052 - 17-05-2052 |
| शनि | 17-05-2052 - 02-07-2052 |
| बुध | 02-07-2052 - 13-08-2052 |
| केतु | 13-08-2052 - 30-08-2052 |
| शुक्र | 30-08-2052 - 17-10-2052 |
| सूर्य | 17-10-2052 - 01-11-2052 |
| चन्द्र | 01-11-2052 - 25-11-2052 |
| मंगल | 25-11-2052 - 12-12-2052 |
| राहु | 12-12-2052 - 25-01-2053 |

## सूर्य-शनि 33व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शनि | 25-01-2053 - 21-03-2053 |
| बुध | 21-03-2053 - 09-05-2053 |
| केतु | 09-05-2053 - 29-05-2053 |
| शुक्र | 29-05-2053 - 26-07-2053 |
| सूर्य | 26-07-2053 - 13-08-2053 |
| चन्द्र | 13-08-2053 - 11-09-2053 |
| मंगल | 11-09-2053 - 01-10-2053 |
| राहु | 01-10-2053 - 22-11-2053 |
| गुरु | 22-11-2053 - 07-01-2054 |

## सूर्य-बुध 34व4म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| बुध | 07-01-2054 - 20-02-2054 |
| केतु | 20-02-2054 - 10-03-2054 |
| शुक्र | 10-03-2054 - 01-05-2054 |
| सूर्य | 01-05-2054 - 16-05-2054 |
| चन्द्र | 16-05-2054 - 11-06-2054 |
| मंगल | 11-06-2054 - 29-06-2054 |
| राहु | 29-06-2054 - 15-08-2054 |
| गुरु | 15-08-2054 - 25-09-2054 |
| शनि | 25-09-2054 - 14-11-2054 |

## सूर्य-केतु 35व3म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| केतु | 14-11-2054 - 21-11-2054 |
| शुक्र | 21-11-2054 - 12-12-2054 |
| सूर्य | 12-12-2054 - 19-12-2054 |
| चन्द्र | 19-12-2054 - 29-12-2054 |
| मंगल | 29-12-2054 - 06-01-2055 |
| राहु | 06-01-2055 - 25-01-2055 |
| गुरु | 25-01-2055 - 11-02-2055 |
| शनि | 11-02-2055 - 03-03-2055 |
| बुध | 03-03-2055 - 21-03-2055 |

## सूर्य-शुक्र 35व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शुक्र | 21-03-2055 - 21-05-2055 |
| सूर्य | 21-05-2055 - 08-06-2055 |
| चन्द्र | 08-06-2055 - 09-07-2055 |
| मंगल | 09-07-2055 - 30-07-2055 |
| राहु | 30-07-2055 - 23-09-2055 |
| गुरु | 23-09-2055 - 11-11-2055 |
| शनि | 11-11-2055 - 08-01-2056 |
| बुध | 08-01-2056 - 28-02-2056 |
| केतु | 28-02-2056 - 21-03-2056 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**चन्द्र** महादशा : 21-03-2056 से 21-03-2066

आयु : 36व 7म से 46व 7म

### चन्द्र-चन्द्र 36व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | 21-03-2056 | 15-04-2056 |
| मंगल | 15-04-2056 | 03-05-2056 |
| राहु | 03-05-2056 | 17-06-2056 |
| गुरु | 17-06-2056 | 28-07-2056 |
| शनि | 28-07-2056 | 14-09-2056 |
| बुध | 14-09-2056 | 27-10-2056 |
| केतु | 27-10-2056 | 14-11-2056 |
| शुक्र | 14-11-2056 | 04-01-2057 |
| सूर्य | 04-01-2057 | 19-01-2057 |

### चन्द्र-मंगल 37व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | 19-01-2057 | 31-01-2057 |
| राहु | 31-01-2057 | 04-03-2057 |
| गुरु | 04-03-2057 | 02-04-2057 |
| शनि | 02-04-2057 | 06-05-2057 |
| बुध | 06-05-2057 | 05-06-2057 |
| केतु | 05-06-2057 | 17-06-2057 |
| शुक्र | 17-06-2057 | 23-07-2057 |
| सूर्य | 23-07-2057 | 02-08-2057 |
| चन्द्र | 02-08-2057 | 20-08-2057 |

### चन्द्र-राहु 38व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | 20-08-2057 | 10-11-2057 |
| गुरु | 10-11-2057 | 22-01-2058 |
| शनि | 22-01-2058 | 19-04-2058 |
| बुध | 19-04-2058 | 06-07-2058 |
| केतु | 06-07-2058 | 07-08-2058 |
| शुक्र | 07-08-2058 | 06-11-2058 |
| सूर्य | 06-11-2058 | 03-12-2058 |
| चन्द्र | 03-12-2058 | 18-01-2059 |
| मंगल | 18-01-2059 | 19-02-2059 |

### चन्द्र-गुरु 39व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | 19-02-2059 | 25-04-2059 |
| शनि | 25-04-2059 | 11-07-2059 |
| बुध | 11-07-2059 | 18-09-2059 |
| केतु | 18-09-2059 | 16-10-2059 |
| शुक्र | 16-10-2059 | 05-01-2060 |
| सूर्य | 05-01-2060 | 30-01-2060 |
| चन्द्र | 30-01-2060 | 10-03-2060 |
| मंगल | 10-03-2060 | 08-04-2060 |
| राहु | 08-04-2060 | 20-06-2060 |

### चन्द्र-शनि 40व10म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 20-06-2060 | 19-09-2060 |
| बुध | 19-09-2060 | 10-12-2060 |
| केतु | 10-12-2060 | 13-01-2061 |
| शुक्र | 13-01-2061 | 19-04-2061 |
| सूर्य | 19-04-2061 | 18-05-2061 |
| चन्द्र | 18-05-2061 | 06-07-2061 |
| मंगल | 06-07-2061 | 08-08-2061 |
| राहु | 08-08-2061 | 03-11-2061 |
| गुरु | 03-11-2061 | 19-01-2062 |

### चन्द्र-बुध 42व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | 19-01-2062 | 02-04-2062 |
| केतु | 02-04-2062 | 03-05-2062 |
| शुक्र | 03-05-2062 | 28-07-2062 |
| सूर्य | 28-07-2062 | 23-08-2062 |
| चन्द्र | 23-08-2062 | 05-10-2062 |
| मंगल | 05-10-2062 | 04-11-2062 |
| राहु | 04-11-2062 | 21-01-2063 |
| गुरु | 21-01-2063 | 31-03-2063 |
| शनि | 31-03-2063 | 21-06-2063 |

### चन्द्र-केतु 43व10म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | 21-06-2063 | 03-07-2063 |
| शुक्र | 03-07-2063 | 08-08-2063 |
| सूर्य | 08-08-2063 | 18-08-2063 |
| चन्द्र | 18-08-2063 | 05-09-2063 |
| मंगल | 05-09-2063 | 17-09-2063 |
| राहु | 17-09-2063 | 19-10-2063 |
| गुरु | 19-10-2063 | 17-11-2063 |
| शनि | 17-11-2063 | 20-12-2063 |
| बुध | 20-12-2063 | 20-01-2064 |

### चन्द्र-शुक्र 44व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | 20-01-2064 | 30-04-2064 |
| सूर्य | 30-04-2064 | 31-05-2064 |
| चन्द्र | 31-05-2064 | 20-07-2064 |
| मंगल | 20-07-2064 | 25-08-2064 |
| राहु | 25-08-2064 | 24-11-2064 |
| गुरु | 24-11-2064 | 13-02-2065 |
| शनि | 13-02-2065 | 21-05-2065 |
| बुध | 21-05-2065 | 15-08-2065 |
| केतु | 15-08-2065 | 19-09-2065 |

### चन्द्र-सूर्य 46व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | 19-09-2065 | 29-09-2065 |
| चन्द्र | 29-09-2065 | 14-10-2065 |
| मंगल | 14-10-2065 | 24-10-2065 |
| राहु | 24-10-2065 | 21-11-2065 |
| गुरु | 21-11-2065 | 15-12-2065 |
| शनि | 15-12-2065 | 13-01-2066 |
| बुध | 13-01-2066 | 08-02-2066 |
| केतु | 08-02-2066 | 19-02-2066 |
| शुक्र | 19-02-2066 | 21-03-2066 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**मंगल** महादशा : 21-03-2066 से 21-03-2073

आयु : 46व 7म से 53व 7म

## मंगल-मंगल 46व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | 21-03-2066 | 30-03-2066 |
| राहु | 30-03-2066 | 21-04-2066 |
| गुरु | 21-04-2066 | 11-05-2066 |
| शनि | 11-05-2066 | 04-06-2066 |
| बुध | 04-06-2066 | 25-06-2066 |
| केतु | 25-06-2066 | 03-07-2066 |
| शुक्र | 03-07-2066 | 28-07-2066 |
| सूर्य | 28-07-2066 | 05-08-2066 |
| चन्द्र | 05-08-2066 | 17-08-2066 |

## मंगल-राहु 47व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | 17-08-2066 | 14-10-2066 |
| गुरु | 14-10-2066 | 04-12-2066 |
| शनि | 04-12-2066 | 03-02-2067 |
| बुध | 03-02-2067 | 29-03-2067 |
| केतु | 29-03-2067 | 20-04-2067 |
| शुक्र | 20-04-2067 | 23-06-2067 |
| सूर्य | 23-06-2067 | 12-07-2067 |
| चन्द्र | 12-07-2067 | 13-08-2067 |
| मंगल | 13-08-2067 | 05-09-2067 |

## मंगल-गुरु 48व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | 05-09-2067 | 20-10-2067 |
| शनि | 20-10-2067 | 13-12-2067 |
| बुध | 13-12-2067 | 30-01-2068 |
| केतु | 30-01-2068 | 19-02-2068 |
| शुक्र | 19-02-2068 | 16-04-2068 |
| सूर्य | 16-04-2068 | 03-05-2068 |
| चन्द्र | 03-05-2068 | 01-06-2068 |
| मंगल | 01-06-2068 | 20-06-2068 |
| राहु | 20-06-2068 | 11-08-2068 |

## मंगल-शनि 49व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 11-08-2068 | 14-10-2068 |
| बुध | 14-10-2068 | 10-12-2068 |
| केतु | 10-12-2068 | 03-01-2069 |
| शुक्र | 03-01-2069 | 11-03-2069 |
| सूर्य | 11-03-2069 | 31-03-2069 |
| चन्द्र | 31-03-2069 | 04-05-2069 |
| मंगल | 04-05-2069 | 28-05-2069 |
| राहु | 28-05-2069 | 27-07-2069 |
| गुरु | 27-07-2069 | 19-09-2069 |

## मंगल-बुध 50व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | 19-09-2069 | 10-11-2069 |
| केतु | 10-11-2069 | 01-12-2069 |
| शुक्र | 01-12-2069 | 30-01-2070 |
| सूर्य | 30-01-2070 | 17-02-2070 |
| चन्द्र | 17-02-2070 | 19-03-2070 |
| मंगल | 19-03-2070 | 10-04-2070 |
| राहु | 10-04-2070 | 03-06-2070 |
| गुरु | 03-06-2070 | 21-07-2070 |
| शनि | 21-07-2070 | 17-09-2070 |

## मंगल-केतु 51व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | 17-09-2070 | 25-09-2070 |
| शुक्र | 25-09-2070 | 20-10-2070 |
| सूर्य | 20-10-2070 | 28-10-2070 |
| चन्द्र | 28-10-2070 | 09-11-2070 |
| मंगल | 09-11-2070 | 18-11-2070 |
| राहु | 18-11-2070 | 10-12-2070 |
| गुरु | 10-12-2070 | 30-12-2070 |
| शनि | 30-12-2070 | 23-01-2071 |
| बुध | 23-01-2071 | 13-02-2071 |

## मंगल-शुक्र 51व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | 13-02-2071 | 25-04-2071 |
| सूर्य | 25-04-2071 | 16-05-2071 |
| चन्द्र | 16-05-2071 | 21-06-2071 |
| मंगल | 21-06-2071 | 15-07-2071 |
| राहु | 15-07-2071 | 17-09-2071 |
| गुरु | 17-09-2071 | 13-11-2071 |
| शनि | 13-11-2071 | 20-01-2072 |
| बुध | 20-01-2072 | 20-03-2072 |
| केतु | 20-03-2072 | 14-04-2072 |

## मंगल-सूर्य 52व8म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | 14-04-2072 | 20-04-2072 |
| चन्द्र | 20-04-2072 | 01-05-2072 |
| मंगल | 01-05-2072 | 08-05-2072 |
| राहु | 08-05-2072 | 28-05-2072 |
| गुरु | 28-05-2072 | 14-06-2072 |
| शनि | 14-06-2072 | 04-07-2072 |
| बुध | 04-07-2072 | 22-07-2072 |
| केतु | 22-07-2072 | 29-07-2072 |
| शुक्र | 29-07-2072 | 20-08-2072 |

## मंगल-चन्द्र 53व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | 20-08-2072 | 06-09-2072 |
| मंगल | 06-09-2072 | 19-09-2072 |
| राहु | 19-09-2072 | 21-10-2072 |
| गुरु | 21-10-2072 | 18-11-2072 |
| शनि | 18-11-2072 | 22-12-2072 |
| बुध | 22-12-2072 | 21-01-2073 |
| केतु | 21-01-2073 | 03-02-2073 |
| शुक्र | 03-02-2073 | 10-03-2073 |
| सूर्य | 10-03-2073 | 21-03-2073 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**राहु** महादशा : 21-03-2073 से 21-03-2091
आयु : 53व 7म से 71व 7म

## राहु-राहु 53व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| राहु | 21-03-2073 - 16-08-2073 |
| गुरु | 16-08-2073 - 25-12-2073 |
| शनि | 25-12-2073 - 30-05-2074 |
| बुध | 30-05-2074 - 17-10-2074 |
| केतु | 17-10-2074 - 14-12-2074 |
| शुक्र | 14-12-2074 - 27-05-2075 |
| सूर्य | 27-05-2075 - 15-07-2075 |
| चन्द्र | 15-07-2075 - 05-10-2075 |
| मंगल | 05-10-2075 - 02-12-2075 |

## राहु-गुरु 56व3म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| गुरु | 02-12-2075 - 28-03-2076 |
| शनि | 28-03-2076 - 14-08-2076 |
| बुध | 14-08-2076 - 16-12-2076 |
| केतु | 16-12-2076 - 05-02-2077 |
| शुक्र | 05-02-2077 - 01-07-2077 |
| सूर्य | 01-07-2077 - 14-08-2077 |
| चन्द्र | 14-08-2077 - 26-10-2077 |
| मंगल | 26-10-2077 - 16-12-2077 |
| राहु | 16-12-2077 - 26-04-2078 |

## राहु-शनि 58व8म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शनि | 26-04-2078 - 08-10-2078 |
| बुध | 08-10-2078 - 05-03-2079 |
| केतु | 05-03-2079 - 04-05-2079 |
| शुक्र | 04-05-2079 - 25-10-2079 |
| सूर्य | 25-10-2079 - 16-12-2079 |
| चन्द्र | 16-12-2079 - 12-03-2080 |
| मंगल | 12-03-2080 - 11-05-2080 |
| राहु | 11-05-2080 - 15-10-2080 |
| गुरु | 15-10-2080 - 02-03-2081 |

## राहु-बुध 61व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| बुध | 02-03-2081 - 12-07-2081 |
| केतु | 12-07-2081 - 05-09-2081 |
| शुक्र | 05-09-2081 - 07-02-2082 |
| सूर्य | 07-02-2082 - 25-03-2082 |
| चन्द्र | 25-03-2082 - 11-06-2082 |
| मंगल | 11-06-2082 - 04-08-2082 |
| राहु | 04-08-2082 - 22-12-2082 |
| गुरु | 22-12-2082 - 25-04-2083 |
| शनि | 25-04-2083 - 20-09-2083 |

## राहु-केतु 64व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| केतु | 20-09-2083 - 12-10-2083 |
| शुक्र | 12-10-2083 - 15-12-2083 |
| सूर्य | 15-12-2083 - 03-01-2084 |
| चन्द्र | 03-01-2084 - 04-02-2084 |
| मंगल | 04-02-2084 - 27-02-2084 |
| राहु | 27-02-2084 - 24-04-2084 |
| गुरु | 24-04-2084 - 14-06-2084 |
| शनि | 14-06-2084 - 14-08-2084 |
| बुध | 14-08-2084 - 07-10-2084 |

## राहु-शुक्र 65व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शुक्र | 07-10-2084 - 08-04-2085 |
| सूर्य | 08-04-2085 - 02-06-2085 |
| चन्द्र | 02-06-2085 - 01-09-2085 |
| मंगल | 01-09-2085 - 04-11-2085 |
| राहु | 04-11-2085 - 17-04-2086 |
| गुरु | 17-04-2086 - 10-09-2086 |
| शनि | 10-09-2086 - 03-03-2087 |
| बुध | 03-03-2087 - 05-08-2087 |
| केतु | 05-08-2087 - 08-10-2087 |

## राहु-सूर्य 68व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| सूर्य | 08-10-2087 - 24-10-2087 |
| चन्द्र | 24-10-2087 - 21-11-2087 |
| मंगल | 21-11-2087 - 10-12-2087 |
| राहु | 10-12-2087 - 28-01-2088 |
| गुरु | 28-01-2088 - 12-03-2088 |
| शनि | 12-03-2088 - 03-05-2088 |
| बुध | 03-05-2088 - 19-06-2088 |
| केतु | 19-06-2088 - 08-07-2088 |
| शुक्र | 08-07-2088 - 01-09-2088 |

## राहु-चन्द्र 69व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| चन्द्र | 01-09-2088 - 16-10-2088 |
| मंगल | 16-10-2088 - 17-11-2088 |
| राहु | 17-11-2088 - 08-02-2089 |
| गुरु | 08-02-2089 - 22-04-2089 |
| शनि | 22-04-2089 - 17-07-2089 |
| बुध | 17-07-2089 - 03-10-2089 |
| केतु | 03-10-2089 - 04-11-2089 |
| शुक्र | 04-11-2089 - 03-02-2090 |
| सूर्य | 03-02-2090 - 03-03-2090 |

## राहु-मंगल 70व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| मंगल | 03-03-2090 - 25-03-2090 |
| राहु | 25-03-2090 - 21-05-2090 |
| गुरु | 21-05-2090 - 12-07-2090 |
| शनि | 12-07-2090 - 10-09-2090 |
| बुध | 10-09-2090 - 04-11-2090 |
| केतु | 04-11-2090 - 26-11-2090 |
| शुक्र | 26-11-2090 - 29-01-2091 |
| उत्तर | 29-01-2091 - 17-02-2091 |
| चन्द्र | 17-02-2091 - 21-03-2091 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**गुरु** महादशा : 21-03-2091 से 22-03-2107

आयु : 71व 7म से 87व 7म

## गुरु-गुरु 71व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| गुरु | 21-03-2091 | 03-07-2091 |
| शनि | 03-07-2091 | 03-11-2091 |
| बुध | 03-11-2091 | 22-02-2092 |
| केतु | 22-02-2092 | 07-04-2092 |
| शुक्र | 07-04-2092 | 15-08-2092 |
| सूर्य | 15-08-2092 | 23-09-2092 |
| चन्द्र | 23-09-2092 | 27-11-2092 |
| मंगल | 27-11-2092 | 11-01-2093 |
| राहु | 11-01-2093 | 08-05-2093 |

## गुरु-शनि 73व8म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शनि | 08-05-2093 | 02-10-2093 |
| बुध | 02-10-2093 | 10-02-2094 |
| केतु | 10-02-2094 | 05-04-2094 |
| शुक्र | 05-04-2094 | 06-09-2094 |
| सूर्य | 06-09-2094 | 22-10-2094 |
| चन्द्र | 22-10-2094 | 07-01-2095 |
| मंगल | 07-01-2095 | 02-03-2095 |
| राहु | 02-03-2095 | 19-07-2095 |
| गुरु | 19-07-2095 | 20-11-2095 |

## गुरु-बुध 76व3म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| बुध | 20-11-2095 | 16-03-2096 |
| केतु | 16-03-2096 | 03-05-2096 |
| शुक्र | 03-05-2096 | 18-09-2096 |
| सूर्य | 18-09-2096 | 29-10-2096 |
| चन्द्र | 29-10-2096 | 06-01-2097 |
| मंगल | 06-01-2097 | 24-02-2097 |
| राहु | 24-02-2097 | 28-06-2097 |
| गुरु | 28-06-2097 | 16-10-2097 |
| शनि | 16-10-2097 | 24-02-2098 |

## गुरु-केतु 78व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| केतु | 24-02-2098 | 16-03-2098 |
| शुक्र | 16-03-2098 | 12-05-2098 |
| सूर्य | 12-05-2098 | 29-05-2098 |
| चन्द्र | 29-05-2098 | 27-06-2098 |
| मंगल | 27-06-2098 | 16-07-2098 |
| राहु | 16-07-2098 | 06-09-2098 |
| गुरु | 06-09-2098 | 21-10-2098 |
| शनि | 21-10-2098 | 14-12-2098 |
| बुध | 14-12-2098 | 31-01-2099 |

## गुरु-शुक्र 79व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| शुक्र | 31-01-2099 | 13-07-2099 |
| सूर्य | 13-07-2099 | 30-08-2099 |
| चन्द्र | 30-08-2099 | 20-11-2099 |
| मंगल | 20-11-2099 | 15-01-2100 |
| राहु | 15-01-2100 | 10-06-2100 |
| गुरु | 10-06-2100 | 18-10-2100 |
| शनि | 18-10-2100 | 22-03-2101 |
| बुध | 22-03-2101 | 06-08-2101 |
| केतु | 06-08-2101 | 02-10-2101 |

## गुरु-सूर्य 82व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| सूर्य | 02-10-2101 | 17-10-2101 |
| चन्द्र | 17-10-2101 | 10-11-2101 |
| मंगल | 10-11-2101 | 27-11-2101 |
| राहु | 27-11-2101 | 10-01-2102 |
| गुरु | 10-01-2102 | 18-02-2102 |
| शनि | 18-02-2102 | 05-04-2102 |
| बुध | 05-04-2102 | 17-05-2102 |
| केतु | 17-05-2102 | 03-06-2102 |
| शुक्र | 03-06-2102 | 21-07-2102 |

## गुरु-चन्द्र 82व11म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| चन्द्र | 21-07-2102 | 31-08-2102 |
| मंगल | 31-08-2102 | 28-09-2102 |
| राहु | 28-09-2102 | 11-12-2102 |
| गुरु | 11-12-2102 | 13-02-2103 |
| शनि | 13-02-2103 | 02-05-2103 |
| बुध | 02-05-2103 | 10-07-2103 |
| केतु | 10-07-2103 | 07-08-2103 |
| शुक्र | 07-08-2103 | 27-10-2103 |
| सूर्य | 27-10-2103 | 20-11-2103 |

## गुरु-मंगल 84व3म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| मंगल | 20-11-2103 | 10-12-2103 |
| राहु | 10-12-2103 | 31-01-2104 |
| गुरु | 31-01-2104 | 16-03-2104 |
| शनि | 16-03-2104 | 09-05-2104 |
| बुध | 09-05-2104 | 26-06-2104 |
| केतु | 26-06-2104 | 16-07-2104 |
| शुक्र | 16-07-2104 | 11-09-2104 |
| सूर्य | 11-09-2104 | 28-09-2104 |
| चन्द्र | 28-09-2104 | 26-10-2104 |

## गुरु-राहु 85व2म

| प्रत्यंतर | आरम्भ | अन्त |
|---|---|---|
| राहु | 26-10-2104 | 07-03-2105 |
| गुरु | 07-03-2105 | 02-07-2105 |
| शनि | 02-07-2105 | 18-11-2105 |
| बुध | 18-11-2105 | 22-03-2106 |
| केतु | 22-03-2106 | 12-05-2106 |
| शुक्र | 12-05-2106 | 05-10-2106 |
| सूर्य | 05-10-2106 | 18-11-2106 |
| चन्द्र | 18-11-2106 | 30-01-2107 |
| मंगल | 30-01-2107 | 22-03-2107 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**शनि** महादशा : 22-03-2107 से 22-03-2126

आयु : 87व 7म से 106व 7म

**शनि-शनि** 87व7म*

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शनि | 22-03-2107 - 12-09-2107 |
| बुध | 12-09-2107 - 15-02-2108 |
| केतु | 15-02-2108 - 19-04-2108 |
| शुक्र | 19-04-2108 - 19-10-2108 |
| सूर्य | 19-10-2108 - 13-12-2108 |
| चन्द्र | 13-12-2108 - 14-03-2109 |
| मंगल | 14-03-2109 - 17-05-2109 |
| राहु | 17-05-2109 - 29-10-2109 |
| गुरु | 29-10-2109 - 25-03-2110 |

**शनि-बुध** 90व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| बुध | 25-03-2110 - 11-08-2110 |
| केतु | 11-08-2110 - 07-10-2110 |
| शुक्र | 07-10-2110 - 20-03-2111 |
| सूर्य | 20-03-2111 - 08-05-2111 |
| चन्द्र | 08-05-2111 - 29-07-2111 |
| मंगल | 29-07-2111 - 25-09-2111 |
| राहु | 25-09-2111 - 19-02-2112 |
| गुरु | 19-02-2112 - 29-06-2112 |
| शनि | 29-06-2112 - 02-12-2112 |

**शनि-केतु** 93व3म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| केतु | 02-12-2112 - 25-12-2112 |
| शुक्र | 25-12-2112 - 03-03-2113 |
| सूर्य | 03-03-2113 - 23-03-2113 |
| चन्द्र | 23-03-2113 - 26-04-2113 |
| मंगल | 26-04-2113 - 20-05-2113 |
| राहु | 20-05-2113 - 19-07-2113 |
| गुरु | 19-07-2113 - 11-09-2113 |
| शनि | 11-09-2113 - 14-11-2113 |
| बुध | 14-11-2113 - 11-01-2114 |

**शनि-शुक्र** 94व5म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| शुक्र | 11-01-2114 - 22-07-2114 |
| सूर्य | 22-07-2114 - 18-09-2114 |
| चन्द्र | 18-09-2114 - 24-12-2114 |
| मंगल | 24-12-2114 - 01-03-2115 |
| राहु | 01-03-2115 - 22-08-2115 |
| गुरु | 22-08-2115 - 23-01-2116 |
| शनि | 23-01-2116 - 24-07-2116 |
| बुध | 24-07-2116 - 04-01-2117 |
| केतु | 04-01-2117 - 12-03-2117 |

**शनि-सूर्य** 97व7म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| सूर्य | 12-03-2117 - 30-03-2117 |
| चन्द्र | 30-03-2117 - 28-04-2117 |
| मंगल | 28-04-2117 - 18-05-2117 |
| राहु | 18-05-2117 - 09-07-2117 |
| गुरु | 09-07-2117 - 24-08-2117 |
| शनि | 24-08-2117 - 18-10-2117 |
| बुध | 18-10-2117 - 06-12-2117 |
| केतु | 06-12-2117 - 26-12-2117 |
| शुक्र | 26-12-2117 - 22-02-2118 |

**शनि-चन्द्र** 98व6म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| चन्द्र | 22-02-2118 - 11-04-2118 |
| मंगल | 11-04-2118 - 15-05-2118 |
| राहु | 15-05-2118 - 10-08-2118 |
| गुरु | 10-08-2118 - 26-10-2118 |
| शनि | 26-10-2118 - 26-01-2119 |
| बुध | 26-01-2119 - 17-04-2119 |
| केतु | 17-04-2119 - 21-05-2119 |
| शुक्र | 21-05-2119 - 26-08-2119 |
| सूर्य | 26-08-2119 - 24-09-2119 |

**शनि-मंगल** 100व1म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| मंगल | 24-09-2119 - 17-10-2119 |
| राहु | 17-10-2119 - 17-12-2119 |
| गुरु | 17-12-2119 - 09-02-2120 |
| शनि | 09-02-2120 - 13-04-2120 |
| बुध | 13-04-2120 - 09-06-2120 |
| केतु | 09-06-2120 - 03-07-2120 |
| शुक्र | 03-07-2120 - 08-09-2120 |
| सूर्य | 08-09-2120 - 29-09-2120 |
| चन्द्र | 29-09-2120 - 01-11-2120 |

**शनि-राहु** 101व2म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| राहु | 01-11-2120 - 06-04-2121 |
| गुरु | 06-04-2121 - 23-08-2121 |
| शनि | 23-08-2121 - 04-02-2122 |
| बुध | 04-02-2122 - 02-07-2122 |
| केतु | 02-07-2122 - 31-08-2122 |
| शुक्र | 31-08-2122 - 21-02-2123 |
| सूर्य | 21-02-2123 - 14-04-2123 |
| चन्द्र | 14-04-2123 - 10-07-2123 |
| मंगल | 10-07-2123 - 08-09-2123 |

**शनि-गुरु** 104व0म

| प्रत्यंतर | आरम्भ - अन्त |
|---|---|
| गुरु | 08-09-2123 - 10-01-2124 |
| शनि | 10-01-2124 - 04-06-2124 |
| बुध | 04-06-2124 - 13-10-2124 |
| केतु | 13-10-2124 - 06-12-2124 |
| शुक्र | 06-12-2124 - 09-05-2125 |
| सूर्य | 09-05-2125 - 25-06-2125 |
| चन्द्र | 25-06-2125 - 10-09-2125 |
| मंगल | 10-09-2125 - 03-11-2125 |
| राहु | 03-11-2125 - 22-03-2126 |

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

# शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

**द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चर:।**
**सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दु:खैर्युतो भवेत्।।**

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि वृश्चिक है, अत: शनि जब तुला, वृश्चिक व धनु राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन ढ़ैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढ़ाई वर्षों तक चलता है।

प्राय: जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

| साढ़ेसाती चक्र | शनि का गोचर | प्रारम्भ तिथि | समाप्ति तिथि | अंतराल<br>वर्ष-मास-दिन | अष्टकवर्ग<br>शनि | <br>सर्व |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **प्रथम चक्र की साढ़े साती** | | | | | | |
| प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश) | तुला | | | -- | 5 | 28 |
| | तुला (व) | | | -- | | |
| द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर) | वृश्चिक | | | -- | 1 | 28 |
| | वृश्चिक (व) | | | -- | | |
| तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय) | धनु | | | -- | 3 | 24 |
| | धनु (व) | | 24-01-2020 | 0-5-14 | | |
| **द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती** | | | | | | |
| प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश) | तुला | 27-01-2041 | 06-02-2041 | 0-0-9 | 5 | 28 |
| | तुला (व) | 26-09-2041 | 11-12-2043 | 2-2-15 | | |
| द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर) | वृश्चिक | 11-12-2043 | 23-06-2044 | 0-6-12 | 1 | 28 |
| | वृश्चिक (व) | 30-08-2044 | 07-12-2046 | 2-3-7 | | |
| तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय) | धनु | 07-12-2046 | 06-03-2049 | 2-2-29 | 3 | 24 |
| | धनु (व) | 09-07-2049 | 04-12-2049 | 0-4-25 | | |
| **तृतीय चक्र की साढ़ेसाती** | | | | | | |
| प्रथम ढ़ैया (जन्म राशि से द्वादश) | तुला | 04-11-2070 | 05-02-2073 | 2-3-1 | 5 | 28 |
| | तुला (व) | 31-03-2073 | 23-10-2073 | 0-6-22 | | |
| द्वितीय ढ़ैया (जन्म राशि पर) | वृश्चिक | 05-02-2073 | 31-03-2073 | 0-1-26 | 1 | 28 |
| | वृश्चिक (व) | 23-10-2073 | 16-01-2076 | 2-2-23 | | |
| तृतीय ढ़ैया (जन्म राशि से द्वितीय) | धनु | 16-01-2076 | 10-07-2076 | 0-5-24 | 3 | 24 |
| | धनु (व) | 11-10-2076 | 14-01-2079 | 2-3-3 | | |

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

# साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अग्नि से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

**कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थष्ट में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशंच चिन्ताधिकम्।।**
**राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिर्नानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पशून् पीडनम्।।**
**हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुते तुर्याष्टमे वाथवा।।**

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लडाई विदेश में प्रवास, कष्ट,चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में)सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती हे, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

### प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

( से  तक)
शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

### द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(27-01-2041 से 06-03-2049 तक)
द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उन्नतिहोगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

### तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(04-11-2070 से 10-07-2076 तक)तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपकोप्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।

# शनि की साढ़ेसाती तथा ढ़ैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढ़ैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

**1. मन्त्र**

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

**ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।**

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

**ॐ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये। शंयोरभिस्त्रवन्तु न:। ॐ शं शनैश्चराय नम:।**

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

**ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।**

**2. स्तोत्र** - शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

**कोणस्थ: पिंगलो बभ्रु: कृष्णो रौद्रोऽन्तको यम:। सौरि: शनैश्चरो मन्द: पिप्पलादेन संस्तुत:।।**
**तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्थसन्निधौ। शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति।।**

**साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -**

**नमस्ते कोणसंस्थय पिंङ्गलाय नमोस्तुते। नमस्ते बभ्रुरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते।।**
**नमस्ते रौद्ररदेहाय नमस्ते चान्तकाय च। नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।।**
**नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्वर नमोस्तुते। प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।**

**3. रत्न / धातु**

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

आपकी कुण्डली में शनि लग्नेश है।

न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

**4. व्रत**

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

**5. औषधि**

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

**6. दान**

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

**7. अन्य उपाय**

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिच्छू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।

# साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय ढ़ैया का फल

यह सामान्यत: पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन ढ़ैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

## साढ़ेसाती की प्रथम ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक
द्वितीय चक्र 27-01-2041 से 06-02-2041 तक व 26-09-2041 से 11-12-2043 तक
तृतीय चक्र 04-11-2070 से 05-02-2073 तक व 31-03-2073 से 23-10-2073 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बारहवें भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठें, नवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम ढ़ैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्में आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाग्य पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती हैं, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अत: सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

## साढ़ेसाती की द्वितीय ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक
द्वितीय चक्र 11-12-2043 से 23-06-2044 तक व 30-08-2044 से 07-12-2046 तक
तृतीय चक्र 05-02-2073 से 31-03-2073 तक व 23-10-2073 से 16-01-2076 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस ढ़ैया में उदर भाग में रहता है। अत: शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं।भाईयों से तथा व्यापार में सीादार से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्वेलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दु:खी करते हैं, व्यवधान प्रर्बल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

## साढ़ेसाती की तृतीय ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से 24-01-2020 तकझ
द्वितीय चक्र 07-12-2046 से 06-03-2049 तक व 09-07-2049 से 04-12-2049 तक
तृतीय चक्र 16-01-2076 से 10-07-2076 तक व 11-10-2076 से 14-01-2079 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, ग्यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उतरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अत: इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।

# लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि का फल

## शनि की चतुर्थ स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक
द्वितीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक
तृतीय चक्र 11-04-2081 से 03-08-2081 तक व 06-01-2082 से 19-03-2084 तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्न पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सुख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्भव होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सुख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अत: शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अत: कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्न पर रहती है। अत: मन में घबड़ाहट रहती है।

## शनि के सप्तम स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 08-08-2029 से 05-10-2029 तक व 17-04-2030 से 17-04-2030 तक
द्वतीय चक्र 27-05-2059 से 10-07-2061 तक व 13-02-2062 से 06-03-2062 तक
तृतीय चक्र 18-07-2088 से 31-10-2088 तक व 05-04-2089 से 18-09-2090 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्न एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर आंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पुथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

## शनि के अष्टम स्थान की ढ़ैया का फल

प्रथम चक्र 30-05-2032 से 12-07-2034 तक व से तक
द्वितीय चक्र 10-07-2061 से 13-02-2062 तक व 06-03-2062 से 24-08-2063 तक
तृतीय चक्र 18-09-2090 से 25-10-2090 तक व 20-05-2091 से 02-07-2093 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

## शनि के दशम स्थान की ढ़ैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक
द्वितीय चक्र 12-10-2065 से 03-02-2066 तक व 03-07-2066 से 30-08-2068 तक
तृतीय चक्र 18-08-2095 से 11-10-2097 तक व 02-05-2098 से 19-06-2098 तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्ट कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।

# शनि की लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी ढ़ैया कहलाता है -

**कल्याणीं प्रददाति वै रविसुतो राशेश्चतुर्थाष्टमे ।**

आपकी जन्म राशि वृश्चिक है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् कुंभ राशि में तथा अष्टम् अर्थात् मिथुन राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी ढ़ैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।
आपकी जन्म राशि वृश्चिक है अत: जब शनि कुंभ, वृष और सिंह में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी ढ़ैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

| | शनि का गोचर | प्रारम्भ तिथि | समाप्ति तिथि | अंतराल वर्ष-मास-दिन | अष्टकवर्ग शनि | अष्टकवर्ग सर्व |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **ढ़ैया की प्रथम आवृत्ति** | | | | | | |
| चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व | कुंभ | 29-04-2022 | 12-07-2022 | 0-2-13 | 3 | 25 |
| लघु कल्याणी ढ़ैया | कुंभ (व) | 17-01-2023 | 29-03-2025 | 2-2-12 | | |
| सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि | वृष | 08-08-2029 | 05-10-2029 | 0-1-27 | 5 | 35 |
| | वृष (व) | 17-04-2030 | 30-05-2032 | 2-1-13 | | |
| अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया | मिथुन | 30-05-2032 | 12-07-2034 | 2-1-12 | 4 | 30 |
| | मिथुन (व) | | | -- | | |
| दशम स्थानस्थ कंटक शनि | सिंह | 27-08-2036 | 22-10-2038 | 2-1-25 | 1 | 24 |
| | सिंह (व) | 05-04-2039 | 12-07-2039 | 0-3-7 | | |
| **ढ़ैया की द्वितीय आवृत्ति** | | | | | | |
| चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व | कुंभ | 24-02-2052 | 14-05-2054 | 2-2-20 | 3 | 25 |
| लघु कल्याणी ढ़ैया | कुंभ (व) | 01-09-2054 | 05-02-2055 | 0-5-4 | | |
| सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि | वृष | 27-05-2059 | 10-07-2061 | 2-1-13 | 5 | 35 |
| | वृष (व) | 13-02-2062 | 06-03-2062 | 0-0-23 | | |
| अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया | मिथुन | 10-07-2061 | 13-02-2062 | 0-7-3 | 4 | 30 |
| | मिथुन (व) | 06-03-2062 | 24-08-2063 | 1-5-18 | | |
| दशम स्थानस्थ कंटक शनि | सिंह | 12-10-2065 | 03-02-2066 | 0-3-21 | 1 | 24 |
| | सिंह (व) | 03-07-2066 | 30-08-2068 | 2-1-27 | | |
| **ढ़ैया की तृतीय आवृत्ति** | | | | | | |
| चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व | कुंभ | 11-04-2081 | 03-08-2081 | 0-3-22 | 3 | 25 |
| लघु कल्याणी ढ़ैया | कुंभ (व) | 06-01-2082 | 19-03-2084 | 2-2-13 | | |
| सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि | वृष | 18-07-2088 | 31-10-2088 | 0-3-13 | 5 | 35 |
| | वृष (व) | 05-04-2089 | 18-09-2090 | 1-5-13 | | |
| अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी ढ़ैया | मिथुन | 18-09-2090 | 25-10-2090 | 0-1-7 | 4 | 30 |
| | मिथुन (व) | 20-05-2091 | 02-07-2093 | 2-1-12 | | |
| दशम स्थानस्थ कंटक शनि | सिंह | 18-08-2095 | 11-10-2097 | 2-1-23 | 1 | 24 |
| | सिंह (व) | 02-05-2098 | 19-06-2098 | 0-1-17 | | |

**Parashara's Light 9.0** © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

# रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणेः सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोर्माहेयस्य च विद्रुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।**
**देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्स्यसय वज्रं शनेर्नीलं निर्म्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्य्यके ।।**

*"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूंगा, बुध के लिए पन्ना, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"*- मणि माला भाग 2, 79

**धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ।।**
**ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ।।**

*"रत्न जड़ित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ठ होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।"* - मणि माला, भाग 2, 121-122

## जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश शनि है अतः शनि का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। शनि के लिए रत्न हैं - नीलम, नीला स्पाइनल, राजवर्त्त मणि, नीलमणि, बिल्लौर।

"नीलम कड़वा एंव उष्ण होता है तथा यह कफ, पित्त एंव वायु तीनों का नाश करता है तथा धारण करने पर शनि के दोष का निवारण करता है।" - मणि माला, भाग 2, 68
"जो व्यक्ति स्वच्छ नीलम धारण करता है, नारायण उससे खुश रहते हैं, उसकी उम्र, परिवार प्रतिष्ठा, यश तथा ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।" - मणि माला, भाग 1, 419
"जिस व्यक्ति के पास दोषाहित, स्वच्छ नीलम रहता है उसे यश, उम्र तथा स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है।" - मणि माला, भाग 2, 418
"नीलमणि राजा की विशेष कृपा दिलाती है, विरोधियों के क्रोध को शान्त करती है, जादू होने से मुक्त कराती है तथा धारण करने वाले को कारागार से मुक्ति दिलाती है।" - संत जेरोम
"राजवर्त्त मणि कोमल, स्निग्ध, शीतल तथा पित्त का नाश करने वाली होती है, तथा धारण करने पर सौभाग्य की वृद्धि करने वाली होती है।" - मणि माला, भाग 2, 69

**धारण करने की विधि -** शनि के लिए रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए पर इसे लोहे में भी जड़ाया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा में शनिवार के दिन सूर्योदय से दो घन्टे 40 मिनट पहले धारण करें।
*शनि के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र -* ॐ शं शनैश्चराय नमः।

## पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सृजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी  है। आपका पंचमेश शुक्र है, अत: शुक्र का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। शुक्र के लिए रत्न है - हीरा, सफेद ज़िरकॉन, सफेद टोपाज, स्फटिक।
"हीरा सभी छ: रसों का मिश्रण है, सभी प्रकार के रोगों का नाश करता है तथा अजीर्ण का नाश करता है, सभी प्रकार का सुख देता है, शरीर को दृढ़ता देता है तथा रासायनिक कार्यों में बहुत उपयोगी है।" - मणि माला,  भाग 2, 67
"जो व्यक्ति अपने पास एक नुकीला, साफ तथा निर्दोष हीरा संभाल कर रखता है, वह जिंदगी भर सम्पन्न, पुत्रवान्, भाग्यवान, धनधान्य, गौ और पशु का मालिक रहेगा।" - मणि माला, भाग 1, 102
"जो व्यक्ति भीष्मरत्न 1/4 स्फटिक 1/2 सोने में जड़ कर गले अथवा हाथ में पहने वह सदा सफलता प्राप्त करता है।" - मणि माला, भाग 1, 447
**धारण करने की विधि -** शुक्र के लिए रत्न प्लेटिनम, सफेद स्वर्ण अथवा चांदी में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा अथवा कनिष्ठा में शुक्रवार के दिन सूर्योदय के समय पहनें।
*शुक्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र* - ॐ शुं शुक्राय नम:।

## भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश बुध है, अत: बुध का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बुध के लिए रत्न है -पन्ना, पेरिडाट, जेड।।
"पन्ना शीतल, विष का नाश करने वाला, मधुर, अतिसार, अजीर्ण तथा पित्त का नाश करने वाला, शूल और गुल्म रोगों का नाश करने वाला तथा घारण करने पर भूत-पिशाच के भय से मुक्ति दिलाता है।" - मणि माला, भाग 2, 70
"ऐसे सारे गुणों से युक्त पन्ना मनुष्य के सब पापों का नाश करता है।" - मणि माला, भाग 1, 375
"पण्डितों के अनुसार, पन्ना घनघान्य बढ़ाने वाला, युद्ध में विजय दिलाने वाला, विष जन्य रोगों का उपचार करने वाला तथा अथर्ववेद में उल्लेखित कर्मों को करने में सफलता दिलाने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 376
**धारण करने की विधि -**  बुध के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को कनिष्ठा में बुधवार के दिन सूर्योदय के दो घन्टे पश्चात धारण करें।
*बुध के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र* - ॐ बुं बुधाय नम:।

## सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिएं। उप रत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।

ॐ

## कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमश: प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

## प्रकृति एवं स्वभाव

1 - आप अत्यधिक महत्वकांक्षी होंगे।लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपने आस-पास के व्यक्तियों को इस्तेमाल करने में नहीं चूकेंगे, यह प्रवृत्ति आपको स्वार्थी बना देगी।
2 - आप बहुत उच्चाभिलाषी होंगे तथा अपने समूह में प्रमुख स्थान रखने के लिये प्रयत्नशील होंगे। ख्याति चारों ओर फैले तथा सभी आपके कार्यों की प्रशंसा करें, इसके लिये उद्यमशील होंगे।
3 - आप सेवा-भावी होंगे, जिसके कारण समाज में प्रशंसित होंगे, परंतु अधिक वाचालता के कारण अपकीर्ति का शिकार होंगे। आप को अपनी जिह्वा पर बिल्कुल भी नियंत्रण नहीं होगा - बिना सोचे हर तरह की बात करने वाले होंगे।
4 - आपमें दार्शनिकता की झलक भी होगी साथ ही घोर पदार्थप्रियता भी।
5 - आपके लिये निजी प्रतिष्ठा, सामाजिक स्थिति और पद का बहुत महत्व होगा।
6 - आप स्वभाव से उद्यमी, धैर्यवान, परिश्रमी तथा लगनशील होंगे। अपने परिश्रम से ही उन्नति करेंगे। किसी भी कार्य के लिये अथक परिश्रम करके भी उसे पूरा कर डालना आपकी विशेषता होगी।
7 - आप हर काम को पूरी सुचारुता से करने में विश्वास करेंगे। सोच-समझ के कदम उठाने की प्रवृत्ति के कारण तत्काल कोई बड़ा जोखिम उठाने के लिये तैयार नहीं होंगे।
8 - आपकी इतिहास, पुरातत्व एवं प्राचीन वस्तुओं के प्रति विशेष रुचि होगी।
9 - आपके व्यक्तित्व में विरोधाभास भी देखने को मिलेगा - कभी वह कट्टर आस्थावादी होगा तो कभी एकदम अनास्थावादी, कभी परंपरावादी होगा तो कभी बुद्धिपूजक अर्थात आप केवल तर्क-सम्मत बात ही स्वीकार करेंगे।
10 - आप अपने आपको परिस्थिति के अनुसार बदल सकने में, या उसी प्रकार अपने आपको बदल लेने में सक्षम होंगे।
11 - आप अपनी भावनाओं को अपने अंदर छिपा कर रखेंगे, अपनी किसी भी योजना या दिल की बात की भनक दूसरों को नहीं लगने देंगे। अचानक निर्णय लेकर सभी को चमत्कृत व आश्चर्यचकित कर देंगे।
12 - आप के प्रमुख गुण होंगे - आत्मानुशासन, मितव्ययिता, उत्तरदायित्व की भावना, परिपक्वता, लगन तथा सादगी।
13 - आपके प्रमुख अवगुण होंगे - भावनाहीनता, स्वार्थपरता, निराशावादिता, अधीरता, आलस्य, अधिक और अनर्गल बोलने की आदत। इन्हे समझ कर दूर करने का प्रयास करना चाहिये।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## शास्त्रों के अनुसार फल

आप की आँखे बड़ी, विशाल वृक्षस्थल गोल जाँघे व जानु अर्थात ठेहुना, कपिल वर्ण, हाथ या पैर में मत्स्य चिन्ह, वज्र और पक्षी के आकार की रेखा (मतान्तर से हाथ या पैर में कमल रेखा), चलने में तेज, ठुड्डी व नखों में आघात होता है। आप कुटिल स्वभाव, वाद-विवाद में आगे रहने की प्रवृत्ति, विचारों में स्थिरता, माता-पिता, गुरुजनों के पूर्ण सुख में कमी, राजकुलों में पूज्य, गुप्त पाप कर्म में रत किंतु प्रत्यक्ष में शुभ आचरण से युक्त, द्वेष भावना से युक्त, मित्रद्रोही, कभी-कभी धूर्ततापूर्ण आचरण, पारिवारिक कार्यों में विशेष रुचि नहीं, संतोष का अभाव, औपचारिकता को अधिक महत्व, स्वभाव से चालाक, दूसरों से प्रशंसा सुनने के अभ्यस्त, लोभी एकान्तचारी, तीन-तिकड़म से द्रव्य हासिल करने की प्रवृत्ति, संगति जन्म दोषों से ग्रसित एवं परेशान, शत्रुओं से कष्ट, राजकुल में उँची पदवी अर्थात अधिकारी पद की प्राप्ति, राजा के द्वारा धन नष्ट, भाई से सुख न हो, बाल्यावस्था से ही प्रवासी, उद्योग से धनी, भृत्यों से सेवित, स्वावलम्बी, क्लेशकर गृहस्थ जीवन अनेकानेक कठिनाइयों, आपत्तियों से पूर्ण जीवन, नवीन अनुभव प्राप्त करने की लालसा युक्त, गम्भीर एवं कठिन कार्यों में रुचि आध्यात्मिक जिज्ञासा किन्तु काम वासना की आधिक्यता के कारण धार्मिक उन्नति में संदेह, आत्मनिग्रह से रहस्यविज्ञान में सफलता मिलती है। स्त्री आज्ञाकारिणी होती है किन्तु अन्य स्त्रियों का सुख, परस्त्रीगामी होता है।

बाल्यावस्था में रोगी, रक्त, पित्त अथवा अग्नि आदि से पीड़ित, उदासीन मन या चिंतित रहने का स्वभाव होता है।

## आधुनिक मत से फल

आप का चेहरा चौकोर, ललाट चौड़ा, आँखे काली, सतर्क, निर्भिक, दृष्टि चुभती हुयी, नासिका संतुलित, प्रशस्त एवं आकर्षक, शारीरिक व्यक्तित्व प्रभावशाली और भव्य है। आप कर्मठ और लगनशील हैं, एक बार जो संकल्प मन में ठान लेते हैं उसे पूरा किये बिना चैन से नहीं बैठते। आप उर्वर कल्पना शक्ति, तीव्र बुद्धि युक्त, अंत: प्रज्ञा शक्ति सम्पन्न एवं भावुक होते हैं। आप में आत्म-विश्वास, आवेश में काम करने की प्रवृत्ति, साहस, संकल्प, स्वतन्त्रता, उत्तेजना, दबंगपन जैसे गुण हो सकते हैं। आप अतिवादी हैं - आप उत्कृष्ट योगी हो सकते हैं साथ ही घोर भोगी भी। प्रेम करेंगे तो दीवानेपन की हद तक और घृणा करेंगे तो पागलपन तक। आप सफल आलोचक अर्थात दूसरों की त्रुटियाँ निकालने में सिद्धहस्त होते हैं किन्तु अपनी आलोचना असहनीय होती है। आप स्पष्टवादी, कई परिस्थितियों में कटुभाषी, व्यंगात्मक टिप्पणी करने वाले, प्रतिशोध की प्रबल भावना वाले हैं। बाह्य रूप से बहुत उदार, नीतिज्ञ प्रतीत होते हैं किंतु आपके अंत:करण में एक शंकालु एवं ईष्यालु मन भी होता है। दोहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है - एक दुनिया को दिखाने के लिये, दूसरी अपने लिये। अपने महत्व के प्रति अत्यंत सचेत, अपना महत्व स्थापित करने के लिये अपने कृत्यों को बड़ा करके बताने में पटु हैं। आप को रहस्य, अज्ञात, मृत्यु, और पराशक्ति जेसे विषय बहुत भाते हैं। रहस्यात्मक विषयों - जैसे ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, योग, सामुद्रिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान में रुचि होती है। आप में सात्विक प्रेम की प्रबल लालसा है तथा जिससे प्रेम होता है उसके प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध होते हैं तथा अटूट निष्ठा एवं विश्वास का पालन करते हैं। प्रेमास्पद के लिये किसी भी त्याग हेतु तत्पर रहते हैं।

## शारीरिक लक्षण

1 - आपका मुँह चौकोर तथा उँचाई और चौड़ाई में लगभग समान जान पड़ेता है।
2 - आपके शरीर का निचला भाग दुबला-पतला निर्बल होता है।
3 - आँखों और भौहों के बाल बड़े व सघन तथा ललाट प्रशस्त होता है।
4 - सिर आकार में कुछ बड़ा होता है। सिर में मोटे बालों की खासी अच्छी अधिकता होती है, यहाँ तक की सारा शरीर भी रोमों से आवश्यकता से अधिक आच्छादित रहता है।
5 - आप इकहरे शरीर के होते हैं तथा उम्र के साथ-साथ स्वास्थ्य में सुधार होता है।

## कुण्डली में सम योग

### आश्रय योग - रज्जुयोग

*यदि लग्न चर राशि में हो तथा कई ग्रह चर राशि में हों तो रज्जुयोग होता है।*

फल : जातक महत्वाकांक्षी होता है तथा नाम प्रसिद्धि और यश के लिए जगह-जगह घूमता है, यात्रा प्रिय, शीघ्र निर्णय लेने वाला और अधिक ग्रहणशील होता है। बौद्धिक रुप से गतिशील और खुले दिमाग का होता है। यद्यपि कभी-कभी अत्यधिक परिवर्तनशील स्वभाव, अनिर्णय, अस्थिर मन, अविश्वसनीय और किसी एक कार्य में संलग्न रहने में असमर्थ होता है। जातक लगातार संघर्ष में रहता है और सामान्यत: स्थिर सम्पत्ति बनाने में सफलता नहीं मिलती।

### सुनफा (शनि) योग

*चन्द्र से द्वितीय में शनि हो तो सुनफा योग बनता है।*

फल : यदि सुनफा योग कारक शनि हो तो जातक चतुर बुद्धि वाला, गाँव तथा शहरी मनुष्यों से प्रतिदिन पूजित, धनी, कार्यों में संलग्न व धैर्यधारण करने वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 14)

### सम योग

*सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।*

फल : यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

### वेशि योग (अशुभ)

*सूर्य से द्वितीय स्थान में चन्द्रमा के अतिरिक्त कोई अशुभ ग्रह हो।*

फल : जातक सुवक्ता, धनवान तथा अपने शत्रुओं को नष्ट करनेवाला होता है।

### मध्यायु योग

*लग्न और चन्द्र दोनों द्विस्वभाव राशि में या एक चर राशि में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)*

फल : यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है ।

### सूर्य शुक्र योग

*सूर्य तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर सूर्य-शुक्र योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)*

फल : जातक बुद्धिमान, शस्त्र, संचालन में निपुण, आदर्शवादी, स्त्री द्वारा कमाने वाला (अपने द्वारा नहीं), नाट्य, अभिनय तथा संगीत द्वारा लाभान्वित तथा कारावास भोगने वाला, वृद्धावस्था में दृष्टि से कमजोर होता है ।

### सूर्य बुध शुक्र योग

*सूर्य, बुध तथा शुक्र यदि किसी भाव में साथ हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)*

फल : जातक बातूनी, घुमक्कड़, छरहरे शारीरिक गठन वाला, ज्ञानी, अभिभावकों तथा शिक्षकों द्वारा अपमानित तथा अपने जीवन साथी द्वारा दी गई यातना सहने वाला होता है ।

ॐ

## ग्रह फल

# ☉ सूर्य ☉

### सूर्य सप्तम भाव में

**शुभ फल** : जातक न तो बहुत लम्बा होता है और नहीं छोटा होता है। उदर और देह एक बराबर होते हैं। इसका रूपरंग और आँखें कपिल होती हैं। इसके केश पीले होते हैं। विनोदी अर्थात् मज़ाकिया स्वभाव का होता है। स्त्री सुख का होना सप्तमभावस्थ सूर्य का शुभफल है। सूर्य पतिपत्नी का सौमनस्य कायम रखता है। सप्तम रवि प्रभाव में आए हुए जातक की स्त्री सुन्दर, प्रभावशलिनी, व्यवहार और बर्ताव में अच्छी आपत्ति के समय पति का साथ देनेवाली, अतिथि सत्कार करनेवाली, दयालु तथा नौकरों से अच्छा काम निकाल लेने वाली होती है। पत्नी धन-प्रिया होती है और रुपए पैसे पर अपना स्वत्व रखनेवाली होती है। जातक के लिए स्त्री ही सर्वस्व होती है वह अपने अस्तित्व को खो बैठता है और स्त्री में अपना विलय कर देता है। जातक को स्त्री का भोग-उपभोग मिलता है।

सूर्य कर्क, वृश्चिक या मीन में होने से जातक डाक्टर होता है, अथवा विज्ञान विषयक पदवी पाता है। नहर का अधिकारी होता है।

**अशुभ फल** : शरीर से दर्शनीय नहीं होता है। अत्यन्त क्रोधी और खल अर्थात् दुर्जन होता है। अस्थिर स्वभाव का होता है। मन में सर्वदा लोगों का डाह रहने से सुख से नीद भी नहीं आती है। सातवें स्थान मे सूर्य होने से जातक स्त्री तथा राजकुल के व्यक्तियों से पीड़ित रहता है। जातक के प्रेमपात्र दुष्ट लोग होते हैं। जातक को पुत्रसुख थोड़ा मिलता है। जातक शारीरिक और मानसिक व्याधियों से ग्रस्त रहता है। गुप्तरोगों से दु:खी रहता है-अर्थात् इसे उपदेश, प्रमेह आदि रोग होते हैं। जातक सुखी नहीं होता है। सप्तमभाव में सूर्य होने से जातक, लक्ष्मी से वंचित रहता है, अर्थात् निर्धन होता है। 25 वें वर्ष परदेशगमन होता है। व्यापार में हानि होती है। धन कमाने का यत्न करे तो भी प्रचुरमात्रा में धनप्राप्त नहीं होता है। पैदल चलता है क्योंकि इसे सवारी का सुख नहीं होता है। सप्तमभाव में सूर्य दाम्पत्य सुख का वाधक है, पतिपत्नी में अनवन रहती है। स्त्रियों से वैमनस्य रहता है, स्त्रियों से तिरस्कार और अनादर प्राप्त होता है। जातक की पत्नी मलिन, रोगिणी, क्लेश कारक, स्वाभिमानी, कठोर स्वभाव, आत्मरत प्रचण्ड और अपनी ही बात को सर्वोपरि मानने की प्रकृति वाली होती है। जातक स्त्रीसुख हीन होता है। सप्तमभाव का सूर्य होने से जातक का विवाह देर से होता है। जातक स्त्री से विरोध रखता है अर्थात् पतिपत्नी का सौमनस्य नहीं रहता है। यह दो स्त्रियों का पति होता है अर्थात् प्रथमा स्त्री के मृत्यु से द्वितीया घर में लाई जाती है, अथवा प्रथमा के जीवित रहते ही दूसरी स्त्री का प्रवेश होता है। अपनी स्त्री से वैमनस्य होने से पराकीया स्त्रियों में आसक्त रहता है।

सूर्य शत्रुग्रह या नीचराशिगतग्रह से दृष्ट हो अथवा किसी पापग्रह से दृष्ट होने से जातक की बहुत स्त्रियाँ होती हैं।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

☽ **चन्द्र** ☽

## चन्द्र एकादश भाव में

**शुभ फल** : एकादश चन्द्रमा में दिन को जन्म होने से जातक धनी, यशस्वी, लोकरंजक, सार्वजनिक कार्यकुशल होता है। एकादस्थ चन्द्र से संतान (पुत्र)-भाई या बहिन, इनमें से कोई एक त्रासदाता, दुराचारी वा निरुपयोगी होता है। अथवा किसी व्यंग के कारण उसे सारा जीवन घर में ही व्यतीत करना पड़ता है। एकादश चन्द्र हो तो संतति, भाई-बहने बहुत नहीं होती, अधिक से अधिक संख्या चार-पाँच तक होती है। ग्यारहवें भाव में चन्द्र दीर्घायुता का सूचक है। जातक सुन्दर, श्रेष्ठ मार्ग पर चलनेवाला, लज्जाशील, प्रतापी और भाग्यवान् होता है। जातक बोलने में निर्भय तथा चतुर होता है। सदैव प्रसन्नमूर्ति रहता है। मनस्वी, बुद्धिमान्, प्राज्ञ, मधुरभाषी और निर्दोषकाम करनेवाला होता है। जातक चंचल बुद्धि, कल्पनाशील होता है। उदारचित्त, रूपवान्, बहुगुणी, मन्त्रज्ञ, दाता होता है। जातक बहुश्रुत होता है अर्थात् श्रवण द्वारा बहुत से शास्त्रों का ज्ञान होता है। बहुत-सी विद्याओं का ज्ञाता होता है। दूसरों पर उपकार करनेवाला होता है। बहुत से लोगों का पालन करनेवाला होता है। जातक राजा का धनाध्यक्ष (खजांची या ट्रैजरी आफिसर) होता है। राज्यकार्यदक्ष होता है। राजा के द्वारा प्रभुत्व प्राप्त होता है। राज्य द्वारा सम्मानित होने का अवसर आता है। राजदरवार से प्रतिष्ठा-अधिकार और बहुमूल्यवान् वस्त्र का लाभ होता है। जातक के घर में प्रमुदिता (प्रसन्नमना:) लक्ष्मी तथा उत्तम सुन्दर स्त्री निवास करती है। कई प्रकार के भोग भोगने को प्राप्त होते हैं। जातक की प्रतिष्ठा (कीर्ति) दिगन्तव्यापिनी, स्थिर होती है। जातक सर्वत्र लोकप्रिय, प्रसिद्ध होता है। यशस्वी और कीर्तिमान होता है। श्रेष्ठ-आप्तजनों से आदर और मान प्राप्त होता है। जातक शुभकर्म करता है और जनहित के काम करता है जिससे लोग इसका गुणगान करते हैं। जातक को सभी तरह का लाभ होता रहता है। धनवान् होता है। जातक को नानाप्रकार के पदार्थों के व्यापार से लाभ होता है।जातक धन से युक्त होता है। धनाढ्य, और धनिक होता है। कई प्रकार से धन की प्राप्ति होती है-और धनोपलब्ध सुखों का भोग प्राप्त होता है। यथालाभ सन्तुष्ट रहनेवाला होता है। चाँदी आदि मूल्यवान् धातुएँ प्राप्त होती हैं। लाभभाव में चन्द्रमा के होने से पृथ्वी में गाड़ी हुई-छुपी हुई वस्तुओं का लाभ होता है। भूमि के अन्दर गुप्त रखे हुए रुपये-हीरे, मोती, जवाहरात की प्राप्ति हो सकती है। जातक उत्तम मित्रों से युक्त होता है। जातक के पास सवारी के लिए सुन्दर-सुन्दर वाहन-घोड़ा-गाड़ी-मोटर आदि होते हैं। अर्थात वाहनसुख मिलता है। उत्तम-उत्तम भोगों का भोक्ता होता है। नौकर का भी सुख प्राप्त होता है। ग्यारहवें स्थान का चन्द्रमा जातक के कन्या सन्तान अधिक होने का सूचक है। पुत्र संतति होती है। पचास वर्ष की आयु में पुत्र-प्राप्ति होती है-जिससे पितरों के ऋण से मुक्ति पा लेता है। बहुत से पुत्रों के होने का सौभाग्य मिलता है। ज्ञान प्राप्ति के लिए मुख्यसाधन तीन हैं-श्रवण-मनन और निदिध्यासन। शास्त्र बहुत हैं सभी का अध्ययन गुरुमुख से नहीं हो सकता है श्रवण करने से मनुष्य बहुत से शास्त्रों का ज्ञाता हो सकता है-अत: श्रवण साधन को प्राथमिकता और मुख्यता दी गई है। खेती-बाड़ी का स्वामी होता है। ससांर सुख अच्छा मिलता है। सार्वजनिक संस्था में यह नेता होता है।

स्त्रीराशि में होने से जातक सार्वजनिक काम भी करता रहता है और अपना व्यवसाय भी चालू रखता है।

**अशुभ फल** : जातक के किए हुए काम विगड़ जाते हैं। अर्थात् किया हुआ उद्यम और यत्न विफल रहता है। कन्या सन्तति होती है।

चन्द्रमा के स्त्री राशियों में होने से अशुभ फल मिलते हैं।

एकादशभावस्थित चन्द्रमा हीनबली होने से, नीचराशि में, पापग्रह की राशि में तथा शत्रुग्रह की राशि में होने से जातक सुखों से वंचित रहता है। रोगी, मूर्ख और अज्ञानी होता है।

ॐ

# ♂ मंगल ♂

## मंगल अष्टम भाव में

**शुभ फल** : जातक के कपड़े सादे होते हैं। रत्नों का पारखी, धनवान् लोगों में प्रमुख होता है। सोना, चाँदी आदि धन प्राप्त होता है और भोगों का भोगने वाला होता है। जातक अच्छा परीक्षक होता है। अष्टमभावस्थ मंगल के अफसर बहुत रिश्वत खाते हैं किन्तु पकडे नहीं जाते।

अष्टमभाव का स्वामी बलवान होने से पूर्ण आयु मिलती है।

**अशुभफल** : आठवें स्थान का मंगल व्यक्ति को शुभ फल नहीं देता। जातक के कार्य अधूरे रहते हैं, काम में रुकावटें आती हैं। बहुत प्रयास करने पर भी इच्छा पूरी नहीं होती । कार्यो के अनुकूल उद्योग करने पर भी सफल मनोरथ नहीं होता, प्रत्युत विघ्नों से पीड़ित हो जाता है। आठवें स्थान में मंगल होने से जातक मूर्ख, चुगलखोर, कठोरभाषी, शस्त्रचोर, अग्निभीरू तथा गुणहीन होता है। जातक सर्वदा अनुचित बोलने वाला, बुद्धिहीन होता है। जातक निर्दय, बुरे विचारों का बहुत ही निंदनीय होता है। लोग उसकी निदा करते हैं। जातक दुराचारी तथा शोकसन्तप्त होता है। जातक की आँखे अच्छी नहीं होती, कुरूप होता है। बुरे कामों की ओर प्रवृत्ति होती है। सज्जनों का निन्दक होता है। व्यसनी, मदिरापायी मद्यपायी होता है। जातक का शरीर दुबला होता है। आठवें भाव में मंगल होने से कई एक प्रबल रोग प्रादुर्भूत हो जाते हैं जिनकी चिकित्सा करने पर भी कोई लाभ नहीं होता है और ये रोग विघ्न हो जाते हैं। अष्टमस्थ मंगल का जातक बहुभोजी होता है। बहुत खाने की आदत 30 वर्ष तक बराबर बनी रहती है-अत: उत्तर आयु में अजीर्ण रोग के कारण मलेरिया, अर्धांगवायु, अनियमित ब्लडप्रैशर आदि रोग होते हैं। जातक को गुह्य रोग होते हैं। मुत्रकृच्छ से अधिक पीड़ा होती है। रुधिरविकार से दुर्बल शरीरवाला होता है। खून के रोग संग्रहणी आदि होते हैं। मंगल नीच का हो तो रक्तपित रोग होता है। आँखों के रोग, नेत्ररोगी, वातशूल इत्यादिरोग होते हैं। पापग्रह की राशि में या पापग्रह से युक्त या दृष्ट मंगल होने से वातक्षयादिक रोग होते हैं। जातक को कोढ़ हो सकता है। शस्त्रों के प्रहार से अवयवों को पीड़ा होती है। धनचिन्तायुक्त एवं आर्थिक दृष्टि से विपन्न होता है। निर्धनता होती है। चिन्ताग्रस्त रहता है। अष्टम भावस्थ मंगल के प्रभाव से प्रतिष्ठापूर्वक सम्मानित करते रहने पर भी मित्र शत्रुवत् आचारण करता है। अपने ही लोग शत्रु के समान होते हैं। जातक के भाई-बन्धु भी सहसा शत्रु हो जाते हैं। बांधवों के सुख से वंचित रहता है। स्त्रीसुख से रहित होता है। स्त्री से दु:खी होता है। विवाह से लाभ नहीं होता। पत्नी को कष्ट होता है। पुत्र चिन्तायुक्त होता हैं। पिता को अरिष्ट होता है। आयुष्य कम रहती है। मध्यम आयु होती है। मृत्युभाव का मंगल मृत्युकर होता है। जातक की शस्त्रों से, कोढ़ से, शरीर के अवयव सड़ने से, या जलकर मृत्यु होती है । अधोगति होती है। बंदूक की बारूद से मृत्यु होती है। अष्टमभाव में मंगल होने से शुभस्थानों में पड़े हुए बृहस्पति-शुक्र आदि शुभग्रह शुभफल नहीं दे सकते, क्योंकि मंगल स्वयं दुष्टफल दाता होकर शुभफल प्राप्ति में प्रतिबन्धक हो जाता है। शस्त्रों के प्रहार से ज़ख्मी होता है- तलवार के प्रहार से मौत होती है।       मंगल पुरुषराशि में हो तो संतति (पुत्र) बहुत थोड़ी होती है।

अग्निराशि में हो तो आग में जलकर मृत्यु होती है।

सांप से मृत्यु होती है।

वैद्यनाथ को छोड़कर अन्य सभी ग्रंथकारों ने अष्टम भावस्थ मंगल पुरुषराशियों में होने पर अशुभफल कहे हैं।

यदि लग्न मेष, सिंह या धनु राशि का हो और अष्टम का मंगल हो तो जातक राजनीतिज्ञ होता है।

ॐ

☿ **बुध** ☿

## बुध सप्तम भाव में

**शुभ फल** : बुध सातवें भाव में होने से जातक सुन्दर, कुलीन, शिष्ट, उदार, घार्मिक, घर्मज्ञ, दीर्घायु होता है। जातक बुद्धिमान्, सुन्दर वेषवाला, सकल महिमा को प्राप्त होता है। बुध सप्तम में होने से जातक रूपवान्, विद्वान, सुशील, कामशास्त्र का ज्ञाता और नारी मान्य होता है। जातक मघुरभाषी और सुशील होता है। शिल्प कलामें चतुर और विनोदी होता है। विद्वान्, लेखक, सम्पादक होता है। व्यवसाय कुशल होता है। खरीद-विक्री के व्यवहार में लाभ होता है। सप्तमभावगत बुध के प्रभाव में उत्पन्न जातक उच्चकुलोत्पन्न पत्नी का पति होता है। जातक की पत्नी चित्ताकर्षक अत्यन्त सुन्दरी मृगाक्षी होती हैं, किन्तु उसका उपभोग लेने के लिए जातक के शरीर में आवश्यक बल और वीर्य नहीं होता है। पत्नी घनिक होती है अर्थात् घनी कुल में विवाह होता है और दहेज मिलता है। जातक की पत्नी के पिता की संतति बहुत होती है। सप्तम बुध होने से स्त्री विदुषी, सुन्दरी, साघारण घराने की, थोड़ी झगड़ालू और घनवती होती है। सप्तम बुध हो तो स्त्रीसुख मिलता है। जातक स्त्री के अनुकूल चलता है। सप्तम बुध हो तो माता को सुख होता है। जातक सुखी, घनी होता है। प्रवास में लाभ होता है।

सातवें स्थान में बुध बलवान होने से अथवा शुभग्रह से दृष्ट होने से सुन्दर, रूपवती, कलाकुशल, बुद्धिमती, पुत्र-प्रसविनी स्त्री प्राप्त होती है।

बुध स्त्रीराशि में होने से पत्नी का चेहरा गोल, केश लहरीले और रेशम जैसे कोमल, स्वर मृदु परन्तु तीखा होता है।

कर्क, वृश्चिक या मीन में बुध के होने से कम्पाउण्डर-सरकारी दफ्तर का क्लर्क आदि व्यवसाय होते है।

**अशुभ फल** : बुध अस्तगत हो तो शरीर में कुछ न्यूनता रहती है। अल्पवीर्य होता है। जातक की दृष्टि चंचल होती है। लड़ाई में और वादविवाद में पराजय होता है। जातक साझीदार पर विश्वास नहीं करता। लेखन से कुछ समय बड़े संकट में आते हैं। जातक भक्षण के अयोग्य पदार्थों का भक्षण करता है। जातक के विवाह के समय झगड़े होते हैं। जातक वैश्यागमन करता है।

सप्तमेश निर्बल या पापग्रह से युक्त या पापग्रह की राशि में मंगल से युक्त होने से स्त्री की मृत्यु होती है। यदि स्त्री की कुण्डली में ऐसा योग हो पति की मृत्यु होती है। स्त्री कुष्ठी और कुरूपा होती है।

अशुभ फल बुध के स्त्रीराशियों में होने से अघिक होते हैं।

ॐ

♃ **बृहस्पति** ♃

## बृहस्पति एकादश भाव में

**शुभ फल** : ग्यारहवें भाव में बृहस्पति होने से जातक सुन्दर, नीरोगी, स्वस्थ देह वाला, दीर्घायु होता है। जातक प्रमाणिक, सच बोलनेवाला, कुशाग्र बुद्धि, विचारवान् होता है। सन्तोषी, उदार, परोपकारी और साधु स्वभाव का होता है। सज्जनों की संगति में रहता है। "लाभस्थाने ग्रहा: सर्वे बहुलाभप्रदा:" इसके अनुसार सभी ग्रंथकारों ने प्राय: शुभफल बतलाए हैं। जातक को राज्य द्वारा सम्मान और लाभ के विलक्षण योग प्राप्त होते हैं। श्रीमान् और खानदानी लोगों से मित्रता होती है। अच्छे मित्रों से युक्त होता है। मित्रों की मदद से आशाएं और महत्वाकांक्षाएं पूरी होती हैं। उनकी सलाह उत्तम और फायदेमंद होती हैं। अपने कामों से समाज में नाम होता है और श्रेष्ठता प्राप्त होती है। ग्यारहवें स्थान में स्थित बृहस्पति से पुष्कल अर्थ-लाभ, धनप्राप्ति अच्छी होती है। धनधान्य से परिपूर्ण भाग्यवान् होता है। जातक के धनप्राप्ति के मार्ग अपरिमित और असंख्य होते हैं। उत्तम रत्न, विविध वस्त्रों से युक्त, और व्यापार से लाभ प्राप्त होते हैं। सोना-चांदी आदि उत्तम और अमूल्य वस्तु प्राप्त होती है। जातक हाथी घोड़े आदि धनसंपत्ति से युक्त होता है। पृथ्वी पर जातक के लिए कुछ भी अलभ्य नहीं होता है। राजा, यज्ञ, हाथी, जमीन, और ज्ञान की क्रिया से लाभ होता है। 32 वें वर्ष बहुत लाभ होता है। कई प्रकार से प्रतिष्ठा प्राप्ति होती है। जातक के पास सवारियाँ भी बहुत होती हैं, उत्तमवाहन प्राप्त होते हैं। जातक सेवकों का सुख प्राप्त करता है। नौकर चाकर बहुत होते हैं। जातक अनेक स्त्रियों का उपभोग करता है और पांच पुत्र उत्पन्न करता है। संतति सुख अच्छा मिलता है। पुत्र के जन्म से भाग्योदय शुरु होता है। जातक अपने पिता के भार को संभालनेवाला अर्थात् अपने पिता का पोषक या सहायक होता है। पराक्रमी होता है, शत्रुगण संग्राम में शीघ्र ही विमुख होकर भाग जाते हैं। मंत्रज्ञ तथा दूसरों के शास्त्र जानने वाला होता है। धनवान् लोग तथा ब्राह्मणगण(विद्वान्) स्तुति करते हैं। राजपूज्य, राजकृपायुक्त होता है। अपने कुल की बढ़ौत्री करनेवाला होता है। संतति-संपत्ति और विद्या, इन तीनों में से एक का अच्छा लाभ, एकादशस्थ गुरु का सामान्य फल है। कथन का तात्पर्य यह है कि यदि संपत्ति अच्छी होगी तो दूसरी दोनों संतान और विद्या कम होगी। पूर्वार्जित संपत्ति प्राप्त नहीं होती या अपने हाथों नष्ट हो जाएगी या दूसरे हड़प कर लेगें।

शुभफलों का अनुभव कर्क, कन्या और मीन को छोड़कर अन्यराशियों में आता है।

गुरु स्थिर राशि में होने से गर्विष्ठ और अभिमानी होता है।

चंद्र की युति होने से धरोहर रखा हुआ धन मिलता है।

**अशुभफल** : कल्याण वर्मा और गर्ग ने कुछ अशुभफल भी कहे हैं-'शिक्षा न होना।' 'अल्प संतान होना।' ये अशुभफल हैं। जातक का द्रव्य (धन) दूसरों के लिए होता है। जातक के उपभोग के लिए नहीं होता है। अर्थात् जातक कृपण होता है अत: दान-भोग आदि में अपने धन का उपयोग स्वयं नहीं करता है-और जातक के धन का आनन्द दूसरे लेते हैं। अल्पसन्ततिवान् अर्थात् पुत्र भी बहुत नहीं होते। विद्या बहुत नहीं होती अर्थात् बहुत विद्वान् नहीं होता है। एकादश में गुरु होने से पुत्र बहुत दुराचारी होते है। मां-बाप से झगड़ते हैं, मारपीट करने से भी पीछे नहीं रहते । निरुपयोगी होते हैं। अपना पेट भी भर नहीं सकते।

ॐ

# ♀ शुक्र ♀

## शुक्र सप्तम भाव में

**शुभ फल** : सातवें स्थान पर बैठा शुक्र व्यक्ति को मिश्रित फल देता है। कई एक ग्रन्थकारों ने शुभफल बतलाये हैं और कई एक ने अशुभ फल कहे हैं। सातवें भाव में होने से उदार, लोकप्रिय, चिन्तित, साधुप्रेमी, चंचल, विलासी, गानप्रिय एवं भाग्यवान् होता है। जातक की बुद्धि उदार, शरीर उज्वल, कुल उन्नत तथा प्रताप राजा जैसा होता है। जातक थोड़ा प्रयास करने वाला अर्थात् आराम तलब होता है। अतीव सुन्दर होता है। सुन्दर स्वरूप होता है। कौन ऐसे हैं जो इसके सुन्दररूप पर मोहित न हों-अर्थात् जातक बहुत आकर्षक होता है। अथवा जातक इतना व्यवहारचतुर होता है कि इसके चातुर्य्य से सभी मोहित होते हैं। एक श्रेष्ठ कलाकार होता है, और जातक की कला से सब रसिक श्रेष्ठ लोग मोहित होते हैं। जातक किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करता है- प्रसन्नमना: तथा सुखी होता है। जातक अनेक कलाओं में चतुर, कामक्रीड़ा में चतुर, जलक्रीड़ा में चतुर, जलक्रीड़ा करनेवाला होता है। गायन, नाटक आदि लोगों के मनोरन्जन के साधनों से सम्बन्ध रहता है। गानविद्या में निपुण होता है। व्यक्ति का विवाह छोटी आयु में ही सुन्दरी और सद्गुण सम्पन्ना युवती से होता है। विवाह के बाद भाग्योदय होता है, विपुल धन लाभ होता है। सप्तम स्थान में स्थित शुक्र के कारण जातक सुन्दर चतुर पत्नी का सुख प्राप्त करता है। स्त्रियों के सुख की कमी नहीं रहती, स्त्री से पूर्णसुख प्राप्त करता है। सुन्दरी स्त्रियों के उपभोग का सुख अधिक से अधिक मिलता है। स्त्रियों के समूह में रहनेवाला होता है। जातक की पत्नी कुलीन अर्थात श्रेष्ठ कुल में उत्पन्न होती है। जातक की भार्या के गर्भ से रत्नवत् शुद्ध-सच्चरित्र तथा भाग्यवान् पुत्र पैदा होते हैं। सन्तान सुख प्रचुर मात्रा में प्राप्त होता है। पुत्रों पर विशेष प्रेम होता है। व्यापार से धनलाभ होता है। यह वैभवपूर्ण, भाग्यवान्, धनवान् होता है। सुखसम्पन्न तथा बहुत भाग्यशाली होता है। वाहनों से युक्त, सकल कार्य निपुण होता है। स्त्री के सम्बन्ध से बहुत उन्नति प्राप्त होती है। शुक्र से साझीदारी में तथा कचहरियों के मामले में सफलता मिलती है। सार्वजनिक स्वरूप के व्यवहारों में अच्छी सफलता प्राप्त करता है। जातक की स्त्री, पुत्र, साझीदारी आदि से अनुकूल व्यवहार प्राप्त होने से सुखी जीवन व्यतीत होता है। परदेस में निवास करना, परदेश में रहने वाला होता है। राज कुल में सम्मान प्राप्त करता है।

सप्तमभाव में शुक्र बलवान् होने से जातक एक से अधिक स्त्रियों का पति होता है।

स्त्री के सप्तमभाव में बलवान् शुक हाने से जातिका भाग्यवती तथा धनवती होती है।

शुक्र शुभराशि में, शुभ ग्रह के साथ या शुभग्रह की दृष्टि में होने से जातक की पत्नी तरुण होती है और बहुत आकर्षक सुन्दर, गोरे वर्ण की तथा प्रफुल्लित कमल जैसी आँखों वाली होती है।

**अशुभ फल** : जन्मकाल में शुक्र सप्तमभाव में होने से जातक पुरुषार्थहीन होता है और सदा शंकायुक्त रहता है। शुक्र कलत्रभाव में होने से जातक अत्यन्त कामुक होता है। विलासिता से प्रेम करना, व्यभिचार करना जातक का स्वभाव होता है। अपनी विवाहिता स्त्री से वैमनस्य रखता है परकीया परनारी में आसक्त होता है। कुचरित्रा, जघनचपला, कुलटास्त्रियों का प्रेमी होता है। किसी एक अभिनेत्री या वेश्याओं से प्रेम करनेवाला होता है। स्त्री के विषय में भारी चिन्ता रहती है। शुक्र दूषित होने से विवाह देर से होकर स्त्रीसुख अच्छा नहीं मिलता। साझीदार तथा मित्रों से हानि होती है। जातक की कमर में वातजन्य कारण से पीड़ा होती रहती है। इसके शरीर में कुछ व्यंग होता है। जातक को शोकमग्न होने के अवसर बार-बार आते हैं। धन रहने पर भी चिन्तित रहता है। जातक के पुत्र नहीं होते हैं।

शुक्र पापग्रह के साथ, शत्रुग्रह की राशि में या नीच राशि में होने से पहिली पत्नी की मृत्यु होती है और दूसरा विवाह होता है।

शुक्र के साथ बहुत पापग्रह हों तो अनेक विवाह होते हैं।

कर्क, वृश्चिक या मीन में शुक्र होने से स्त्री का शरीर दुबला-पतला, कद ऊँचा, चेहरा लम्बा, चमकीली आँखें, लम्बे और चमकदार केश, त्वचा कोमल और मनोहर होती है। पत्नी स्वार्थी, कलहप्रिय, कुटुम्ब में मिलकर न रहनेवाली तथा खर्चीली होती है। अपने हाथ में सत्ता रखने की चेष्टा सदैव रखती है।

शुक्र स्त्रीराशि का होने से स्त्री के गुण पूर्णतया विकसित होते हैं।

अविवाहित रहना, पत्नी से विभक्त हो जाना, दो विवाह का होना, सप्तम शुक्र के अशुभफल हैं। इस प्रकार के फलों का अनुभव, वृषभ, कर्क, वृश्चिक, मकर तथा मीन राशियों में विशेषतया होता है। पुरुराशियों में, मिथुन और धनु में भी यही फल अनुभूत होता है।

स्त्रीराशि का शुक्र होने से नौकरी श्रेयस्कर होती है। स्त्रीराशि में व्यवसाय और नौकरी दोनों अच्छे रहते हैं। साझीदारी पसंद नहीं होती।

स्त्रीराशि में शुक्र होने से वृत्ति इसके प्रतिकूल होती है। स्त्री को तुच्छ तथा कामवासनापूर्ति का साधन माना जाता है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

♄ **शनि** ♄

## शनि द्वादश भाव में

**शुभ फल** : बारहवें स्थान में शनि होने से जातक की प्रवृत्ति एकांतप्रिय, संन्यासी जैसी होती है। दयालु होता है। भिक्षागृह, कारागृह, दान संस्था आदि से सम्बन्ध रहता है। जातक गुप्तरीति से धन संचय करता है। गुप्त नौकरी, हलके काम आदि से लाभ होता है। शत्रुहंता और कुबेर के समान यज्ञ करने वाला होता है। शनि व्ययभाव में होने से जातक जनसमूह का नेता होता है।

व्ययस्थान का शनि मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन में होने से वकील, वैरिस्टर, राजनीतिज्ञ आदि विद्वान् होता है।

व्ययस्थान का शनि मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन में होने से शुभ फल देता है।

शनि लग्नेश होकर व्ययस्थान में होने से जातक शत्रुओं का नाश करता है और यज्ञ द्वारा संपत्तिमान् होता है।

शनि लग्नेश होकर व्ययस्थान में होने से जातक परदेश जाकर प्रसन्न रहता है।

**अशुभ फल** : कातर, निर्लज्ज तथा शुभ कार्य में कठोर बुद्धि होता है। मूर्ख, निर्धन तथा वंचक (ठग) होता है। जातक पापी, हीनांग, तथा भोगों में लालसा रखता है। जातक की रुचि कूरर कामों में होती है। किसी अवयव में व्यंगयुक्त या किसी अंग के टूटने से सदा दु:खी रहता है। बारहवें स्थान में बैठा शनि व्यक्ति को सन्देहशील और दुष्ट स्वभाव का बनाता है। जातक मांस-मदिरा का सेवन करने वाला, म्लेच्छों के साथ संगति करनेवाला, पापकर्म में आसक्त, पतित होता है। वह कृतघ्न, व्यसनी, कटुभाषी, अविश्वासी, एवं आलसी होता है। शनि द्वादश होने से जातक व्याकुल रहता है। बारहवें भाव में शनि होने से जातक नेत्ररोग या मन्द दृष्टि अथवा छोटी आँखों वाला होता है। बारहवें भाव में हो तो अपस्मार, उन्माद का रोगी, रक्तविकारी होता है। जातक पसलियों में व्यथा वाला होता है। जांघ में व्रण होता है। फिजूलखर्च, व्यर्थ व्यय करनेवाला, खर्च से दु:खित होता है। शनि द्वादशभाव में होने से जातक बुरे कामों में धन खर्च करता है। अपने बांधवों से बैर करने वाला होता है। जातक के स्वजनों का नाश होता है। गुप्त शत्रुओं के कारण प्रगति में बारबार रुकावटें आती हैं। किसी पशु के कारण अपघात होता है। अपने हाथ से ही अपना नुकसान करता है। अज्ञातवास, कारावास, विषप्रयोग, झूठे इलजामों से कैद आदि से कष्ट होता है। शनि से साधारणत: उदास और शोकपूर्ण प्रवृत्ति होती है। जातक लोगों से अपमानित होता है। शत्रुद्वारा पराजित होता है। शनि के द्वादशस्थ होने से जातक दयाहीन, धनहीन, स्वकर्महीन, सुखहीन तथा अंगहीन होता है।

शनि पापग्रह से पीड़ित और राशि से बलहीन होने से ये अशुभफल तीव्र होते हैं।

पापग्रह साथ होने से मृत्यु के बाद नरकगामी होता है।

# राहु

## राहु षष्ठ भाव में

**शुभ फल** : छठेभाव में राहु अरिष्टनिवारक होता है। सब अरिष्ट दूर करता है। संकट नष्ट होते हैं। छठे स्थान में राहु होने से जातक प्रबल पराक्रमी, शक्ति-सम्पन्न होता है। जातक उदारहृदय, धैर्यवान्, स्थिरचित, मतिमान् तथा बुद्धिमान् होता है। साहसिक कार्य कराता है एवं बड़े-बड़े कार्य करनेवाला होता है। शरीर नीरोग, नीरोगी, महान् बलशाली, और दीर्घायु होता है। जातक शत्रुनाशक, शत्रुहन्ता, शत्रुओं को जीतनेवाला वाला होता है। शत्रुओं से कष्ट नहीं होता है। राजा जैसा मान्य और विख्यात होता है। राजा की कृपा होती है। विधर्मियों द्वारा लाभ, धन प्राप्ति होती है। राहु छठेभाव में होतो मनुष्य को म्लेच्छ राजा से धनलाभ होता है, बड़ा अमीर होता है। जातक वाहन, भूषण, अधिक धन से युक्त तथा भाग्यवान् होता है। राहु के साथ शुभग्रह होने से धन का सुख मिलता है। जातक बहुत सुखी और कुलीन होता है। जातक की पत्नी अच्छी होती है।

राहु और शनि या केतु बलवान होने से घर में भैंसे बहुत होती है।

**अशुभ फल** : जातक उग्रकुल में उत्पन्न होता है। जातक बलहीन, बुद्धिहीन, मातृपितृद्वेषी होता है। जातक व्यभिचारी होता है। जातक निम्नश्रेणी (दुष्ट व्यक्तियों) के साथ मैत्री कराता है। जातक का सम्बन्ध म्लेच्छों से अर्थात् विदेशियों से होता है। जातक शत्रुओं से पीड़ित रहता है। जातक की कमर में पीड़ा होती है। कटिदेश में रोग होता है। छठे में राहु के होने से पेट में ब्रण होता है। छठेभाव में राहु होने से जातक को दाँत या होंठ के रोग होते हैं। जातक को सेना या जहाजों की नौकरी से खतरा होता है। राहु नौकरी के लिए अच्छा नहीं है-प्रगति कठिनता से हो पाती है। पैन्सन लेने से सुख होता है। जातक नीचों के व्यवसाय करता है। जातक निर्धन और चोर होता है। बचपन अच्छा नहीं व्यतीत होता, नजर लग जाती है-पिशाचबाधा होती है, नखविष फैलता है-मस्तिष्क के रोग आदि से कष्ट होता है। कहीं-कहीं पर मिरगी-कोढ़ आदि उपद्रव भी होते हैं। षष्ठ भाव के राहु से जातक की मृत्यु, लकड़ी या पत्थर के आघात से, चौपाए पशु द्वारा, पेड़ पर से गिरने से, अथवा पानी में डूबने से होती है। राहु छठे होने से मामा नि:संतान होता है अथवा सिर्फ कन्याएँ होती हैं। मामा के वंश का कोई व्यक्ति विदेश में मरता है। मौसी की संतान की मौत होती है, वह विदेश जाती है, विधवा होती है। चाचा, मामा आदि से कोई सुख प्राप्त नहीं होता है। पिता या मामा का चितस्थिर नहीं होता है। जातक के पशुओं को पीड़ा होती है। इस भाव के राहु से जातक परस्त्रीगामी होता है।

राहु क्रूरग्रह से पीड़ित होने से जातक गुदरोगी होता है।

पुरुषराशि का षष्ठ में राहु होने से खेलों में चोटें लगती हैं-पोलो आदि में अपघात से कष्ट होता है।

छठेभाव में राहु पुरुषराशियों में होने से उपर दिये अशुभफल अनुभूत होंगे।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

# केतु

## केतु द्वादश भाव में

**शुभ फल** : बारहवें भाव में केतु उत्तरोत्तर उन्नति प्रदान करता है। आंखें सुन्दर होती हैं, शिक्षा अच्छी होती है। राजा के समान सुख-ऐश्वर्य देता है। कवि-शास्त्रज्ञ और राजा जैसा संपन्न होता है। शत्रुओं को पराजित करता है, शत्रुओं का नाश करनेवाला होता है। वाद-विवाद में सर्वदा विजय प्राप्त करता है।धन सत्कार्यो में खर्च होता है - जातक का धन अच्छे कामों में खर्च होता है। मनुष्य राजा समान ऐश्वर्य सम्पन्न होकर राजा जैसा खर्च करता है।

उच्च या स्वगृह में, अथवा गुरु के साथ होने से विशेष योग्य, साधु और जितेन्द्रिय वृत्ति का होता है।

**अशुभ फल** : जन्मलग्न से द्वादशभाव में केतु झूठा और धोखेबाज बनाता है। जातक चंचल बुद्धि, धूर्त, ठग, अविश्वासी एवं जनता को भूत-प्रेतों की जानकारी द्वारा ठगनेवाला होता है।जातक गुप्तपाप करनेवाला, अधम, उलटे मार्ग से चलनेवाला, लड़ाई में डरपोक, शुभ काम से रहित होता है। जातक के मन में अशांति रहती है। जातक खर्चीला, निर्धन, दीन और कंजूस होता है। जातक पुरानी संपत्ति को नष्ट करनेवाला होता है।जातक बुरे कामों में खर्च करता है। आंख के रोग से पीड़ित होता है। नाभि के निकट, नाभि के नीचे के स्थान में, वस्ति में रोग से पीड़ित होता है।गुदा में या गुह्यभाग में रोग होते हैं। पैर, पावों में रोग से पीड़ा होती है। जातक को मामा से सुख नहीं मिलता है। द्वादशस्थ केतु प्रभावयुक्त जातक बहुत प्रवास करता है।

ॐ

# भावेश फल

## लग्नेश - द्वादश भाव में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**लग्नेश व्ययगे चाष्टे शिल्पविद्याविशारदः ।**
**द्यूयती चौरो महाक्रोधी परभार्यातिभोगकृत।।**

*मानसागरी के अनुसार -*

**द्वादशगे मूर्तिपतौ कटुकवत्कर्मपरोऽशुभो नीचः।**
**मानो सहगोत्रीभिर्विदेश गो दत्तभूक्तनरः।।**

*गर्ग संहिता के अनुसार -*

**द्वादशगे लग्नपतौ पटुवाग वाचं करोति कर्णहितम्।**
**सहगोत्रकैरमिलितं विदेशगं वित्तभोक्तारम।**

लग्नेश द्वादश स्थान में होने से जातक शिल्प विद्या में निपुण, जुआरी, चोर, बहुत क्रोधी, परस्त्रियों में बहुत आसक्त होता है। जातक बुरे काम करनेवाला, अशुभ, नीच, अभिमानी, संबंधियों के साथ विदेश जानेवाला तथा दत्तक पुत्र के रूप में उपभोग करनेवाला होता है। वह बोलने में चतुर, सुनने में हितकारी बातें बोलनेवाला, संबधियों से न मिलनेवाला, विदेश जानेवाला तथा धनका उपभोग करनेवाला होता है। उसके सब व्यवहार उलझे होते हैं, धन हाथ में नहीं रहता, कर्ज चुकाना मुश्किल होता है, कई प्रकार के संकट आते हैं। बुरे मार्ग पर जानेवाला होता है।

*अनुभव*: लग्नेश शनि होने के कारण शुभ फल अनुभव में आते हैं।

## धनेश - द्वादश स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**धनेशे व्ययगे मानी साहसी धनवर्जितः।**
**विक्रमी नृपमेखवासी ज्येष्ठपुत्रसुखं न हि ।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**विदेशगो दुष्टमना व्ययाश्रितो द्रव्याधिपः पापरतो जडात्मा।**
**कापालिको म्लेच्छजनाभिसक्तः कूररोतिचौरो बलवान् नरः स्यात्।।**

*मानसागरी के अनुसार -*

**द्रविणपतौ व्ययलीने पुरुषः कृपणो धनवर्जितः क्रूरे।**
**सौम्ये लाभालाभख्यातो नरो भवेज्जातः।ं**

धनेश द्वादशभाव में होने से मनुष्य अभिमानी, साहसी, पराक्रमी, राजनीति में चतुर किन्तु निर्धन होता है तथा इसे ज्येष्ठ पुत्र का सुख नहीं मिलता। विदेश जानेवाला, दुष्ट, मूर्ख कापालिक (जो देवी-देवताओं को नरबलि देते हों), म्लेच्छ लोगों से मेलजोल रखनेवाला, निर्दय, चोर, बलवान होता है।

*अनुभव*: धनेश शनि होने के कारण जातक कंजूस व निर्धन होता है, यह बुरे काम करनेवाला, पाखडी, विदेश में धन कमानेवाला होता है।

ॐ

## तृतीयेश - एकादश स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**तृतीयेशे तनौ लाभे स्वभुजार्जितवितवान्।**
**सुखो कृशो महाक्रोधी साहसी जनसेवकः।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**सहजपे शुभलाभपराक्रमी भवगते सुतबन्धुभिरन्वितः।**
**नृपतिनाभिमतो विजयी नरो बहुलभोगयुतो निपुणः सदा।।**

*गर्ग संहिता के अनुसार -*

**लाभस्थः सहजेशः सुबान्धवं राजप्रियं नर कुरुते।**
**पुरुषबन्धुषु पूज्यं सेवा भिधायिनं भोगनिरतंच।।**

तृतीयेश लाभ स्थान में होने से जातक अपनी मेहनत से धनवान होता है। सुखी, दुबला, बहुत क्रोधी, साहसी लोगों की सेवा करनेवाला होता है। अच्छे लाभ प्राप्त करनेवाला, पराक्रमी, पुत्र व बन्धुओं सहित, राजा द्वारा सम्मानिरत, विजयी तथा बहुत भोगों से युक्त होता है। बन्धु अच्छे होते हैं, उनसे सम्मान मिलता है, यह राजा को प्रिय, लोगों से सेवा करानेवाला तथा उपभोगों से युक्त होता है। व्यापार में बहुत धन कमाता है, श्रीमान होता है तथा मित्रों का सुख प्राप्त करता है। धनवान तथा पराक्रमी होता है।

## चतुर्थेश - अष्टम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**सुखेशे व्ययरन्ध्रस्थे सुखहीनो भवेन्नरः।**
**पितृसौख्यं भवेदल्प दीर्घायुर्जायते ध्रुवम्।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**मृतिगते सरुजोम्बुपतौ नरः सुखयुतः पितृमातृसुखाल्पकः।**
**भवति वाहननाशकरः शुभे खलखगेतिसमागमनाशकः।।**

चतुर्थेश अष्टम में होने से जातक को सुख नहीं मिलता, पिता का सुख कम मिलता है, यह दीर्घायु होता है। माता-पिता का सुख कम मिलता है, वाहनों का सुख नष्ट होता है, रोगी होता है, चतुर्थेश पापग्रह हो तो स्त्री या मित्रों से वियोग होता है। क्रूरर, रोगी, दरिद्र, दुराचारी आत्मघात करनेवाला होता है। भूमि में गड़ा धन मिल सकता ता है, आर्थिक स्थिति अच्छी रहती है, माता व सम्बन्धियों का सुख कम मिलता है, स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता।

## पंचमेश - सप्तम स्थान में

*फलदीपिका के अनुसार -*

**दारेशे सुतगे प्रणष्टवनितोऽपुत्रोथवाधीश्वरी द्वयने वा ।**
**निधनेश्वरोपि कुरुते पत्नीविनाशं ध्रुवम्।।**

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**सुतेशे कामगे मानी सर्वधर्मसमन्वित:।**
**तुंगयष्टितनु:स्वामी भक्तियुक्तश्च तेजसा।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**मदनगस्तनयस्थलनायक: सुभगपुत्रवती दयिता भवेत्।**
**स्वजनभक्तिरता प्रियवादिनी सुजनशीलवती तनुमध्यमा।।**

पंचमेश सप्तम में होने पर पत्नी की मृत्यु हो सकती है। जातक अभिमानी, सब धर्मों को सम्मान देने वाला, ऊँचे कदका, अधिकारी, भक्त तथा तेजस्वी होता है। जातक की पत्नी सदाचारी व मधुर बोलनेवाली तथा पुत्र सुन्दर एवं देव-गुरु-भक्त होते हैं। जातक की पत्नी सुन्दर, पुत्रयुक्त, अपने सम्बन्धियों पर स्नेह रखनेवाली, मधुर बोलनेवाली, सदाचारी तथा मध्यम कद की होती है। भाग्य पर विश्वास रखने वाली तथा अच्छे पुत्रों से युक्त होती है। पत्नी बुद्धिमान मिलती है, ज्ञानचर्चा करता रहता है, पुत्रसुख मिलता है, व्यापार या वकालत में बुद्धि अच्छी रहती। पराक्रमी व धनवान होता है।

*अनुभव*: पंचमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

## षष्ठेश - सप्तम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**षष्ठेशे सप्तमें लाभे लग्ने वा पशुमान् भवेत्।**
**धनवान् गुण्वान् मानी साहसी पुत्रवर्जित:।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**अरिपतौ मदने खलसंयुते प्रवरकामभरा वनितायुतम्।**
**बहुलवादकरो विषसेवक: शुभखगे बहुलाभसुतान्वित:।।**

*गर्ग जातक के अनुसार -*

**अहितपतौ सप्तमगे क्रूररे भार्या विरोधिनी चण्डा।**
**तापकरी त्वथ साम्ये वन्ध्या वा गर्भपतनपरा।।**

षष्ठेश सप्तम में होने से जातक धनवान, गुणवान, अभिमानी, साहसी, पशु पालनेवाला, किन्तु पुत्रहीन होता है। षष्ठेश पापग्रह युक्त हो तो पत्नी बहुत कामुक होती है। जातक बहुत वाद करनेवाला तथा विष खा सकता है। शुभग्रह हो तो बहुत लाभ तथा पुत्रों से युक्त होता है।

षष्ठेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो पत्नी विरोध करनेवाली, क्रूरर, कष्ट देनेवाली होती है।

## सप्तमेश - लाभ स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**द्व्यनेशे सहजे लाभे मृतपुत्रोपि जायते।**
**कदाचित् जीवति कन्या पश्चात् पुत्रोपित जीवति।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**भवगते तु कलत्रपतौ सदा स्वदयिता प्रियकृच्च तथ सती।**
**अनुचरी स्वधवस्य सुशीलिनी वसुमती कलना पितृसंश्या।।**

*गर्ग जातक के अनुसार -*

**लाभस्थे जायेशे भक्ता रूपान्विता सुशीला च।**
**दयिता परिणीता स्याद् म्रियते सा च प्रसवसमये।।**

सप्तमेश लाभस्थान में होने से जातक के पुत्र जन्मते ही मरते हैं, कदाचित कन्या जीवित रहती है, बाद में पुत्र भी जीवित रहते हैं। पत्नी पति पर प्रेम करनेवाली, पति का कहना माननेवाली, सदाचारी, धनी, होती है, उसे पिता के विषय में संदेह रहता है। पत्नी सुन्दर, सुशील, प्रिय, प्रेम करनेवाली होती है किन्तु प्रसूति में उसकी मृत्यु सम्भव होती है। सन्तति को कष्ट होता है। धन, पुत्र तथा मित्रों का सुख अच्छा मिलता है।

*अनुभव*: सप्तमेश चन्द्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

## अष्टमेश - सप्तम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**अष्टमेशे तनौ कामे भार्याद्वयं समादिशेत्।**
**विष्णुद्रोहरतो नित्यं व्रणरोगः प्रजायते।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**मदनगेऽष्टमपेऽपि च गुह्यरुक् कृपणदुष्टकुशीलजनप्रियः।**
**खलखगैर्बहुपापविरोधकृत् प्रमदया क्षितिजेन च शाम्यति।।**

*गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -*

**मृत्युपतौ सप्तमगे दुष्ट कुलस्त्रीप्रियो गुदव्याधिः।**
**क्रूरे भार्या द्वेषी कलत्रदोषात् मृति लभते।।**

अष्टमेश सप्तम में होने से जातक के दो विवाह होते हैं, यह ईश्वर का विरोधी तथा व्रण-रोग से पीड़ित होता है। जातक को गुप्त रोग होते हैं, यह कंजूस, दुष्ट, दुराचारी लोगों को प्रिय होता है। अष्टमेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो बहुत पाप व विरोध होता है, व मन स्त्री से शान्त होता है। दुष्ट कुल की स्त्री चाहता है, गुदा के रोग (बवासीर या भगंदर) होते हैं, वह पत्नी से द्वेष करता है तथा स्त्री के दोष से (गुप्त रोग आदि से) इस की मृत्यु होती है। जातक धन विषयवासना पूरी करने में तथा गुप्त कामों में खर्च होता है।

*अनुभव :* अष्टमेश रवि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## नवमेश - सप्तम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**भाग्येशे सप्तमे लग्ने गुणवान् पशुमान् भवेत्।**
**कदाचिन्नभवेत् सिद्धिर्यत् कार्य कर्तुमिच्छित।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**नवमपे मदगे वनितासुखं वचनकृत् चतुरा धनसंयुता।**
**भवति रागवति किल सुन्दरी सुकृतकर्मरता बहुशीलवान्।।**

*गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -*

**यवनजातक जैसा वर्णन है।**

नवमेश सप्तम में होने से जातक गुणवान होता है, पशुपालन करता है, कभी-कभी वह जो कार्य करना चाहे वह सिद्ध नहीं होता। सदाचारी होता है, स्त्रीसुख पाता है, पत्नी आज्ञा माननेवाली, चतुर, धनसंपन्न, प्रेम करनेवाली, सुन्दर, पुण्य कार्यो में रुचि लेनेवाली होती है। जातक लम्बी यात्राएं करेगा, स्त्री भाग्यवान होगी, विवाह के बाद भाग्योदय होगा।

## दशमेश - सप्तम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**धने मदे च सहजे कर्मेशो यदि सस्थित:।**
**मनस्वी गुणवान् कामी सत्यधर्मसमन्वित:।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**सुतवती बहुरूपसमन्विता रमणमातरि भक्तिसमन्विता।**
**भवति तस्य जनस्य निरन्तर प्रियतमाम्बरपे दयितागते।।**

*गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -*

**यवनजातक जैसा वर्णन है।**

दशमेश सप्तम में होने से जातक अभिमानी, गुणवान, कामुक, सत्य और धर्म से युक्त होता है। जातक की पत्नी पुत्रवती, बहुत सुन्दर, सास पर भक्ति रखनेवाली होती है। व्यवसाय के लिए विदेशयात्रा होगी, दूर दूर के प्रदेशों से व्यापार होगा, कोर्ट के काम व साझेदारी के व्यवहार करेगा तथा स्वच्छन्द होगा।

*अनुभव* : दशमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## लाभेश - अष्टम स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**लाभेशे सप्तमे रन्ध्रे भार्या तस्य स्वरूपवान्।**
**उदरो घनवान् कामी भूसुरो भवति धुरवम्।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**बहुलरोगयुतश्च तथा शुभ: खचर एवमिदं ददते फलम्।**
**भवपतौ मृतिगे रिपुवृन्दतो विपुलवैरकरश्च सदा नर:।।**

*गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -*

**रोगी होना इतना ही फल बताया है।**

लाभेश अष्टम में होने से जातक की पत्नी सुन्दर होती है, जातक उदार, धनवान, कामुक तथा पृथ्वी पर देवता जैसा होता है। शुभग्रह हो तो बहुत रोग होते हैं तथा शत्रुओं से बहुत वैर होता है। गुप्त धन, लावारिस जायदाद, बिना परिश्रम का मिला धन आदि लाभ होगा।

*अनुभव :* लाभेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित फल अधिक अनुभव होते हैं।

## व्ययेश - लाभ स्थान में

*लोमेश संहिता के अनुसार -*

**व्ययेशे दशमे लाभे पुत्रसौख्यं भवेन्नहिं ।**
**मणिमाणिक्यमुक्ताभिर्धनं किंचित् समालभेत।।**

*यवन जातक के अनुसार -*

**धनयुतो बहुजीवितयुक् पुमान् न च खल: प्रमदश्च उदारघी:।**
**भवगे सति सत्यवाक् सकलकार्यकर: प्रियवाग् भवेत्।।**

*गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -*

**यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ अपने स्थान में**
**श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होना इतना फल अधिक बताया है।**

व्ययेश लाभ में होने से जातक को पुत्रसुख नहीं मिलता, हीरे, जवाहरात, मोती आदि के रूप में कुछ धन मिलता है। जातक धनी, दीर्घायु, सदाचारी, खुशमिजाज उदारबुद्धि, सच बोलनेवाला, सब काम करनेवाला, मीठा बोलनेवाला होता है। जातक अपने स्थान में श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होगा। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों के कारण संकट आते हैं।

*अनुभव :* व्ययेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

# जीवन फलादेश

आप मिश्रित ऊर्जा वाले व्यक्ति हैं। चौकस धूर्तता के कारण आपकी ऊर्जा का नाश हो जाता है। आपके व्यवसाय के कार्य में अथक उत्साह के कारण आप अपने परिवार को समय नहीं दे पाते। आपको व्यवसाय में रहस्यमय मार्ग द्वारा धन की प्राप्ति होती है तथा आश्चर्यपूर्ण तरीकों से आपका प्रशिक्षण होता है। रहस्यपूर्ण पहेलियां सुलझाने में आप पारंगत हैं। आप अति संवेदन शील हैं व ऐसी समस्याओं का निराकरण कर पाना आपके लिए आसान है जिन्हें कुछ ही लोग सुलझा पाते है। जब आपकी प्रतिभा से सम्बन्धित बात हो तो आप नम्र किन्तु स्पष्टवादी हो जाते हैं। हर परिस्थिति पर काबू पाना आपके लिए सामान्य बात है। आप तेज दिमाग वाले व्यक्ति हैं।

आपका चरित्र अच्छा है तथा स्वभाव से आप रोचक है। अपने अनुयायियों को आप सम्मोहक रुप से आकर्षित करते हैं। आपका झुकाव सम्बन्ध बनाने के लिए सदैव रहता है। आपका निश्चिन्तता वाला स्वभाव है। आप अजेय, खुश मिजाज इंसान हैं। आप सामाजिक प्राणी हैं। आप आमोद प्रमोद पसंद करने वाले व्यक्ति हैं। आपकी विनोदी वृति है। आप हाजिर जवाब हैं। आने वाली परिस्थिति का आंकलन आप सकारात्मक रुप से करते हैं। आप मिलनसार हैं। मित्रवत् आचरण आपके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आप लोगों की मदद करने वाले हैं। आप ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को उनके लाभ के लिए अपने संस्थान से जोड़ना चाहते हैं। किसी अवगुण के कारण आपकी दयालुता कम हो जाती है। आप प्रेम से पूर्ण व्यक्ति हैं।

आप अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार हैं। आपकी अपनी रुचि के काम हो तो आप बेहद दृढ़ संकल्प हो जाते हैं। जब कभी कठिन परिस्थिति सम्मुख आ जाती है, तब आप संघर्ष प्रिय व अनुशासन प्रिय हो जाते हैं। आप परिश्रमी और कर्मठ हैं। आप शान्त व्यक्ति हैं। आपका स्वभाव शान्ति प्रिय है। आप गंभीर व्यक्ति हैं।

आप में नैतिकता है। आप में न्याय की चाहत है तथा कभी भी पक्षपात पूर्ण निर्णय आपके या किसी और के भी पक्ष में होने पर आप विचलित हो जाते है। आप सिद्धान्तों पर चलते हैं। आप समझदार हैं तथा व्यस्त सुधारक हैं जो कि समाज में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप अपने आन्तरिक विश्वास से कार्य करते हैं। उससे आपको लाभ भी होता है, तथा आपको कभी भी अपने विश्वास से, भय के कारण डिगना भी नहीं पड़ता है। आप हर बात की गहराई में जाकर उसके कारणों का पता लगाना चाहते हैं। आप आत्म विश्वास से परिपूर्ण, तीव्रता से कार्य करने वाले बुद्धिजीवी तथा आडम्बर रहित हैं। आप बुद्धिमान हैं। कभी-कभी आप कूटनीति, बुद्धिममानी तथा चतुराई से अधिक प्रगति कर पाएंगे।

आप साहसी, आक्रामक तथा खतरनाक कार्य करने वाले हैं। आप आत्म विश्वासी हैं। आप आवेगशील, अति संवेदन शील, भावुक, तार्किक, शक्तिशाली तथा विवेकपूर्ण व्यक्ति हैं। आप हठधर्मी (निश्चयतात्मक) हैं। आप बहुत प्रभावशाली हैं। कितनी भी कठिनाई क्यों न आ जाए, आप ऐसे समय में भी निडरता से कार्य कर सकते हैं। आप अपने अनुग्रहों को प्राप्त करने के लिए पूरी शक्ति एवं साहस के साथ लगे रहते हं। आप बहादुर हैं। जीवन में आपके लक्ष्य बड़े यथार्थ होते हैं। कार्य में दक्ष तथा यथार्थपरक, आपमें स्वार्थ की लालसा है। आप अपने लायक पहचान को पाने के लिये उत्तेजित हो जाते हैं।

आप अहंकारी हो सकते हैं। कभी-कभी आप घमण्डी या कम विनम्र हो जाते हैं, और दूसरों को खुश करने की परवाह भी नहीं करते हैं। आप अपने श्रोताओं का ध्यान रखते हैं। आप विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य का जिम्मा लेकर दूसरों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप स्वप्नद्रष्टा हैं। आप जहां कहीं भी जाते हैं, सम्पन्नता के अवसर तलाशते हैं।

वादा निभाना, अनुशासन और स्थिरता की आपमें कमी हो सकती है। अव्यवस्थाओं को हटाकर आप सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। आपको निर्जन और एकान्त स्थान पसंद हैं।

आप स्वयं के हितों के प्रति सचेत हैं। आपमें इच्छाओं का भण्डार है, जिससे पार पाना जरा कठिन है। एक बार लक्ष्य निर्धारित करने पर पूरे मनोयोग से आप उसे पूरा करने में जुट जाते हैं।

आपमें आत्म नियंत्रण की क्षमता है पर आप उसका उपयोग कम ही करते हैं। आप सौम्य और मृदुभाषी हैं, और रात्रि में अधिक क्रियाशील हो जाते हैं। जब आप गुप्त रुप से कार्य करते हैं, तो ज्यादा प्रभावी प्रदर्शन करते हैं। आप प्रत्येक के बारे में, कुछ मलिन

या निर्लज्जता वाले रहस्य स्मरण रखते हैं। आप आत्म केन्द्रित हैं।

आपमें धैर्य का अभाव है। आप क्रोध के प्रति उद्यत हैं। कार्य को पूर्ण करने के लिए आप आक्रमक रवैया अपनाते हैं। आप अक्सर अपने आप को यह कामना करते पायेंगे कि आपके पास भी वह होता जो किसी और के पास हैं। जब वह घिटत होता है तो आपके विचार सकारात्मक नहीं होते हैं। आप क्षमा कर देते हैं पर भूलते नहीं। आप एक आक्रमक व्यक्ति हैं।

खुले रुप में कार्य करने में आप संकोच महसूस करते हैं। जब आपको ऐसा करने पर विवश किया जाता है तो आप स्वयं को असुरक्षित एवं तनावपूर्ण परिस्थितियों में पाते हैं। आप एक लज्जाशील व्यक्ति हो सकते हैं।

बहुत अधिक जिम्मेदारियाँ आप पर कष्टकर प्रभाव डालती हैं। आपका शक्ति का स्तर कमजोर है व आपको कभी - कभी प्रेरणा की आवश्यकता होती है है। आप एक अनियंत्रित तोप के समान हैं जो केवल युद्ध शुरु होने का इन्तजार कर रहा है।

यह आपके लिए मान लेना उत्तम होगा कि अविवेकी, अर्थहीन संबंध या क्रिया-कलापों तथा लोक निन्दा आपके लिए लाभ नहीं लायेंगे। आपको बाह्य प्रदर्शन का मार्गदर्शन करने वाली उच्चतर शक्तियों के साथ संरचनात्मक सहयोग करने की आवश्यकता है।

आप प्राकृतिक रुप से प्रसन्न हैं। आप अपने जीवन के पूर्वार्ध में प्रसन्न नहीं हो सकते किन्तु बाद के भाग मे आप प्रसन्न एवं प्रबल होंगे।

आपके संभवत: भूरे बाल हों। यह संभव है कि आपके केश सुनहरे हों। यह संभव है कि आपकी त्वचा लालिमा लिये हो। आपका मुखमण्डल पीला पड़ा हुआ है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र आकर्षक हैं। आपके चेहरे पर कुछ चिन्ह या दाग हो सकते हैं। आपकी पिण्डलियाँ अच्छी तरह विकसित हैं।

आपका स्वरुप मोहित है।

आप अपने परिवार से अधिक व्यवहार कुशल परिवार से आये हुए लगते हैं।

आप वाक्पटु हो सकते हैं। आप मृदु भाषी हैं। आप दो-टूक बात करने वाले तथा व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष बयान करने में निपुण हैं।

आप पूर्णत: तर्कसंगत हैं, तथा आप दूसरों के साथ संघर्ष करते समय प्राय: विजेता रहते हैं। आप अपने सबसे गहरे विचारों को प्रसारित करते हैं, परन्तु हो सकता है आप इसके लिए श्रोता न पा सकें।

आप लोगों को किस तरह जीना चाहिए, ऐसे कई विषयों पर भाषण देते हैं।

स्वयं को स्पष्ट रुप से अभिव्यक्त करना, आपके लिए कठिन हो सकता है। आप गलत न समझे जाएं इस भय को आप मन में गुप्त रख सकते हैं।

आपके बोलने का तरीका रुखा हो सकता है। आपका अपनी जुबान पर नियंत्रण न होने के कारण, आप बिना विचारे कुछ-भी बोल देते है।

आप स्वयं को अभिव्यक्त करते समय सत्य बोले।

आपका संचालक मस्तिष्क होने के कारण, आप सरकारी कार्यो के बारे में नकारात्मक मत रखते हैं

आपका दिमाग अत्यन्त शक्तिशाली हैं। आपका दिमाग प्रखर, परन्तु समस्याग्रस्त है। आप अति भौतिक हैं। आप में ग्रहणशील, तत्पर, खोजी,

ओजस्वी दिमाग है। आपका दिमाग लक्ष्य प्राप्ति को लेकर निर्धारित हैं। आप हाथ में लिये कार्य को ध्यानपूर्वक करते हैं।

आप कल्पनाशील हैं। आप यह जानते हुए भी रिश्ते बनाते हैं कि ये ज्यादा नहीं चलेंगे।

आपकी कल्पना अत्यन्त संकीर्ण हैं।

आप कई बार अति साहसिक व उत्साही हो उठते हैं। आप की आत्मा पवित्र है। आप छिपे रहस्यों पर से पर्दा उठाने व खोज में आनन्द का अनुभव करते हैं। आप अति संवेदनशील हैं तथा आसानी से परेशान किये जा सकते हैं। आप सितारों की चाल समझते हैं परन्तु दूसरे आप को नही समझते हैं।

कई सम्पर्क आपके लिये असमंजस भरे साबित होंगे। कई बार आपका अन्त:मन आपको हार का अहसास करायेगा जिससे आपका आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है।

आप अति संवेदनशील हैं जिससे आपको अनेकों बार परेशाानियों का सामना करना पडा है। कभी-कभी आप अपनी आशा को खो देते हैं परन्तु उसी समय आपको जीवन से बहुत कुछ अच्छा मिलता है। आप अपने फायदे के लिए बातों को खींचने से बचते हैं। कभी- कभी आप स्वयं को भीड़-भाड़ में फँसा पाते हैं।

आप अवनति के भँवर में गिर सकते हैं। भावनाओं के साथ खिलवाड़ आपको विध्वन्सकारी कार्यों में लगा सकता है।

आप चतुर, परन्तु असाहित्यिक हैं। आपमें विशेषत: मानवीय गुणों की कमी है।

आपमें अपनी तीक्ष्ण बुद्धि व जागरुकता के कारण जीवन के सत्य को समझने का सामर्थ्य है।

आपमें गहरी विवेकशीलता है। आपमें सही व गलत का अच्छा ज्ञान है परन्तु आप अक्सर उसका उपयोग नहीं करते। आपका दर्शन ज्योतिषिय प्रकार का है जो जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू होता है।

शिक्षा में आपने अच्छी व उत्तम तरक्की की है। शिक्षा या सीखने की कोई भी प्रक्रिया आपके लिए आनन्ददायक है। शिक्षण और प्रशिक्षण पर किया गया व्यय अच्छे परिणाम देगा।

आप अपने लिए जरुरी विषयो की खोज में घण्टों व्यतीत कर सकते हैं।

आपकी शिक्षा में कई विघ्न हैं परन्तु इनसे भी आपका रुझान कम नहीं होगा।

आपको शिक्षा पसंद है परन्तु औपचारिक विद्यालयी शिक्षा के साथ कुछ कठिनाईयां हो सकती है।

आप कानून का अच्छा ज्ञान रखते हैं तथा सौदे समझौतो में लिप्त हो सकते हैं। आप छुपा ज्ञान प्राप्त करना चाहेंगे।

आप सीखने में आनन्द लेते हैं आप उत्तर की तलाश मे हर प्रयास करेंगे।

आप तुरत - फुरत कार्य करते हैं। आप अपनी महत्वाकाँक्षा से अपने लूक्ष्य को पहचानने में कुशल हैं।

आप में अच्छी सलाह देने की योग्यता है। आप लोगो से व्यवहार करने में कुशल हैं। आपसे भिन्न होने पर भी, आप सभी से सहज सम्पर्क साध सकते हैं। आपमें नायक बनने कं स्वभाविक गुण हैं। आप ज़रुरत के मुताबिक व्यक्तिगत और समझदारीपूर्ण आचरण से लोगों को अपनी बात के लिए राजी करने की योग्यता रखते हैं। आप अपनी कार्य कर सकने वाली योग्यता के लिए जाने जाते हैं।

आप कुशल संगठनकर्ता व प्रशासक हैं। आप में अवसरों को पहचानने की तथा विकास की सम्भावनाएं बढ़ाने की अच्छी निर्णय क्षमता है। आप में अच्छे सामाजिक गुण हैं।

गणितीय योग्यता आपको विज्ञान व तकनीकी में मदद करती है। आपमें किसी भी चीज़ का कारण जानने के लिये गहराई में उतरने की क्षमता है। आप कम्प्यूटर में शिक्षा तथा कुछ जटिल तकनीकों में विशेषता प्राप्त करेंगी। आप विस्फोटकों, रसायनों तथा विचित्र प्रकार के हथियारों में दक्ष हैं।

आप में मुनाफे को बनाने व बढ़ाने की योग्यता है। आप उपचार करने में श्रेष्ठ हैं। चाहे आप एक पेशेवर उपचारक हो या ना हो आप स्वयं या दूसरे को स्वस्थ कर सकने की योग्यता रखते हैं। आप किसी भी व्यक्ति के अचेतन मन को पढ़ सकते हैं।

आप रिश्तों में संतुलन नही बना सकते हैं। सफल सौदों के लिये सही सम्पर्क नही बना पाने के कारण आप असफल रहते हैं। आप कूटनीति में दक्ष नहीं हैं। आप जिम्मेदारियों से भागते हैं या उन्हें अनमने हो कर निभाते हैं। आपको आर्थिक व्यवस्था करने में कठिनाई होगी। अपनी भौतिक आवश्यकताओं के लिये अपना ध्यान व सही दिशा रखना आपके लिये चुनौतिपूर्ण हाता है। आप एक कुशल शिल्पकार हैं परन्तु आप का ध्यान भंग हो जाता है।

आपमें प्रतिभा, ताकत व क्षमता का अटूट भण्डार है। आप में कलात्मक योग्यताएँ हैं।

आप में कठीनाईयों व जटिलताओं के मध्य भी अपना मार्ग खोज लेने की उत्कृष्ठ मानसिक क्षमता हैं।

आप कल्पनाशील, कलात्मक तथा सृजनात्मक हैं। आप की ध्राणशक्ति अच्छी हैं।

आप मजबूत हैं।

आप जल क्रिडा जैसे कि सेलिंग को पसन्द करते हैं।

आप औरों के प्रति स्वस्थ व सकारात्मक उ्देदश्य रखते हैं। आपकी व्यवहारिक सोच है। आप समूह के हिस्से की तरह अच्छा रोल निभाते हैं।

आप अच्छे आचरण के लिये जाने जाते हैं। आपकी इच्छा व चाहत तभी पूर्ण होगी जब आप दूसरों की इच्छा व चाहतपूर्ण करेंगे। आप दूसरों के भले के लिए पूर्णत: समर्पित हैं। आप समाज को प्रभावित करने वाले कार्यो में सदैव सच्चे मन से लगे रहते हैं। आप अपने कर्तव्यों को पूरा करने मे पूर्ण रुप से समर्पित हैं।

आप एक तीक्ष्ण श्रोता हैं।

आप घमंडी और बेईमान हो सकते हैं। आप अपनी स्थिति पर द्दढ़ता से कायम हो जाते हैं और दूसरों के प्रति संवेदना कम ही रखते हैं। आप कम भाग्यशाली लोगों की सहायता के नाम पर कंजूसी दिखा देते हैं। आप स्वार्थ साधन करने वाले और छोटे-छोटे गलत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करने वाले हो सकते हैं।

आपमें क्रोध और चिड़चिड़ेपन की भावना इतनी बलवति है कि वह आपके प्रेम को छुपा देती है और ऐसे समय आप अपने परम मित्र से भी शुत्रुता मोल ले सकते हैं। आपको दूसरों के दुर्भाग्य से लाभ हो सकता है। आपके कार्यों की ईमानदारी कभी-कभी प्रशनगत हो सकती है। आप साधनों को अन्त तक न्यायोचित ठहराने में विश्वास रखते है और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वफादार सेवकों और अनुयाईयों का बलिदान भी कर सकते हैं। आप अपने अनुचित व्यवहार के कारण अपमानित होने या कलंकित हो सकते है।

आप विद्वान और पवित्र व्यक्तियों के साथ का आनंद लेते हैं।

आप सभी प्रकार का ज्ञान, विशेष रुप से प्राचीन आध्यात्मिक या ऐतिहासिक बुद्धिमता संबंधी, पसंद करते हैं। आपको बौद्धिक संवाद पसंद हैं।

आपकी पुस्तकों, मिडिया, लेखन और प्रकाशन में भी रुचि हैं। आपको प्राचीन सम्यताओं की खोज करना पसंद हैं। आप, समुद्र के नजदीक रहना पसंद करते हैं। आपको मछलियां और मछली पकड़ना पसंद है। आपको कानून में रुचि हैं क्योंकि यह औपचारिक रुप से लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करता है। आप अस्पताल, जेल, आवासगृहों, आश्रम, अज्ञात स्थान या दूरदराज के देशों के प्रति आकृर्षित हो सकते हैं। आप विभिन्न संस्कृतियों और विदेशी परम्पराओं में रुचि रखते हैं। आपकी रुचि गुप्त और रहस्यमयी कलाओं में हो सकती है। आप सदैव अनुभव और लाभ के नये आयाम तलाश करते रहते है।

आप साहसिक और खेल गतिविधियों में बड़ी लगन से कार्य करते है। आप समाज में ज्यादा मुखर होना पसंद नही करते है कम से कम खुले तौर पर न होकर संभवतया छुपकर कार्य करना पसंद करते हैं। आपको एकान्त में आनन्द आता है, आपमें आध्यात्मिक विकास के प्रति ललक हो सकती है। आप दर्शन पर चर्चा को छोड़कर एकान्त पसंद करते हैं।

आपके लिए किसी भी प्रकार की प्रतियोगी भावना असुविधाजनक होती है। आपको जन सम्पर्क के लिए ज्यादा प्रयास करना पसंद नहीं है। कुछ उपक्रमों के विफल रहने के कारण आप अपने व्यवसाय से असंतुष्ट हो सकते है। आप पानी से दूर रहने का प्रयास करते हैं।

आप रोगों से उबर जायेंगे। आप स्वयं का ध्यान कम रख पाने के कारण थकान जल्दी महसूस करते हैं।

आपका कार्य खतरनाक प्रवृति का है जो आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। आपकी निद्रा में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। आपका स्वास्थ्य नरम हो सकता है और ऐसा भावनात्मक समस्याओं के कारण हो सकता है। आपको रुधिर या प्रजनन अंग संबंधी समस्या हो सकती हैं। आप गुदा में किसी रोग से पीड़ित हो सकते हैं। पालतु पशुओं पर रहने वाले परजीवी आपके लिए समस्याजनक हो सकते हैं। आपको दाँतों से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके दाँत पीले और धब्बेदार हो सकते हैं। आपकी त्वचा का रंग बिगड़ना संभावित है। आपके जननांगों, मूत्रमार्ग या गुर्दों में कुछ कमजोरी या समस्या विकसित हो सकती है। आपके लिए ठंडी फुहारे ऊर्जादायक हैं।

आपको सामान्यतया आयु संबंधित प्रश्न रुचिकर लगेगें।

आप वाहन चलाते समय सावधानी रखें। आप शराब पीकर वाहन नहीं चलायें। आपको नशा करके वाहन नहीं चलाना चाहिए।

आपकी माता क्रोधी, उष्ण , बहादुर एवं अत्यधिक प्यार चाहने वाली महिला हैं। वह एक चतुर, स्वयं के मूल्यों पर केन्द्रित, क्रियाशील नेता है। साहस, महत्वकांशा और विपरीत सोच आपकी माता के पहचान चिन्ह हैं। वह चतुर, कभी-कभी आवेगी, गर्म दिमाग और हमेशा आगे बढ़ने वाली महिला है। उसके प्रबंध दिमागी-उपज हैं और उसकी संसूचना से उसके प्रारंभिक प्रस्ताव प्रारंभ होते हैं। वह आत्मरक्षण कर सकती है, तर्क पर

ॐ

उसका प्रबल अधिकार है किन्तु उसके कार्य एवं परियोजनाएं इस तरह आश्यर्चजनक रुप से बाधित हो सकती हैं जिससे वह थोड़ी अंधाविश्वासी हो सकती है या अज्ञात की गहरी खोज के लिए प्रेरित हो सकती है। उसका अच्छा तकनीकी दिमाग है मशीनों की आंतरिक कार्यप्रणाली में जाकर लोगों को नवीनतम तरीके से सहायता करने के लिए व्यवहारिक निवारण प्रदान करता है। आपकी माता के मुख स उद्भूत होने वाले विवेकपूर्ण आदेश उत्तम कार्यवाहियों पर जोर देते हैं वह प्राकृतिक शिक्षक, यहां तक कि, मंत्री है जो ऐसे आराम-तलब सुख वादियों के विरोध को भी समाप्त कर सकती है, जो प्रवचन पसंद नही करते है परन्तु वह अपने कल्पित दिमाग के निर्धारण में इतनी निश्चित है कि वह विपक्ष द्वारा शांत रहती है और प्रत्येक व्यक्ति की उन्नति के लिए अपने गुणों का उपयोग करती हैं। धार्मिक और परिवार को ध्यान में रखते हुए उसका दृष्टिकोण आध्यात्मिकता और सरसता से परिपूर्ण है। वह दार्शनिक, बहुत साफ दिमागवाली महिला है और स्वयं का उच्चतर प्रधानाचार्यों और आदरणीय शिक्षकों के प्रतिनिधि के रुप में सम्मान करती है। उसके लिए शिक्षा बहुत ही लाभदायक है क्योंकि उसकी बुद्धि पहले से ही तेज है और प्रबोध की प्यास पृष्ठभूमि में सदैव है। आपकी माताजी चपल ओर कोमल हैं। आपकी माताजी का जीवन ओडिसिस की तरह नये नये साहसिक कार्यो की तलाश में रहता हैं , नये अनुभवों की निरन्तर तलाश और नयी योग्यताओं के विकास में लगा रहता हैं।

आपकी माता सलाह देने के लिए उत्सुक रहती है।

आपकी माता सत्य की प्राप्ति के लिए आवेशी जल्दबाजी के कारण अत्यंत सरल उत्तरों को पकड़ती है ओर प्रत्येक को उससे जोड़ने का प्रयास करती है। आपकी माता की जवान मौत हो सकती है या वह बीमार अथवा दिमागी रुप से असंतुलित हो सकती है। आप अपनी माता के प्रति समर्पित है। आपकी माता और आपका संबंध कुछ कटुतापूर्ण है। आपका अपनी माता से शीघ्र अलगाव हो सकता है।

आपके पिता का मानना है कि कुछ भी सुधारा जा सकता है और गणना और माप के जरिये कुछ भी समझा जा सकता है। वे संख्याओं और शब्दों से खेलना जानते है। वे दूसरों का लाभ करवाते है ओर उससे उन्हें स्वयं लाभ होता है। आपके पिता किसी भी विषय या बात या मामले को उसकी आदर्श स्थिति तक पहुंचाने में सक्षम है। आपके पिता अपनी तार्किक बुद्धि से किसी भी प्रकार के विरोध को समाप्त कर देते है। वे दूसरों को इतना प्रभावित कर देते है कि वे वहीं करने लगते है जो आपके पिता चाहते है। यद्यपि आपके पिता स्वावलंबी और स्व में स्थित रहने वाले है तथापि वे एक समय में दो भूमिका भी निभा सकते है। आपके पिता स्वच्छ और साथ लेकर चलने की प्रवृति वाले है। आपके पिता विभिन्न कलात्मक रुपों से कौमेडी संगीत व गीत गायन से परिचित है। आपके पिता को गणित पसन्द है तथा वे सांख्यिकी में विश्वास रखते है।

आपके पिता स्वभाविक रुप से एक अच्छे गणना करने वाले व विशलेषक हो सकते है।

आपके पिता प्रत्येक चीज का विस्तृत ब्यौरा देते है इस बात की परवाह किये बिना कि इससे उनके श्रोताओं में अरुचि उत्पन्न होने लगती है। आपके पिता भावनाओं की बुद्धिसंगत व्याख्या प्रस्तुत करते है। आपके पिता अपने अन्दर संघटन की अनेक अवस्थाओं से गुजर रहे है जो कि कभी-कभी उनके समायोजन में समस्याएं पैदा कर सकती है।

आपको काम या कोई दूसरा अनिश्चित प्रभाव आपके पिता से आपकी इच्छा से अधिक दूर रखेगा। कभी-कभी अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण आप अपने पिता की मदद से दूर हो सकते है।

ऐसा सम्भव है कि आप बचपन में बीमार रहे हो आप का बचपन खुशियों से भरा रहा है और आपका अपने माता पिता से अच्छा सामंजस्य रहा है। आपके जन्म के तुरन्त बाद आपके परिवार के भाग्य में बहुत अधिक परिवर्तन हुआ होगा।

जो आपके कौशल की तारीफ करते है वे आपको गोद लिये बच्चे की तरह मानेंगे। आपकी कभी कभार अपने माता-पिता से भावनात्मक द्वन्द्व की स्थिति हो सकती है। आपको अपनी पैतृक सम्पति को अपनी इच्छानुसार छोड़ने में कुछ परेशानी हो सकती है।

आपके भाई-बहिन आपके मार्ग दर्शन तथा उच्च ज्ञान के स्त्रोत हो सकते है।

आपकी मां तथा छोटे भाई बहिन आपको असाधारण समझते है अथवा अपने सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाना चाहते है। आप अपने भाईयों या मित्रों के साथ झगड़ों में उलझ सकते है। आप परिवार के साथ अपने संबंधों में कुछ कटुता अनुभव कर सकते हो शायद आपके भाई बहिन आपके विरोध में हो सकते है। आपके कोई भाई/बहिन या आप पर निर्भर रहने वाले हो सकते है जो कि आप के धन तथा जायदाद को खर्च कर सकते है।

बड़े भाई/बहिन के साथ आपके संबंध बहुत अधिक मधुर नहीं होंगे। आप बड़े भाई/बहिन से बिछुड़ सकते है। आपके बड़े भाई की दीर्घायु में परेशानी हो सकती है।

आप अपने एक छोटे भाई के बहुत करीब हो सकते है। आपके छोटे भाई बहिन आपसे कुछ दूर हो सकते है।

आपकी मां का रिश्तेदार विदेश में रह सकता है। आपके नानाजी का परिवार आप पर ध्यान देगा।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

आपका अत्यधिक प्रिय स्वभाव है। आपकी भावनाएं बहुत मजबूत है तथा आप उनके अनुसार कार्य करने की ओर प्रवृत्त होते है। आप महिलाओं को पसन्द करते है तथा भावनात्मक सम्बन्धों को मानसिक संतुष्टि ढूंढ़ने की कोशिश करते है। आप संबंधों में थोड़े चालाक रहते है। आप प्यार में अपनी स्वतंत्रता चाहते है। आपको महिलाओं का साथ अच्छी लगती है तथा उनका आपके जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव है। आपका किसी से संबंध बन जाता है क्योंकि आप उससे बात करना चाहते है तथा धीरे धीरे आप उसके साथ अधिक समय बिताने लगते है। आप जानते है कि प्यार में खुशी कैसे मनाई जायं। आप जीवन में रिश्तों में अत्यधिक बल देते है जिसके कारण आप अत्यधिक भावुक हो जाते है।

आप दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। आप भावनाओं से परिवर्तित हो जाते है तथा आपकी मजबूत पसन्द व नापसन्द है। आपके बुरे साथी आपके लिये समस्या पैदा करने वाले हो सकते है। आप अपने रिश्तों में लापरवाह हो सकते है तथा उन्हे लम्बे समय तक नहीं निभा सकते। आपको विपरीत लिंग के साथ व्यवहार बनाये रखने की कुशलता न होने के कारण परेशानी व शक्ति संघर्ष झेलना पड़ सकता है। आपके प्रेम सम्बन्ध व विवाह हो सकते है। आपके लिए रिश्ते बनाना आसान है लेकिन उन्हे निभाना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। आप बहुत से व्यक्तियों की तरफ आसफल हो सकते है तथा गलत संबंध बना सकते है। आप कामुक है। आपकी कामवासना प्रबल है। आप अपनी सैक्स ऊर्जा को कुछ रचनात्मक कार्यों की ओर मोड़कर फायदे में रहोंगे। आप यद्यपि सैक्स के बारे मे बहुत सोचते परन्तु आपको इसमें पूर्ण संतुष्टि नहीं मिलती।

आप रिश्तों व वैवाहिक जीवन में एक दूसरें के लिये समर्पण भाव को ही सम्मान का विषय मानते है।

आपको सुखी वैवाहिक जीवन बनाये रखने में कुछ परेशानी हो सकती है। आपके वैवाहिक सम्बन्धों के अलावा अनैतिक सम्बन्ध हो सकते है। आपके वैवाहिक रिश्तों में कुछ हानि हो सकती है। आप अच्छे वैवाहिक सम्बन्धों पर अधिक ध्यान देते है लेकिन आपकी यही तीव्रता आप के लम्बे वैवाहिक आनन्द को कम कर सकती है। आपका जीवनसाथी आपसे उतना प्यार करने वाला नहीं होगा जितना आप चाहते है। अगर आप शादी करते है तो आपका अहम व गर्व आपको अपने जीवनसाथी के अत्यधिक करीब जाने से रोक सकता है। आपके और आपके जीवनसाथी के मध्य अत्यधिक गलत फहमी हो सकती है। आप अपने साथी के आलोचक हो सकते है तथा उनके साथ अपने व्यवहार में सनकी हो सकते है तथा अचेतन रुप से उसके आप से दूर जाने का कारण बन सकते है। आपकी और उसकी इच्छाएं कभी कभी अलग अलग होती है। आप का जीवनसाथी आपके मां तथा पिता से मधुर सम्बन्ध रखता है।

आपके लिए विवाह व रिश्तें अत्यधिक महत्वपूर्ण है तथा अपने रिश्तों को आप बेहतर बनाने में पूर्ण योगदान करते है। आपको आपके जीवनसाथी व साझेदार से सफलता प्राप्त होगी।

आपका कार्य आपको आपके जीवनसाथी से दूर रख सकता है। आप अपने साथी को अत्यधिक समय व ऊर्जा देने के कारण अपने काम से विमुख हो सकते है। आपका जीवनसाथी आपके लक्ष्य प्राप्ति की कार्य योजनाओं से कटा हुआ महसूस कर सकता है। आपका जीवनसाथी आपके कार्य की जटिलताओं को समझने में असमर्थ है तथा इससे आपके बीच की दूरी बढ़ सकती है।

आपका जीवन साथी मोहक, आकर्षक व महत्वपूर्ण व्यक्ति है। आपका जीवनसाथी दिखने में सुन्दर व युवा होगा। आप ऐसे साथियों को अपनी ओर आकर्षित करते है जो प्रसन्नचित व मधुर स्वभाव वाले हों। आपकी पत्नी के आंतरिक विचार व भाव स्पष्ट रुप से उनके चेहरे व कार्यो में प्रतिबिम्बित होते है। आपका जीवनसाथी कोमल व्यवहार करने वाला है। आपकी पत्नी अच्छी मेहमान नवाज है तथा उनके घर के दरवाजे उनके मित्रों के लिए हमेशा खुले है। आपका साथी जो कुछ भी करता है, बडी दृढ़ता से करता है। जब आपकी पत्नी प्यार व स्नेह दिया जाता है तो वे बड़ी वफादारी से उसका प्रति उत्तर देती है। जब आपकी पत्नी को स्नेह मिलना बन्द हो जाता है तो वे ऐसे प्रतिक्रिया करती है जैसे उनसे जीवनशक्ति वापस ले ली गई हो। आप या आपके साथी में कलात्मक योग्यता है। आपकी पत्नी वृथा चिन्ता, दिवा-स्वप्न एवं गहन चिन्तन में डूबे रहना पसंद करती हैं। आपकी पत्नी पारिवारिक स्नेह पाने की इच्छुक हैं एवं अपने मूल एवं पारिवारिक निवास से दूर रहने पर उदास रहती हैं।

आपका जीवन-साथी भाग्यशाली, उच्च-शिक्षित एवं संभवत: आध्यात्मिक है। वह ऐसे कार्य-क्षेत्र का अनुसरण करेगें/करेगीं जिसे संभालना कठिन होगा।

आप यदि विवाह करते हैं तो आपको एक स्नेही एवं आध्यात्मिक जीवन साथी मिलेगा। वह सद्गुगण, गरिमा एवं वाक्-पटुता की मूर्त्ति होंगे/होंगी। आपकी पत्नी भावुक स्वभाव की होने के कारण अव्यवहारिक निर्णय ले सकती हैं। वह अमिलनसार एवं आधिकारिक स्वभाव के/की हो सकते/सकती हैं। आपकी पत्नी तिरस्कृत न होने पर भी उसकी कल्पना कर सकती हैं। आपकी पत्नी की भावनाओं का चूँकि आसानी से ठेस लग जाती है, वह अन्यों की विचार-शून्यता का चिंतन करने के कारण अनेक सुअवसर गवा देती हैं। आपकी पत्नी की भावनाओं के रुप लगभग चन्द्रमा

की तरह हैं जो बढ़ते एवं घटते है, इसी प्रकार आपकी पत्नी भी कभी-कभी अधिक कल्पनाशील एवं प्रगतिशील होती हैं और कभी कम। आपकी पत्नी को कभी-कभी मुख्य-धारा से अलग हटकर एकांत में रहने की आवश्यकता अनुभव होती है।

आपका जीवन-साथी झगड़ों एवं समस्याओं का कारण बन सकता है। आपकी पत्नी की भावनाओं एवं विचारों की सीमाएँ सदा परिवर्तनशील हैं जिससे जीवन के प्रति उनका रवैया सदा बदलता रहता है। आपकी पत्नी के जीवन में एक निश्चित लय, परिवर्तनों की एक श्रृंखला लाती है। आपके जीवन में दुर्भाग्य हो सकता है जो आपके जीवन-साथी अथवा संतान को प्रभावित कर सकता है। आपकी पत्नी के स्वाभाविक विकास में जब रुकावट अथवा बाधा आ जाती है तो वे जटिल उलझनों में फंस जाती हैं। आपका घरेलु जीवन उपद्रवपूर्ण हो सकता है जिसमें आपके जीवन-साथी को विशेष कष्ट होगा। आपके जीवन-साथी की आयु का निर्णय विशेष रुप से निर्मित आपकी जन्म-कुण्डली के अध्ययन के द्वारा ही किया जा सकता है। आपकी पत्नी ग्रहणशील हैं एवं आसानी से प्रभावित हो जाती हैं। आपकी पत्नी स्वयं उदासीन होते हुए भी  अपने वातावरण व अपनी परिस्थितियों से प्रबल रुप से प्रभावित होती हैं। आपके जीवन-साथी का आपके परिवार से दूर का संबंध हो सकता है।

आपके जीवन-साथी में शारीरिक अक्षमताएँ हो सकती हैं अथवा आपके पास कुछ ऐसे शारीरिक एवं भावनात्मक कारण हो सकते हैं जो संभोग के प्रति आपमें अनिच्छा उत्पन्न करते हैं। आपका जीवन-साथी संतान धारण करने की क्षमता को लेकर चिंतित हो सकता है। आपके जीवन-साथी को प्रसव में कठिनाईयाँ आ सकती हैं। आपके जीवन-साथी की परिपक्व एवं सांसारिक-व्यवहार में एक दक्ष व्यक्ति होने की संभावना है, जो आपके व्यवसाय में सहयोगी एवं उसके लिए सहायक है। आपका जीवन-साथी अपने क्षेत्र में अत्यंत सम्माननीय एवं सफल होगा।

आप ऐसे लोगों के प्रति आकर्षित होते हैं जो सदाचारी एवं विद्वान हैं एवं अपने ज्ञान को आपके साथ नि:संकोच होकर बाँटते हैं। आप अपने मित्रों पर खर्च करना पसंद करते हैं परंतु कभी-कभी उनकी समस्याएँ आपके लिए परेशानी उत्पन्न कर देती हैं।

आपकी रुचि परिष्कृत होने एवं मूल्यों को महत्व देने के कारण आप समृद्ध एवं सुंदर व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होते हैं। आप लोगों के मन को विश्राम देते हैं एवं आपकी दीर्घ-कालीन मित्रताएँ हैं।

आपके संभवत: बहुत से शत्रु एवं प्रतियोगी हों एवं आपके मित्र अविश्वसनीय हों। आपने जिन व्यक्तियों को अपना समर्थक माना था संभव है कि वे समर्थकों के वेष में प्रतिद्वन्द्वी सिद्ध हों। आपके शक्तिशाली शत्रु हैं एवं आपका पाला धोखेबाज़ों, ठगों एवं चोरों से पड़ सकता है। आप अपने शत्रुओं को पराजित कर सकते हैं, कभी-कभी एक महान विजय के साथ। आपको शत्रुओं, विरोधियों एवं प्रतिद्वन्द्वियों की ओर से दबाव आएंगे जो आपके जीवन को उत्पीड़ित करेंगे परंतु आप संघर्षों एवं प्रयत्नों के बाद उनपर विजय प्राप्त कर लेंगे। आपके शत्रुओं को आर्थिक हानियों का सामना करना पड़ता है जबकि आप आर्थिक दृष्टि से सफल रहते हैं। आपको शत्रु एवं प्रतिद्वन्द्वी प्राय: परेशान करते हैं।

शक्तिशली पदों पर स्थित लोग अथवा जो प्रसिद्ध हैं वे आपको अपना संभावित प्रतिद्वन्द्वी मान सकते हैं। संभव है कि अन्य लोग आपके व्यवहार की निंदा करें।

संभव है कि आप निम्न क्रिया-कलापों पर उतर आएँ जिनसे आपको कलंक एवं लोक अपमान ही प्राप्त होगा।

आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे एवं समृद्धशाली व्यक्तियों से अच्छी तरह संपर्क करेंगे। आप लोगों की दृष्टि में ख्याति प्राप्त करते हैं, चाहे वह एक श्रोता ही हो। आप संगठनों के प्रति सकारात्मक योगदान देते है।

संबंध आपके जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। आपके अधिकांश संबंध आनन्दप्रद हैं यद्यपि आप साथियों के चयन में अत्यंत लापरवाह हो सकते हैं। लोग आपके रास्ते के बीच न आएँ तो अच्छा है। आपमें अर्द्ध-सत्य एवं बात को बढ़ा-चढ़ा कर बोलकर लोगों के प्रति चतुराई से व्यवहार करने की प्रवृत्ति हो सकती है। आपको आसानी से गलत समझा जा सकता है जिससे आपको कुछ कठिनाई हो सकती है। लोगों से दूर रहने एवं एकाकी रुप से में कार्य करने की एक गंभीर अवचेतन आवश्यकता है। आपके जीवन में सदा विवेकी एवं सहायक लोग होंगे जो आपके  लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होंगे। आप संबंधों की प्रकृति को समझते हैं, व आप प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व के स्वभाव की विशेषता एवं रवैये के स्थान एवं महत्व को आसानी से देख सकते हैं, एवं आप उन दोनों लोगों के साथ में होने के परिणाम स्वाभाविक रुप से समझ सकते हैं।

आप अपनी मातृभूमि से ज्यादा विदेशों में जाने जाते हैं। आप विदेशों में भाग्य बनायेंगे। आप विदेशियों को विश्वास में ले कर उनसे पैसा व सम्पति अर्जित करेंगे।

बजाये कार्य खत्म करके अपना लक्ष्य हासिल करने की अपेक्षा आप अपनी महत्वकाँक्षाएं बदलते रहते हैं और अपनी ऊर्जा को इस परिवर्तन में लगा देते हैं।

आप व्यवसायी समूहों को संरचना व मार्गदर्शन देते हैं। आप एक स्वाभाविक दुनियादारी के कारण बड़े प्रकार के कार्य कर सकते हैं। आप व्यापार व कानूनी मामलों की अच्छी दुनियाँदारी रखते हैं। आप धीमे व धैर्यवान हैं। आपकी व्यवसाय में तरक्की धीमी गति से होगी। आप एक राक्षस की तरह से अपने लक्ष्य पर आक्रमण करते हैं। आप अपने कार्य में  गर्व महसूस करतें हैं अत: किसी भी लापरवाही की ओर ध्यान दें। आप कुछ दार्शनिक व विचारक हो सकते हैं। आप एक अच्छे अनुसंधानकर्ता  व मनोवैज्ञानिक हैं। आप ऐसे कार्य अथवा नौकरी में होंगे जिससे आप ज्यादा लोगों को नजर नहीं आयेंगे।

आप व्यापार के सिलसिले में दूरस्थ स्थानों  में लिप्त होंगे व दूर-दूर तक जाने जाऐंगे।

आपका व्यवसाय अतिविशाल परन्तु कम लाभ देने वाला होगा। आप ग्रहणशील हैं तथा व्यापरिक बन्धुओं से सफलतापूर्वक व्यवहार करते हैं। आपें व्यापार व व्यावसाय मे दक्षता है। आप अपने व्यापारिक क्रियाओं में श्रेष्ठ होंगे। आप सर्वश्रेष्ठ व्यापारी हैं। आप अपने प्रतियोगियो पर गहरा प्रभाव रखते हैं।

साझेदारी सभी क्षेत्रों में आपके लिये महत्तवपूर्ण है। आप साझेदारी या स्वतंत्र रुप से कार्य करेंगे।

आप अपने अफसर खुद हैं। आप आवश्यकता के कारण स्वरोजगार पर केन्द्रित होंगे।

आप स्वव्यवसायी बनना पसन्द करते हैं परन्तु स्वरोजगार इतना आसान नहीं है। आप के पेशे का एक हिस्से मालिक की नौकरी करना है।

आप सहयोगियों के साथ अच्छे हैं। आपके कर्मचारियों को लगातार, ज्यादातर आर्थिक कठिनाईयाँ आयेंगी ।

आप काम पसंद हो सकते हैं। आप अपने काम में आ रही बाधा निवारण के प्रति दृढ़ निश्चयी हैं। किसी तस्वीर को देख कर उसी के विस्तार में अधिक कार्य करना आपके लिये अति साधारण बात है। यदि आप एक अध्ययन करने वाला अथवा शोधकर्ता हैं, तो आप चीजों के विस्तार व अत्यधिक साहित्यिक प्रस्तुति के लिए विचारों में खो जाते हैं अथवा दल-दल की तरह फंस जाते हैं। आप जो कार्य करेंगे वह किसी संस्था को अग्रिम व अपूर्व ज्ञान प्रदान करने वाला होगा। आप दूसरों के प्रति गहरी भावनाएँ रखते हैं अत: श्रेष्ठ सलाहकार व मनोवैज्ञानिक हो सकते हैं।

आप प्रसिद्धि पायेंगे। आप एक नेता हैं और जो कुछ भी करते हैं उसके लिए जागरुक हैं। आप जीवन में महान उपलब्धियाँ पाने के लिये प्रतिबद्ध हैं और अपने सहभागी द्वारा आदर सम्मान तथा सामाजिक प्रतिष्ठा पाने वाले हैं। आप अपने काम में बहुत सफल होंगे। आप जीवन में अनेक बार सफलता की प्रसन्नता का आनंद लेंगे और उसके साथ प्रसिद्धि  प्राप्त कर सकते हैं। आपके प्रयास सफल होते हैं और आपके अवसर सफलता में परिवर्तित हो जाते हैं।

परिणाम और उपल्बधियाँ उचित समय पर आती हैं। आप अधिकांशत: काम के बोझ से दबे रहते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार हानिप्रद है और योजना की कमी व्यापार में समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। आप अपने काम के संबंध में विदेश यात्रा कर सकते हैं। आप साहसी हैं और आपका काम आपका विदेश ले जा सकता हैं।

आप के अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध नही हो सकते हैं। आप कानून तोड़ सकते हैं।

विशेषरुप से धन-प्रवृत होने के कारण, आप सावधानीपूर्वक अपने पैसे की रक्षा करते हैं। आपके संपर्क आपको अच्छी आय और सफलता दिलायेंगे। आपको एक विरासत मिल सकती है। आप अनपेक्षित स्रोतों से अप्रत्याशित लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जैसे कि बिना दावेदारी की भूमि, कर वंचना के कारण संपति, या कर वापसी।

आप अनेक समृद्धिकारक अवसर प्राप्त करेंगे। आपका अवसरों के प्रति खुलापन आपको लाभ और समृद्धि प्रदान करता है। नकद या अन्त: प्रवाह सामान्यत: एक समस्या नहीं है।

आपके लिए घर पर कमाना बहुत कठिन है। आपके वित्तीय संसाधन आपके लिए गहन संवेदनशीलता का स्रोत बन सकते हैं। आपको धन और अवसरों का नुकसान हो सकता है।

आपके वित्तीय प्रयास फलदायक होते हैं। आप स्वयं व दूसरों को, ऋण और करों से मुक्ति दिलाने के उपाय ढ़ंढ़ने का प्रयास करते हैं।

आप उन वस्तुओं को सरलता से प्राप्त करते हैं जो आपको सुविधायुक्त बनाते है।

आप मनोचिकित्सक , भविष्यवक्ता, शोधकर्ता या जांचकर्ता के रुप में धनोपार्जन कर सकते हैं। आप विदेशी आय का शक्तिशाली स्रोत विकसित कर सकते हैं। आय सृजन समस्यापूर्ण है, किन्तु आप विदेशी सम्पर्को और परोपकारी एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में धनोपार्जन कर सकते हैं।

आप ऋण भुगतान हेतु कार्य करने के लिए बाध्य हैं। कभी-कभी जिन कार्यों को आपने लाभ की आशा से प्रारंभ किया है, वे आपके लिए हानिकारक हो सकते हैं।

आपके लिए अचल संपति सौभाग्यशाली है। आपके संपति या भूमि क्रय के प्रयास में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। आप भूमि, संपति या वाहन के संबंध में समस्याग्रस्त हो सकते हैं अत: सदैव बीमा करना श्रेयस्कर होगा।

छुटपुट वस्तुओं और गतिविधियों में अत्यधिक व्यय होगा । आप कभी-कभी धन व्यय के निकृष्ट निर्णय लेते हैं या परिस्थितियां आपको धन व्यय के नये तरीके सिखा सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि संसाधनों के संचयन के स्थान पर उनका विक्षेपन होगा। कभी-कभी अप्रत्याशित व्यय आपको परस्त कर सकते हैं। आप अपने व्यय को पूर्ण करने हेतु उपयोगी रणनीतियां विकसित कर सकते है। आप सरलता से बचत करने में समर्थ हैं। आप स्थायी प्रकार से अपने व्यय की व्यवस्था करेंगे। आप मानवतावादी उद्देश्यों पर व्यय करते हैं। आप भौतिक रुप से निर्धन अकुशल शक्तियों पर समय, शक्ति और धन व्यय करते हैं।

कानून की अवहेलना संबंधित व्यय भी हो सकते हैं। अकारण हानियां और चोरी संभव है। मित्रों को ऋण न दें। आप अपने साधनों से अधिक व्यय करत हैं। आप आय और व्यय के संतुलन को कठिनाई से नियंत्रित कर सकेंगे और परिणामत: आप प्राय: स्वयं को ऋण से ग्रस्त पायेंगे। कुछ व्यय गुप्तरुप से किये जाएंगे।

आप ज्ञान प्राप्ति के लिए उत्सुक हैं। आप यदि चाहें तो प्राचीन रहस्य शिक्षाओं की गहराईयों को बांध सकते हैं।

आप सांसारिक वस्तुओं में रुचि की अपेक्षाकृत आध्यात्मिक ज्ञान की कामना करते हैं । आप सामान्य सांसारिक इच्छाओं के प्रति अनासक्त हो सकते हैं। आपकी सभी महत्वाकांक्षाओं में आप किंचित अपनी उपलब्धियों के प्रति अनासक्त रहते हैं। आप यदि एक आध्यात्मिक प्रशिक्षु हैं तो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं किन्तु यदि सांसारिक है तो मूर्खता की ओर अग्रसर हो सकते हैं एवं गहनता का अभाव हो सकता है। आप में की साधु बनने की प्रबल प्रवृतियां हैं।

आप धर्म को विजेय बना सकते है।

आप विदेश में रह सकते है ऐसी संभावना है।

आप विदेश यात्रा के प्रति उत्साहित है। आपको यात्राएं करनी पड़ती है पर आप अपने स्थान पर रहना ज्यादा पसंद करते है। आप आध्यात्मिक ज्ञान के लिए विस्तृत यात्राएं करेंगे। आपको अनावश्यक यात्रा करनी पड़ सकती है।

## अन्य

कभी-कभी जीवन में ऐसा समय आएगा जब आपके लक्ष्य परिवर्तित हो जाएंगे या उनमें देरी हो जाएगी। आपके जीवन में कभी-कभी ऐसी बाधाएं आ सकती है जिनसे उबरने में कठिनाई होगी। आपके जीवन के कुछ भाग ऐसे है जिन्हें आप गुप्त रखते है तथा उस भाग में कुछ ऐसे अनैतिक कार्य कर सकते है जिनके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। आप दोहरा जीवन जी सकते है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के बहुत से मौकों को गंवाने के कारण आप निराश हो सकते है। आपका जीवन कभी-कभी संघर्ष की भांति महसूस होता है। वे जिम्मेदारियां जिन्हें आपने पहले नहीं जाना वे अचानक पैदा हो सकती है। कोई अपमान, परिवार में किसी की मृत्यू आर्थिक हानि चुनाव या प्रतिस्पर्धा में हार, कोई बीमारी पेशे में अवरोध में से कोई भी आपकी योजनाओं को बाधित कर सकते है।

आपकी इच्छाऐं अक्सर पूरी हो जाती है तथा आप दूसरों के लिए भी भाग्यशाली है।

आपके कार्य कई बार आपके लिए हानिकारक हो सकते है।

निवेश के मामलों में आप भाग्यशाली है।

आपको अपने मरीजों अथवा ग्राहको, मुवक्किलों की तरह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है।

आपके लिये आक्षेप, कटाक्ष तथा गपशप से बचना अच्छा है।

ॐ

## दशा फल

## बुध महादशा: 21 मार्च 2006 से 22 मार्च 2023 तक

### बुध महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से बुध की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -
- बुध की महादशा में बड़े लोगों, अनेक उद्यमों से धनवान्, मित्र और कुटुम्ब द्वारा धन की प्राप्ति होगी।
- विद्या में उत्कर्ष, भाषण में कुशलता, संगीत में प्रेम तथा शिल्प कर्म में निपुणता प्राप्त होगी।
- व्यवसाय में उन्नति, कृषि कर्म में भी अभिरुचि होगी।
- आचार्य, विद्धान तथा गुरुजनों के प्रति पे्रम बढ़ेगा।
- यज्ञ आदि धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
- नवीन वस्त्राभूषणों का लाभ तथा स्थान निर्माण करने में रुचि होगी।
- स्वर्ण आदि के क्रय-विक्रय से धन की प्राप्ति हो सकती है।
- मध्यस्थता या दूत का काम करने का सौभाग्य मिलेगा।
- हास्य विनोद, क्रीड़ा और सुख से जीवन व्यतीत होगा।
- जनता में महत्व तथा कीर्ति की वृद्धि होगी।
- स्त्री, संतान आदि से सुख प्राप्त होगा।
- वात रोग का भय होगा।
- बुध की महादशा में शत्रु और राजा से भय रहेगा।
- कुलहीन की सेवा से भोजन की प्राप्ति तथा स्त्रीपुत्रादि को कष्ट संभव है।
- विद्या अध्ययन में अरुचि रहेगी।
- बुध की महादशा में विपत्ति और दु:ख का आगमन, शुभ कर्मों का नाश होगा।
- उत्सवादि में विघ्न, स्वजनों से विरोध और उद्योग में कमी हो सकती है।
- बुध की महादशा में अति सुख, कीर्ति, संतान का सुख और राज्य की प्राप्ति संभव है।
- बुध की महादशा में पाप कर्म की वृद्धि, धन, पृथ्वी, कृषि, गौ और संतान सुख की हानि संभव है।
- बुध की महादशा में नाना प्रकार की आपत्ति, मानसिक दु:ख, अपने परिवार के लोग और राज्य से वैमनस्य, लोक निन्दा तथा नेत्र रोग हो सकता है।
- बुध की महादशा में कीर्त्ति, विद्या की प्राप्ति से राजद्वार में सम्मान, यश और प्रताप की वृद्धि होगी।
- राजाओं से मित्रता, धन-धान्य, कलत्र और पुत्रादि का सुख, यज्ञादि कर्म से यश, उत्तम भोजन तथा वस्त्र भूषणादि की प्राप्ति होती है।
- बुध की महादशा में विद्या, स्त्री, सन्तान और उत्तम वस्त्र आदि का सुख प्राप्त होगा।
- गृह सुख, द्रव्य, लाभ, व्यवसाय में यश की वृद्धि होगी।
- राजा से मैत्री तथा सम्मान की प्राप्ति होगी।
- द्वितीय नाम (अर्थात् उपनाम)  की प्राप्ति होगी।
- बुध की महादशा में अनेक व्यवसाय में तत्परता, काव्य एवं कला द्वारा धन लाभ का योग बनेगा।
- नये लोगों से मैत्रिक तथा पुराने मित्रों से विरोध सम्भव है।
- विदेश-वास, अल्प-सुखी, दु:ख चिन्ता तथा सुख में कमी सम्भव है।

## बुध-गुरु : 6 अप्रैल 2018 से 12 जुलाई 2020 तक

### बुध की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल

बुध की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -
- उत्तम कार्य में अनुराग, आध्यात्म ज्ञान की वृद्धि होगी।
- पद प्रतिष्ठा का लाभ, राजा से सम्मान तथा विनय, पवित्रता आदि सद्गुणों की वृद्धि होगी।
- धन और सन्तान की वृद्धि, स्त्री पुत्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- गुरुजन एवं बन्धुजनों को कष्ट, माता पिता से क्लेश संभव है।
- बुध की महादशा में बृहस्पति अन्तर आने पर शरीर में सुख, धन प्राप्ति, राजा से प्रेम, विवाह उत्सव आदि

शुभ कार्य नित्य मिष्ठान्न भोजन, गौ आदि पशुलाभ, पुराण आदि श्रवण, देवता तथा गुरु में भक्ति, दान, धर्म, सुख की प्राप्ति, यज्ञ कर्म में प्रवृत्ति तथा शिवपूजन आदि फल प्राप्त होगा।
- अर्न्तदशा में राजा से कलह, चोर आदि से शारीरिक कष्ट, पितृमातृक्षय, मानहानि, राजण्ड, धननाश, विष, सर्प, ज्वर से पीड़ा, कृषि, गौ तथा भूमि का विनाश हो सकता है।
- बन्धु, पुत्रों से हृदय में उत्साह, धनप्रद कल्याण, पशुवृद्धि, यशोलाभ, अन्नदान आदि शुभ फल होंगे।

## बुध-गुरु-शुक्र : 18 मई 2019 से 3 अक्टूबर 2019 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कमों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## बुध-गुरु-सूर्य : 3 अक्टूबर 2019 से 13 नवम्बर 2019 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## बुध-गुरु-चन्द्र : 13 नवम्बर 2019 से 21 जनवरी 2020 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## बुध-गुरु-मंगल : 21 जनवरी 2020 से 9 मार्च 2020 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## बुध-गुरु-राहु : 9 मार्च 2020 से 12 जुलाई 2020 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## बुध-शनि : 12 जुलाई 2020 से 22 मार्च 2023 तक

**बुध की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**
- बुध की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में पराक्रम की वृद्धि, कला-कौशल से लाभ प्राप्त होगा।
- मित्र प्रेम, धन, दया धर्म एवं सत्कर्म की वृद्धि होगी।
- स्त्री लोलुपता, गुप्त पाप कर्म की ओर प्रवृत्ति तथा आलस्य की वृद्धि संभव है।
- साधारण लोगों से सुख की प्राप्ति और कृषि की हानि एवं वात व्याधि से पीड़ा हो सकती है।

- अपमृत्युभय संम्भव है।
- दोषपरिहार के लिये मृत्युंजय जप, काली गाय, भैंस का दान करें जिससे आयु, आरोग्य की वृद्धि होगी।

## बुध-शनि-शनि : 12 जुलाई 2020 से 14 दिसम्बर 2020 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## बुध-शनि-बुध : 14 दिसम्बर 2020 से 2 मई 2021 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## बुध-शनि-केतु : 2 मई 2021 से 29 जून 2021 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## बुध-शनि-शुक्र : 29 जून 2021 से 10 दिसम्बर 2021 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## बुध-शनि-सूर्य : 10 दिसम्बर 2021 से 28 जनवरी 2022 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## बुध-शनि-चन्द्र : 28 जनवरी 2022 से 20 अप्रैल 2022 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## बुध-शनि-मंगल : 20 अप्रैल 2022 से 16 जून 2022 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## बुध-शनि-राहु : 16 जून 2022 से 11 नवम्बर 2022 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## बुध-शनि-गुरु : 11 नवम्बर 2022 से 22 मार्च 2023 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## केतु महादशा: 22 मार्च 2023 से 21 मार्च 2030 तक

### केतु महादशा फल

#### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से बुध की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- केतु की महादशा में सुख की बहुत ही कमी होगी।
- शारीरिक कष्ट की वृद्धि, और रोग-ग्रस्तता संभव है।
- कलि-जनित पापों में अभिरुचि, विवेक-हीनता और मन में सन्ताप रहेगा।
- राजा से पीड़ा, चोर, विष, जल, अग्नि, शस्त्र और मित्रों से भय हो सकता है।
- स्त्री पुत्र के सुख की हानि, दु:खमय जीवन यापन होगा।
- विद्या तथा धन में आपत्ति, वाहन आदि से पतन, परदेश वास, कृषि का नाश संभव है।

#### विशेषफल

केतु जन्म कुण्डली में विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार अपनी महादशा के फल में निम्नलिखित परिवर्तन करता है -

- केतु की महादशा में सुख और बहुत धन की प्राप्ति होगी।
- केतु की महादशा में दुष्ट जनों से क्लेश एवं अपने किये हुए कर्म से धन का नाश होगा।
- केतु की महादशा में राजकोप, स्थान से च्युति, प्रवास, परदेश वास संभव है।
- शारीरिक कष्ट, नेत्र रोग, लोक निंदा, अपमान आदि का भय रहेगा।
- केतु की महादशा में विवाद, भय, सिर एवं नेत्र में पीड़ा हो सकती है।

## केतु-केतु : 22 मार्च 2023 से 18 अगस्त 2023 तक

**केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- बुद्धि विवेक की हानि तथा लोक निंदा संभव है।
- दुष्ट स्त्रियों से कलह, स्त्री-पुत्र को अरिष्ट या मरण का भय हो सकता है।

- धन एवं सुख का विनाश और अग्नि व शत्रुओं से पीड़ा हो सकती है।
- अस्वास्थ्य, महान् कष्ट अपने बन्धुओं से वियोग संभव है।
- दोषपरिहारार्थ दुर्गादिवीजप, मृत्युजयजप करना चाहिए।

## केतु-केतु-केतु : 22 मार्च 2023 से 30 मार्च 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## केतु-केतु-शुक्र : 30 मार्च 2023 से 24 अप्रैल 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## केतु-केतु-सूर्य : 24 अप्रैल 2023 से 2 मई 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## केतु-केतु-चन्द्र : 2 मई 2023 से 14 मई 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## केतु-केतु-मंगल : 14 मई 2023 से 23 मई 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## केतु-केतु-राहु : 23 मई 2023 से 14 जून 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## केतु-केतु-गुरु : 14 जून 2023 से 4 जुलाई 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## केतु-केतु-शनि : 4 जुलाई 2023 से 28 जुलाई 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## केतु-केतु-बुध : 28 जुलाई 2023 से 18 अगस्त 2023 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## केतु-शुक्र : 18 अगस्त 2023 से 17 अक्टूबर 2024 तक

**केतु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- सामान्य धन का लाभ होगा।
- स्त्री संतान को रोग अथवा उनसे कलह, स्त्री सुख की हानि, स्त्री वियोग संभव है।
- मित्र एवं स्वजनों की हानि तथा उनसे मतभेद, मूल स्थिति से पतन का भय रहेगा।
- उष्ण विकार, ज्वर और अतिसार आदि की पीड़ा सम्भव है।
- शुक्र की अन्तर्दशा में राजा की प्रसन्नता, सौभाग्योदय, राजा से वस्त्रप्राप्ति होगी।
- तत्काल लक्ष्मीप्राप्ति, नष्टराज्य या नष्टधन की प्राप्ति, उत्तम वाहनसुख, समुद्रस्नान, देवदर्शन, राजा की कृपा से ग्राम भूमि आदि का लाभ प्राप्त होगा।

## केतु-शुक्र-शुक्र : 18 अगस्त 2023 से 28 अक्टूबर 2023 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## केतु-शुक्र-सूर्य : 28 अक्टूबर 2023 से 18 नवम्बर 2023 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## केतु-शुक्र-चन्द्र : 18 नवम्बर 2023 से 24 दिसम्बर 2023 तक

ॐ

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## केतु-शुक्र-मंगल : 24 दिसम्बर 2023 से 17 जनवरी 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## केतु-शुक्र-राहु : 17 जनवरी 2024 से 21 मार्च 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## केतु-शुक्र-गुरु : 21 मार्च 2024 से 17 मई 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## केतु-शुक्र-शनि : 17 मई 2024 से 24 जुलाई 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## केतु-शुक्र-बुध : 24 जुलाई 2024 से 22 सितम्बर 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## केतु-शुक्र-केतु : 22 सितम्बर 2024 से 17 अक्टूबर 2024 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## केतु-सूर्य : 17 अक्टूबर 2024 से 22 फरवरी 2025 तक

**केतु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -
- राजकोप से पीड़ा अर्थात अधिकारी से शत्रुता संभव है।
- कार्य व्यवसाय में विघ्न, प्रसन्नता में कमी तथा प्रवास हो सकता है।
- पिता या पिता तुल्य व्यक्ति को अरिष्ट, स्वजनों से विरोध तथा आकस्मिक कष्ट आ सकते हैं।
- शारीरिक पीड़ा, ज्वर एवं कफ जनित रोगों का आक्रमण संभव है।
- सूर्यान्तर में धनधान्यादि का लाभ, राजा की कृपा से ऐश्वर्य, अनेक शुभकार्य, तथा सुखप्रद अभीष्टसिद्धि होगी।
- अन्तर्दशाकाल में अन्नविघ्न, मन में भय, धनधान्य, पशु का नाश, अन्तर्दशा के आरम्भ तथा मध्य में महाक्लेश, अन्त में सुख होगा। अपमृत्यु संभव है।
- शान्ति के लिए सुवर्ण तथा गाय का दान करना चाहिए।

## केतु-सूर्य-सूर्य : 17 अक्टूबर 2024 से 23 अक्टूबर 2024 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## केतु-सूर्य-चन्द्र : 23 अक्टूबर 2024 से 3 नवम्बर 2024 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## केतु-सूर्य-मंगल : 3 नवम्बर 2024 से 10 नवम्बर 2024 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## केतु-सूर्य-राहु : 10 नवम्बर 2024 से 30 नवम्बर 2024 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## केतु-सूर्य-गुरु : 30 नवम्बर 2024 से 17 दिसम्बर 2024 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## केतु-सूर्य-शनि : 17 दिसम्बर 2024 से 6 जनवरी 2025 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## केतु-सूर्य-बुध : 6 जनवरी 2025 से 24 जनवरी 2025 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## केतु-सूर्य-केतु : 24 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## केतु-सूर्य-शुक्र : 31 जनवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## केतु-चन्द्र : 22 फरवरी 2025 से 23 सितम्बर 2025 तक

**केतु की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- बहुप्रयत्न से अल्प लाभ होगा।
- सुख-दु:ख की प्राप्ति, धन की लाभ हानि आदि शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फल होंगे।
- स्त्री, सन्तान एवं नौकरों में आलस्य का वाहुल्य, पुत्र को अरिष्ट और मन में संताप हो सकता है।
- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राजा का प्रेम, महोत्साह, कल्याण, महासुख, राजा की कृपा से घर, भूमि का लाभ, भोजन, वस्त्र, पशु आदि के व्यवसाय में अधिक लाभ, घोड़ा तथा अन्यायन्य वाहन का लाभ, वस्त्र भूषण की प्राप्ति, देवालय, तालाब, पुण्यकार्य, धर्म, आदि में प्रवृत्ति, पुत्रस्त्रीसुख प्राप्त होगा। पूर्ण चन्द्र होने से ये फल विशेष रूप से होंगे।
- अन्तर्दशाकाल में आत्मा में कष्ट, मानसिक सन्ताप, कार्य में विघ्न, महाभय, माता पिता का वियोग, शरीर में जड़ता मानसिककष्ट, व्यवसाय में असफलता तथा गो, महिषी, आदि पशुओं का विनाश संभव है।

## केतु-चन्द्र-चन्द्र : 22 फरवरी 2025 से 11 मार्च 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## केतु-चन्द्र-मंगल : 11 मार्च 2025 से 24 मार्च 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## केतु-चन्द्र-राहु : 24 मार्च 2025 से 25 अप्रैल 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## केतु-चन्द्र-गुरु : 25 अप्रैल 2025 से 23 मई 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## केतु-चन्द्र-शनि : 23 मई 2025 से 26 जून 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## केतु-चन्द्र-बुध : 26 जून 2025 से 26 जुलाई 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## केतु-चन्द्र-केतु : 26 जुलाई 2025 से 8 अगस्त 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## केतु-चन्द्र-शुक्र : 8 अगस्त 2025 से 12 सितम्बर 2025 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## केतु-चन्द्र-सूर्य : 12 सितम्बर 2025 से 23 सितम्बर 2025 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## केतु-मंगल : 23 सितम्बर 2025 से 19 फरवरी 2026 तक

**केतु की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -

- साहस के कार्यों में अपयश तथा पड़ोसियों से कलह संभव है।
- कार्य व्यवसाय में हानि, दुष्ट जनों की संगति से कष्ट मिल सकता है।
- पुत्र, स्त्री, छोटे भाई एवं अपने कुल के लोगों से द्वेष-भाव की उत्पत्ति हो सकती है।
- रोग, विष और उष्ण विकार से शारीरिक पीड़ा संभव है।
- राजा से पीड़ा तथा बन्धु का विनाश हो सकता है।
- अन्तर्दशाकाल में राजप्रसाद, यशोलाभ, पुत्र-मित्र का सुख होगा।
- मरणीय, विदेश में आपत्ति, प्रमेह, मूत्रकृच्छरोग, चोर, राजा के द्वारा पीड़ा, व्यथायुक्त कलह, तथा कुछ सुखवृद्धि भी होगी।

## केतु-मंगल-मंगल : 23 सितम्बर 2025 से 1 अक्टूबर 2025 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## केतु-मंगल-राहु : 1 अक्टूबर 2025 से 24 अक्टूबर 2025 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## केतु-मंगल-गुरु : 24 अक्टूबर 2025 से 13 नवम्बर 2025 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- यह फाइल में नहीं है।

## केतु-मंगल-शनि : 13 नवम्बर 2025 से 6 दिसम्बर 2025 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## केतु-मंगल-बुध : 6 दिसम्बर 2025 से 27 दिसम्बर 2025 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## केतु-मंगल-केतु : 27 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## केतु-मंगल-शुक्र : 5 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## केतु-मंगल-सूर्य : 30 जनवरी 2026 से 6 फरवरी 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## केतु-मंगल-चन्द्र : 6 फरवरी 2026 से 19 फरवरी 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## केतु-राहु : 19 फरवरी 2026 से 9 मार्च 2027 तक

**केतु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -

- शारीरिक रोग तथा दुर्घटना आदि की संभावना रहेगी।
- मानसिक कष्ट एवं सुख में अत्यधिक कमी रहेगी।
- राजा एवं चोर से भय, दुष्टजनों से शत्रुता तथा समस्त कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

## केतु-राहु-राहु : 19 फरवरी 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## केतु-राहु-गुरु : 17 अप्रैल 2026 से 8 जून 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## केतु-राहु-शनि : 8 जून 2026 से 7 अगस्त 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## केतु-राहु-बुध : 7 अगस्त 2026 से 1 अक्टूबर 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## केतु-राहु-केतु : 1 अक्टूबर 2026 से 23 अक्टूबर 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## केतु-राहु-शुक्र : 23 अक्टूबर 2026 से 26 दिसम्बर 2026 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## केतु-राहु-सूर्य : 26 दिसम्बर 2026 से 14 जनवरी 2027 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश,

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## केतु-राहु-चन्द्र : 14 जनवरी 2027 से 15 फरवरी 2027 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## केतु-राहु-मंगल : 15 फरवरी 2027 से 9 मार्च 2027 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## केतु-गुरु : 9 मार्च 2027 से 13 फरवरी 2028 तक

**केतु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -

- ईश्वर और गुरुजनों में प्रीति रहेगी।
- राजा का अनुग्रह, राजमान्य लोगों से संपर्क तथा आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।
- दयालुता, परोपकार तथा शांति वृत्ति के कारण सुख समाधान रहेगा।
- उत्तम स्वास्थ्य, यश तथा पुत्र सुख एवं भूमि का लाभ होगा।

## केतु-गुरु-गुरु : 9 मार्च 2027 से 24 अप्रैल 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## केतु-गुरु-शनि : 24 अप्रैल 2027 से 17 जून 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## केतु-गुरु-बुध : 17 जून 2027 से 4 अगस्त 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## केतु-गुरु-केतु : 4 अगस्त 2027 से 24 अगस्त 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## केतु-गुरु-शुक्र : 24 अगस्त 2027 से 20 अक्टूबर 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## केतु-गुरु-सूर्य : 20 अक्टूबर 2027 से 6 नवम्बर 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## केतु-गुरु-चन्द्र : 6 नवम्बर 2027 से 4 दिसम्बर 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## केतु-गुरु-मंगल : 4 दिसम्बर 2027 से 24 दिसम्बर 2027 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## केतु-गुरु-राहु : 24 दिसम्बर 2027 से 13 फरवरी 2028 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## केतु-शनि : 13 फरवरी 2028 से 24 मार्च 2029 तक

**केतु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -
- आचार विचार हीनता, मानसिक व्यग्रता रहेगी।
- मन में संताप एवं भय, बन्धुजनों से अनबन, स्वदेश (जन्मस्थान) का त्याग संभव है।
- धन हानि, द्रव्य चिन्ता एवं पद से च्युति हो सकती है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

- अन्तर्दशा में पीड़ा बान्धवों में कष्ट, मानसिक, संताप, पशुहानि, राजकार्य से धनक्षय, महाभय, स्थानींाृश, प्रवास, मार्ग में चोर का भय, आलस्य मनोबल की हानि, संभव है।
- अपमृत्युभय प्राप्त होगा।
- दोष परिहार के लिए तिलहोम, काली गाय, भैस का दान करें जिससे आयु तथा आरोग्य की वृद्धि होगी।

## केतु-शनि-शनि : 13 फरवरी 2028 से 17 अप्रैल 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## केतु-शनि-बुध : 17 अप्रैल 2028 से 14 जून 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## केतु-शनि-केतु : 14 जून 2028 से 7 जुलाई 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## केतु-शनि-शुक्र : 7 जुलाई 2028 से 13 सितम्बर 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## केतु-शनि-सूर्य : 13 सितम्बर 2028 से 3 अक्टूबर 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## केतु-शनि-चन्द्र : 3 अक्टूबर 2028 से 6 नवम्बर 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## केतु-शनि-मंगल : 6 नवम्बर 2028 से 29 नवम्बर 2028 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## केतु-शनि-राहु : 29 नवम्बर 2028 से 29 जनवरी 2029 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## केतु-शनि-गुरु : 29 जनवरी 2029 से 24 मार्च 2029 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## केतु-बुध : 24 मार्च 2029 से 21 मार्च 2030 तक

**केतु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -
- विवेक का उदय, विद्या से सुख प्राप्त होगा।
- नौकरी व्यवसाय में सामान्य लाभ, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।
- बन्धु मित्र आदि से मेल-मिलाप तथा सहयोग प्राप्त होगा।
- दशा के अन्त में कार्यों में विघ्न, अपव्यय तथा मानसिक कष्ट संभव है।
- राज्यलाभ, महासुख, सत्कथाश्रवण, दान, सुखप्रद धर्मसिद्धि, भूमि, पुत्र, का लाभ, सत्संग, धनागम, विना प्रयत्न ही धर्मलाभ, विवाह तथा घर में अन्य भी शुभकृत्य तथा वस्त्र, भूषण की प्राप्ति होगी।
- अन्तर्दशाकाल में भाग्यवृद्धि, विद्वानों की गोष्ठी में संलाप, तथा भूषणागम होगा।
- अपनी अन्तर्दशा के आरम्भ में महाकष्ट, स्त्री-पुत्र को पीड़ा, राजभय संभव है। दशा मध्य में शुभप्रद तीर्थयात्रा होगी।

## केतु-बुध-बुध : 24 मार्च 2029 से 14 मई 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## केतु-बुध-केतु : 14 मई 2029 से 5 जून 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## केतु-बुध-शुक्र : 5 जून 2029 से 4 अगस्त 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## केतु-बुध-सूर्य : 4 अगस्त 2029 से 22 अगस्त 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## केतु-बुध-चन्द्र : 22 अगस्त 2029 से 21 सितम्बर 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## केतु-बुध-मंगल : 21 सितम्बर 2029 से 12 अक्टूबर 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्रींप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## केतु-बुध-राहु : 12 अक्टूबर 2029 से 6 दिसम्बर 2029 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## केतु-बुध-गुरु : 6 दिसम्बर 2029 से 23 जनवरी 2030 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सदुबद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## केतु-बुध-शनि : 23 जनवरी 2030 से 21 मार्च 2030 तक

ॐ

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

<u>शुक्र महादशा: 21 मार्च 2030 से 21 मार्च 2050 तक</u>

## शुक्र महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शुक्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- शुक्र की महादशा में रत्न, आभूषण, वस्त्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- स्त्री, सन्तान, धन, समृद्धि और राज द्वार से सम्मान की प्राप्ति होगी।
- विद्या-लाभ, गान और नृत्यादि में रुचि की वृद्धि होगी।
- शुभ स्वभाव तथा दान आदि करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- क्रय-विक्रय में दक्षता, कार्य-व्यवसाय में लाभ तथा नवीन कार्यारम्भ का योग बनेगा।
- शुक्र की दशा में वाहन, पुत्र-पौत्र और पूर्वजों द्वारा उपार्जित धन आदि से सुख मिलेगा।
- निर्बल शुक्र की महादशा में घर में झ्ागड़ा, वात-कफ-प्रकोप-जनित-रोगों से निर्बलता, चित्त-सन्ताप, नीच जनों से कदाचित् मैत्री तथा कभी विरोध होगा।

### विशेषफल

शुक्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- शुक्र की महादशा में स्त्री, संतान को कष्ट, धन की हानि और राजा से भय हो सकता है।
- पाप कर्म में रुचि और उसी में सुख की अनुभूति होगी।
- शुक्र की महादशा में घर में अशाँति, मानसिक चिन्ता, शारीरिक कष्ट संभव है।
- संतान, स्त्री और धन इत्यादि की हानि तथा प्लीहा, ग्रहणी एवं नेत्र रोगादि से पीड़ा हो सकती है।
- शुक्र की महादशा में आचार-विचार-हीन, स्वधर्म विरुद्ध कार्य करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- कलह, बन्धुजनों का विरोध, स्थान से च्युत अथवा परिवर्तन और कृषि, भूमि से कष्ट संभव है।
- स्त्री एवं सन्तान आदि से दुख हो सकता है।
- शुक्र की महादशा में अनेक प्रकार की आपत्ति, तथा रोग के उद्वेग से तप्त रहेंगे।
- जीर्ण एवं टूटे-फूटे मकानों में निवास और स्त्री एवं भाइयों को अरिष्ट संभव है।
- शुक्र की महादशा में मनुष्यों पर अधिकार तथा राजा से सम्मान प्राप्त होगा।
- धन एवं वस्त्र आदि का लाभ और कलत्र, पुत्र, मित्र आदि से सुख मिलेगा।
- शुक्र की महादशा में कुआँ, तालाब और बगीचा इत्यादि के निर्माण में प्रवृत्ति रहेगी।
- ईश्वर पूजा में रुचि और बहुत सुख होगा।
- शुक्र की महादशा में उत्तम प्रकार के वस्त्र, सुगन्धि द्रव्य, नवरत्न और आभूषणादि की प्राप्ति होगी।
- धनी लोगों से मैत्री, तथा अनेक प्रकार के सुखों का लाभ होगा।
- शारीरिक सुख, भोग विलास, यश प्रतिष्ठा तथा वाहनों का सुख प्राप्त होगा।
- उपकारी, धनी, कृषि से लाभान्वित और पालकी आदि सवारी से युक्त होगा।
- शुक्र की महादशा में स्त्री को रोग आदि से कष्ट, स्त्री से विवाद तथा स्त्री सुख की हानि संभव है।
- उद्योग व्यवसाय में अनिश्चितता, सांसारिक विपत्तियाँ तथा दुखदायी प्रसंग हो सकते हैं।
- प्रमेह और गुल्म आदि शारीरिक रोगों से पीड़ा हो सकती है।
- प्रवास या परदेश गमन तथा धन, सन्तान एवं बन्धु-जनों की हानि हो सकती है।
- शुक्र की महादशा में नवीन उद्योगों का प्रारंभ, उद्यम द्वारा धन लाभ होगा।
- अपने कार्य में अनुभव, दक्षता एवं कुशलता प्राप्त होगी।
- स्त्रियों से विशेष प्रेम, अपनी स्त्री के लिये उत्सुक तथा आभूषण लाभ होगा।
- स्वावलम्बन तथा दूसरों के प्रति कृतज्ञता रहेगी।

<u>शुक्र-शुक्र : 21 मार्च 2030 से 21 जुलाई 2033 तक</u>

ॐ

**शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -
- कार्य व्यवसाय में यश तथा लाभ की प्राप्ति होगी।
- कला-कौशल एवं संगीत में रुचि, स्त्रियों से मैत्री तथा स्त्री सुख की प्राप्ति होगी।
- धन की प्राप्ति, सांसारिक सुखों की उपलब्धि तथा यश की वृद्धि होगी।
- प्रबल योग होगा। ब्राह्मण द्वारा धनप्राप्ति, गो, महिषी आदि का लाभ पुत्रोत्सव, घर में कल्याण, आदर राजसम्मान, राज्यलाभ, महासुख प्राप्त होगा।
- अन्तर्दशाकाल में नवीनगृहनिर्माण, नित्य मिष्ठान्न भोजन, स्त्री-पुत्र को ऐश्वर्य, मित्र के साथ भोजन, अन्नदान, दान, धर्म, राजा की कृपा से वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, व्यवसाय में फलाधिक्य, पशुलाभ, पश्चिम दिशा में यात्रा होगी।
- अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महोत्साह, सुखद राजप्रेम, घर में कल्याणाभिवृद्धि तथा स्त्री-पुत्रादि की वृद्धि होगी।
- चोर आदि तथा व्रण से भय, राजद्वार में लोगों से द्वेष, इष्टों का विनाश, स्त्री पुत्रादि को कष्ट, जनपीड़न संभव है।

## शुक्र-शुक्र-शुक्र : 21 मार्च 2030 से 10 अक्टूबर 2030 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## शुक्र-शुक्र-सूर्य : 10 अक्टूबर 2030 से 10 दिसम्बर 2030 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## शुक्र-शुक्र-चन्द्र : 10 दिसम्बर 2030 से 22 मार्च 2031 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## शुक्र-शुक्र-मंगल : 22 मार्च 2031 से 1 जून 2031 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## शुक्र-शुक्र-राहु : 1 जून 2031 से 30 नवम्बर 2031 तक

ॐ

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## शुक्र-शुक्र-गुरु : 30 नवम्बर 2031 से 11 मई 2032 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## शुक्र-शुक्र-शनि : 11 मई 2032 से 19 नवम्बर 2032 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## शुक्र-शुक्र-बुध : 19 नवम्बर 2032 से 11 मई 2033 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## शुक्र-शुक्र-केतु : 11 मई 2033 से 21 जुलाई 2033 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## शुक्र-सूर्य : 21 जुलाई 2033 से 21 जुलाई 2034 तक

**शुक्र की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- राजा से भय, राजकीय कार्यों में बाधा संभव है।
- शारीरिक कष्ट, सिर, नेत्र, छाती एवं उदर में रोग हो सकता है।
- बन्धुजनों से कलह, धन, कृषि और पशु आदि की हानि, शत्रु की वृद्धि तथा दारिद्रय संभव है।
- नि:संतान स्त्री द्वारा या कपटी मनुष्य द्वारा पीड़ा तथा बन्धन का भय रहेगा।
- शुक्र की महादशा में सूर्यान्तर में सन्ताप, राजा तथा दायादों से विरोध संभव है।
- अन्तर्दशा में धनलाभ, राज्य, स्त्री, धन, सम्पत्ति, का सुख, अपने प्रभु से महासुख, इष्ट मित्र का शुभगम, माता-पिता को सुखप्राप्ति, भ्रातृसुख, सुयश, सुख सौभाग्योदय,
- अन्तर्दशा में शरीर में ज्वर,मानसिक कष्ट, स्वजन से क्लेश, नित्य मिष्टान्नीभोजन, पिता को कष्ट, बन्धु की हानि, राजद्वारा में विरोध, व्रण तथा सर्प से बाधा, घर में अनेक रोगों का भय, घर तथा खेत आदि का विनाश संभव है।

ॐ

## शुक्र-सूर्य-सूर्य : 21 जुलाई 2033 से 8 अगस्त 2033 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## शुक्र-सूर्य-चन्द्र : 8 अगस्त 2033 से 7 सितम्बर 2033 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## शुक्र-सूर्य-मंगल : 7 सितम्बर 2033 से 29 सितम्बर 2033 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## शुक्र-सूर्य-राहु : 29 सितम्बर 2033 से 23 नवम्बर 2033 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## शुक्र-सूर्य-गुरु : 23 नवम्बर 2033 से 10 जनवरी 2034 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## शुक्र-सूर्य-शनि : 10 जनवरी 2034 से 9 मार्च 2034 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## शुक्र-सूर्य-बुध : 9 मार्च 2034 से 30 अप्रैल 2034 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## शुक्र-सूर्य-केतु : 30 अप्रैल 2034 से 21 मई 2034 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## शुक्र-सूर्य-शुक्र : 21 मई 2034 से 21 जुलाई 2034 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तिरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## शुक्र-चन्द्र : 21 जुलाई 2034 से 21 मार्च 2036 तक

**शुक्र की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- स्वास्थ्य हानि, सिर और नख में पीड़ा, पित्त प्रकोप, संग्रहणी, गुल्म एवं स्त्री प्रसंगादि द्वारा रोग का आक्रमण हो सकता है।
- विवाद में विजय, व्यवसाय में यथेष्ट लाभ, स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा।
- देवता आदि के पूजन में रुचि, अग्निहोत्रादि उत्तम कर्म करेंगे।
- शत्रुओं से पीड़ा, सुख की अल्पता तथा व्याघ्र आदि जीवों से भय हो सकता है।
- वाहनसुख, घर में शुभलाभ, राजा की कृपा से गजान्त ऐश्वर्य की प्राप्ति, महानदी (गंगादि) में स्नान, देव ब्राह्मण की पूजा, गाने बजाने के प्रसंग से विद्वज्जनों से संगति, गो, महिषी, आदि पशुओं की वृद्धि, व्यापार में अधिक लाभ, भोजन वस्त्र का सौख्य, तथा बन्धुओं के साथ भोजन ये सभी फल होंगे।
- धननाश, कष्ट, महाभय, शारीरिक क्लेश, मनस्ताप, राजदरबार में विरोध, विदेशयात्रा, तीर्थयात्रा, स्त्री-पुत्रादि को कष्ट, बन्धुओं से वियोग संभव है।
- अन्तर्दशा में राजा की कृपा से देश या गांव का स्वामित्व, धैर्य, यश, सुख, वाहन वस्त्र, भूषण, कूप, बगीचा-तालाब आदि का निर्माण, धनसंग्रह, दशारम्भमें शरीरसुख और अन्त में महाक्लेश होगा।

## शुक्र-चन्द्र-चन्द्र : 21 जुलाई 2034 से 10 सितम्बर 2034 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## शुक्र-चन्द्र-मंगल : 10 सितम्बर 2034 से 15 अक्टूबर 2034 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## शुक्र-चन्द्र-राहु : 15 अक्टूबर 2034 से 15 जनवरी 2035 तक

ॐ

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## शुक्र-चन्द्र-गुरु : 15 जनवरी 2035 से 6 अप्रैल 2035 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## शुक्र-चन्द्र-शनि : 6 अप्रैल 2035 से 11 जुलाई 2035 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## शुक्र-चन्द्र-बुध : 11 जुलाई 2035 से 5 अक्टूबर 2035 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## शुक्र-चन्द्र-केतु : 5 अक्टूबर 2035 से 10 नवम्बर 2035 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## शुक्र-चन्द्र-शुक्र : 10 नवम्बर 2035 से 19 फरवरी 2036 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## शुक्र-चन्द्र-सूर्य : 19 फरवरी 2036 से 21 मार्च 2036 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## शुक्र-मंगल : 21 मार्च 2036 से 21 मई 2037 तक

**शुक्र की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -
- उत्साह की वृद्धि, साहस के कामों में रुचि रहेगी।
- भूमि की प्राप्ति, धन का आगमन और मनोरथों की सिद्धि होगी।
- पत्नी को अरिष्ट संभव है।
- रक्त विकार से शरीर कष्ट, पित्त रोग एवं व्रण आदि से विकलता हो सकती है।
- शुक्र की दशा में मंगल की अन्तर्दशा में राजयोगप्रयुक्त विशिष्ट सम्पत्ति, वाहन, भूषण, तथा भूमि का लाभ, और सुखप्रद अभीष्टसिद्धि होगी।
- अन्तर्दशाकाल में पिता माता को भय देनेवाले शीतज्वर से कष्ट, अन्य भी ज्वराधिकरोग,स्थानभ्ंृश, मन:क्लेश, बन्धुओं की हानि, राजा से विरोध, राजदरबार में अधिकारियों से द्वेष, धन धान्य का व्यय होगा। व्यापार में हानि, तथा भूमि आदि का हानि होगी।
- शारीरिक बाधा होगी।
  दोष परिहार के लिए शान्ति करनी चाहिए।

## शुक्र-मंगल-मंगल : 21 मार्च 2036 से 15 अप्रैल 2036 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## शुक्र-मंगल-राहु : 15 अप्रैल 2036 से 18 जून 2036 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## शुक्र-मंगल-गुरु : 18 जून 2036 से 13 अगस्त 2036 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- यह फाइल में नहीं है।

## शुक्र-मंगल-शनि : 13 अगस्त 2036 से 20 अक्टूबर 2036 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## शुक्र-मंगल-बुध : 20 अक्टूबर 2036 से 19 दिसम्बर 2036 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## शुक्र-मंगल-केतु : 19 दिसम्बर 2036 से 13 जनवरी 2037 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## शुक्र-मंगल-शुक्र : 13 जनवरी 2037 से 25 मार्च 2037 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## शुक्र-मंगल-सूर्य : 25 मार्च 2037 से 15 अप्रैल 2037 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## शुक्र-मंगल-चन्द्र : 15 अप्रैल 2037 से 21 मई 2037 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दृक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## शुक्र-राहु : 21 मई 2037 से 21 मई 2040 तक

**शुक्र की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -

- आकस्मिक भय, धन हानि तथा अपमान संभव है।
- बन्धुजनों से द्वेष, मित्रों से क्षति, चाण्डाल मनुष्यों से दु:ख की संभावना रहेगी।
- अग्नि का भय और मूत्र जनन तन्त्र सम्बन्धी रोग संभव हैं।
- किसी ऐसे काले पदार्थ की प्राप्ति हो सकती है जो लाभ-दायक सिद्ध होगी।
- परमसुख, धनधान्य का लाभ, इष्ट बन्धुओं के साथ भोजन यात्रा में कार्यसिद्धि, पशु तथा क्षेत्र का लाभ होगा।
- अन्तर्दशाकाल शुभप्रद होगा। शत्रुनाश, महोत्साह, राजा की प्रसन्नता, आदि शुभफल दशारम्भ में पांच महीनों तक होगा। अन्तर्दशान्त में अजीर्ण रोग तथा ज्वरप्रकोप संभव है।
- कार्य में विघ्न, यात्रा में मनोव्यथा, किन्तु राजा की तरह सौभाग्यपूर्ण सुख, नैर्ऋत्य कोण में यात्रा तथा राजदर्शन, यात्रा में कार्यसिद्धि, स्वदेश परावर्त्तन, ब्राह्मणों को उपकार तथा तीर्थयात्रा होगी।

- माता पिता को अशुभ फल तथा सर्वत्र जनद्वेष संभव है।
- शरीर में आलस्य संभव है।
- दोष परिहार के लिए मृत्युंजय जप करना कल्याणकारक होगा।

## शुक्र-राहु-राहु : 21 मई 2037 से 1 नवम्बर 2037 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## शुक्र-राहु-गुरु : 1 नवम्बर 2037 से 27 मार्च 2038 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## शुक्र-राहु-शनि : 27 मार्च 2038 से 17 सितम्बर 2038 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## शुक्र-राहु-बुध : 17 सितम्बर 2038 से 19 फरवरी 2039 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## शुक्र-राहु-केतु : 19 फरवरी 2039 से 24 अप्रैल 2039 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## शुक्र-राहु-शुक्र : 24 अप्रैल 2039 से 24 अक्टूबर 2039 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## शुक्र-राहु-सूर्य : 24 अक्टूबर 2039 से 17 दिसम्बर 2039 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## शुक्र-राहु-चन्द्र : 17 दिसम्बर 2039 से 18 मार्च 2040 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## शुक्र-राहु-मंगल : 18 मार्च 2040 से 21 मई 2040 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## शुक्र-गुरु : 21 मई 2040 से 20 जनवरी 2043 तक

**शुक्र की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -

- अनेक कार्यों की सिद्धि और अधिकार की प्राप्ति होगी।
- विद्या लाभ, यज्ञ आदि शुभ कर्मों में आसक्ति तथा यश व कीर्ति में वृद्धि होगी।
- धन-धान्य, वस्त्र एवं आभूषण की प्राप्ति, अचल संपत्ति का लाभ संभव है।
- स्त्री तथा सन्तान से सुख परन्तु स्त्री तथा सन्तान को कष्टकर रोग होना सम्भव है।
- नष्ट राज्य से धनप्राप्ति, अभीष्ट धन वस्त्र तथान्य सम्पत्तियों की प्राप्ति, मित्र तथा राजा से सम्मान, धनधान्यागम, राजा का सम्मान सुयश, घोड़ा पालकी आदि की सुख, विद्वान् प्रभु का शुभगम, शास्त्र-पाठ में श्रम, पुत्रोत्सवप्रयुक्त सन्तोष, इष्ट बन्धु का समागम, माता, पिता, पुत्र, भई प्रभृति का सुख प्राप्त होंगे।
- राजा चोर आदि से कष्ट, शारीरिक पीड़ा, अपने को रोग, बन्धुओं का कष्ट, कलह से मनोव्यथा, स्थानभं्श प्रवास तथा अनेक रोग हो सकते हैं।
- देहबाधा संभव है।
- दोषपरिहार के लिए मृत्युंन्जय करना चाहिए।

## शुक्र-गुरु-गुरु : 21 मई 2040 से 27 सितम्बर 2040 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## शुक्र-गुरु-शनि : 27 सितम्बर 2040 से 1 मार्च 2041 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## शुक्र-गुरु-बुध : 1 मार्च 2041 से 17 जुलाई 2041 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## शुक्र-गुरु-केतु : 17 जुलाई 2041 से 11 सितम्बर 2041 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## शुक्र-गुरु-शुक्र : 11 सितम्बर 2041 से 21 फरवरी 2042 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## शुक्र-गुरु-सूर्य : 21 फरवरी 2042 से 11 अप्रैल 2042 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## शुक्र-गुरु-चन्द्र : 11 अप्रैल 2042 से 1 जुलाई 2042 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## शुक्र-गुरु-मंगल : 1 जुलाई 2042 से 26 अगस्त 2042 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## शुक्र-गुरु-राहु : 26 अगस्त 2042 से 20 जनवरी 2043 तक

ॐ

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## शुक्र-शनि : 20 जनवरी 2043 से 21 मार्च 2046 तक

**शुक्र की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- ग्राम अथवा नगर का आधिपत्य, उच्च पद की प्राप्ति का योग बनेगा।
- धन, भूमि और गृह की प्राप्ति होगी। मित्रों द्वारा उन्नति होगी।
- अनैतिक कर्मों में प्रवृत्ति, अधिक उम्र की स्त्री से प्रेम, आलस्य, अधिक व्यय सम्भव है।
- शत्रुओं का नाश, संतान को कष्ट हो सकता है।
- बहुत सुख, इष्टमित्र-बन्धुओं का सम्मेलन, राजभवन में सम्मान, शुभप्रद कन्याजन्म पुण्यतीर्थ फलप्राप्ति, दान धर्म के द्वारा पुण्यलाभ, अपने स्वामी के यहां पदोन्नति होगी।
- अन्तर्दशा के समय क्लेशकारक होगा।
- देहालस्य, आय से अधिक खर्चे, अन्तर्दशा के आरम्भ में शरीरपीड़ा, पिता माता को भी शरीरकष्ट, स्त्री-पुत्र को भी कष्ट, भ्रमण, व्यावसायिक फल का अभाव, गाय, भैंस आदि पशुओं का विनाश संभव है।
- जातक को देह-बाधा होगी।
- दोषपरिहार के लिए तिलहोमादि करना चाहिए।

## शुक्र-शनि-शनि : 20 जनवरी 2043 से 22 जुलाई 2043 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## शुक्र-शनि-बुध : 22 जुलाई 2043 से 2 जनवरी 2044 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## शुक्र-शनि-केतु : 2 जनवरी 2044 से 9 मार्च 2044 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## शुक्र-शनि-शुक्र : 9 मार्च 2044 से 18 सितम्बर 2044 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में

कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## शुक्र-शनि-सूर्य : 18 सितम्बर 2044 से 15 नवम्बर 2044 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## शुक्र-शनि-चन्द्र : 15 नवम्बर 2044 से 19 फरवरी 2045 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## शुक्र-शनि-मंगल : 19 फरवरी 2045 से 27 अप्रैल 2045 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## शुक्र-शनि-राहु : 27 अप्रैल 2045 से 18 अक्टूबर 2045 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## शुक्र-शनि-गुरु : 18 अक्टूबर 2045 से 21 मार्च 2046 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## शुक्र-बुध : 21 मार्च 2046 से 19 जनवरी 2049 तक

**शुक्र की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- राजा से मैत्री, राजा द्वारा सम्मान की प्राप्ति होगी।
- वृक्ष, फल एवं चतुष्पदों के व्यवसाय से धन-लाभ संभव है।
- कठिन कार्य करने में रुचि तथा पराक्रम की वृद्धि होगी।
- स्त्री सुख, सन्तान एवं मित्रों के सुख, ऐश्वर्य एवं समृद्धि प्राप्त होगी।
- शरीर में आरोग्य तथा बुद्धि में स्थिरता रहेगी।
- शुक्र की दशा में बुध की अन्तर्दशा में शुभद राजप्रसाद,

ॐ

सौभाग्योदय, पुत्रलाभ या पुत्र-सुख, सन्मार्ग से धनप्राप्ति,
पुराणधर्मोपदेश का श्रमण, श्रृंगाररस प्रेमियों के साथ संगति, इष्टबन्धुजनों से पूर्ण घर में राजा का
समागम, अपने स्वामी से महासुख, तथा नित्य मिष्टान्नभोजन आदि फल होंगे।
- अन्तर्दशाकाल में पशुनाश, परगृहनिवास, मानसिक विकलता,
सर्वत्र व्यवसाय में क्षति, अन्तर्दशारम्भ में शुभ, मध्य में मध्यम और
अन्त में क्लेश, शीतज्वर संभव है।

## शुक्र-बुध-बुध : 21 मार्च 2046 से 15 अगस्त 2046 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख,
सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## शुक्र-बुध-केतु : 15 अगस्त 2046 से 14 अक्टूबर 2046 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में
कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## शुक्र-बुध-शुक्र : 14 अक्टूबर 2046 से 5 अप्रैल 2047 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार
में अधिकार संभव है।

## शुक्र-बुध-सूर्य : 5 अप्रैल 2047 से 26 मई 2047 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में
विकलता संभव है।

## शुक्र-बुध-चन्द्र : 26 मई 2047 से 21 अगस्त 2047 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति,
महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## शुक्र-बुध-मंगल : 21 अगस्त 2047 से 20 अक्टूबर 2047 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की र्प्राप्ति, चोर अग्नि
आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## शुक्र-बुध-राहु : 20 अक्टूबर 2047 से 23 मार्च 2048 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## शुक्र-बुध-गुरु : 23 मार्च 2048 से 8 अगस्त 2048 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## शुक्र-बुध-शनि : 8 अगस्त 2048 से 19 जनवरी 2049 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## शुक्र-केतु : 19 जनवरी 2049 से 21 मार्च 2050 तक

**शुक्र की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- राजकीय कार्यों में अपयश, धन हानि संभव है।
- चित्त में चंचलता, मन में अशान्ति तथा शारीरिक कष्ट हो सकते हैं।
- भाई-बन्धुओं से कलह अथवा भाई को अरिष्ट संभव है।
- शत्रु से पीड़ा और धन में कमी हो सकती है।
- आरम्भ में नित्य मिष्ठान्नभोजन, व्यापार में प्रचुरलाभ, गाय-भैंस की वृद्धि, धन-धान्य की समृद्धि, संग्राम में विजय प्राप्त होगी। अन्तर्दशान्त में भी सुख होगा। मध्य में मध्यम फल, किन्तु बीच-बीच में महान् कष्ट होगा और बाद आरोग्यप्राप्ति होगी।
- अन्तर्दशा के समय चोर, सर्प, व्रण से कष्ट, बुद्धिक्षय, महाभय, शिरोवेदना, मानसिक सन्ताप, अकारण कलह, प्रमेह आदिक रोग, अनेक रूप में धननाश, स्त्री-पुत्र से विरोध, यात्रा तथा कार्यक्षति होगी।
- शारीरिक बाधा संभव है।
- दोषपरिहार के लिए मृत्युन्जयजप तथा छागदान करना चाहिए।

## शुक्र-केतु-केतु : 19 जनवरी 2049 से 13 फरवरी 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## शुक्र-केतु-शुक्र : 13 फरवरी 2049 से 25 अप्रैल 2049 तक

ॐ

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## शुक्र-केतु-सूर्य : 25 अप्रैल 2049 से 16 मई 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## शुक्र-केतु-चन्द्र : 16 मई 2049 से 21 जून 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## शुक्र-केतु-मंगल : 21 जून 2049 से 16 जुलाई 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## शुक्र-केतु-राहु : 16 जुलाई 2049 से 18 सितम्बर 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## शुक्र-केतु-गुरु : 18 सितम्बर 2049 से 13 नवम्बर 2049 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## शुक्र-केतु-शनि : 13 नवम्बर 2049 से 20 जनवरी 2050 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## शुक्र-केतु-बुध : 20 जनवरी 2050 से 21 मार्च 2050 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## सूर्य महादशा: 21 मार्च 2050 से 21 मार्च 2056 तक

### सूर्य महादशा फल

#### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से सूर्य की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- सूर्य की महादशा में पृथ्वी, राजद्वार, बा्रह्मण, अग्नि, शस्त्र तथा औषधि से धन की प्राप्ति संभव है।
- आपकी रुचि यन्त्र, मन्त्र में तथा आध्यात्म में बड़ेगी।
- राजकीय लोगों से मित्रता होगी अर्थात सरकारी कर्मचारियों के अनुग्रह से काम बनेंगे।
- सूर्य की महादशा में चिन्ता युक्त रहेंगे।
- भाई बन्धुओं से शत्रुता, स्त्री, पुत्र और पिता से वियोग संभव है।
- राजा (अर्थात राजकीय अधिकारियों से), चोर, अग्नि तथा शत्रु से भय संभव है।
- दांत, नेत्र, तथा उदर में पीड़ा हो सकती है।
- गोधन एवं नौकरों में कमी होती है।
- कभी कभी प्रवास या परदेश वास हो सकता है।

#### विशेषफल

सूर्य के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- कुत्सित अन्न का भोजन, अच्छे भोजन के अभाव के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है।
- जीर्ण वस्तुओं की प्राप्ति, निकृष्ट प्रकार की जीविका तथा अनिष्ट क्रियाओं के द्वारा दु:ख संभव है।
- जमीन से धनोपार्जन, वस्त्र आदि का लाभ होगा।
- मित्रों से आनन्द, स्वजनों से प्रेम और विवाह आदि उत्सव होगा।
- विद्या जनित ख्याति, परिवार(पुत्र, स्त्री) और स्त्री वर्ग से आनन्द तथा सुख प्राप्त होगा।
- माता पिता को आनन्द होगा।
- राजद्वार में सम्मान प्राप्त होगा।
- स्त्री को कष्ट, रोग अथवा मृत्यु हो सकती है।
- गार्हस्थ्य सुख में विघ्न रहेगा।
- दूध, घृत इत्यादि भोजन के ललित पदार्थों का अभाव रहेगा।
- भोजन में अनेक असुविधायें प्रतीत होंगी।
- उच्च अधिकार प्राप्ति की इच्छा उत्पन्न होगी।
- क्रोध की अधिकता रहेगी। वातजन्य रोगों से कष्ट संभव है।
- राजकीय लोगों से मैत्री तथा उनका अनुग्रह प्राप्त होगा।
- माता-पिता तथा बन्धु वर्ग से पृथकता संभव है।
- लोक में ख्याति तथा कीर्ति की वृद्धि होगी।
- स्त्री की अधीनता तथा स्त्री से पराजय संभव है।
- मित्रों को पीड़ा तथा मित्रों से पीड़ा हो सकती है।

## सूर्य-सूर्य : 21 मार्च 2050 से 9 जुलाई 2050 तक

**सूर्य की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -
- राजकुल से लाभ, राजसम्मान (अर्थात राजकीय लोगों से आदर की प्राप्ति) होगी।
- अधिकार में वृद्धि एवं उच्च पद की प्राप्ति होगी।
- क्षत्री अथवा युद्ध द्वारा धन की प्राप्ति हो सकती है।
- मन में अशान्ति एवं परदेश और जंगल आदि में भ्रमण संभव है।
- सूर्य की अपनी दशा तथा अपनी अन्तर्दशा में धनधान्य आदि का लाभ होगा।

## सूर्य-सूर्य-सूर्य : 21 मार्च 2050 से 27 मार्च 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## सूर्य-सूर्य-चन्द्र : 27 मार्च 2050 से 5 अप्रैल 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## सूर्य-सूर्य-मंगल : 5 अप्रैल 2050 से 11 अप्रैल 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## सूर्य-सूर्य-राहु : 11 अप्रैल 2050 से 28 अप्रैल 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## सूर्य-सूर्य-गुरु : 28 अप्रैल 2050 से 12 मई 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## सूर्य-सूर्य-शनि : 12 मई 2050 से 30 मई 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## सूर्य-सूर्य-बुध : 30 मई 2050 से 14 जून 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## सूर्य-सूर्य-केतु : 14 जून 2050 से 20 जून 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## सूर्य-सूर्य-शुक्र : 20 जून 2050 से 9 जुलाई 2050 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## सूर्य-चन्द्र : 9 जुलाई 2050 से 7 जनवरी 2051 तक

**सूर्य की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- अधिकार, मान, प्रतिष्ठा और सुख की वृद्धि होगी।
- व्यवसाय में लाभ, धनिकों से लाभ तथा सांसारिक सुख की प्राप्ति होगी।
- कुटुम्ब एवं मित्रों से धन की प्राप्ति होगी। आभूषण-वस्त्र आदि की प्राप्ति होगी।
- विरोधियों का नाश और शत्रुओं पर विजय होगी।

## सूर्य-चन्द्र-चन्द्र : 9 जुलाई 2050 से 24 जुलाई 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## सूर्य-चन्द्र-मंगल : 24 जुलाई 2050 से 4 अगस्त 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## सूर्य-चन्द्र-राहु : 4 अगस्त 2050 से 31 अगस्त 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## सूर्य-चन्द्र-गुरु : 31 अगस्त 2050 से 24 सितम्बर 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## सूर्य-चन्द्र-शनि : 24 सितम्बर 2050 से 23 अक्टूबर 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## सूर्य-चन्द्र-बुध : 23 अक्टूबर 2050 से 18 नवम्बर 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## सूर्य-चन्द्र-केतु : 18 नवम्बर 2050 से 29 नवम्बर 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## सूर्य-चन्द्र-शुक्र : 29 नवम्बर 2050 से 29 दिसम्बर 2050 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## सूर्य-चन्द्र-सूर्य : 29 दिसम्बर 2050 से 7 जनवरी 2051 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## सूर्य-मंगल : 7 जनवरी 2051 से 15 मई 2051 तक

**सूर्य की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -

- राज्य से लाभ व सम्मान, प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी।
- स्वर्ण, रत्न एवं वस्त्रों का लाभ, वैभव की वृद्धि होगी।
- गृह में मंगल-कार्य तथा भाईयों का सुख रहेगा।
- पित्तजनित रोग आदि से कष्ट और अपने कुल के लोगों से विरोध हो सकता है।

## सूर्य-मंगल-मंगल : 7 जनवरी 2051 से 15 जनवरी 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## सूर्य-मंगल-राहु : 15 जनवरी 2051 से 3 फरवरी 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## सूर्य-मंगल-गुरु : 3 फरवरी 2051 से 20 फरवरी 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- यह फाइल में नहीं है।

## सूर्य-मंगल-शनि : 20 फरवरी 2051 से 12 मार्च 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## सूर्य-मंगल-बुध : 12 मार्च 2051 से 30 मार्च 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## सूर्य-मंगल-केतु : 30 मार्च 2051 से 7 अप्रैल 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## सूर्य-मंगल-शुक्र : 7 अप्रैल 2051 से 28 अप्रैल 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## सूर्य-मंगल-सूर्य : 28 अप्रैल 2051 से 5 मई 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## सूर्य-मंगल-चन्द्र : 5 मई 2051 से 15 मई 2051 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## सूर्य-राहु : 15 मई 2051 से 8 अप्रैल 2052 तक

**सूर्य की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -

- कार्य व्यवसाय में चिन्ता तथा शारीरिक कष्ट होंगे।
- कुटुम्ब और शत्रुओं से पीड़ा, पद से च्युति और मन में दु:ख हो सकता है।
- प्रतिकूल कार्य, जनहानि, धनहानि, विष से भय संभव है।
- राज्य से सम्मान, भाग्यवृद्धि, यशोलाभ, स्त्री, पुत्र को सुख तथा घर में पुत्रोत्सवजनित कल्याण होगा।
- बन्धन, स्थानभ्रंश, कारावास (जेल गमन), चोर, सर्प, व्रण का भय, स्त्री-पुत्र को कष्ट, पशु, घर, भूमि का भी विनाश, गुल्म, क्षयरोग तथा अतिसार का भी प्रकोप होगा।

## सूर्य-राहु-राहु : 15 मई 2051 से 3 जुलाई 2051 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## सूर्य-राहु-गुरु : 3 जुलाई 2051 से 16 अगस्त 2051 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

ॐ

## सूर्य-राहु-शनि : 16 अगस्त 2051 से 7 अक्टूबर 2051 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## सूर्य-राहु-बुध : 7 अक्टूबर 2051 से 23 नवम्बर 2051 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## सूर्य-राहु-केतु : 23 नवम्बर 2051 से 12 दिसम्बर 2051 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## सूर्य-राहु-शुक्र : 12 दिसम्बर 2051 से 5 फरवरी 2052 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## सूर्य-राहु-सूर्य : 5 फरवरी 2052 से 21 फरवरी 2052 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## सूर्य-राहु-चन्द्र : 21 फरवरी 2052 से 20 मार्च 2052 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## सूर्य-राहु-मंगल : 20 मार्च 2052 से 8 अप्रैल 2052 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## सूर्य-गुरु : 8 अप्रैल 2052 से 25 जनवरी 2053 तक

**सूर्य की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -
- राजकीय क्षेत्र में सम्मान, पद लाभ होगा।
- विद्या के क्षेत्र में यश, सज्जनों से मित्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होगी।
- सत्कर्म में रुचि, देवता एवं ब्राह्मणों में भक्ति, तीर्थ यात्रा होगी।
- धन-धान्य के संचय की इच्छा, उत्तम वस्त्र, स्वर्ण तथा आभूषण आदि की प्राप्ति होगी।
- पुत्र लाभ, पुत्र द्वारा धन की प्राप्ति और शत्रुओं का क्षय होगा।
- भाग्यवृद्धि, दानधर्म-क्रिया में आसक्ति, देवराधन गुरुभक्ति, मानसिक तुष्टि तथा पुण्य कार्य की संसिद्धि होगी।

## सूर्य-गुरु-गुरु : 8 अप्रैल 2052 से 17 मई 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## सूर्य-गुरु-शनि : 17 मई 2052 से 2 जुलाई 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## सूर्य-गुरु-बुध : 2 जुलाई 2052 से 13 अगस्त 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## सूर्य-गुरु-केतु : 13 अगस्त 2052 से 30 अगस्त 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## सूर्य-गुरु-शुक्र : 30 अगस्त 2052 से 17 अक्टूबर 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कमों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

ॐ

## सूर्य-गुरु-सूर्य : 17 अक्टूबर 2052 से 1 नवम्बर 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## सूर्य-गुरु-चन्द्र : 1 नवम्बर 2052 से 25 नवम्बर 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## सूर्य-गुरु-मंगल : 25 नवम्बर 2052 से 12 दिसम्बर 2052 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## सूर्य-गुरु-राहु : 12 दिसम्बर 2052 से 25 जनवरी 2053 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## सूर्य-शनि : 25 जनवरी 2053 से 7 जनवरी 2054 तक

**सूर्य की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- बुद्धि में व्यग्रता, विद्या में अपयश, कार्य में विघ्न होंगे।
- लोगों से शत्रुता, मित्रों से विरोध, स्त्री तथा संतान को पीड़ा संभव है।
- राजा एवं चोर का भय, आलस्य की वृद्धि होगी।
- नीच प्रकार की वृत्ति (अर्थात् रोजगार) और चर्म रोग से पीड़ा होती है।
- घर में कल्याण, सम्पत्ति, राजसम्मान, अनेकविध वस्त्र तथा अर्थ का शुभागम होगा।
- वात, शूल, महाव्याधि (कुष्ठ आदि) ज्वरातिसार आदि रोगों से पीड़ा, बन्धन, कार्यहानि, धननाश, महाभय, एकाएक कलह तथा दामादों के साथ विरोध होगा।
- इस अन्तर्दशा में अपमृत्यु का भय होगा।
- शान्त्यर्थ काली गाय, भैंस, छाग का दान तथा मृत्युन्जय का जप करना चाहिए।

## सूर्य-शनि-शनि : 25 जनवरी 2053 से 21 मार्च 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

ॐ

## सूर्य-शनि-बुध : 21 मार्च 2053 से 9 मई 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## सूर्य-शनि-केतु : 9 मई 2053 से 29 मई 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## सूर्य-शनि-शुक्र : 29 मई 2053 से 26 जुलाई 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## सूर्य-शनि-सूर्य : 26 जुलाई 2053 से 13 अगस्त 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## सूर्य-शनि-चन्द्र : 13 अगस्त 2053 से 11 सितम्बर 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## सूर्य-शनि-मंगल : 11 सितम्बर 2053 से 1 अक्टूबर 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## सूर्य-शनि-राहु : 1 अक्टूबर 2053 से 22 नवम्बर 2053 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

तथा मरण भय संभव है।

## सूर्य-शनि-गुरु : 22 नवम्बर 2053 से 7 जनवरी 2054 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## सूर्य-बुध : 7 जनवरी 2054 से 14 नवम्बर 2054 तक

**सूर्य की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- जातक के मन में अशान्ति, उत्साह की कमी रहेगी।
- बन्धुजनों से पीड़ा, धन का अधिक व्यय होगा।
- अल्प मात्रा में सुख, अन्य लोगों की अनुकूलता प्राप्त होगी।
- रुधिर प्रकोप से दाद, खुजली तथा कभी कुष्ठ रोग से भी पीड़ा हो सकती है।
- सूर्य की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महान् उत्साह, स्त्रीपुत्रादिसौख्य, राजा की कृपा से वाहन-वस्त्र-भूषणों की प्राप्ति, पुण्यतीर्थफल की प्राप्ति, पशुओं से परिपूर्ण घर, ये सभी सत्फल होंगे।
- लाभवृद्धि, नवम, पंचम या दशम में स्थित होने से समादर, सत्कार्य, धर्म की वृद्धि, गुरु-देव-द्विजार्चन, धनधान्यादिवृद्धि, विवाह तथा पुत्रजन्म होगा।

## सूर्य-बुध-बुध : 7 जनवरी 2054 से 20 फरवरी 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## सूर्य-बुध-केतु : 20 फरवरी 2054 से 10 मार्च 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## सूर्य-बुध-शुक्र : 10 मार्च 2054 से 1 मई 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## सूर्य-बुध-सूर्य : 1 मई 2054 से 16 मई 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## सूर्य-बुध-चन्द्र : 16 मई 2054 से 11 जून 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## सूर्य-बुध-मंगल : 11 जून 2054 से 29 जून 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की र्प्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## सूर्य-बुध-राहु : 29 जून 2054 से 15 अगस्त 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## सूर्य-बुध-गुरु : 15 अगस्त 2054 से 25 सितम्बर 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुबद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## सूर्य-बुध-शनि : 25 सितम्बर 2054 से 14 नवम्बर 2054 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## सूर्य-केतु : 14 नवम्बर 2054 से 21 मार्च 2055 तक

**सूर्य की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- राजकीय एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में परेशानी रहेगी।
- मन में चिन्ता, शारीरिक कष्ट तथा नेत्र रोग से पीड़ा हो सकती है।
- कुटुम्ब से विग्रह, शत्रु से भय, धन की हानि, पद से च्युति संभव है।
- देहपीड़ा, मनोव्यथा, धनव्यय, राजकोप, स्वजनों से उपद्रव संभव है।
- अन्तर्दशारम्भ में सौख्य, मध्य में क्लेश और अन्त में मृत्यु-समाचार का आगमन संभव है।

- इस काल में अपमृत्युभय संभव है।
- शान्ति के लिए दुर्गामन्त्र-जप तथा कल्याणकर छागदान करना चाहिए।

## सूर्य-केतु-केतु : 14 नवम्बर 2054 से 21 नवम्बर 2054 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## सूर्य-केतु-शुक्र : 21 नवम्बर 2054 से 12 दिसम्बर 2054 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## सूर्य-केतु-सूर्य : 12 दिसम्बर 2054 से 19 दिसम्बर 2054 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## सूर्य-केतु-चन्द्र : 19 दिसम्बर 2054 से 29 दिसम्बर 2054 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## सूर्य-केतु-मंगल : 29 दिसम्बर 2054 से 6 जनवरी 2055 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## सूर्य-केतु-राहु : 6 जनवरी 2055 से 25 जनवरी 2055 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## सूर्य-केतु-गुरु : 25 जनवरी 2055 से 11 फरवरी 2055 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## सूर्य-केतु-शनि : 11 फरवरी 2055 से 3 मार्च 2055 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## सूर्य-केतु-बुध : 3 मार्च 2055 से 21 मार्च 2055 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## सूर्य-शुक्र : 21 मार्च 2055 से 21 मार्च 2056 तक

**सूर्य की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

सूर्य की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- सांसारिक सुखों की प्रतिकूलता रहेगी।
- समुद्र से पैदा होने वाली चीजों की प्राप्ति संभव है।
- स्त्रियों की संगति, प्रवास, निष्फल वार्त्तालाप, घर में कलह, विलासिता पर धन व्यय होगा।
- ज्वर, मस्तक तथा कान में पीड़ा और शूल रोग से शारीरिक कष्ट संभव है।
- अभीष्टस्त्री तथा भोग्यवस्तु का लाभ, ग्रामान्तर में गमन, ब्राह्मण तथा राजा का दर्शन, राज्यलाभ, महान् उत्साह, छत्र, चामर आदि राजचिन्ह की प्राप्ति, घर में कल्याणसमृद्धि, नित्य मिष्टान्न का भोजन, रत्न तथा वस्त्र आदि का लाभ, पशुओं से लाभ, धनधान्य अभिवृद्धि, उत्साह, यशोवृद्धि होंगे।

## सूर्य-शुक्र-शुक्र : 21 मार्च 2055 से 21 मई 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## सूर्य-शुक्र-सूर्य : 21 मई 2055 से 8 जून 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## सूर्य-शुक्र-चन्द्र : 8 जून 2055 से 9 जुलाई 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## सूर्य-शुक्र-मंगल : 9 जुलाई 2055 से 30 जुलाई 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## सूर्य-शुक्र-राहु : 30 जुलाई 2055 से 23 सितम्बर 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## सूर्य-शुक्र-गुरु : 23 सितम्बर 2055 से 11 नवम्बर 2055 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## सूर्य-शुक्र-शनि : 11 नवम्बर 2055 से 8 जनवरी 2056 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## सूर्य-शुक्र-बुध : 8 जनवरी 2056 से 28 फरवरी 2056 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## सूर्य-शुक्र-केतु : 28 फरवरी 2056 से 21 मार्च 2056 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## चन्द्र महादशा: 21 मार्च 2056 से 21 मार्च 2066 तक

## चन्द्र महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से चन्द्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -
- मन्त्र, वेद में रूचि और देवता, गुरुजनों में श्रद्धा बढ़ेगी।
- राजा की प्रसन्नता तथा कृपा से पद-प्राप्ति तथा अन्य लाभ होंगे।
- युवती स्त्रियां, धन, जमीन, पुष्प, गन्ध और आभूषण आदि अर्थात् सुख के पदार्थों का लाभ होगा।
- अनेक प्रकार की कलाओं में कुशलता प्राप्त होगी।
- समाज में यश, कीर्ति की वृद्धि होगी।
- विनम्रता, परोपकारिता आदि सद्गुणों की वृद्धि होगी।
- चित्त में चंचलता रहेगी। यत्र-तत्र भ्रमण करने की इच्छा उत्पन्न होगी।
- कन्या संतति का जन्म संभव है।
- जल संबधी कार्यों से, खेती-बागवानी से लाभ होगा।

- चन्द्रमा निर्बल होने से कफ और वात की अधिकता से शारीरिक कष्ट प्राप्त होगा।
- आलस्य की वृद्धि, निद्रा से व्याकुलता, सिरदर्द और मानसिक अस्थिरता से कष्ट रहेगा।
- अर्थ हानि, और सज्जनों से विरोध हो सकता है।
- स्वजनों से कलह तथा वाद-विवाद संभव है।
- अच्छे कार्यों में चित्त नहीं लगता है।

### विशेष फल

चन्द्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं
अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- चन्द्रमा की महादशा में जातक को विपत्ति तथा आकस्मिक घटना से जंगल में निवास करना पड़ सकता है।
- कारागार में बन्धनादि का दु:ख संभव है।
- राजा, अग्नि और चोर से भय, भोजन में सन्देह तथा स्त्री-पुत्र को क्लेश होता है।
- चन्द्रमा की महादशा में शुभ कार्य का सौभाग्य, गौ, पृथ्वी, स्वर्ण और आभूषण आदि की प्राप्ति तथा तीर्थ आदि में स्नान होगा। पर-स्त्री गमन का अवसर भी आ सकता है।
- चन्द्रमा की महादशा में कर्मों में असफलता, कुत्सित अन्न का भोजन मिलेगा।
- क्रोध की अधिकता रहेगी।
- माता अथवा मातृ पक्ष के किसी स्वजन की मृत्यु होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में विद्या की उन्नति, कीर्त्ति लाभ, सुख, विजय की प्राप्ति, अर्थलाभ, नौकर और सन्तानों की वृद्धि होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में धन, आभूषण तथा अनेक प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे।
- आकांक्षाओं की पूर्ति तथा मनोरथ पूर्ण होंगे।
- स्त्री सुख, संतान का जन्म तथा भूमि वाहन आदि का सुख भी प्राप्त होगा।
- उत्तम भोजन और वस्त्रादि की प्राप्ति होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में उद्योग में अपयश, राजकीय संकट संभव है।
- शरीर में रुग्णता, व्याधियों में वृद्धि हो सकती है।
- प्रतिष्ठा में अल्पता, मानहानि का भय रहेगा।
- मानसिक-चिन्ता की अधिकता, स्वजनों से शत्रुता और स्वजनों से वियोग हो सकता है।
- साधारण धन लाभ होगा।

## चन्द्र-चन्द्र : 21 मार्च 2056 से 19 जनवरी 2057 तक

### चन्द्रमा की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल

चन्द्रमा की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -
- शरीर में आरोग्यता, विद्या एवं संगीत में प्रेम होगा।

ॐ

- उत्तम वस्त्र आभूषण आदि की प्राप्ति, उत्तम मनुष्यों की संगति होगी।
- राजा का सचिव (अर्थात राज्य में उच्च पद) की प्राप्ति संभव है।
- आत्म पक्ष में लाभ, परिवार सहित तीर्थ यात्रा हो सकती है।
- भूमि, गौ (घी, दूध) और घोड़े की प्राप्ति (वाहन लाभ), धन में वृद्धि, अच्छी कीर्त्ति प्राप्त होगी।
- कभी-कभी रोग का भी भय हो सकता है।
- अपनी दशा तथा अपनी ही अन्तर्दशा-काल में हाथी, घोड़ा, वस्त्र आदि की प्राप्ति, देव-गुरुभक्ति, पुण्यप्रद स्तोत्रों का पाठ, राज्यलाभ, महासौख्य, सुखद यशोवृद्धि आदि सत्फल होंगे।
- अपनी दशा में अपनी ही अन्तर्दशा में धननाश, स्थानभ्रंश, देह में आलस्य, मनोदुःख, राजमन्त्री से विरोध, मातृकष्ट, मनस्ताप, जेल, बन्धुनाश संभव है।
- शरीर में जड़ता, तथा पीड़ा और अपमृत्यु का भय संभव है।
- शान्ति के लिए श्वेत गाय, भैंस का दान करें।

## चन्द्र-चन्द्र-चन्द्र : 21 मार्च 2056 से 15 अप्रैल 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## चन्द्र-चन्द्र-मंगल : 15 अप्रैल 2056 से 3 मई 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## चन्द्र-चन्द्र-राहु : 3 मई 2056 से 17 जून 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## चन्द्र-चन्द्र-गुरु : 17 जून 2056 से 28 जुलाई 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## चन्द्र-चन्द्र-शनि : 28 जुलाई 2056 से 14 सितम्बर 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## चन्द्र-चन्द्र-बुध : 14 सितम्बर 2056 से 27 अक्टूबर 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## चन्द्र-चन्द्र-केतु : 27 अक्टूबर 2056 से 14 नवम्बर 2056 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## चन्द्र-चन्द्र-शुक्र : 14 नवम्बर 2056 से 4 जनवरी 2057 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## चन्द्र-चन्द्र-सूर्य : 4 जनवरी 2057 से 19 जनवरी 2057 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## चन्द्र-मंगल : 19 जनवरी 2057 से 20 अगस्त 2057 तक

**चन्द्रमा की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -[?--?: ]

- संचित धन की हानि, स्थान का त्याग हो सकता है।
- भाई एवं मित्र से क्लेश, माता और पिता से पीड़ा संभव है।
- अनेक रोगों की उत्पत्ति, मंदाग्नि, रुधिर और पित्त का प्रकोप एवं अग्नि भय हो सकता है।
- उत्साह में वृद्धि तथा भूमि का सुख प्राप्त होगा।

## चन्द्र-मंगल-मंगल : 19 जनवरी 2057 से 31 जनवरी 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## चन्द्र-मंगल-राहु : 31 जनवरी 2057 से 4 मार्च 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश,

कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## चन्द्र-मंगल-गुरु : 4 मार्च 2057 से 2 अप्रैल 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- यह फाइल में नहीं है।

## चन्द्र-मंगल-शनि : 2 अप्रैल 2057 से 6 मई 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## चन्द्र-मंगल-बुध : 6 मई 2057 से 5 जून 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## चन्द्र-मंगल-केतु : 5 जून 2057 से 17 जून 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## चन्द्र-मंगल-शुक्र : 17 जून 2057 से 23 जुलाई 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## चन्द्र-मंगल-सूर्य : 23 जुलाई 2057 से 2 अगस्त 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## चन्द्र-मंगल-चन्द्र : 2 अगस्त 2057 से 20 अगस्त 2057 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## चन्द्र-राहु : 20 अगस्त 2057 से 19 फरवरी 2059 तक

**चन्द्रमा की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में -

- राहु की अन्तर्दशा में मानसिक कष्ट, रोग एवं शत्रु से पीड़ा, उत्साहहीनता रहेगी।
- बन्धु वर्ग का नाश, व्यवसाय में हानि, धन का व्यय तथा मानहानि भी संभव है।
- सुख प्राप्ति में बाधा और भोजन-विकार से ज्वर का आक्रमण हो सकता है।

## चन्द्र-राहु-राहु : 20 अगस्त 2057 से 10 नवम्बर 2057 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## चन्द्र-राहु-गुरु : 10 नवम्बर 2057 से 22 जनवरी 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## चन्द्र-राहु-शनि : 22 जनवरी 2058 से 19 अप्रैल 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## चन्द्र-राहु-बुध : 19 अप्रैल 2058 से 6 जुलाई 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## चन्द्र-राहु-केतु : 6 जुलाई 2058 से 7 अगस्त 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## चन्द्र-राहु-शुक्र : 7 अगस्त 2058 से 6 नवम्बर 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## चन्द्र-राहु-सूर्य : 6 नवम्बर 2058 से 3 दिसम्बर 2058 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## चन्द्र-राहु-चन्द्र : 3 दिसम्बर 2058 से 18 जनवरी 2059 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## चन्द्र-राहु-मंगल : 18 जनवरी 2059 से 19 फरवरी 2059 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## चन्द्र-गुरु : 19 फरवरी 2059 से 20 जून 2060 तक

**चन्द्रमा की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में -

- बृहस्पति की अन्तर्दशा में धर्म की वृद्धि, धन-धान्य का लाभ होगा।
- हस्ति और अश्वादि वाहनों की प्राप्ति, आभूषण वस्त्र का सुख, भोग और आनन्द की वृद्धि होगी।
- राजा से सत्कार, प्रयत्न में सफलता तथा पुत्रोत्सव का सुख संभव है।
- विद्या द्वारा यश लाभ, मनोरथ की पूर्ति तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति होगी।
- चन्द्रमा की दशा में बृहस्पति के अन्तर में राज्यलाभ, महोत्सव, वस्त्र, अलंकार, की प्राप्ति राजा की प्रसन्नता, धनागम, इष्टदेव-प्रसाद से गर्भाधान, शुभकार्य, घर में लक्ष्मी का विलास, राजाश्रय से भूमि, हाथी, घोड़ा से युक्त धन की प्राप्ति तथा राजकृपा से सुखप्रद अभीष्ट कार्य की सिद्धि होगी।
- अपनी अन्तर्दशा काल में भोजन, वस्त्र, पशु आदि का लाभ, भ्रातृसुख, सम्पत्ति, धैर्य, पराक्रम, यज्ञ-व्रत, विवाहादि कार्य, राजश्री तथा अनेक विध सम्पत्तियों का लाभ होगा।

## चन्द्र-गुरु-गुरु : 19 फरवरी 2059 से 25 अप्रैल 2059 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

ॐ

## चन्द्र-गुरु-शनि : 25 अप्रैल 2059 से 11 जुलाई 2059 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## चन्द्र-गुरु-बुध : 11 जुलाई 2059 से 18 सितम्बर 2059 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## चन्द्र-गुरु-केतु : 18 सितम्बर 2059 से 16 अक्टूबर 2059 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## चन्द्र-गुरु-शुक्र : 16 अक्टूबर 2059 से 5 जनवरी 2060 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## चन्द्र-गुरु-सूर्य : 5 जनवरी 2060 से 30 जनवरी 2060 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## चन्द्र-गुरु-चन्द्र : 30 जनवरी 2060 से 10 मार्च 2060 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## चन्द्र-गुरु-मंगल : 10 मार्च 2060 से 8 अप्रैल 2060 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## चन्द्र-गुरु-राहु : 8 अप्रैल 2060 से 20 जून 2060 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## चन्द्र-शनि : 20 जून 2060 से 19 जनवरी 2062 तक

**चन्द्रमा की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- माता की पीड़ा से मन में दु:ख संभव है।
- कार्य में विलम्ब, हानि तथा भय, शोक, संदेह से दुख प्राप्ति संभव है।
- अनेक प्रकार के व्यसनों में प्रवृत्ति, वात विकार से पीड़ा हो सकती है।
- अग्नि और चोर से भय, वचन में कठोरता, विरोधियों से विवाद तथा अपमान की संभावना है।
- अनेक प्रकार के रोग से स्त्री, सन्तान और भाई को पीड़ा अथवा इन के द्वारा स्वयं को कष्ट हो सकता है।

## चन्द्र-शनि-शनि : 20 जून 2060 से 19 सितम्बर 2060 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## चन्द्र-शनि-बुध : 19 सितम्बर 2060 से 10 दिसम्बर 2060 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## चन्द्र-शनि-केतु : 10 दिसम्बर 2060 से 13 जनवरी 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## चन्द्र-शनि-शुक्र : 13 जनवरी 2061 से 19 अप्रैल 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## चन्द्र-शनि-सूर्य : 19 अप्रैल 2061 से 18 मई 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## चन्द्र-शनि-चन्द्र : 18 मई 2061 से 6 जुलाई 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## चन्द्र-शनि-मंगल : 6 जुलाई 2061 से 8 अगस्त 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## चन्द्र-शनि-राहु : 8 अगस्त 2061 से 3 नवम्बर 2061 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## चन्द्र-शनि-गुरु : 3 नवम्बर 2061 से 19 जनवरी 2062 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## चन्द्र-बुध : 19 जनवरी 2062 से 21 जून 2063 तक

**चन्द्रमा की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- विद्या, बुद्धि का लाभ, विद्वानों का समागम तथा अधिकार प्राप्ति या व्यवसाय में उन्नति होगी।
- माता पक्ष से धन की प्राप्ति, गौ, घोड़े, हाथी(वाहन) और भूमि की प्राप्ति, सम्पूर्ण ऐश्वर्य की वृद्धि होगी।
- उदारता के कारण ख्याति अथवा उपाधि प्राप्त हो सकती है।
- चन्द्रदशा में बुध की अन्तर्दशा होने पर विवाह, यज्ञ, दान-धर्म आदि शुभकार्य तथा राजा को प्रसन्न कराने वाली विद्वानों की संगति, मोती,मणि, प्रवाल आदि रत्न तथा वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, शान्ति, प्रेम, सुख तथा सोमपान का सुख प्राप्त होगा।

## चन्द्र-बुध-बुध : 19 जनवरी 2062 से 2 अप्रैल 2062 तक

ॐ

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## चन्द्र-बुध-केतु : 2 अप्रैल 2062 से 3 मई 2062 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## चन्द्र-बुध-शुक्र : 3 मई 2062 से 28 जुलाई 2062 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## चन्द्र-बुध-सूर्य : 28 जुलाई 2062 से 23 अगस्त 2062 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## चन्द्र-बुध-चन्द्र : 23 अगस्त 2062 से 5 अक्टूबर 2062 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## चन्द्र-बुध-मंगल : 5 अक्टूबर 2062 से 4 नवम्बर 2062 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्र्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## चन्द्र-बुध-राहु : 4 नवम्बर 2062 से 21 जनवरी 2063 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## चन्द्र-बुध-गुरु : 21 जनवरी 2063 से 31 मार्च 2063 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## चन्द्र-बुध-शनि : 31 मार्च 2063 से 21 जून 2063 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## चन्द्र-केतु : 21 जून 2063 से 20 जनवरी 2064 तक

**चन्द्रमा की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- धन-जन की हानि संभव है।
- स्त्री को रोग, कुटुम्ब का नाश और पेट के रोग से पीड़ा हो सकती है।
- मन में उद्वेग, चंचलता तथा अचानक संकट आ सकता है।

## चन्द्र-केतु-केतु : 21 जून 2063 से 3 जुलाई 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## चन्द्र-केतु-शुक्र : 3 जुलाई 2063 से 8 अगस्त 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## चन्द्र-केतु-सूर्य : 8 अगस्त 2063 से 18 अगस्त 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## चन्द्र-केतु-चन्द्र : 18 अगस्त 2063 से 5 सितम्बर 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

आमवात की वृद्धि संभव है।

## चन्द्र-केतु-मंगल : 5 सितम्बर 2063 से 17 सितम्बर 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## चन्द्र-केतु-राहु : 17 सितम्बर 2063 से 19 अक्टूबर 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## चन्द्र-केतु-गुरु : 19 अक्टूबर 2063 से 17 नवम्बर 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## चन्द्र-केतु-शनि : 17 नवम्बर 2063 से 20 दिसम्बर 2063 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## चन्द्र-केतु-बुध : 20 दिसम्बर 2063 से 20 जनवरी 2064 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## चन्द्र-शुक्र : 20 जनवरी 2064 से 19 सितम्बर 2065 तक

**चन्द्रमा की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -
- धन-धान्य का लाभ तथा स्त्री द्वारा धन की प्राप्ति हो सकती है।
- श्रेष्ठ स्त्री सुख, स्त्रियों के साथ हास-विलास तथा भौतिक सुखों की वृद्धि होगी।
- व्यवसाय में अनुकूलता, जल सम्बन्धी वस्तु तथा वस्त्र आभूषणों का सुख प्राप्त होगा।
- माता के रोग से पीड़ा (अर्थात् माता जिस रोग से पीड़ित हों वही रोग माता के द्वारा जातक को भी) संभव है।
- चन्द्रदशा में शुक्र की अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महाराज की कृपा से वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, पशुलाभ,

ॐ

स्त्री-पुत्र की अभिवृद्धि, नूतनभवननिर्माण, नित्य मिष्ठान्न-भोजन, सुगन्ध-पुष्प की माला, रम्य स्त्री, आरोग्य तथा अनेकविधि सम्पदायें प्राप्त होंगी।

## चन्द्र-शुक्र-शुक्र : 20 जनवरी 2064 से 30 अप्रैल 2064 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## चन्द्र-शुक्र-सूर्य : 30 अप्रैल 2064 से 31 मई 2064 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## चन्द्र-शुक्र-चन्द्र : 31 मई 2064 से 20 जुलाई 2064 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## चन्द्र-शुक्र-मंगल : 20 जुलाई 2064 से 25 अगस्त 2064 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## चन्द्र-शुक्र-राहु : 25 अगस्त 2064 से 24 नवम्बर 2064 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## चन्द्र-शुक्र-गुरु : 24 नवम्बर 2064 से 13 फरवरी 2065 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## चन्द्र-शुक्र-शनि : 13 फरवरी 2065 से 21 मई 2065 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## चन्द्र-शुक्र-बुध : 21 मई 2065 से 15 अगस्त 2065 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## चन्द्र-शुक्र-केतु : 15 अगस्त 2065 से 19 सितम्बर 2065 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## चन्द्र-सूर्य : 19 सितम्बर 2065 से 21 मार्च 2066 तक

**चन्द्रमा की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

चन्द्रमा की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- राजा से गौरव एवं धन की प्राप्ति, राज-तुल्य अधिकार की प्राप्ति हो सकती है।
- कार्य व्यवसाय से धन का लाभ तथा प्रभाव एवं प्रताप में वृद्धि होगी।
- शत्रुओं का क्षय, विवाद में विजय, उन्नति तथा रोग से छुटकारा प्राप्त होगा।
- चन्द्रमा की दशा में सूर्य की अन्तर्दशा में विनष्ट राज्य तथा धन की प्राप्ति, घर में कल्याणेदय, मित्र तथा राजा के प्रसाद से गाँव भूमि आदि का लाभ, पुत्र-प्राप्ति, घर में लक्ष्मी का विलास, अन्तर्दशान्त में शरीर आलस्य तथा ज्वर-पीड़ा, संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-सूर्य : 19 सितम्बर 2065 से 29 सितम्बर 2065 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-चन्द्र : 29 सितम्बर 2065 से 14 अक्टूबर 2065 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-मंगल : 14 अक्टूबर 2065 से 24 अक्टूबर 2065 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा

अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-राहु : 24 अक्टूबर 2065 से 21 नवम्बर 2065 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-गुरु : 21 नवम्बर 2065 से 15 दिसम्बर 2065 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## चन्द्र-सूर्य-शनि : 15 दिसम्बर 2065 से 13 जनवरी 2066 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-बुध : 13 जनवरी 2066 से 8 फरवरी 2066 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## चन्द्र-सूर्य-केतु : 8 फरवरी 2066 से 19 फरवरी 2066 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## चन्द्र-सूर्य-शुक्र : 19 फरवरी 2066 से 21 मार्च 2066 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## मंगल महादशा: 21 मार्च 2066 से 21 मार्च 2073 तक

**मंगल महादशा फल**

**स्वाभाविक फल**

सामान्य रूप से मंगल की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- मंगल की महादशा में भूमि की प्राप्ति, धन का आगमन, और मन की शान्ति मिलेगी।
- राज्य से, शस्त्र से, समकालीन राजाओं के झ्ागड़े से, औषधियों से, चतुराई से, अनेकानेक क्रूर क्रियाओं द्वारा, चतुष्पादों की वृद्धि से तथा अनेक उद्यमों से धन की प्राप्ति होगी।

- मंगल की महादशा में राजा से भय, घर में कलह, स्त्री पुत्र और सम्बन्धियों से वैमनस्य तथा इन कारणों से दुष्टान्न भोजन का दुर्भाग्य हो सकता है।
- चोर, अग्नि, बन्धन तथा व्रण रोगादि से क्लेश हो सकता है।
- पित्त जनित रुधिर-प्रकोप तथा ज्वर से पीड़ा होगी तथा मूर्च्छा हो सकती है।

**विशेष-फल**

मंगल के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं
अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- मंगल की महादशा में राजद्वार से तथा देशान्तर में ऐश्वर्य-लाभ, भूमि, द्रव्य आदि का लाभ होगा।
- उत्तम वस्त्र तथा भोजन आदि की प्राप्ति होगी।
- यज्ञ आदि-क्रिया एवं विवाह आदि उत्सव भी संभव है।
- मंगल की महादशा में शुभ फल होगा।
- यज्ञ और विवाह आदि शुभ कार्य होंगे।
- परोपकार की वृत्ति रहेगी।
- मंगल की महादशा में अत्यन्त दु:ख और कष्ट हो सकता है।
- राजकीय कोप से जन्मभूमि से दूर जाकर स्त्री एवं मित्र आदि के वियोग का दु:ख हो सकता है।
- मंगल की महादशा में दु:ख और महाभय होगा।
- जातक स्थान से च्युत हो सकता है।
- दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है।
- अन्न में अरुचि उत्पन्न होगी।
- बिस्फोटक रोग(चेचक आदि संक्रामक रोग) से भय हो सकता है।
- धन-नाश, अपमान, मृत्यु तुल्य कष्ट, ऑपरेशन या दुर्घटना हो सकती है।
- रक्त दोष, ज्वर, मस्तक शूल आदि बीमारियाँ हो सकती हैं।
- मंगल की महादशा में बहुत मनुष्यों का नायक अर्थात लोगों पर आधिपत्य प्राप्त होगा।
- दृड़ निश्चय, साहस तथा सत्य का आग्रह प्रबल रहेगा।
- राजदरबार में सम्मान की प्राप्ति तथा भाग्योन्नति होगी।
- स्त्री-पुत्र से वियोग और शस्त्र तथा अग्नि से बाधा हो सकती है।

## मंगल-मंगल : 21 मार्च 2066 से 17 अगस्त 2066 तक

**मंगल की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -

- भाइयों से मतभेद, भाइयों को पीड़ा प्राप्त होगी।
- शत्रुओं से विवाद तथा शत्रु नाश, साहस एवं पराक्रम की वृद्धि होगी।
- राजा से भय, कार्यों में व्यवधान संभव है।
- शारीरिक उष्णता की वृद्धि, रक्त, पित्त, और उष्ण जनित रोग तथा व्रणादि से पीड़ा हो सकती है।
- गृह, क्षेत्र, आदि की वृद्धि, गो, महिषी आदि पशुओं का सुख, और महाराज की कृपा से अभीष्ट-सिद्धि होगी।
- अपनी दशा के अपनी ही अन्तर्दशा में मूत्रकृच्छ आदि रोग, क्लेशाधिक्य, व्रणभय, चोर, सर्प, राजा से पीड़ा धन-धान्य-पशु का विनाश होगा।

## मंगल-मंगल-मंगल : 21 मार्च 2066 से 30 मार्च 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## मंगल-मंगल-राहु : 30 मार्च 2066 से 21 अप्रैल 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## मंगल-मंगल-गुरु : 21 अप्रैल 2066 से 11 मई 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- यह फाइल में नहीं है।

## मंगल-मंगल-शनि : 11 मई 2066 से 4 जून 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## मंगल-मंगल-बुध : 4 जून 2066 से 25 जून 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## मंगल-मंगल-केतु : 25 जून 2066 से 3 जुलाई 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## मंगल-मंगल-शुक्र : 3 जुलाई 2066 से 28 जुलाई 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## मंगल-मंगल-सूर्य : 28 जुलाई 2066 से 5 अगस्त 2066 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## मंगल-मंगल-चन्द्र : 5 अगस्त 2066 से 17 अगस्त 2066 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## मंगल-राहु : 17 अगस्त 2066 से 5 सितम्बर 2067 तक

**मंगल की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -

- राजा, चोर, अग्नि, शस्त्र एवं शत्रु से भय संभव है।
- धन-धान्य का विनाश, गुरुजन एवं बन्धुओं की हानि, अनेक प्रकार की विपत्तियाँ आ सकती हैं।
- शारीरिक पीड़ा और दुष्ट-कर्म की सिद्धि हो सकती है।

## मंगल-राहु-राहु : 17 अगस्त 2066 से 14 अक्टूबर 2066 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## मंगल-राहु-गुरु : 14 अक्टूबर 2066 से 4 दिसम्बर 2066 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## मंगल-राहु-शनि : 4 दिसम्बर 2066 से 3 फरवरी 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## मंगल-राहु-बुध : 3 फरवरी 2067 से 29 मार्च 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

ॐ

## मंगल-राहु-केतु : 29 मार्च 2067 से 20 अप्रैल 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## मंगल-राहु-शुक्र : 20 अप्रैल 2067 से 23 जून 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## मंगल-राहु-सूर्य : 23 जून 2067 से 12 जुलाई 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## मंगल-राहु-चन्द्र : 12 जुलाई 2067 से 13 अगस्त 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## मंगल-राहु-मंगल : 13 अगस्त 2067 से 5 सितम्बर 2067 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## मंगल-गुरु : 5 सितम्बर 2067 से 11 अगस्त 2068 तक

**मंगल की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -

- राजा एवं ब्राह्मणों से धन और भूमि की प्राप्ति होगी।
- आरोग्यता, तेज की वृद्धि, बल तथा पराक्रम की वृद्धि होगी।
- सत्कर्म करने में पूर्ण उत्साह, देवता के प्रति श्रद्धा भक्ति और तीर्थ में रुचि उत्पन्न होगी।
- पुत्र, मित्र तथा वाहनों का सुख, और विजय की प्राप्ति होगी। जनता से आदर सत्कार की प्राप्ति होगी।
- यकृत तथा श्लेष्मा जनित रोग का भय हो सकता है।
- मंगल की दशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में शुभ्रयश, राजसम्मान, धनधान्यवृद्धि, घर में कल्याण, सम्पत्ति, तथा स्त्री-पुत्रादि प्राप्ति होगी।

## मंगल-गुरु-गुरु : 5 सितम्बर 2067 से 20 अक्टूबर 2067 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## मंगल-गुरु-शनि : 20 अक्टूबर 2067 से 13 दिसम्बर 2067 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## मंगल-गुरु-बुध : 13 दिसम्बर 2067 से 30 जनवरी 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## मंगल-गुरु-केतु : 30 जनवरी 2068 से 19 फरवरी 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## मंगल-गुरु-शुक्र : 19 फरवरी 2068 से 16 अप्रैल 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## मंगल-गुरु-सूर्य : 16 अप्रैल 2068 से 3 मई 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## मंगल-गुरु-चन्द्र : 3 मई 2068 से 1 जून 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## मंगल-गुरु-मंगल : 1 जून 2068 से 20 जून 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## मंगल-गुरु-राहु : 20 जून 2068 से 11 अगस्त 2068 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## मंगल-शनि : 11 अगस्त 2068 से 19 सितम्बर 2069 तक

**मंगल की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- स्त्री, पुत्र और स्वजनों को पीड़ा तथा मरणान्तक शरीर-कष्ट हो सकता है।
- धन सम्बन्धी अड़चनें, व्यवसाय में हानि, नौकरी में निम्न स्थिति, स्थान परिवर्तन से कष्ट हो सकता है।
- शत्रु, चोर एवं राजा से भय, धन की हानि, गृहस्थी सम्बन्धी संकट आ सकता है।
- रोग से पीड़ा, चिन्ता एवं अपने स्थान पर लौट जाने को यात्रा संभव है।
- अपनी अन्तर्दशा में म्लेच्छवर्गीय राजा से भय, धन-धान्य का विनाश, निगडों (जंजीर, लोहे की कड़ी) से बन्धन, रोग, और दशान्त में क्षेत्र का विनाश संभव है।
- महाभय, यात्रादि में धनव्यय, राजद्वेष, मनोव्यथा, चोर, अग्नि, राजा से पीड़ा, सहोदरों का विनाश, बन्धुओं के साथ विद्वेष, जीवहानि, अकस्मात् मृत्युभय, स्त्री पुत्रों को पीड़ा, जेल का भय, राज महाभय प्राप्त संभव है।
- अपनी अन्तर्दशा-काल में विदेशयात्रा, विविध दुर्यश, पापकर्म में प्रेम, नित्यजीवादि की हिंसा, खेत का विक्रय, स्थानभ्रंश, मनोव्यथा, युद्ध में पराजय, मूत्रकृच्छ रोग से महाभय प्राप्त हो सकता है।

## मंगल-शनि-शनि : 11 अगस्त 2068 से 14 अक्टूबर 2068 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## मंगल-शनि-बुध : 14 अक्टूबर 2068 से 10 दिसम्बर 2068 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## मंगल-शनि-केतु : 10 दिसम्बर 2068 से 3 जनवरी 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## मंगल-शनि-शुक्र : 3 जनवरी 2069 से 11 मार्च 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## मंगल-शनि-सूर्य : 11 मार्च 2069 से 31 मार्च 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## मंगल-शनि-चन्द्र : 31 मार्च 2069 से 4 मई 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## मंगल-शनि-मंगल : 4 मई 2069 से 28 मई 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## मंगल-शनि-राहु : 28 मई 2069 से 27 जुलाई 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## मंगल-शनि-गुरु : 27 जुलाई 2069 से 19 सितम्बर 2069 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## मंगल-बुध : 19 सितम्बर 2069 से 17 सितम्बर 2070 तक

ॐ

**मंगल की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- व्यवसाय से, वैश्यों से धन की प्राप्ति होगी।
- गृह, गौ एवं अन्न की वृद्धि तथा किसी प्रकार के उत्सव का भी सुख प्राप्त होगा।
- शत्रु, चोर और राजा से भय, मन में क्लेश, स्त्री पुत्र मित्र आदि से वियोग संभव है।
- स्वजनों से अपमान तथा किसी दुष्ट मनुष्य द्वारा मानसिक कष्ट संभव है।
- सत्संगति, अजपाजप तथा तदर्थदान, धार्मिक बुद्धि, सुयश, नीतिमार्गानुसरण, नित्य मिष्ठान्न-भोजन, वाहन, वस्त्र, पशु आदि तथा राजाधिकार से सुख, कृषिकार्य में साफल्य, हाथी, वस्त्र, भूषण आदि की प्राप्ति होगी।
- बुध की अन्तर्दशा में मानहानि, क्रूरबुद्धि तथा क्रूरवचन, चोर, अग्नि तथा राजा से पीड़ा, मार्ग में चोर-डाकुओं का भय, अकस्मात् कलह संभव है।

## मंगल-बुध-बुध : 19 सितम्बर 2069 से 10 नवम्बर 2069 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## मंगल-बुध-केतु : 10 नवम्बर 2069 से 1 दिसम्बर 2069 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## मंगल-बुध-शुक्र : 1 दिसम्बर 2069 से 30 जनवरी 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## मंगल-बुध-सूर्य : 30 जनवरी 2070 से 17 फरवरी 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## मंगल-बुध-चन्द्र : 17 फरवरी 2070 से 19 मार्च 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## मंगल-बुध-मंगल : 19 मार्च 2070 से 10 अप्रैल 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्र्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## मंगल-बुध-राहु : 10 अप्रैल 2070 से 3 जून 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## मंगल-बुध-गुरु : 3 जून 2070 से 21 जुलाई 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## मंगल-बुध-शनि : 21 जुलाई 2070 से 17 सितम्बर 2070 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## मंगल-केतु : 17 सितम्बर 2070 से 13 फरवरी 2071 तक

**मंगल की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- व्यवसाय की विपरीत स्थिति तथा धन हानि संभव है।
- बन्धु एवं भाइयों से पीड़ा, दुष्ट जनों से शत्रुता, स्त्री संतान को कष्ट हो सकता है।
- पेट के रोग से संताप और शस्त्र तथा अग्नि से अकस्मात् पीड़ा हो सकती है।

## मंगल-केतु-केतु : 17 सितम्बर 2070 से 25 सितम्बर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## मंगल-केतु-शुक्र : 25 सितम्बर 2070 से 20 अक्टूबर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय,

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## मंगल-केतु-सूर्य : 20 अक्टूबर 2070 से 28 अक्टूबर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## मंगल-केतु-चन्द्र : 28 अक्टूबर 2070 से 9 नवम्बर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## मंगल-केतु-मंगल : 9 नवम्बर 2070 से 18 नवम्बर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## मंगल-केतु-राहु : 18 नवम्बर 2070 से 10 दिसम्बर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## मंगल-केतु-गुरु : 10 दिसम्बर 2070 से 30 दिसम्बर 2070 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## मंगल-केतु-शनि : 30 दिसम्बर 2070 से 23 जनवरी 2071 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## मंगल-केतु-बुध : 23 जनवरी 2071 से 13 फरवरी 2071 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

ॐ

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## मंगल-शुक्र : 13 फरवरी 2071 से 14 अप्रैल 2072 तक

**मंगल की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- अनेक प्रकार के व्यवसाय करने की ओर झुकाव रहेगा।
- बन्धुवर्ग से धन की प्राप्ति, सुख लाभ होगा।
- स्त्री को आभूषण वस्त्र का सुख तथा वाहन सुख प्राप्त होगा।
- धन का अधिक व्यय एवं प्रवास से मन में चंचलता हो सकती है।
- राज्यलाभ, महासौख्य, हाथी घोड़ा, वस्त्र, भूषण की होगा।
- अन्तर्दशा काल में दुखाधिक्य, देहपीड़ा, धनक्षय, राजा तथा चोर से भय, गृहकलह, स्त्री-पुत्रों को कष्ट गौ आदि पशुक्षय संभव है।

## मंगल-शुक्र-शुक्र : 13 फरवरी 2071 से 25 अप्रैल 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## मंगल-शुक्र-सूर्य : 25 अप्रैल 2071 से 16 मई 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## मंगल-शुक्र-चन्द्र : 16 मई 2071 से 21 जून 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## मंगल-शुक्र-मंगल : 21 जून 2071 से 15 जुलाई 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## मंगल-शुक्र-राहु : 15 जुलाई 2071 से 17 सितम्बर 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

ॐ

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## मंगल-शुक्र-गुरु : 17 सितम्बर 2071 से 13 नवम्बर 2071 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## मंगल-शुक्र-शनि : 13 नवम्बर 2071 से 20 जनवरी 2072 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## मंगल-शुक्र-बुध : 20 जनवरी 2072 से 20 मार्च 2072 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## मंगल-शुक्र-केतु : 20 मार्च 2072 से 14 अप्रैल 2072 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## मंगल-सूर्य : 14 अप्रैल 2072 से 20 अगस्त 2072 तक

**मंगल की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- राज द्वार में सम्मान और विजय प्राप्त होगी।
- वाद-विवाद में सफलता तथा प्रताप एवं प्रभाव में वृद्धि होगी।
- वन-पर्वतादि में भ्रमण की इच्छा, धन का लाभ होगा।
- पिता को कष्ट, पिता कुल के लोगों से वैर भाव एवं स्वजनों से दु:ख हो सकता है।
- वाहन, सुयश तथा पुत्र की प्राप्ति होगी। धनधान्यवृद्धि, घर में कल्याण तथा सम्पत्ति, आरोग्य, धैर्य, राजसम्मान, महासुख, व्यवसाय में अधिक साफल्य, विदेश में राजदर्शन प्राप्त होगा।
- अन्तर्दशा काल में शारीरिक पीड़ा, मनस्ताप, कार्यहानि, महाभय, शिरोरोग, ज्वर, तथा अतीसार संभव है।

## मंगल-सूर्य-सूर्य : 14 अप्रैल 2072 से 20 अप्रैल 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## मंगल-सूर्य-चन्द्र : 20 अप्रैल 2072 से 1 मई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## मंगल-सूर्य-मंगल : 1 मई 2072 से 8 मई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## मंगल-सूर्य-राहु : 8 मई 2072 से 28 मई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## मंगल-सूर्य-गुरु : 28 मई 2072 से 14 जून 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## मंगल-सूर्य-शनि : 14 जून 2072 से 4 जुलाई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## मंगल-सूर्य-बुध : 4 जुलाई 2072 से 22 जुलाई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## मंगल-सूर्य-केतु : 22 जुलाई 2072 से 29 जुलाई 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## मंगल-सूर्य-शुक्र : 29 जुलाई 2072 से 20 अगस्त 2072 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## मंगल-चन्द्र : 20 अगस्त 2072 से 21 मार्च 2073 तक

**मंगल की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

मंगल की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- उच्च पद की प्राप्ति, राजद्वार में सम्मान प्राप्त होगा।
- आभूषण, धन और रत्नादि का लाभ होगा।
- मित्रों से समागम, मित्रों से सहायता एवं विषयादि सुखों की प्राप्ति होगी।
- नित्य उत्सव में प्रेम तथा मनोरथ सिद्धि होगी।
- शरीर में आलस्य तथा श्लेष्मा अर्थात् कफ रोग हो सकता है।
- अपनी अन्तर्दशा में मरण, स्त्री पुत्र को क्लेश, भूमिनाश, पशुधान्य नाश, चौरादि या युद्ध से भय संभव है।

## मंगल-चन्द्र-चन्द्र : 20 अगस्त 2072 से 6 सितम्बर 2072 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## मंगल-चन्द्र-मंगल : 6 सितम्बर 2072 से 19 सितम्बर 2072 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## मंगल-चन्द्र-राहु : 19 सितम्बर 2072 से 21 अक्टूबर 2072 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## मंगल-चन्द्र-गुरु : 21 अक्टूबर 2072 से 18 नवम्बर 2072 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## मंगल-चन्द्र-शनि : 18 नवम्बर 2072 से 22 दिसम्बर 2072 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## मंगल-चन्द्र-बुध : 22 दिसम्बर 2072 से 21 जनवरी 2073 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## मंगल-चन्द्र-केतु : 21 जनवरी 2073 से 3 फरवरी 2073 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## मंगल-चन्द्र-शुक्र : 3 फरवरी 2073 से 10 मार्च 2073 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## मंगल-चन्द्र-सूर्य : 10 मार्च 2073 से 21 मार्च 2073 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## राहु महादशा: 21 मार्च 2073 से 21 मार्च 2091 तक

### राहु महादशा फल

#### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से राहु की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- साधारण रूप से मति भ्रम, शारीरिक कष्ट तथा अनेक प्रकार के दु:ख हो सकते हैं।
- राजा से, चोर से, विष से तथा शस्त्र से भय संभव है।
- सुख, सम्पत्ति और सांसारिक स्थिति चिन्ताजनक रहेगी।
- संतान को कष्ट, कलत्र-पुत्र आदि के वियोग, प्रिय-वियोग का दु:ख हो सकता है।
- निम्न लोगों से अपमान तथा अपयश का भय रहेगा।
- कोई ऐसा दुष्कर्म हो सकता है जिसके कारण बदनामी मिल सकती है।

- अपना स्थान (मकान या नौकरी) में परिवर्तन संभव है। परदेश वास हो सकता है।
- रोगों से पीड़ा और झ्ागड़े की ओर अभिरुचि रहेगी।
- शरीर में कृशता, प्रमेह, क्षय, कास-श्वास और मूत्रस्थली जनित रोगों का भय रहेगा।
- कुल के लोगों का नाश, राज-भय, चोरों से ठगे जाने का भय रहेगा।
- राजा से भय एवं उद्योग में उपद्रव अर्थात् नौकरी व्यवसाय इत्यादि छूट सकती है।
- धर्म कर्म की हानि और रोग, चोर तथा अग्नि से भय संभव है।
- राहु की महादशा में दुबर्लता, कुल को क्लेश, राजा, शत्रु और ठग से भय, खांसी, क्षय या मूत्रकृच्छ रोग हो सकता है।
- राहु की महादशा में अनेक प्रकार के रोग (प्रमेह, गुल्म, प्लीहा, क्षय, पित्त-प्रकोप, चर्म रोग आदि) से पीड़ा संभव है।
- राजा, अग्नि और चोर से भय, मित्रों का विनाश और तथा मृत्यु का भी भय हो सकता है।
- राज दरबार में श्रेष्ठ यश, उत्तम आर्थिक स्थिति, नौकर का सुख तथा शत्रु नष्ट होंगे।
- राहु की महादशा में आरंभ में कष्ट तथा मध्य में सुख प्राप्त होगा।
- मध्य दशा काल में उद्योग में यश तथा सफलता व धन धान्य आदि की वृद्धि होगी।
- राज्याधिकार, मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि, मित्र एवं संतान से सुख प्राप्त होगा।

## राहु-राहु : 21 मार्च 2073 से 2 दिसम्बर 2075 तक

**राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -
- मति भ्रम तथा मानसिक तनाव बढ़ेगा।
- परिवार के सदस्यों (पिता, भाई) को अनिष्ट, पत्नी को रोग और कलह संभव है।
- धन का क्षय, दु:ख, रोग, विष, और जहरीले प्राणियों से भय एवं दुष्ट जनों से व्यथा होती है।
- दूर-देशाटन अथवा जन्म भूमि से दूर भाग्योदय संभव है।

## राहु-राहु-राहु : 21 मार्च 2073 से 16 अगस्त 2073 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## राहु-राहु-गुरु : 16 अगस्त 2073 से 25 दिसम्बर 2073 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## राहु-राहु-शनि : 25 दिसम्बर 2073 से 30 मई 2074 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## राहु-राहु-बुध : 30 मई 2074 से 17 अक्टूबर 2074 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## राहु-राहु-केतु : 17 अक्टूबर 2074 से 14 दिसम्बर 2074 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## राहु-राहु-शुक्र : 14 दिसम्बर 2074 से 27 मई 2075 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## राहु-राहु-सूर्य : 27 मई 2075 से 15 जुलाई 2075 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## राहु-राहु-चन्द्र : 15 जुलाई 2075 से 5 अक्टूबर 2075 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## राहु-राहु-मंगल : 5 अक्टूबर 2075 से 2 दिसम्बर 2075 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## राहु-गुरु : 2 दिसम्बर 2075 से 26 अप्रैल 2078 तक

**राहु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -

- ईश्वराराधन में रुचि एवं उत्तम शास्त्रों की ओर प्रीति होगी।
- तीर्थ यात्रा, साधु-संतों के दर्शन, पुण्य कर्म तथा धर्माचरण की प्रवृत्ति रहेगी।
- विद्या में यश, अधिकारी वर्ग से मैत्री, संतान सुख तथा यथेष्ट धन की प्राप्ति होगी।
- रोग एवं शत्रु का नाश, आरोग्य प्राप्ति एवं उत्साह वृद्धि होगी।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

- अपमृत्युभय संभव है।
- शान्ति के लिए सुवर्णप्रतिमा का दान तथा शिवपूजन करना चाहिए।

## राहु-गुरु-गुरु : 2 दिसम्बर 2075 से 28 मार्च 2076 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## राहु-गुरु-शनि : 28 मार्च 2076 से 14 अगस्त 2076 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## राहु-गुरु-बुध : 14 अगस्त 2076 से 16 दिसम्बर 2076 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## राहु-गुरु-केतु : 16 दिसम्बर 2076 से 5 फरवरी 2077 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## राहु-गुरु-शुक्र : 5 फरवरी 2077 से 1 जुलाई 2077 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## राहु-गुरु-सूर्य : 1 जुलाई 2077 से 14 अगस्त 2077 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## राहु-गुरु-चन्द्र : 14 अगस्त 2077 से 26 अक्टूबर 2077 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## राहु-गुरु-मंगल : 26 अक्टूबर 2077 से 16 दिसम्बर 2077 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## राहु-गुरु-राहु : 16 दिसम्बर 2077 से 26 अप्रैल 2078 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## राहु-शनि : 26 अप्रैल 2078 से 2 मार्च 2081 तक

**राहु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- अविवेकपूर्ण कार्यों से हानि, राजप्रकोप एवं पद से च्युति संभव है।
- स्वजनों से कलह, बन्धु और मित्र आदि को दु:ख, दूर देश का निवास हो सकता है।
- शरीर के किसी अंग पर चोट, वात पित्त एवं रक्त-पित्त जनित रोग से पीड़ा हो सकती है।
- अन्तर्दशाकाल में नीचजन, शत्रुवर्ग, तथा राजा से भय, स्त्री पुत्र को क्लेश, अपने बन्धुजनों को सन्ताप, दायादों से विरोध, व्यवहार में कलह, और एकाएक भूषण की प्राप्ति होगी।
- शनि का अन्तर आने पर, हृद्रोग, मानहानि, विाह, शत्रुपीड़ा, अन्यदेशों में भ्रमण, गुल्मरोग, कुत्सित अन्न का भोजन, स्वजाति दु:ख से भय होगा।

## राहु-शनि-शनि : 26 अप्रैल 2078 से 8 अक्टूबर 2078 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## राहु-शनि-बुध : 8 अक्टूबर 2078 से 5 मार्च 2079 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## राहु-शनि-केतु : 5 मार्च 2079 से 4 मई 2079 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## राहु-शनि-शुक्र : 4 मई 2079 से 25 अक्टूबर 2079 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## राहु-शनि-सूर्य : 25 अक्टूबर 2079 से 16 दिसम्बर 2079 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## राहु-शनि-चन्द्र : 16 दिसम्बर 2079 से 12 मार्च 2080 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## राहु-शनि-मंगल : 12 मार्च 2080 से 11 मई 2080 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## राहु-शनि-राहु : 11 मई 2080 से 15 अक्टूबर 2080 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## राहु-शनि-गुरु : 15 अक्टूबर 2080 से 2 मार्च 2081 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## राहु-बुध : 2 मार्च 2081 से 20 सितम्बर 2083 तक

**राहु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -
- आरोग्य, बुद्धि तथा विवेक की वृद्धि होगी।
- भाईयों तथा मित्रों के स्नेह में वृद्धि, मित्रों से सहायता प्राप्त होगी।
- सांसारिक सुखों में वृद्धि, धन का आगमन और कार्य व्यवसाय में उन्नति होगी।
- राहु की दशा में बुधान्तर्दशा में राजयोग, घर में कल्याणवृद्धि, व्यापार से धनप्राप्ति उत्तम विद्या, तथा उत्तम वाहन, विवाहोत्सवकार्य, पशुलाभ, बुध के मास में पूर्णसुख, बुध दिन में राजदर्शन, सुगन्धित पुष्प की श्यया, स्त्रीसौख्य, महाराज-प्रसाद से धनलाभ एवं महान् यश प्राप्त होगा।

## राहु-बुध-बुध : 2 मार्च 2081 से 12 जुलाई 2081 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## राहु-बुध-केतु : 12 जुलाई 2081 से 5 सितम्बर 2081 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## राहु-बुध-शुक्र : 5 सितम्बर 2081 से 7 फरवरी 2082 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## राहु-बुध-सूर्य : 7 फरवरी 2082 से 25 मार्च 2082 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## राहु-बुध-चन्द्र : 25 मार्च 2082 से 11 जून 2082 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

ॐ

## राहु-बुध-मंगल : 11 जून 2082 से 4 अगस्त 2082 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की र्प्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## राहु-बुध-राहु : 4 अगस्त 2082 से 22 दिसम्बर 2082 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## राहु-बुध-गुरु : 22 दिसम्बर 2082 से 25 अप्रैल 2083 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्गुबद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## राहु-बुध-शनि : 25 अप्रैल 2083 से 20 सितम्बर 2083 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## राहु-केतु : 20 सितम्बर 2083 से 7 अक्टूबर 2084 तक

**राहु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- राजकोप, धन एवं मान की हानि संभव है।
- स्त्री तथा सन्तान को सामान्य कष्ट, पशुओं का मरण, नाना प्रकार के उपद्रवों का आक्रमण हो सकता है।
- चोर, अग्नि, शस्त्र, विष से भय एवं ज्वर आदि रोगों से पीड़ा, तथा व्रण से दु:ख एवं कलह हो सकता है।
- भ्रमण, राजभय, वातज्वरादिरोग, पशुक्षय संभव है।
- अभीष्ट सिद्धि, तथा निश्चयत: लाभ होगा।
- राहुदशा में केतु अन्तर में रोगाधिक्य, चोर, सर्प, व्रण से पीड़न, पिता, माता से वियोग, भाई से द्वेष, मानसिक कष्ट संभव है।
- शारीरिक बाधा संभव है।
- शान्त्यर्थ छागदान करना चाहिए।

## राहु-केतु-केतु : 20 सितम्बर 2083 से 12 अक्टूबर 2083 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## राहु-केतु-शुक्र : 12 अक्टूबर 2083 से 15 दिसम्बर 2083 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## राहु-केतु-सूर्य : 15 दिसम्बर 2083 से 3 जनवरी 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## राहु-केतु-चन्द्र : 3 जनवरी 2084 से 4 फरवरी 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## राहु-केतु-मंगल : 4 फरवरी 2084 से 27 फरवरी 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## राहु-केतु-राहु : 27 फरवरी 2084 से 24 अप्रैल 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## राहु-केतु-गुरु : 24 अप्रैल 2084 से 14 जून 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## राहु-केतु-शनि : 14 जून 2084 से 14 अगस्त 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## राहु-केतु-बुध : 14 अगस्त 2084 से 7 अक्टूबर 2084 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## राहु-शुक्र : 7 अक्टूबर 2084 से 8 अक्टूबर 2087 तक

**राहु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- कार्य व्यवसाय में अत्यंत कष्ट से अल्प धन का लाभ होगा।
- स्त्री सुख की प्राप्ति तथा स्त्री द्वारा धन लाभ होगा।
- मित्र के कारण संताप तथा कुटुम्ब से विरोध का भय रहेगा।
- परदेश गमन तथा वहाँ पर अनेक प्रकार के लाभ संभव है।
- मूत्र जनन तन्त्र के रोग हो सकते हैं।
- राहु की दशा में शुक्रान्तर्दशा में ब्राह्मण द्वारा धनप्राप्ति, पशुलाभ, पुत्रोत्सव, घर में कल्याण, लोगों से आदर, राजसम्मान राज्यलाभ, महासुख होगा।

## राहु-शुक्र-शुक्र : 7 अक्टूबर 2084 से 8 अप्रैल 2085 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## राहु-शुक्र-सूर्य : 8 अप्रैल 2085 से 2 जून 2085 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## राहु-शुक्र-चन्द्र : 2 जून 2085 से 1 सितम्बर 2085 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## राहु-शुक्र-मंगल : 1 सितम्बर 2085 से 4 नवम्बर 2085 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## राहु-शुक्र-राहु : 4 नवम्बर 2085 से 17 अप्रैल 2086 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## राहु-शुक्र-गुरु : 17 अप्रैल 2086 से 10 सितम्बर 2086 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## राहु-शुक्र-शनि : 10 सितम्बर 2086 से 3 मार्च 2087 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## राहु-शुक्र-बुध : 3 मार्च 2087 से 5 अगस्त 2087 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## राहु-शुक्र-केतु : 5 अगस्त 2087 से 8 अक्टूबर 2087 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## राहु-सूर्य : 8 अक्टूबर 2087 से 1 सितम्बर 2088 तक

**राहु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- अनेक प्रकार के उपद्रवों का शमन होगा।
- धन-धान्य की वृद्धि तथा दान-धर्मादि कर्म में रुचि बढ़ेगी।
- शत्रुओं से व्यथा, राजा, विष, अग्नि एवं शस्त्र का भय संभव है।
- नेत्र एवं हृदय और छूआछूत वाली बीमारियों से पीड़ित होने की आशंका रहेगी।

- राहु की दशा में सूर्यान्तर में शुभकर राजप्रेम, धनधान्य समृद्धि, सौख्यप्रद सम्मान, छोटे-छोटे ग्रामों का आधिपत्य, स्वल्पलाभ प्राप्त होगा।

## राहु-सूर्य-सूर्य : 8 अक्टूबर 2087 से 24 अक्टूबर 2087 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## राहु-सूर्य-चन्द्र : 24 अक्टूबर 2087 से 21 नवम्बर 2087 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## राहु-सूर्य-मंगल : 21 नवम्बर 2087 से 10 दिसम्बर 2087 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## राहु-सूर्य-राहु : 10 दिसम्बर 2087 से 28 जनवरी 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## राहु-सूर्य-गुरु : 28 जनवरी 2088 से 12 मार्च 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## राहु-सूर्य-शनि : 12 मार्च 2088 से 3 मई 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## राहु-सूर्य-बुध : 3 मई 2088 से 19 जून 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## राहु-सूर्य-केतु : 19 जून 2088 से 8 जुलाई 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## राहु-सूर्य-शुक्र : 8 जुलाई 2088 से 1 सितम्बर 2088 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## राहु-चन्द्र : 1 सितम्बर 2088 से 3 मार्च 2090 तक

**राहु की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- चिन्ताजनक परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी।
- स्वजनों से कलह, मित्र विरोध तथा शत्रुओं की संख्या में वृद्धि होगी।
- कठिनाई से धन का आगमन, अन्न की प्राप्ति होगी।
- कलवधू का नाश, कलह से दु:ख एवं जल से भय हो सकता है।
- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में स्वयम् राजत्व तथा राजा के द्वारा सम्मान, धनलाभ, आरोग्य, भूषण, मित्र, स्त्री-पुत्रों से सौख्य, अश्व, वाहन, का लाभ, गृह तथा क्षेत्र का विस्तार, पूर्णचन्द्र होने से पूर्वोक्त फल पूर्ण रूप से होंगे । अर्थात् क्षीणचन्द्र में कुछ न्यून रूप से फल हो सकता है।
- अपमृत्यु हो हो सकती है।
- आयु तथा आरोग्य के लिए श्वेत गाय तथा भैंस का दान श्रेयस्कर है।

## राहु-चन्द्र-चन्द्र : 1 सितम्बर 2088 से 16 अक्टूबर 2088 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## राहु-चन्द्र-मंगल : 16 अक्टूबर 2088 से 17 नवम्बर 2088 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## राहु-चन्द्र-राहु : 17 नवम्बर 2088 से 8 फरवरी 2089 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## राहु-चन्द्र-गुरु : 8 फरवरी 2089 से 22 अप्रैल 2089 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## राहु-चन्द्र-शनि : 22 अप्रैल 2089 से 17 जुलाई 2089 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## राहु-चन्द्र-बुध : 17 जुलाई 2089 से 3 अक्टूबर 2089 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## राहु-चन्द्र-केतु : 3 अक्टूबर 2089 से 4 नवम्बर 2089 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## राहु-चन्द्र-शुक्र : 4 नवम्बर 2089 से 3 फरवरी 2090 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## राहु-चन्द्र-सूर्य : 3 फरवरी 2090 से 3 मार्च 2090 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## राहु-मंगल : 3 मार्च 2090 से 21 मार्च 2091 तक

**राहु की महादशा में राहु की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

राहु की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -
- अनेक प्रकार के उपद्रवों का आक्रमण हो सकता है।
- शारीरिक कष्ट, उत्साहहीनता तथा स्मरण शक्ति का ह्रास संभव है।
- राजा, चोर, अग्नि और शस्त्र से भय एवं पद से च्युति हो सकती है।
- लोकोपवाद, देशान्तरवास तथा स्त्री व संतान को अरिष्ट संभव है।

## राहु-मंगल-मंगल : 3 मार्च 2090 से 25 मार्च 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## राहु-मंगल-राहु : 25 मार्च 2090 से 21 मई 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

## राहु-मंगल-गुरु : 21 मई 2090 से 12 जुलाई 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- यह फाइल में नहीं है।

## राहु-मंगल-शनि : 12 जुलाई 2090 से 10 सितम्बर 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## राहु-मंगल-बुध : 10 सितम्बर 2090 से 4 नवम्बर 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## राहु-मंगल-केतु : 4 नवम्बर 2090 से 26 नवम्बर 2090 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## राहु-मंगल-शुक्र : 26 नवम्बर 2090 से 29 जनवरी 2091 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## राहु-मंगल-सूर्य : 29 जनवरी 2091 से 17 फरवरी 2091 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## राहु-मंगल-चन्द्र : 17 फरवरी 2091 से 21 मार्च 2091 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

## गुरु महादशा: 21 मार्च 2091 से 22 मार्च 2107 तक

### बृहस्पति महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से बृहस्पति की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- बृहस्पति की महादशा में राजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।
- देवार्चन, धर्म-युक्त, वेद पुराण शास्त्रों आदि के अध्ययन तथा यज्ञादि कर्मों में रुचि रहेगी।
- साधु-सज्जनों (उत्तम मनुष्यों) की संगति, गुरुजनों में भक्ति तथा सत् कर्म करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- कुल के लोगों में सम्मान, तथा प्रभुत्व की वृद्धि होगी।
- भूत भविष्य विचार में निपुणता तथा सद्बुद्धि प्राप्त होगी।
- भूमि, वस्त्र का लाभ और वाहनों का सुख प्राप्त होगा।
- धन का पूर्ण लाभ होगा।
- बृहस्पति की महादशा में उच्च पदाधिकार, राजा से सम्मान प्राप्त होगा।
- दूरस्थ जगहों से अनेक प्रकार के पदार्थों की प्राप्ति होगी।
- बृहस्पति की महादशा में राजा के साथ सवारी में चलने फिरने का सौभाग्य प्राप्त होगा।
- दान व राजा के सम्मान से धन-प्राप्ति और यज्ञादि उत्तम कार्यों से विशेष लाभ होगा।
- बृहस्पति की महादशा में आनन्द, किन्चित मात्र धैर्य, समय समय पर यश, कुछ धन का लाभ होगा।
- चोरों से हानि हो सकती है।
- बृहस्पति की महादशा में राजा से भय, पद से च्युति, बन्धुवर्गों से विरोध हो सकता है।
- चोर, अग्नि और कुल के लोगों से भय तथा प्लीहा एवं चर्म-रोग संभव है।
- बृहस्पति की महादशा में विवाद में विजय, राजा से मित्रता होगी।
- धन, स्त्री, पुत्र से सुख, अच्छे वस्त्र और सुबन्धु आदि की प्राप्ति होगी।
- बृहस्पति की महादशा अति शुभ होगी। वाहन की प्राप्ति, बन्धु जनों से आदर प्राप्त होगा।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

- यज्ञ क्रिया और विवाह आदि उत्सव से सुख मिलेगा।
- बृहस्पति की महादशा में धन या राज्य की प्राप्ति होगी।
- अधिकार सम्पन्न तथा धनी लोगों से मैत्री प्राप्त होगी।
- नौकरी तथा वाहन का सुख मिलेगा।
- बन्धुवर्ग से, सन्तान पक्ष से तथा स्त्री पक्ष से सुख प्राप्त होगा।
- पुत्र जन्म का योग बनेगा।
- बृहस्पति की महादशा में आरोग्य लाभ तथा बुद्धि सामर्थ्य, प्रज्ञा, उत्साह एवं विनय की वृद्धि होगी।
- विद्या बुद्धि के कार्यों द्वारा यश लाभ होगा।
- अचल सम्पत्ति भवन भूमि आदि की प्राप्ति होगी।
- धन लाभ, ऋण मुक्ति का योग बनेगा।
- पुत्रोत्सव का सुख होगा।
- परन्तु नियम विहीन अर्थात् अव्यवस्थित-चित्त हो सकता है।

## गुरु-गुरु : 21 मार्च 2091 से 8 मई 2093 तक

**बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -
- उत्साह, शारीरिक कान्ति की वृद्धि होगी।
- विद्या एवं विज्ञान की प्राप्ति, विद्या द्वारा यश एवं पद का लाभ होगा।
- राजा का अनुग्रह, ऐश्वर्य, सम्मान, गुणों का उदय और भाग्य वृद्धि होगी।
- सब कार्यों में सफलता, संतति सुख तथा अनेक प्रकार से धन लाभ होगा।
- अन्तर्दशाकाल में नीचों का संग, महादु:ख, दायादों से झगड़ा, अविवेकपूर्ण कलह, अपने मालिक की अपमृत्यु, पुत्र स्त्री का वियोग, धन-धान्य क्षय संभव है।

## गुरु-गुरु-गुरु : 21 मार्च 2091 से 3 जुलाई 2091 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

## गुरु-गुरु-शनि : 3 जुलाई 2091 से 3 नवम्बर 2091 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

## गुरु-गुरु-बुध : 3 नवम्बर 2091 से 22 फरवरी 2092 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों के आगमन से स्नेह संभव है।

## गुरु-गुरु-केतु : 22 फरवरी 2092 से 7 अप्रैल 2092 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

## गुरु-गुरु-शुक्र : 7 अप्रैल 2092 से 15 अगस्त 2092 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

## गुरु-गुरु-सूर्य : 15 अगस्त 2092 से 23 सितम्बर 2092 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

## गुरु-गुरु-चन्द्र : 23 सितम्बर 2092 से 27 नवम्बर 2092 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

## गुरु-गुरु-मंगल : 27 नवम्बर 2092 से 11 जनवरी 2093 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शस्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्निमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

## गुरु-गुरु-राहु : 11 जनवरी 2093 से 8 मई 2093 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## गुरु-शनि : 8 मई 2093 से 20 नवम्बर 2095 तक

**बृहस्पति की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -
- शरीर की दुर्बलता, द्वेषपूर्ण बुद्धि, मन में दु:ख संभव है।
- कर्म व्यवसाय में हानि, धन-धर्म एवं यश की हानि, व्यसन तथा परस्त्रीगमन में प्रवृत्ति रहेगी।
- ज्वर से कष्ट तथा धन का अधिक व्यय हो सकता है।
- बृहस्पति की दशा में शनि की अन्तर्दशा में धनधान्य का नाश,

ज्वर से क्लेश, मानसिक कष्ट, स्त्री पुत्र को भी कष्ट, व्रणजन्य पीड़ा का उद्भव, घर में अशुभ कार्योदय, भृत्यवर्ग को कष्ट, गौ, महिषी, आदि पशुओं की हानि, बन्धुद्वेष संभव है।
- भूमि, अर्थ, पुत्र, गाय, भैंस आदि पशुओं का लाभ, शूद्रमूलक धनागम प्राप्त होगा। जातक की अपमृत्यु संभव है। दोष शान्ति के लिए विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ काली गाय, तथा भैंस का दान करें जिससे आरोग्य प्राप्त होगा।

## गुरु-शनि-शनि : 8 मई 2093 से 2 अक्टूबर 2093 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## गुरु-शनि-बुध : 2 अक्टूबर 2093 से 10 फरवरी 2094 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## गुरु-शनि-केतु : 10 फरवरी 2094 से 5 अप्रैल 2094 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## गुरु-शनि-शुक्र : 5 अप्रैल 2094 से 6 सितम्बर 2094 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## गुरु-शनि-सूर्य : 6 सितम्बर 2094 से 22 अक्टूबर 2094 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## गुरु-शनि-चन्द्र : 22 अक्टूबर 2094 से 7 जनवरी 2095 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## गुरु-शनि-मंगल : 7 जनवरी 2095 से 2 मार्च 2095 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## गुरु-शनि-राहु : 2 मार्च 2095 से 19 जुलाई 2095 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## गुरु-शनि-गुरु : 19 जुलाई 2095 से 20 नवम्बर 2095 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## गुरु-बुध : 20 नवम्बर 2095 से 24 फरवरी 2098 तक

**बृहस्पति की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- देवताओं में भक्ति, योग ज्ञान की उपलब्धि होगी।
- विद्वानों द्वारा सम्मान तथा सत्कार्यों में अभिरुचि व कार्य कुशलता की वृद्धि होगी।
- राजानुग्रह से सुख की वृद्धि, स्त्री और व्यवसाय से धन की प्राप्ति होगी।
- वाहन, मन्दिर, मित्र तथा स्त्री-पुत्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- लम्बी-यात्रा, चित्त में चंचलता और शिर में पीड़ा अथवा उन्माद का भय हो सकता है।
- बृहस्पति की दशा में बुधान्तर आनेपर अर्थनाश, देहसुख, राज्यलाभ, महासुख, राजा की कृपा से अभीष्टसिद्धि, वाहन, वस्त्र, तथा गवादि पशुओं से पूर्ण घर होगा।
- अन्तर्दशाकाल में स्वदेश में ही धनागम, पितृमातृसुख, तथा राजा और मित्र की कृपा से हाथी घोड़ा से पूर्णता होगी।

## गुरु-बुध-बुध : 20 नवम्बर 2095 से 16 मार्च 2096 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## गुरु-बुध-केतु : 16 मार्च 2096 से 3 मई 2096 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## गुरु-बुध-शुक्र : 3 मई 2096 से 18 सितम्बर 2096 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## गुरु-बुध-सूर्य : 18 सितम्बर 2096 से 29 अक्टूबर 2096 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## गुरु-बुध-चन्द्र : 29 अक्टूबर 2096 से 6 जनवरी 2097 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## गुरु-बुध-मंगल : 6 जनवरी 2097 से 24 फरवरी 2097 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्र्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## गुरु-बुध-राहु : 24 फरवरी 2097 से 28 जून 2097 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## गुरु-बुध-गुरु : 28 जून 2097 से 16 अक्टूबर 2097 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## गुरु-बुध-शनि : 16 अक्टूबर 2097 से 24 फरवरी 2098 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## गुरु-केतु : 24 फरवरी 2098 से 31 जनवरी 2099 तक

**बृहस्पति की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- स्थान हानि, भ्रमण, अस्थिरता संभव है।
- स्वजनों से मतभेद, पुत्र तथा भाइयों को कष्ट, लोकमत से विरोध हो सकता है।
- गुरुजनों को क्लेश, राजकोप, धन नाश तथा रोग आदि फल संभव है।
- चोट एवं व्रण का भय, नौकरों से हानि और चित्त में व्यथा हो सकती है।

## गुरु-केतु-केतु : 24 फरवरी 2098 से 16 मार्च 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## गुरु-केतु-शुक्र : 16 मार्च 2098 से 12 मई 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## गुरु-केतु-सूर्य : 12 मई 2098 से 29 मई 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## गुरु-केतु-चन्द्र : 29 मई 2098 से 27 जून 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## गुरु-केतु-मंगल : 27 जून 2098 से 16 जुलाई 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा,

नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## गुरु-केतु-राहु : 16 जुलाई 2098 से 6 सितम्बर 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## गुरु-केतु-गुरु : 6 सितम्बर 2098 से 21 अक्टूबर 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## गुरु-केतु-शनि : 21 अक्टूबर 2098 से 14 दिसम्बर 2098 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## गुरु-केतु-बुध : 14 दिसम्बर 2098 से 31 जनवरी 2099 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## गुरु-शुक्र : 31 जनवरी 2099 से 2 अक्टूबर 2101 तक

**बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- धर्म-कर्म तथा सज्जनों की सेवा में प्रवृत्ति होगी।
- उत्तम विद्या और विद्वानों की संगति का सुख प्राप्त होगा।
- धन, वाहन और राज चिन्हों की प्राप्ति अर्थात राजकीय अनुकूलता रहेगी।
- स्त्रियों से पीड़ा, स्त्री सम्बन्ध से धन हानि, जनता से द्वेष, मित्रों से वियोग तथा व्यसनों में रुचि बढ़ेगी।
- वायु तथा काण्डू जनित रोग और कलह एवं मानसिक चिन्ता संभव है।
- बृहस्पति की दशा में शुक्रान्तर में धन-धान्यादि का लाभ, स्त्रीलाभ, राजदर्शन, वाहन, पुत्र का लाभ, पशुवृद्धि, महासुख, गान बाजे का सुख, विद्वज्जन से संगति, दिव्यान्नभोजन, बन्धु बान्धव का पोषण आदि फल प्राप्त होगा।
- अन्तर्दशा काल में धनक्षय, स्त्रीमूलक औषधादियों के द्वारा अपमृत्यु का भय संभव है।
- शान्त्यर्थ शान्तिकर्म, श्वेत गाय, तथा भैंस का दान करें जिससे आयुरारोग्य की प्राप्ति होगी।

## गुरु-शुक्र-शुक्र : 31 जनवरी 2099 से 13 जुलाई 2099 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## गुरु-शुक्र-सूर्य : 13 जुलाई 2099 से 30 अगस्त 2099 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## गुरु-शुक्र-चन्द्र : 30 अगस्त 2099 से 20 नवम्बर 2099 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## गुरु-शुक्र-मंगल : 20 नवम्बर 2099 से 15 जनवरी 2100 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

## गुरु-शुक्र-राहु : 15 जनवरी 2100 से 10 जून 2100 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## गुरु-शुक्र-गुरु : 10 जून 2100 से 18 अक्टूबर 2100 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## गुरु-शुक्र-शनि : 18 अक्टूबर 2100 से 22 मार्च 2101 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## गुरु-शुक्र-बुध : 22 मार्च 2101 से 6 अगस्त 2101 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## गुरु-शुक्र-केतु : 6 अगस्त 2101 से 2 अक्टूबर 2101 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## गुरु-सूर्य : 2 अक्टूबर 2101 से 21 जुलाई 2102 तक

**बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- राजा से अधिकार एवं मान का लाभ तथा किसी पदवी के मिलने का भी सौभाग्य प्राप्त हो सकता है।
- श्रीमानों से मैत्री, तेज तथा पराक्रम की वृद्धि, देश अथवा जन समूह पर आधिपत्य प्राप्त होगा।
- संतान सुख एवं संतान की उन्नति, पुण्य तीर्थों की यात्रा तथा यश वृद्धि होगी।
- धन तथा अनेक प्रकार के पदार्थों वस्तुओं की प्राप्ति, उत्साह एवं सुख की वृद्धि होगी।
- शत्रुओं पर विजय, आरोग्य लाभ होगा।
- अन्तर्दशाकाल में धनलाभ, राजसम्मान-प्रयुक्त-ऐश्वर्य, वाहन, वस्त्र, पशु, भूषण की प्राप्ति, पुत्रसुख, मित्र तथा प्रभु के द्वारा सर्वकार्यसिद्धि होगी।

## गुरु-सूर्य-सूर्य : 2 अक्टूबर 2101 से 17 अक्टूबर 2101 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## गुरु-सूर्य-चन्द्र : 17 अक्टूबर 2101 से 10 नवम्बर 2101 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा, मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## गुरु-सूर्य-मंगल : 10 नवम्बर 2101 से 27 नवम्बर 2101 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## गुरु-सूर्य-राहु : 27 नवम्बर 2101 से 10 जनवरी 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग तथा मानसिक त्रास संभव है।

## गुरु-सूर्य-गुरु : 10 जनवरी 2102 से 18 फरवरी 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण, तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## गुरु-सूर्य-शनि : 18 फरवरी 2102 से 5 अप्रैल 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग, सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## गुरु-सूर्य-बुध : 5 अप्रैल 2102 से 17 मई 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## गुरु-सूर्य-केतु : 17 मई 2102 से 3 जून 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## गुरु-सूर्य-शुक्र : 3 जून 2102 से 21 जुलाई 2102 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## गुरु-चन्द्र : 21 जुलाई 2102 से 20 नवम्बर 2103 तक

**बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- राज चिन्ह की प्राप्ति, राजा के अनुग्रह से सुखों की वृद्धि होगी।
- राजा अर्थात उच्च अधिकारियों से मैत्री, मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

- स्त्री सुख, स्त्रियों द्वारा ऐश्वर्य की प्राप्ति, आभूषण और उत्तम वस्त्र आदि का सुख मिलेगा।
- उत्तम विद्या द्वारा धन एवं यश में वृद्धि होगी।
- भू-सम्पत्ति का सुख, गृह सुख, वाहन सुख का योग बनेगा।
- अन्तर्दशा में शरीर में कष्ट संभव है।
- दोषपरिहार के लिए दुर्गापाठ करना चाहिए।

## गुरु-चन्द्र-चन्द्र : 21 जुलाई 2102 से 31 अगस्त 2102 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## गुरु-चन्द्र-मंगल : 31 अगस्त 2102 से 28 सितम्बर 2102 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## गुरु-चन्द्र-राहु : 28 सितम्बर 2102 से 11 दिसम्बर 2102 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## गुरु-चन्द्र-गुरु : 11 दिसम्बर 2102 से 13 फरवरी 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## गुरु-चन्द्र-शनि : 13 फरवरी 2103 से 2 मई 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## गुरु-चन्द्र-बुध : 2 मई 2103 से 10 जुलाई 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## गुरु-चन्द्र-केतु : 10 जुलाई 2103 से 7 अगस्त 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## गुरु-चन्द्र-शुक्र : 7 अगस्त 2103 से 27 अक्टूबर 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

## गुरु-चन्द्र-सूर्य : 27 अक्टूबर 2103 से 20 नवम्बर 2103 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्त्रप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

## गुरु-मंगल : 20 नवम्बर 2103 से 26 अक्टूबर 2104 तक

**बृहस्पति की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में मंगल की अन्तर्दशा में -

- प्रताप का उदय, विवाद में विजय की प्राप्ति होगी।
- कार्य क्षेत्र में यश की प्राप्ति, स्त्री संतान से सुख मिलेगा।
- शारीरिक बल का क्षय, उत्साह-हीनता, ज्वर से पीड़ा, शिर और गुप्त रोग तथा शत्रुओं  से भी भय हो सकता है।
- बृहस्पति की दशा में मंगल की अन्तर्दशा में विद्या, विवाहकार्य, ग्राम तथा भूमि का लाभ होगा। ऐसे समय में सर्वकार्यसिद्धिप्रद लोकबल प्राप्त होगा।

## गुरु-मंगल-मंगल : 20 नवम्बर 2103 से 10 दिसम्बर 2103 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

## गुरु-मंगल-राहु : 10 दिसम्बर 2103 से 31 जनवरी 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदन्नभोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

## गुरु-मंगल-गुरु : 31 जनवरी 2104 से 16 मार्च 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- यह फाइल में नहीं है।

## गुरु-मंगल-शनि : 16 मार्च 2104 से 9 मई 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

## गुरु-मंगल-बुध : 9 मई 2104 से 26 जून 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त्र, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

## गुरु-मंगल-केतु : 26 जून 2104 से 16 जुलाई 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

## गुरु-मंगल-शुक्र : 16 जुलाई 2104 से 11 सितम्बर 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तदशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाण्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

## गुरु-मंगल-सूर्य : 11 सितम्बर 2104 से 28 सितम्बर 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

## गुरु-मंगल-चन्द्र : 28 सितम्बर 2104 से 26 अक्टूबर 2104 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में द़क्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

## गुरु-राहु : 26 अक्टूबर 2104 से 22 मार्च 2107 तक

**बृहस्पति की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

बृहस्पति की महादशा में राहु अन्तर्दशा में -
- लोगों से अकारण शत्रुता, भाई-बन्धुओं से विरोध संभव है।
- अनेक प्रकार के क्लेश से भय, सब प्रकार के उपद्रवों के उदय की संभावना है।
- संतान को कष्ट, स्थानान्तरण, दूर की यात्रा का योग बनेगा।
- धन की अवनति और अरिष्ट या मृत्यु भय हो सकता है।

## गुरु-राहु-राहु : 26 अक्टूबर 2104 से 7 मार्च 2105 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

## गुरु-राहु-गुरु : 7 मार्च 2105 से 2 जुलाई 2105 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

## गुरु-राहु-शनि : 2 जुलाई 2105 से 18 नवम्बर 2105 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

## गुरु-राहु-बुध : 18 नवम्बर 2105 से 22 मार्च 2106 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

## गुरु-राहु-केतु : 22 मार्च 2106 से 12 मई 2106 तक

**राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

## गुरु-राहु-शुक्र : 12 मई 2106 से 5 अक्टूबर 2106 तक

**राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

## गुरु-राहु-सूर्य : 5 अक्टूबर 2106 से 18 नवम्बर 2106 तक

**राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

## गुरु-राहु-चन्द्र : 18 नवम्बर 2106 से 30 जनवरी 2107 तक

**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

## गुरु-राहु-मंगल : 30 जनवरी 2107 से 22 मार्च 2107 तक

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

## शनि महादशा: 22 मार्च 2107 से 22 मार्च 2126 तक

### शनि महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शनि की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- शनि की महादशा में किसी श्रेणी के ग्राम, नगर के अधिकार अथवा समाज में प्रधानता प्राप्त होगी। अथवा किसी निम्न जाति का आधिपत्य मिल सकता है।
- विनय, बुद्धि एवं ज्ञान की वृद्धि, दान देने में रुचि और कला-कुशलता होगी।
- किसी प्राचीन स्थान की प्राप्ति से सुखी होंगे।
- धन, स्वर्ण, वस्त्र आदि से सम्पन्न तथा हाथी, घोड़े आदि चतुष्पादों (अर्थात वाहन) से शोभित होंगे।
- देवता आदि में भक्ति और देवालय आदि बनवाने की रुचि होगी।
- अपने कुल को उज्जवल करेंगे और कीर्त्ति, यश की वृद्धि होगी।
- परिवार का सुख, पराक्रम की वृद्धि, यात्राएं होती रहेंगी।
- जानवर ऊंट, गदहा, बकरी, पक्षी, वृद्धा स्त्री, मोटा अन्न आदि से लाभ की प्राप्ति होगी।
- शनि की महादशा में शिल्प आदि विद्या का ज्ञान, बल और प्रताप में वृद्धि होगी।
- शनि की महादशा में प्रकार का आनन्द और सुख मिलेगा।
- प्रवास या विदेश गमन तथा ग्राम, मण्डली, जिला अथवा सभा इत्यादि का अधिपति हो सकते हैं।
- शनि की महादशा में नीच स्त्री के साथ प्रसंग, छिपकर पाप कर्म करने की प्रवृत्ति संभव है।
- चोर आदि नीच मनुष्यों के साथ झ्ागड़ा और कलह हो सकता है।
- शनि की महादशा में धन, स्त्री, सन्तान, भाई और नौकर की हानि संभव है।
- बुरे प्रकार का भोजन तथा लांछना लग सकती है।
- शनि की महादशा में बहुत सुख, सम्पत्ति और स्त्री-पुत्र आदि का लाभ तथा बन्धु जनों से प्रतिष्ठा होगी।

- शनि की महादशा में समस्त कार्य और उद्योगों की हानि तथा दु:ख एवं भाइयों का विनाश हो सकता है।
- शनि की महादशा में शारीरिक कष्ट एवं आर्थिक चिन्ता रहेगी।
- अग्नि, चोर, शस्त्र और राजा से भय, अनेक प्रकार के संकट संभव है।
- अपयश, प्रवास तथा बन्धुओं की हानि हो सकती है।
- शनि की महादशा में राज मन्त्री पद की प्राप्ति, राजसम्मान तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी।
- लोक में ख्याति, प्रसन्नता, आनंद, धैर्य की वृद्धि होगी।
- प्रतिपक्षी पर विजय, विवाद में यश तथा शत्रु नाश से हर्ष होगा।
- स्त्री-पुत्र आदि से सुख तथा चतुष्पादों से सुखी रहेंगे।

## शनि-शनि : 22 मार्च 2107 से 25 मार्च 2110 तक

**शनि की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -
- शरीर में आलस्य तथा मानसिक उत्साह में कमी रहेगी।
- कार्यक्षेत्र में बाधा, धन की कमी, ऋणग्रस्तता तथा प्रवास संभव है।
- वात विकार, रोग से पीड़ा, दम्भ और ईर्ष्या के कारण ताप संभव है।
- राजा और चोर से धन-धान्य का नाश हो सकता है।
- स्त्री के कारण बुद्धि भ्रम, संतान से कलह तथा अनेक प्रकार के कष्ट संभव है।
- राजा से भय, विष, शस्त्र आदि की पीड़ा, रक्त स्राव, गुल्म रोग, अतिसार का कष्ट, अन्तर्दशा के मध्य में चोरी आदि का भय, देश त्याग, मानसिक कष्ट संभव है। दशा के अन्त में ग्राम, भूमि आदि का लाभ होगा।
- अपमृत्यु भय संभव है।
- दोष परिहार के लिये मृत्युञ्जय जप करना चाहिये, शंकर प्रसन्न, सभी कष्टों के हारक होंगे।

## शनि-शनि-शनि : 22 मार्च 2107 से 12 सितम्बर 2107 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दु:ख, संभव है।

## शनि-शनि-बुध : 12 सितम्बर 2107 से 15 फरवरी 2108 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## शनि-शनि-केतु : 15 फरवरी 2108 से 19 अप्रैल 2108 तक

**शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**
- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

## शनि-शनि-शुक्र : 19 अप्रैल 2108 से 19 अक्टूबर 2108 तक

**शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

## शनि-शनि-सूर्य : 19 अक्टूबर 2108 से 13 दिसम्बर 2108 तक

**शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

## शनि-शनि-चन्द्र : 13 दिसम्बर 2108 से 14 मार्च 2109 तक

**शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

## शनि-शनि-मंगल : 14 मार्च 2109 से 17 मई 2109 तक

**शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

## शनि-शनि-राहु : 17 मई 2109 से 29 अक्टूबर 2109 तक

**शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

## शनि-शनि-गुरु : 29 अक्टूबर 2109 से 25 मार्च 2110 तक

**शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

## शनि-बुध : 25 मार्च 2110 से 2 दिसम्बर 2112 तक

**शनि की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- राजदरबार में प्रतिष्ठा की प्राप्ति व नौकरी में उत्कर्ष होगा।
- व्यवसाय एवं वाणिज्य में सफलता, धन लाभ प्राप्त होगा।
- विद्वानों की संगति में आनन्द, मित्रों से लाभ, सत्कर्म में रुचि बढ़ेगी।
- स्त्री-पुत्रादि से सुख, वाहन सुख, यश, कीर्ति तथा सौभाग्य की वृद्धि होगी।

ॐ

- कफ प्रकोप से शारीरिक कष्ट संभव है।
- सम्मान, अपार यश, विद्या लाभ, धनागम, वाहन आदि सुख, यज्ञ आदि कार्यों की सिद्धि, राजयोग आदि संभव होंगे। शरीर सुख, मानसिक उत्साह, घर में कल्याण, तीर्थ यात्रा द्वारा समुद्र स्नान, वाणिज्य से धन लाभ, पुराण श्रवण, अन्न दान, नित्य मिष्ठान्न का भोजन होगा।
- अन्तर्दशा के प्रारंभ में राजतिलक, धन प्राप्ति, देश या गाँव का स्वामित्व प्राप्त होगा। मध्य तथा अन्त में रोग से कष्ट, सभी कार्यों की सिद्धि में बाधा, व्याकुलता, महाभय संभव है।

## शनि-बुध-बुध : 25 मार्च 2110 से 11 अगस्त 2110 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

## शनि-बुध-केतु : 11 अगस्त 2110 से 7 अक्टूबर 2110 तक

**बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रो में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

## शनि-बुध-शुक्र : 7 अक्टूबर 2110 से 20 मार्च 2111 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

## शनि-बुध-सूर्य : 20 मार्च 2111 से 8 मई 2111 तक

**बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

## शनि-बुध-चन्द्र : 8 मई 2111 से 29 जुलाई 2111 तक

**बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

## शनि-बुध-मंगल : 29 जुलाई 2111 से 25 सितम्बर 2111 तक

**बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की र्प्राप्ति, चोर अग्नि

आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

## शनि-बुध-राहु : 25 सितम्बर 2111 से 19 फरवरी 2112 तक

**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रतयन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

## शनि-बुध-गुरु : 19 फरवरी 2112 से 29 जून 2112 तक

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सद्बुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

## शनि-बुध-शनि : 29 जून 2112 से 2 दिसम्बर 2112 तक

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

## शनि-केतु : 2 दिसम्बर 2112 से 11 जनवरी 2114 तक

**शनि की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- राजकीय बन्धन का भय, दु:खदायी परिस्थितियाँ संभव हैं।
- नीच एवं दु:र्जन मनुष्यों से कलह, तथा स्त्री-पुत्र से विग्रह हो सकता है।
- धन हानि, दु:स्वप्न एवं वात-पित्त जनित रोग से भय संभव है।
- अन्तर्दशा के आरंभ में सुख, धनागम, गंगा आदि सब तीर्थों में स्नान तथा देवताओं का दर्शन होगा।
- अन्तर्दशा में सामर्थ्य, धार्मिक बुद्धि, सुख तथा राजा का समागम होगा।

- अपमृत्यु भय, कुत्सित अन्न का भोजन, शीत ज्वर, अतिसार, व्रण, चोर आदि से कष्ट, स्त्री पुत्र से वियोग संभव है।

## शनि-केतु-केतु : 2 दिसम्बर 2112 से 25 दिसम्बर 2112 तक

**केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

## शनि-केतु-शुक्र : 25 दिसम्बर 2112 से 3 मार्च 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

## शनि-केतु-सूर्य : 3 मार्च 2113 से 23 मार्च 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

## शनि-केतु-चन्द्र : 23 मार्च 2113 से 26 अप्रैल 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याश:क्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमवात की वृद्धि संभव है।

## शनि-केतु-मंगल : 26 अप्रैल 2113 से 20 मई 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राघात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

## शनि-केतु-राहु : 20 मई 2113 से 19 जुलाई 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

## शनि-केतु-गुरु : 19 जुलाई 2113 से 11 सितम्बर 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त्र तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

## शनि-केतु-शनि : 11 सितम्बर 2113 से 14 नवम्बर 2113 तक

**केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

## शनि-केतु-बुध : 14 नवम्बर 2113 से 11 जनवरी 2114 तक

**केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

## शनि-शुक्र : 11 जनवरी 2114 से 12 मार्च 2117 तक

**शनि की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- शुभ-अशुभ मिश्रित फल प्राप्त होंगे।
- स्त्री संतान, आभूषण एवं धन की प्राप्ति, ग्राम अथवा देश में प्रसिद्धि होगी।
- कृषि आदि से सुख, बन्धुजनों से स्नेह, जनता से प्रीति, पुत्र से सुख, यश का प्रकाश और शत्रुओं का नाश होगा।
- स्त्री पुत्र, धन की प्राप्ति, शारीरिक आरोग्य, महोत्सव, घर में कल्याण तथा संपत्ति, राज्य लाभ, महासुख, राजा की कृपा से सुखप्रद अभिष्ट सिद्धि, जनादर तथा राजा से सम्मान, प्रिय वस्त्रों का लाभ, द्वीपान्तर से वस्त्र, श्वेत अश्व, महिषी का लाभ, संचारवश बृहस्पति की अनुकूलता से सुख, धन संपत्ति, शनि की अनुकूलता से योग कर्म की प्राप्ति होगी।
- अन्तर्दशा में स्त्री नाश, मनोव्यथा, स्थान नाश, स्त्री तथा बन्धुजनों में क्लेश, संताप, लोगों से झगड़ा संभव है।

## शनि-शुक्र-शुक्र : 11 जनवरी 2114 से 22 जुलाई 2114 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

## शनि-शुक्र-सूर्य : 22 जुलाई 2114 से 18 सितम्बर 2114 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

## शनि-शुक्र-चन्द्र : 18 सितम्बर 2114 से 24 दिसम्बर 2114 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

## शनि-शुक्र-मंगल : 24 दिसम्बर 2114 से 1 मार्च 2115 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा

ॐ

महाक्लेश होगा।

## शनि-शुक्र-राहु : 1 मार्च 2115 से 22 अगस्त 2115 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

## शनि-शुक्र-गुरु : 22 अगस्त 2115 से 23 जनवरी 2116 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

## शनि-शुक्र-शनि : 23 जनवरी 2116 से 24 जुलाई 2116 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

## शनि-शुक्र-बुध : 24 जुलाई 2116 से 4 जनवरी 2117 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।

## शनि-शुक्र-केतु : 4 जनवरी 2117 से 12 मार्च 2117 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में भयंकर अपमृत्यु एक देश से दूसरे देश का भ्रमण, बीच-बीच में कभी कुछ लाभ भी हो सकता है।

## शनि-सूर्य : 12 मार्च 2117 से 22 फरवरी 2118 तक

**शनि की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में -

- शरीर को विशेष कष्ट तथा मानसिक क्लेश संभव है।
- अनिश्चित परिस्थितियाँ, आकस्मिक घटनाएँ तथा लोकोपवाद, मानहानि हो सकती है।
- स्त्री-पुत्र और बन्धु को पीड़ा, शत्रुओं की उत्पत्ति एवं व्यर्थ भ्रमण हो सकता है।
- धन की हानि, चोर एवं राजा से पीड़ा, और जठराग्नि, हृदय एवं नेत्र का रोग हो सकता हे।
- जातक को अपने स्वामी से महासुख, घर में कल्याण, तथा सम्पत्ति, पुत्रादिसुखवृद्धि, सवारी, पशु, वस्त्र, गोदुग से परिपूर्ण घर होगा।

- हृदयरोग, मानहानि, स्थाननाश, मनोव्यथा, इष्टमित्रों से
  वियोग, उद्योग का विनाश, तापज्वर आदि की पीड़ा, व्याकुलता, भय,
  अपने सम्बन्धियों का मरण, इष्टवस्तु से वियोग हो सकता है।

## शनि-सूर्य-सूर्य : 12 मार्च 2117 से 30 मार्च 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- उद्वेग, धनक्षय, स्त्रीपीड़ा, शिरोवेदना, ब्राह्मण के साथ विवाद आदि असत्फल संभव है।

## शनि-सूर्य-चन्द्र : 30 मार्च 2117 से 28 अप्रैल 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में मानसिक उद्वेग, झगड़ा, धनक्षय, मनोव्यथा,
  मणि-मुक्तादि रत्नों का विनाश आदि संभव है।

## शनि-सूर्य-मंगल : 28 अप्रैल 2117 से 18 मई 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तिर्दशा में भौम-प्रत्यन्तर में राजा तथा शत्रु से भय, बन्धन, महासंकट, शत्रु तथा
  अग्नि से पीड़ा आदि संभव है।

## शनि-सूर्य-राहु : 18 मई 2117 से 9 जुलाई 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में श्लेष्मप्रयुक्त रोग, शत्रुभय, धनक्षय, महाभय, राजभंग
  तथा मानसिक त्रास संभव है।

## शनि-सूर्य-गुरु : 9 जुलाई 2117 से 24 अगस्त 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में गुरु-प्रत्यन्तर में शत्रुक्षय, विजय, अभिवृद्धि, वस्त्र सुवर्ण आदि भूषण,
  तथा रथ आदि वाहनों की प्राप्ति का योग बनेगा।

## शनि-सूर्य-शनि : 24 अगस्त 2117 से 18 अक्टूबर 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में धनक्षय, पशुओं को कष्ट, मानसिक उद्वेग, महारोग,
  सभी क्षेत्रों में अशुभ फल संभव है।

## शनि-सूर्य-बुध : 18 अक्टूबर 2117 से 6 दिसम्बर 2117 तक

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

**सूर्य की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में विद्याप्राप्ति, बन्धु बान्धवों से मिलन, भोज्यलाभ, धनागम, धर्मलाभ तथा राजसम्मान प्राप्त होगा।

## शनि-सूर्य-केतु : 6 दिसम्बर 2117 से 26 दिसम्बर 2117 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्य की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में प्राणभय, महाक्षति, राजभय, कलह तथा शत्रु से महाविवाद संभव है।

## शनि-सूर्य-शुक्र : 26 दिसम्बर 2117 से 22 फरवरी 2118 तक

**सूर्य की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- सूर्यान्तरदशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में मध्यम रूप का समय, थोड़ा लाभ, अल्प सुखसम्पत्ति प्राप्त होगा।

## शनि-चन्द्र : 22 फरवरी 2118 से 24 सितम्बर 2119 तक

**शनि की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल**

शनि की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- उत्साह की हानि, मानसिक चिन्ता, क्रोध, उद्वेग की वृद्धि होगी।
- वन्धुवर्ग से मतभेद, निरन्तर कलह, संतान कष्ट एवं गुप्त शत्रु से हानि संभव है।
- स्त्री को मृत्यु तुल्य कष्ट अथवा स्त्री की मृत्यु या वियोग, सुख की हानि संभव है।
- वात रोग व गुप्त रोग आदि से पीड़ा हो सकती है।
- जातक को राजप्रीति, राजकृपा से वाहन, वस्त्र, भूषणकी प्राप्ति, सौभाग्योदय, सुखवृद्धि, सेवकों का पालन, पितृमातृकुल में सुख, सुखप्रद पशुवृद्धि होगी।
- अन्तर्दशाकाल में जातक को महान् कष्ट, राजकोप, धननाश, पितृमातृवियोग, पुत्र-पुत्री को रोग, उद्योग में हानि, अनेक रूप में धनक्षय, असमय में भोजन, औषधि का सेवन संभव है। अन्तर्दशारम्भ में सुख तथा धनागम होगा।
- अन्तर्दशा में अधिक शयन रोग, आलस्य, सुखनाशक स्थानभ्रंश, शत्रुओं की वृद्धि तथा विरोध, तथा इष्ट बन्धुओं के साथ विग्रह होगा।

## शनि-चन्द्र-चन्द्र : 22 फरवरी 2118 से 11 अप्रैल 2118 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में भूमि, सुभोजन तथा धन की प्राप्ति राजसम्मान से महासुख, अन्य भी महालाभ, स्त्री-सुख प्राप्त होगा।

## शनि-चन्द्र-मंगल : 11 अप्रैल 2118 से 15 मई 2118 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रान्तर्दशा में कुज प्रत्यन्तर में बुद्धिवृद्धि, महासम्मान, बन्धुओं के साथ सुख, धनागम, शत्रुभय प्राप्त होगा।

## शनि-चन्द्र-राहु : 15 मई 2118 से 10 अगस्त 2118 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में कल्याण तथा सम्पत्ति, राज्य से धनप्राप्ति, राहु अशुभ ग्रहों से युत-दृष्ट होने से अपमृत्यु संभव है।

## शनि-चन्द्र-गुरु : 10 अगस्त 2118 से 26 अक्टूबर 2118 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बृहस्पति प्रत्यन्तर में वस्त्रलाभ, तेजोवृद्धि, सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान, राज्य तथा भूषण की प्राप्ति होगी।

## शनि-चन्द्र-शनि : 26 अक्टूबर 2118 से 26 जनवरी 2119 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्र की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में दुर्दिन में वात-पित्त प्रयुक्त विशेष कष्ट, धन, धान्य तथा यश की हानि संभव है।

## शनि-चन्द्र-बुध : 26 जनवरी 2119 से 17 अप्रैल 2119 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में पुत्रोत्पत्ति, अश्वलाभ, विद्याप्राप्ति, महा उन्नति, सफेद वस्त्र तथा अन्न का लाभ प्राप्त होगा।

## शनि-चन्द्र-केतु : 17 अप्रैल 2119 से 21 मई 2119 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

## शनि-चन्द्र-शुक्र : 21 मई 2119 से 26 अगस्त 2119 तक

**चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- चन्द्रमा की अन्तर्दशा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

# गोचर फल

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (16 अगस्त 2019  20:39:21 से 10 सितम्बर 2019  01:41:02)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2019  13:01:57 से 17 सितम्बर 2019  13:02:27)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (26 अगस्त 2019  14:07:05 से 11 सितम्बर 2019  04:58:55)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (10 सितम्बर 2019  01:41:02 से 4 अक्टूबर 2019  05:14:05)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (11 सितम्बर 2019 04:58:55 से 29 सितम्बर 2019 12:55:32)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2019 13:02:27 से 18 अक्टूबर 2019 01:02:40)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (25 सितम्बर 2019 06:32:56 से 10 नवम्बर 2019 14:23:45)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्न्ता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (29 सितम्बर 2019 12:55:32 से 23 अक्टूबर 2019 23:15:28)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (4 अक्टूबर 2019 05:14:05 से 28 अक्टूबर 2019 08:31:42)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (18 अक्टूबर 2019  01:02:40 से 17 नवम्बर 2019  00:51:07)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (23 अक्टूबर 2019  23:15:28 से 7 नवम्बर 2019  15:52:57)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (28 अक्टूबर 2019  08:31:42 से 21 नवम्बर 2019  12:22:43)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वितीय भाव से गोचर (5 नवम्बर 2019  05:17:22 से 30 मार्च 2020  03:54:50)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कुल मिलाकर शुभ समय का सूचक है । यह दौर आपकी वर्तमान आयु, कृषि, व्यापार में लाभ प्राप्ति व प्रसन्नतापूर्वक दान कार्यों में व्यय किए जाने वाले धन आदि की वृद्धि में वरदानस्वरुप सिद्ध हो सकता है । इसमें भूमि, जायदाद या सम्पदा

में आप निवेश कर सकते हैं व यदि कोई ऋण है तो उसे चुकाने में यह समय सहायक होगा ।

घर के लिए भी यह सुखमय दौर है व परिवार के लिए आनन्द लेकर आया है । दाम्पत्य जीवन में आप सुख की आशा कर सकते हैं । परिवार में नए सदस्य का आगोचर हो सकता है ।

कामकाज में आप अधिकारियों का विश्वास प्राप्त करेंगे व दूसरे आपसे प्रभावित होंगे ।

इस समय आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे । सामाजिक रुप से यह समय तुष्टिकारक है क्योंकि आपको और अधिक आदर मिलने की संभावना है व आपको उच्च कोटि की शान-शौकत व मान का अनुभव होने वाला है ।

मानसिक रुप से आप शान्ति अनुभव करेंगे तथा अपनी बुद्धि को इस समय और भी प्रखर करने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (7 नवम्बर 2019  15:52:57 से 5 दिसम्बर 2019  10:33:19)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (10 नवम्बर 2019  14:23:45 से 25 दिसम्बर 2019  21:28:36)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (17 नवम्बर 2019  00:51:07 से 16 दिसम्बर 2019  15:27:41)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (21 नवम्बर 2019  12:22:43 से 15 दिसम्बर 2019  17:58:28)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (5 दिसम्बर 2019  10:33:19 से 25 दिसम्बर 2019  15:45:31)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2019  17:58:28 से 9 जनवरी 2020  04:22:49)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2019  15:27:41 से 15 जनवरी 2020  02:07:59)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (25 दिसम्बर 2019  15:45:31 से 13 जनवरी 2020  11:34:35)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (25 दिसम्बर 2019 21:28:36 से 8 फरवरी 2020 03:51:44)**
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह कठिनाइयों का सूचक है। व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है। आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें। यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें। आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें। धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं। अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं। आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (9 जनवरी 2020 04:22:49 से 3 फरवरी 2020 02:17:53)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (13 जनवरी 2020 11:34:35 से 31 जनवरी 2020 02:53:13)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (15 जनवरी 2020 02:07:59 से 13 फरवरी 2020 15:03:27)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

**जन्म चंद्रमा से शनि का तृतीय भाव से गोचर (24 जनवरी 2020 09:56:06 से 29 अप्रैल 2022 07:53:21)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शुभ समय का संकेत है। यह आपके कार्य क्षेत्र के लिए व वित्त हेतु उत्तम समय है। आपमें से अधिकांश अनेक प्रकार से धनोपार्जन करेंगे। इन दिनों आरम्भ किया गया कोई भी व्यापार, परियोजना या काम - धंधा निश्चित रुप से सफल होगा।

यदि आप मुर्गी पालन अथवा कृषि से जुड़े हुए हैं तो यह विशेष रुप से शुभ समय है तथा अपने अपने कार्य में आपको विशेष लाभ होगा ।

आपमें से कुछ इन दिनों भूमि अथवा अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं । कुल मिलाकर धन सम्बन्धी मामलों में यह अच्छा व शुभ समय है ।

यदि आप बेरोजगार हैं तो भाग्य आपका द्वार अवश्य खटखटाएगा और आपके सन्मुख कई लाभप्रद नौकरियों / कार्यों का प्रस्ताव होगा । जो सेवारत है उन्हें वेतन वृद्धि, उच्च पद व अधिकार मिल सकते हैं । आपकी समझ, योग्यता तथा प्रयास सभी का ध्यान आकृष्ट करेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह शुभ समय है क्योंकि आप सामाजिक सफलता की सीढ़ी उत्तरोत्तर चढ़ते ही जाएँगे । आपमें से अधिकांश घर पर नौकरानी और कार्यालय में सहायक नियुक्त करेंगे जो काम-काज में मदद करें । जो भी हो, आप हर प्रकार के तक-वितर्क में अपना पक्ष इतने स्पष्ट रुप में सहजता से रखें कि आप ही विजयी होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपको लगेगा कि आपके पैरों में शक्ति व उत्साह के पंख लगे हुए हैं । यदि पूर्व में कोई रोग रहा भी हो तो आप उससे मुक्ति पाकर सुख - चैन अनुभव करेंगे ।

घर पर भी पूर्णतया सुख - चैन का वातावरण होगा । आपकी पत्नी / पति और अधिक प्रेममय व समर्पित रहेंगी / रहेंगे व आपको दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनन्द प्राप्त होगा । आपके भाई - बहनों व बच्चों का व्यवहार अच्छा होगा व वे कार्य में सहायक होंगे ।

शत्रुओं की पराजय होगी व आप पर भाग्यलक्ष्मी की कृपा होगी । आपमें से कुछ को यात्रा करनी पड़ सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (31 जनवरी 2020  02:53:13 से 7 अप्रैल 2020  14:22:54)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (3 फरवरी 2020  02:17:53 से 29 फरवरी 2020  01:33:06)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (8 फरवरी 2020  03:51:44 से 22 मार्च 2020  14:40:02)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2020  15:03:27 से 14 मार्च 2020  11:53:39)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (29 फरवरी 2020  01:33:06 से 28 मार्च 2020  15:38:03)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2020  11:53:39 से 13 अप्रैल 2020  20:22:57)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुन्नौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (22 मार्च 2020  14:40:02 से 4 मई 2020  20:39:51)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (28 मार्च 2020  15:38:03 से 1 अगस्त 2020  05:10:28)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से गुरु का तृतीय भाव से गोचर (30 मार्च 2020  03:54:50 से 30 जून 2020  05:21:43)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके जीवन में बाधाएँ व अस्वस्थता लेकर आएगा । वित्त हेतु भी यह समय अच्छा नहीं है क्यसोंकि व्यापार में किए गए प्रयासों में असफलता व अड़चनें आ सकती हैं । हाथ से धन भी जा सकता है ।

काम में आपको अपना पद व स्थान बनाए रखने हेतु सतर्क रहना पड़ सकता है । आपको अपने मालिक व सहकर्मियों का इस दौरान विरोध भी झेलना पड़ सकता है ।

अपने मित्रों व भाई-बहनों से विवाद में न पड़ें क्योंकि इससे झगड़ा हो सकता हैं । इस समय किसी रिश्तेदार व मित्र की मृत्यु भी हो सकती है ।

आप एवम् आपके जीवनसंगी के बीमान होने का खतरा है । अत: स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतें । आप मानसिक चिन्ताओं व अन्य कठिनाइयों से गुजर सकते हैं ।

यात्रा से बचें क्योंकि यह हानिकारक हो सकता है ।

दूसरी और आपमें से कुछ कोई पवित्र अनुष्ठान कर सकते हैं व विवाह के बारे में सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (7 अप्रैल 2020  14:22:54 से 25 अप्रैल 2020  02:34:18)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो द्दढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (13 अप्रैल 2020  20:22:57 से 14 मई 2020  17:16:06)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (25 अप्रैल 2020  02:34:18 से 9 मई 2020  09:46:53)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (4 मई 2020  20:39:51 से 18 जून 2020  20:14:42)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (9 मई 2020  09:46:53 से 24 मई 2020  23:55:14)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 मई 2020  17:16:06 से 14 जून 2020  23:53:48)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (24 मई 2020  23:55:14 से 2 अगस्त 2020  03:32:07)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (14 जून 2020  23:53:48 से 16 जुलाई 2020  10:46:59)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (18 जून 2020  20:14:42 से 16 अगस्त 2020  18:28:44)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वितीय भाव से गोचर (30 जून 2020  05:21:43 से 20 नवम्बर 2020  13:22:37)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कुल मिलाकर शुभ समय का सूचक है । यह दौर आपकी वर्तमान आयु, कृषि, व्यापार में लाभ प्राप्ति व प्रसन्नतापूर्वक दान कार्यों में व्यय किए जाने वाले धन आदि की वृद्धि में वरदानस्वरुप सिद्ध हो सकता है । इसमें भूमि, जायदाद या सम्पदा में आप निवेश कर सकते हैं व यदि कोई ऋण है तो उसे चुकाने में यह समय सहायक होगा ।

घर के लिए भी यह सुखमय दौर है व परिवार के लिए आनन्द लेकर आया है । दाम्पत्य जीवन में आप सुख की आशा कर सकते हैं । परिवार में नए सदस्य का आगोचर हो सकता है ।

कामकाज में आप अधिकारियों का विश्वास प्राप्त करेंगे व दूसरे आपसे प्रभावित होंगे ।

इस समय आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे । सामाजिक रुप से यह समय तुष्टिकारक है क्योंकि आपको और अधिक आदर मिलने की संभावना है व आपको उच्च कोटि की शान-शौकत व मान का अनुभव होने वाला है ।

मानसिक रुप से आप शान्ति अनुभव करेंगे तथा अपनी बुद्धि को इस समय और भी प्रखर करने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2020  10:46:59 से 16 अगस्त 2020  19:11:15)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (1 अगस्त 2020  05:10:28 से 1 सितम्बर 2020  02:03:39)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (2 अगस्त 2020  03:32:07 से 17 अगस्त 2020  08:28:48)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (16 अगस्त 2020  18:28:44 से 4 अक्टूबर 2020  10:07:03)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का सूचक है । आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा । यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा । आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी ।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं ।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है । यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी । समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे ।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (16 अगस्त 2020  19:11:15 से 16 सितम्बर 2020  19:07:35)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2020  08:28:48 से 2 सितम्बर 2020  12:02:37)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप

अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (1 सितम्बर 2020  02:03:39 से 28 सितम्बर 2020  01:01:58)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (2 सितम्बर 2020  12:02:37 से 22 सितम्बर 2020  16:52:33)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (16 सितम्बर 2020  19:07:35 से 17 अक्टूबर 2020  07:05:25)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से राहु का सप्तम भाव से गोचर (19 सितम्बर 2020  21:37:24 से 17 मार्च 2022  06:22:23)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय आपके लिए थकान व चिन्ता लेकर आएगा । यही समय है जब आप जायदाद सम्बन्धी किसी भी प्रकार के मुकदमे व व्यापार से दूर रहें क्योंकि जायदादा हाथ से निकल जाने की संभावना ह । फिर भी आप में से कुछ के व्यापार क्षेत्र में अचानक प्रगति संभव है ।

घर पर भी अपने पति / पत्नी से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता हैं । मित्रों व सम्बन्धियों से स्नेहपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने की चेष्टा करें जिससे वे आपको छोड़कर न चले जायँ । आप के किसी विपरीत लिंग वाले व्यक्ति से अवैध सम्बन्ध होने का खतरा है । इस प्रकार के सम्बन्ध से बचें क्योंकि इसका अंत समाज में आपकी प्रतिष्ठा नष्ट करके होगा।

आपको कोई यौन रोग लग सकता है । अत: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें । आपको पित्त अथवा वायु जनित रोग हो सकते हैं । इस विशेष समय में पति / पत्नी का स्वास्थ्य भी चिंता का कारण बन सकता है ।

अपने व्यवहार के प्रति सतर्क रहें व शत्रुओं से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आप इस समय किसी व्यर्थ के मुकदमे में लिप्त हो सकते हैं । अपमान व बदनामी से बचने हेतु हर प्रकार की मुकदमेबाजी से दूर रहें ।

आपको किसी सुदूर स्थान पर जाना पड़ सकता है जो आपके लिए मुसीबत का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से केतु का प्रथम भाव से गोचर (19 सितम्बर 2020  21:37:24 से 17 मार्च 2022  06:22:23)**
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय आपके लिए संघषपूर्ण रहेगा । शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि उनके अधिक शक्तिशाली व आक्रामक होने की संभावना है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह नाजुक समय हो सकता है । खर्चे अत्यधिक बढ़ सकते हैं । जबकि धन संचय आपके लिए कठिन हो सकता है । फिर भी, इस दौरान किसी भी प्रकार का ऋण लेने से बचें । संभव है आपके प्रयासों का मनोवांछित फल न मिले । ऐसे क्रिया-कलापों से दूर रहें जिनसे समाज में आपकी बदनामी हो ।

स्वास्थ्य को कुछ झटका लग सकता है विशेष रुप से कृष्ण - पक्ष में । जीवन जोखिम में डालने वाले कार्यों से दूर रहें ।

आपके उत्तेजित व अशान्त होकर मानसिक रुप से आक्रान्त होने की संभावना है । अत: चित्त को शान्त रखें । सिर से सम्बन्धित रोग आपको पीड़ित कर सकते हैं ।

घर के वातावरण को अरुचिकर बनाने से बचें अत: परिवारजनों से विवाद न होंने दें । आपके इन दिनों परिवार के सदस्यों से झगड़ा होने की भी संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (22 सितम्बर 2020  16:52:33 से 28 नवम्बर 2020  07:04:03)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (28 सितम्बर 2020  01:01:58 से 23 अक्टूबर 2020  10:45:06)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (4 अक्टूबर 2020  10:07:03 से 24 दिसम्बर 2020  10:18:31)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2020  07:05:25 से 16 नवम्बर 2020  06:53:51)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (23 अक्टूबर 2020  10:45:06 से 17 नवम्बर 2020  01:01:59)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2020  06:53:51 से 15 दिसम्बर 2020  21:32:08)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (17 नवम्बर 2020  01:01:59 से 11 दिसम्बर 2020  05:17:03)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का तृतीय भाव से गोचर (20 नवम्बर 2020 13:22:37 से 6 अप्रैल 2021 00:24:30)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके जीवन में बाधाएँ व अस्वस्थता लेकर आएगा । वित्त हेतु भी यह समय अच्छा नहीं है क्यसोंकि व्यापार में किए गए प्रयासों में असफलता व अड़चनें आ सकती हैं । हाथ से धन भी जा सकता है ।

काम में आपको अपना पद व स्थान बनाए रखने हेतु सतर्क रहना पड़ सकता है । आपको अपने मालिक व सहकर्मियों का इस दौरान विरोध भी झेलना पड़ सकता है ।

अपने मित्रों व भाई-बहनों से विवाद में न पड़ें क्योंकि इससे झगड़ा हो सकता हैं । इस समय किसी रिश्तेदार व मित्र की मृत्यु भी हो सकती है ।

आप एवम् आपके जीवनसंगी के बीमान होने का खतरा है । अत: स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतें । आप मानसिक चिन्ताओं व अन्य कठिनाइयों से गुजर सकते हैं ।

यात्रा से बचें क्योंकि यह हानिकारक हो सकता है ।

दूसरी और आपमें से कुछ कोई पवित्र अनुष्ठान कर सकते हैं व विवाह के बारे में सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (28 नवम्बर 2020 07:04:03 से 17 दिसम्बर 2020 11:37:45)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (11 दिसम्बर 2020 05:17:03 से 4 जनवरी 2021 05:03:51)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2020 21:32:08 से 14 जनवरी 2021 08:14:48)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव

हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (17 दिसम्बर 2020  11:37:45 से 5 जनवरी 2021  03:54:59)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (24 दिसम्बर 2020  10:18:31 से 22 फरवरी 2021  04:36:14)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का सूचक है । आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा । यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा । आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी ।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं ।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है । यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी । समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे ।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (4 जनवरी 2021  05:03:51 से 28 जनवरी 2021  03:29:42)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (5 जनवरी 2021  03:54:59 से 25 जनवरी 2021  16:30:34)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2021  08:14:48 से 12 फरवरी 2021  21:12:15)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (25 जनवरी 2021  16:30:34 से 4 फरवरी 2021  22:58:00)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (28 जनवरी 2021  03:29:42 से 21 फरवरी 2021  02:22:23)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (4 फरवरी 2021  22:58:00 से 11 मार्च 2021  12:33:15)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (12 फरवरी 2021  21:12:15 से 14 मार्च 2021  18:03:27)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (21 फरवरी 2021  02:22:23 से 17 मार्च 2021  03:00:44)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (22 फरवरी 2021  04:36:14 से 14 अप्रैल 2021  01:13:48)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है ।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है । आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं । आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै । आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है ।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है । आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (11 मार्च 2021  12:33:15 से 1 अप्रैल 2021  00:43:02)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2021  18:03:27 से 14 अप्रैल 2021  02:32:43)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (17 मार्च 2021  03:00:44 से 10 अप्रैल 2021  06:29:09)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (1 अप्रैल 2021  00:43:02 से 16 अप्रैल 2021  20:57:51)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का चतुर्थ भाव से गोचर (6 अप्रैल 2021  00:24:30 से 14 सितम्बर 2021  14:21:49)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । ये आपके लिए चिन्ताएँ लेकर आयाहै । कार्यक्षेत्र में ये अनेक कठिनाइयाँ उत्पन्न करेगा व आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब हो सकता है । जायदाद सम्बन्धी मामलों व मुकदमेबाजी से दूर रहें ।

शत्रुओं से बचें व विशेष ध्यान रखें कि नए शत्रु न बनें । अपने सम्बन्धियों व मित्रों से मधुर सम्बन्ध रखें । इन दिनों आप किसी ऐसे परिवार में जाएँगे जहाँ किसी की मृत्यु हुई हो ।

आर्थिक रुप से भी यह कठिन समय है । व्यर्थ के खर्चों व यात्रा से बचें ।

अपनी व अपनी माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें । आप इस समय कमजोरी व जीवन में एक फीकापन महसूस कर सकते हैं । पालतू पशुओं व कार यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

समाज में अपना स्तर ऊँचा बनाए रखें व समाज के सदस्यों से मधुर सम्बन्ध बनाएँ रखें क्योंकि विरोध का सामना करना पड़ सकता है । आपको इस काल में गहरी मानसिक चिन्ता हो सकती है व अपमान झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (10 अप्रैल 2021  06:29:09 से 4 मई 2021  13:26:10)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (14 अप्रैल 2021  01:13:48 से 2 जून 2021  06:51:40)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2021  02:32:43 से 14 मई 2021  23:24:58)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक

खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (16 अप्रैल 2021  20:57:51 से 1 मई 2021  05:41:37)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (1 मई 2021  05:41:37 से 26 मई 2021  08:40:05)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (4 मई 2021  13:26:10 से 29 मई 2021  00:00:44)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 मई 2021  23:24:58 से 15 जून 2021  06:01:18)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (26 मई 2021  08:40:05 से 3 जून 2021  02:25:59)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे  ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (29 मई 2021  00:00:44 से 22 जून 2021  14:21:48)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (2 जून 2021  06:51:40 से 20 जुलाई 2021  17:55:12)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (3 जून 2021  02:25:59 से 7 जुलाई 2021  11:09:42)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2021  06:01:18 से 16 जुलाई 2021  16:53:33)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (22 जून 2021  14:21:48 से 17 जुलाई 2021  09:26:09)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (7 जुलाई 2021  11:09:42 से 25 जुलाई 2021  11:41:36)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे  ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2021  16:53:33 से 17 अगस्त 2021  01:17:16)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (17 जुलाई 2021  09:26:09 से 11 अगस्त 2021  11:32:14)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (20 जुलाई 2021  17:55:12 से 6 सितम्बर 2021  03:58:37)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों का अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (25 जुलाई 2021  11:41:36 से 9 अगस्त 2021  01:33:25)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (9 अगस्त 2021  01:33:25 से 26 अगस्त 2021  11:19:27)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (11 अगस्त 2021  11:32:14 से 6 सितम्बर 2021  00:50:03)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य

आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2021  01:17:16 से 17 सितम्बर 2021  01:13:30)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (26 अगस्त 2021  11:19:27 से 22 सितम्बर 2021  08:15:21)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (6 सितम्बर 2021  00:50:03 से 2 अक्टूबर 2021  09:46:49)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (6 सितम्बर 2021  03:58:37 से 22 अक्टूबर 2021  02:02:05)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा। इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा। संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है। सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है। आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है। आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का तृतीय भाव से गोचर (14 सितम्बर 2021  14:21:49 से 20 नवम्बर 2021  23:29:16)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके जीवन में बाधाएँ व अस्वस्थता लेकर आएगा । वित्त हेतु भी यह समय अच्छा नहीं है क्यसोंकि व्यापार में किए गए प्रयासों में असफलता व अड़चनें आ सकती हैं । हाथ से धन भी जा सकता है ।

काम में आपको अपना पद व स्थान बनाए रखने हेतु सतर्क रहना पड़ सकता है । आपको अपने मालिक व सहकर्मियों का इस दौरान विरोध भी झेलना पड़ सकता है ।

अपने मित्रों व भाई-बहनों से विवाद में न पड़ें क्योंकि इससे झगड़ा हो सकता हैं । इस समय किसी रिश्तेदार व मित्र की मृत्यु भी हो सकती है ।

आप एवम् आपके जीवनसंगी के बीमान होने का खतरा है । अत: स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतें । आप मानसिक चिन्ताओं व अन्य कठिनाइयों से गुजर सकते हैं ।

यात्रा से बचें क्योंकि यह हानिकारक हो सकता है ।

दूसरी और आपमें से कुछ कोई पवित्र अनुष्ठान कर सकते हैं व विवाह के बारे में सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2021  01:13:30 से 17 अक्टूबर 2021  13:12:15)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (22 सितम्बर 2021  08:15:21 से 2 अक्टूबर 2021  02:54:16)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (2 अक्टूबर 2021  02:54:16 से 2 नवम्बर 2021  09:53:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक

सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (2 अक्टूबर 2021  09:46:49 से 30 अक्टूबर 2021  16:10:51)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2021  13:12:15 से 16 नवम्बर 2021  13:02:52)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (22 अक्टूबर 2021  02:02:05 से 5 दिसम्बर 2021  05:58:23)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (30 अक्टूबर 2021  16:10:51 से 8 दिसम्बर 2021  13:53:54)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (2 नवम्बर 2021  09:53:40 से 21 नवम्बर 2021  04:50:09)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2021  13:02:52 से 16 दिसम्बर 2021  03:44:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का चतुर्थ भाव से गोचर (20 नवम्बर 2021  23:29:16 से 13 अप्रैल 2022  15:49:52)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । ये आपके लिए चिन्ताएँ लेकर आयाहै । कार्यक्षेत्र में ये अनेक कठिनाइयाँ उत्पन्न करेगा व आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब हो सकता है । जायदाद सम्बन्धी मामलों व मुकदमेबाजी से दूर रहें ।

शत्रुओं से बचें व विशेष ध्यान रखें कि नए शत्रु न बनें । अपने सम्बन्धियों व मित्रों से मधुर सम्बन्ध रखें । इन दिनों आप किसी ऐसे परिवार में जाएँगे जहाँ किसी की मृत्यु हुई हो ।

आर्थिक रुप से भी यह कठिन समय है । व्यर्थ के खर्चों व यात्रा से बचें ।

अपनी व अपनी माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें । आप इस समय कमजोरी व जीवन में एक फीकापन महसूस कर सकते हैं । पालतू पशुओं व कार यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

समाज में अपना स्तर ऊँचा बनाए रखें व समाज के सदस्यों से मधुर सम्बन्ध बनाएँ रखें क्योंकि विरोध का सामना करना पड़ सकता है । आपको इस काल में गहरी मानसिक चिन्ता हो सकती है व अपमान झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (21 नवम्बर 2021  04:50:09 से 10 दिसम्बर 2021  06:05:36)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (5 दिसम्बर 2021  05:58:23 से 16 जनवरी 2022  16:30:41)**
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है  । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (8 दिसम्बर 2021  13:53:54 से 30 दिसम्बर 2021  07:57:28)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (10 दिसम्बर 2021  06:05:36 से 29 दिसम्बर 2021  11:31:19)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2021  03:44:09 से 14 जनवरी 2022  14:29:28)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2021  11:31:19 से 6 मार्च 2022  11:21:34)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने

से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (30 दिसम्बर 2021  07:57:28 से 27 फरवरी 2022  10:18:55)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2022  14:29:28 से 13 फरवरी 2022  03:27:27)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (16 जनवरी 2022  16:30:41 से 26 फरवरी 2022  15:49:32)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2022  03:27:27 से 15 मार्च 2022  00:16:19)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (26 फरवरी 2022  15:49:32 से 7 अप्रैल 2022  15:15:44)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (27 फरवरी 2022  10:18:55 से 31 मार्च 2022  08:40:27)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (6 मार्च 2022  11:21:34 से 24 मार्च 2022  10:57:02)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मार्च 2022  00:16:19 से 14 अप्रैल 2022  08:41:17)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुन्नौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से राहु का षष्ठ भाव से गोचर (17 मार्च 2022  06:22:23 से 29 नवम्बर 2023  02:25:32)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए अनेक स्त्रोतों से सम्पत्ति लेकर आएगा । आप काम धंधा सरलतापूर्वक अबाध गति से चलने की आशा कर सकते हैं । यदि आप व्यापार या व्यवसाय, कृषि अथवा मुर्गी पालन क्षेत्र में हैं तो अपने - अपने धंधे में यथोचित लाभ की आशा रख सकते हैं । आप अपने विरोधी तक से भी धन लाभ की आशा कर सकते हैं । आपको अपने मामा से भी आर्थिक लाभ होने की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि किसी पुराने रोग के उभर आने की संभावना है । फिर भी यदि आप समय से चेत जाएँ व सही उपचार करें तो समस्त रोगों से मुक्ति पाकर पुन: स्वास्थ्यलाभ कर सकते हैं ।

सामाजिक दृष्टि से आप अत्यंत सफल होंगे । आपकी समाज में मान - प्रतिष्ठा निरन्त बढ़ती जाएगी । आपके विपरीत लिंग के किसी रोचक व दूसरे धर्म वाले व्यक्ति से मिलने की संभावना है। आप इस व्यक्ति के साथ उत्साहपूर्ण व बौद्धिक रुप से चुन्नौतीपूर्ण पा सकते हैं ।

आपके शत्रु विनम्र व आज्ञाकारी रहेंगे और आप उन पर विजय पाएँगे ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से केतु का द्वादश भाव से गोचर** (17 मार्च 2022 06:22:23 से 29 नवम्बर 2023 02:25:32)
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में झटका लगने के समय का सूचक है । स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि पित्त प्रकोप वाली बीमारियाँ आप में उभर सकती हैं । आप इन दिनों बवासीर से भी पीड़ित हो सकते हैं । आपकी पत्नी / पति का स्वास्थ्य भी चिन्ता का विषय बन सकता है । आप दोनों की शारीरिक व्याधियों का विपरीत प्रभाव दाम्पत्य जीवन पर भी पड़ सकता है । आपमें से कुछ को अस्थाई विस्मृति रोग भी हो सकता है ।

काम-काज में और अधिक समर्पण की भावना आवश्यकता है जिसकी कमी से आपको इस क्षेत्र में परेशानी झेलनी पड़ सकती है । वित्त का ध्यान रखें व अपने खर्चों पर भी नजर रखें । इस विशेष समय में किसी भी प्रकार का ऋण लेने से बचें ।

स्वयं को हर प्रकार की मुकदमेबाजी से दूर रखें क्योंकि आप मुकदमा हार सकते हैं व आपको कारावास भी हो सकता है । आपको इन दिनों अपमान व बदनामी भी झेलनी पड़ सकती है । अपने निकटवर्त्ती व प्रियजनों से अच्छा सामन्जस्य बनाए रखें जिससे कि वे आपको समर्थन देते रहें।

फिर भी आपमें से कुछ को सुख व सुविधा का आनन्द मिल सकता है यदि घटता हुआ कृष्ण-पक्ष का चन्द्रमा सही व उपयुक्त हो । यद्यपि धन की आवक सीमित रहेगी । आपमें से कुछ का इस दौरान विदेश यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर** (24 मार्च 2022 10:57:02 से 8 अप्रैल 2022 11:59:06)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर** (31 मार्च 2022 08:40:27 से 27 अप्रैल 2022 18:16:44)
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर** (7 अप्रैल 2022 15:15:44 से 17 मई 2022 09:32:39)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (8 अप्रैल 2022  11:59:06 से 25 अप्रैल 2022  00:16:16)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का पंचम भाव से गोचर (13 अप्रैल 2022  15:49:52 से 22 अप्रैल 2023  05:14:20)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह सुख व प्रयासों में सफलता का सूचक है। आप समस्त योजनाओं के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने की आशा रख सकते हैं व कार्य तथा व्यवसाय के प्रत समर्पण के भाव में वृद्धि होगी। आपके प्रयत्नों से आपको उच्चस्तरीय पुरस्कार मिलेंगे व व्यवसाय तथा व्यापार में लाभ के और भी अच्छे अवसर मिलने की संभावना है। यदि आप विद्यार्थी हैं अथवा ज्ञानोपार्जन कर रहे हैं तो इस क्षेत्र में भी आप सफलता की आशा कर सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से भी आप व आपके परिवार के लिए यह अच्छा समय सिद्ध हो सकता है। आप पशुधन, घर, आभूषण व वस्त्र खरीदने की सोच सकते हैं।

व्यक्तिगत रुप से, यदि आप अविवाहित हैं तो आपको इस समय आदर्श साथी मिल सकता है और आप विवाह के बारे में सोच सकते हैं। यदि विवाहित हैं तो परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं। परिवार के दूसरे सदस्यों से सम्बन्ध सुधरेंगे और आप उनसे लाभान्वित हो सकते है। आप घरेलू काम में सहायता के लिए किसी सेवक को रख सकते हैं। घर में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है जिसमें आपका योगदान सर्वाधिक होगा।

सामाजिक दृष्टि से अच्छा समय है। उच्च वर्ग का साथ एवम् राजकीय अनुग्रह की आशा की जा सकती है। बुद्धि की प्रखरता चरम सीमा पर होने से आप हर प्रकार के तार्किक वाद-विवाद से सफलतापूर्वक उबरेंगे। फालतू समय आमोद-प्रमोद में व्यतीत होगा, सामाजिक स्तर ऊँचा उठ सकता है। मानसिक रुप से आप शान्ति अनुभव करेंगे।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2022  08:41:17 से 15 मई 2022  05:29:23)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (25 अप्रैल 2022  00:16:16 से 2 जुलाई 2022  09:43:53)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (27 अप्रैल 2022  18:16:44 से 23 मई 2022  20:26:54)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है। वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं। आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का चतुर्थ भाव से गोचर (29 अप्रैल 2022  07:53:21 से 12 जुलाई 2022  14:48:16)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कठिन समय है । जीवन के अन्य पत्तों के अतिरिक्त वित्त व्यवस्था सही ढ़ंग से सम्भालनी होगी । जितना सम्भव हो, ऋण व्यय व पैसे की बर्बादी से बचें । आप में काम - धंधे के प्रति उत्साहहीनता आ सकती है । आपमें से कुछ को अपने कामकाज के प्रति अरुचि के कारण अपने वरिष्ठ व उच्च अधिकारियों का क्रोध झेलना पड़ सकता है । आपमें से कुछ का इस दौरान अन्य जगह स्थानान्तरण भी हो सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय नहीं है । अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के लिए विशेष प्रयत्नशील रहें । ऐसे क्रिया कलापों से बचें जिनमें अपमान होने का भय हो ।

स्वास्थ्य पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है । आपमें से कुछ अकर्मण्यता, उदर रोग, बादी (वायु रोग) अथवा अन्य छोटी - मोटी व्याधियों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

आपमें से कुछ मनोव्यथा, भय, मानसिक उलझन व चिन्ता से ग्रस्त हो सकते हैं । कुछ के मन में न्याय विरोधी विचार पनप सकते हैं जो मन में पापकर्म करने की तीव्र इच्छा जागृत कर सकते हैं ।

शत्रुओं के साथ विवाद से दूर रहें । आपमें से कुछ को मित्रों व शुभचिन्तकों से अलग होना पड़ सकता है ।

घर पर पत्नी व बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि बीमारी अथवा अन्य कारणों से जीवन जोखिम में पड़ने का खतरा है । आपमें से कुछ परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु के कारण शोकमग्न रहेंगे । अपने सम्बन्धियों व निकटतम प्रिय व्यक्तियों के साथ किसी अप्रिय स्थिति में पड़ने से बचें । इस दौरान संभव है अपने परिवार और सम्बन्धियों में आपके कुछ नए शत्रु बनें। इन दिनों छद्मवेशी शत्रुओं से सावधान रहें ।

फिर भी, आपमें से कुछ घर में नवजात शिशु के आने की आशा कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2022  05:29:23 से 15 जून 2022  12:03:50)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (17 मई 2022  09:32:39 से 27 जून 2022  05:40:12)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (23 मई 2022  20:26:54 से 18 जून 2022  08:16:05)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक

परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2022 12:03:50 से 16 जुलाई 2022 22:56:58)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है। अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है। पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं। अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें। किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (18 जून 2022 08:16:05 से 13 जुलाई 2022 10:50:14)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है। स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें।

आपको यह आीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है। दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (27 जून 2022 05:40:12 से 10 अगस्त 2022 21:10:32)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का सूचक है। आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा। आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं। आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है। यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी। समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (2 जुलाई 2022 09:43:53 से 17 जुलाई 2022 00:09:36)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का तृतीय भाव से गोचर (12 जुलाई 2022  14:48:16 से 17 जनवरी 2023  18:03:34)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शुभ समय का संकेत है । यह आपके कार्य क्षेत्र के लिए व वित्त हेतु उत्तम समय है । आपमें से अधिकांश अनेक प्रकार से धनोपार्जन करेंगे । इन दिनों आरम्भ किया गया कोई भी व्यापार, परियोजना या काम - धंधा निश्चित रुप से सफल होगा ।

यदि आप मुर्गी पालन अथवा कृषि से जुड़े हुए हैं तो यह विशेष रुप से शुभ समय है तथा अपने अपने कार्य में आपको विशेष लाभ होगा ।

आपमें से कुछ इन दिनों भूमि अथवा अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं । कुल मिलाकर धन सम्बन्धी मामलों में यह अच्छा व शुभ समय है ।

यदि आप बेरोजगार हैं तो भाग्य आपका द्वार अवश्य खटखटाएगा और आपके सन्मुख कई लाभप्रद नौकरियों / कार्यों का प्रस्ताव होगा । जो सेवारत है उन्हें वेतन वृद्धि, उच्च पद व अधिकार मिल सकते हैं । आपकी समझ, योग्यता तथा प्रयास सभी का ध्यान आकृष्ट करेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह शुभ समय है क्योंकि आप सामाजिक सफलता की सीढ़ी उत्तरोत्तर चढ़ते ही जाएँगे । आपमें से अधिकांश घर पर नौकरानी और कार्यालय में सहायक नियुक्त करेंगे जो काम-काज में मदद करें । जो भी हो, आप हर प्रकार के तक-वितर्क में अपना पक्ष इतने स्पष्ट रुप में सहजता से रखें कि आप ही विजयी होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपको लगेगा कि आपके पैरों में शक्ति व उत्साह के पंख लगे हुए हैं । यदि पूर्व में कोई रोग रहा भी हो तो आप उससे मुक्ति पाकर सुख - चैन अनुभव करेंगे ।

घर पर भी पूर्णतया सुख - चैन का वातावरण होगा । आपकी पत्नी / पति और अधिक प्रेममय व समर्पित रहेंगी / रहेंगे व आपको दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनन्द प्राप्त होगा । आपके भाई - बहनों व बच्चों का व्यवहार अच्छा होगा व वे कार्य में सहायक होंगे ।

शत्रुओं की पराजय होगी व आप पर भाग्यलक्ष्मी की कृपा होगी । आपमें से कुछ को यात्रा करनी पड़ सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (13 जुलाई 2022  10:50:14 से 7 अगस्त 2022  05:20:31)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2022  22:56:58 से 17 अगस्त 2022  07:23:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (17 जुलाई 2022 00:09:36 से 1 अगस्त 2022 03:44:47)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (1 अगस्त 2022 03:44:47 से 21 अगस्त 2022 02:04:48)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सुख के समय व संतोष का सूचक है। आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है। आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं। आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं। इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है। आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है। शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (7 अगस्त 2022 05:20:31 से 31 अगस्त 2022 16:18:31)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (10 अगस्त 2022 21:10:32 से 16 अक्टूबर 2022 06:36:09)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै। आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी

न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2022  07:23:09 से 17 सितम्बर 2022  07:21:50)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (21 अगस्त 2022  02:04:48 से 26 अक्टूबर 2022  13:47:32)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (31 अगस्त 2022  16:18:31 से 24 सितम्बर 2022  21:03:17)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2022  07:21:50 से 17 अक्टूबर 2022  19:22:33)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (24 सितम्बर 2022  21:03:17 से 18 अक्टूबर 2022  21:39:36)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (16 अक्टूबर 2022  06:36:09 से 13 नवम्बर 2022  20:49:54)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2022  19:22:33 से 16 नवम्बर 2022  19:15:03)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (18 अक्टूबर 2022  21:39:36 से 11 नवम्बर 2022  20:09:20)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (26 अक्टूबर 2022  13:47:32 से 13 नवम्बर 2022  21:19:43)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (11 नवम्बर 2022  20:09:20 से 5 दिसम्बर 2022  17:57:03)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय द्दष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (13 नवम्बर 2022  20:49:54 से 13 मार्च 2023  05:02:54)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धों की द्दष्टि से यह कठिन समय है ।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है । आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं । आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै । आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है ।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है । आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (13 नवम्बर 2022  21:19:43 से 3 दिसम्बर 2022  06:47:23)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर

परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2022 19:15:03 से 16 दिसम्बर 2022 09:58:18)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (3 दिसम्बर 2022 06:47:23 से 28 दिसम्बर 2022 05:07:54)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (5 दिसम्बर 2022 17:57:03 से 29 दिसम्बर 2022 16:03:26)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2022 09:58:18 से 14 जनवरी 2023 20:45:20)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (28 दिसम्बर 2022 05:07:54 से 30 दिसम्बर 2022 23:33:07)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2022 16:03:26 से 22 जनवरी 2023 15:54:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (30 दिसम्बर 2022 23:33:07 से 7 फरवरी 2023 07:28:17)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2023 20:45:20 से 13 फरवरी 2023 09:44:44)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का चतुर्थ भाव से गोचर (17 जनवरी 2023 18:03:34 से 29 मार्च 2025 21:44:37)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कठिन समय है । जीवन के अन्य पत्तों के अतिरिक्त वित्त व्यवस्था सही ढ़ंग से सम्भालनी होगी । जितना सम्भव हो, ऋण व्यय व पैसे की बर्बादी से बचें । आप में काम - धंधे के प्रति उत्साहहीनता आ सकती है । आपमें से कुछ को अपने कामकाज के प्रति अरुचि के कारण अपने वरिष्ठ व उच्च अधिकारियों का क्रोध झेलना पड़ सकता है । आपमें से कुछ का इस दौरान अन्य जगह स्थानान्तरण भी हो सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय नहीं है । अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के लिए विशेष प्रयत्नशील रहें । ऐसे क्रिया कलापों से बचें जिनमें अपमान होने का भय हो ।

स्वास्थ्य पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है । आपमें से कुछ अकर्मण्यता, उदर रोग, बादी (वायु रोग) अथवा अन्य छोटी - मोटी व्याधियों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

आपमें से कुछ मनोव्यथा, भय, मानसिक उलझन व चिन्ता से ग्रस्त हो सकते हैं । कुछ के मन में न्याय विरोधी विचार पनप सकते हैं जो मन में पापकर्म करने की तीव्र इच्छा जागृत कर सकते हैं ।

शत्रुओं के साथ विवाद से दूर रहें । आपमें से कुछ को मित्रों व शुभचिन्तकों से अलग होना पड़ सकता है ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

घर पर पत्नी व बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि बीमारी अथवा अन्य कारणों से जीवन जोखिम में पड़ने का खतरा है । आपमें से कुछ परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु के कारण शोकमग्न रहेंगे । अपने सम्बन्धियों व निकटतम प्रिय व्यक्तियों के साथ किसी अप्रिय स्थिति में पड़ने से बचें । इस दौरान संभव है अपने परिवार और सम्बन्धियों में आपके कुछ नए शत्रु बनें। इन दिनों छद्मवेशी शत्रुओं से सावधान रहें ।

फिर भी, आपमें से कुछ घर में नवजात शिशु के आने की आशा कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (22 जनवरी 2023  15:54:04 से 15 फरवरी 2023  20:02:21)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (7 फरवरी 2023  07:28:17 से 27 फरवरी 2023  16:47:57)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2023  09:44:44 से 15 मार्च 2023  06:34:22)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (15 फरवरी 2023  20:02:21 से 12 मार्च 2023  08:27:23)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (27 फरवरी 2023  16:47:57 से 16 मार्च 2023  10:48:08)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (12 मार्च 2023  08:27:23 से 6 अप्रैल 2023  10:59:11)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (13 मार्च 2023  05:02:54 से 10 मई 2023  13:49:01)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मार्च 2023  06:34:22 से 14 अप्रैल 2023  14:58:48)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (16 मार्च 2023  10:48:08 से 31 मार्च 2023  14:55:38)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (31 मार्च 2023  14:55:38 से 7 जून 2023  19:49:04)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (6 अप्रैल 2023  10:59:11 से 2 मई 2023  13:49:25)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2023  14:58:48 से 15 मई 2023  11:44:47)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का षष्ठ भाव से गोचर (22 अप्रैल 2023  05:14:20 से 1 मई 2024  12:59:49)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन के अधिकांश पहलुओं में परेशानियों का सूचक है । अपने परिवार व मित्रों के साथ व्यर्थ के विवाद में पड़कर आप अपने शत्रुओं की संख्या बढ़ाएँगे । आप अपने परामर्शदाताओं से भी शत्रुता कर सकते हैं । शत्रुओं से विशेष सावधान रहें क्योंकि वे आपके लिए सदा से भी अधिक परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति ध्याद देना आवश्यक है । संभव है कि सब कुछ उत्तम हो फिर भी आप बेचैनी व दु:ख का अनुभव करें । स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें व रोग से बचाव रखें ।

हो सकता है कि आप कुछ धन व जायदाद गँवा बैठें । अत: इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक सतर्क रहें । चोर, कार्यालय में आग व राजकीय रोष से सावधान रहें । यदि सेवारत हैं तो मालिक व सहयोगियों से अच्छा तालमेल बनाए रखें जिससे आपको उनकी नाराजगी या उपेक्षा न झेलनी पड़े । कोई नया कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हों तो स्थगित कर दें क्योंकि यह समय कुछ नया करने के लिए उपयुक्त नहीं होगा ।

अपने जीवन साथी के साथ अपने सम्बन्ध सावधानीपूर्वक व बुद्धिमानीपूर्वक निभाने की आवश्यकता पड़ सकती है । अपने साथी से विवाद से बचें व हर प्रकार की किसी से भी मुकदमेबाजी से दूर ही रहें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (2 मई 2023  13:49:25 से 30 मई 2023  19:38:47)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (10 मई 2023 13:49:01 से 1 जुलाई 2023 02:16:47)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2023 11:44:47 से 15 जून 2023 18:16:10)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (30 मई 2023 19:38:47 से 7 जुलाई 2023 04:05:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (7 जून 2023 19:49:04 से 24 जून 2023 12:42:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति

ॐ

बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2023  18:16:10 से 17 जुलाई 2023  05:06:55)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (24 जून 2023  12:42:40 से 8 जुलाई 2023  12:14:29)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (1 जुलाई 2023  02:16:47 से 18 अगस्त 2023  15:54:12)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (7 जुलाई 2023  04:05:04 से 7 अगस्त 2023  10:59:41)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (8 जुलाई 2023 12:14:29 से 25 जुलाई 2023 04:31:56)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (17 जुलाई 2023 05:06:55 से 17 अगस्त 2023 13:32:21)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (25 जुलाई 2023 04:31:56 से 1 अक्टूबर 2023 20:38:27)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (7 अगस्त 2023 10:59:41 से 2 अक्टूबर 2023 01:01:06)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह

करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2023  13:32:21 से 17 सितम्बर 2023  13:30:43)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (18 अगस्त 2023  15:54:12 से 3 अक्टूबर 2023  17:58:24)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2023  13:30:43 से 18 अक्टूबर 2023  01:29:39)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (1 अक्टूबर 2023  20:38:27 से 19 अक्टूबर 2023  01:16:46)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक

सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (2 अक्टूबर 2023 01:01:06 से 3 नवम्बर 2023 05:13:19)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (3 अक्टूबर 2023 17:58:24 से 16 नवम्बर 2023 10:46:35)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (18 अक्टूबर 2023 01:29:39 से 17 नवम्बर 2023 01:18:40)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (19 अक्टूबर 2023 01:16:46 से 6 नवम्बर 2023 16:25:23)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (3 नवम्बर 2023  05:13:19 से 30 नवम्बर 2023  01:04:20)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (6 नवम्बर 2023  16:25:23 से 27 नवम्बर 2023  05:53:22)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2023  10:46:35 से 28 दिसम्बर 2023  00:21:19)**
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है  । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (17 नवम्बर 2023  01:18:40 से 16 दिसम्बर 2023  15:58:20)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं। अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (27 नवम्बर 2023  05:53:22 से 28 दिसम्बर 2023  11:04:14)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है। विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से केतु का एकादश भाव से गोचर (29 नवम्बर 2023  02:25:32 से 30 मई 2025  00:27:43)**
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन भू-सम्पत्ति की प्राप्ति का सूचक है। यह महत्तवकांक्षा पूर्ण करने हेतु अच्छा उपयुक्त समय है। आप इस समय कोई नई परियोजना आरम्भ कर सकते हैं जिसे भारी निवेश की आवश्यकता होगी और वह बदले में उतना ही या और भी अधिक मुनाफा देगा। आपमें से अधिकांश धन लाभ हो सकता है।

घर पर विवाहयोग्य संतानों को उपयुक्त आदर्श वर / वधू मिल सकते हैं व विवाह करने का निश्चय ले सकते हैं। अपने छोटे बच्चे की उचित देखभाल करें। वह किसी शारीरिक रोग अथवा शरीर में दर्द से पीड़ित हो सकता / सकती है।

चन्द्रमा की कलाएँ बढ़ने के साथ ही आपमें से कुछ को किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने का सुअवसर प्राप्त हो सकता है। यह सम्पर्क आपको ध्यान लगाने व आध्यात्मिक प्रवृत्ति की ओर अधिक झुकाव की ओर प्रेरित कर सकता है। यह समय आपके लिए दूध से निर्मितम उत्तम भोजन व अच्छा भविष्य ला सकता है।

परन्तु यदि केतु की यह गति चन्द्रमा के घटने के समय अर्थात् कृष्ण - पक्ष में हो तो आपमें एक फीकेपन की भावना व अस्वस्थ मानसिक स्थिति उभर सकती है। इस समय आपमें कृषि के प्रति रुचि जागृत हो सकती है। स्वयं के परिवार में शत्रुता उत्पन्न हो सकती है और व्यवसाय में इस दौरान हानि हो सकती है।

**जन्म चंद्रमा से राहु का पंचम भाव से गोचर (29 नवम्बर 2023  02:25:32 से 30 मई 2025  00:27:43)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह संताप, विशेष रुप से बच्चों से सम्बन्धित विषाद् का सूचक है। वित्तीय द्दष्टि से भी शुभ समय नहीं है। धन पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि इसके व्यर्थ की खरीदारी पर व्यय होने की संभावना है।

माता-पिता व पत्नी / पति के रोग ग्रस्त होने का खतरा है। अत: यह चिन्ता का विषय बन सकता है। बच्चों से सम्बन्धित मामले आपको अधिक चिन्तित कर सकते हैं क्योंकि इस विशेष समय को 'पुत्र दोष' की संज्ञा दी गई है जिसका अर्थ ही 'पुत्र का दु:ख' है। इस समय बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी जो भी समस्याएँ हों उन पर तुरन्त ध्याद दें। आपमें से कुछ की संतान भटक सकती हैं या गम्भीर रोग से पीड़ित हो सकती है।

आप बढ़ी हुई मानसिक यातना तथा उलझन से पीड़ित हो सकते हैं। आपकी निणर्य लेने की कुशलता मन्द पड़ सकती है और उसके स्थान पर आप उत्तेजना में गलत निर्णय ले सकते हैं।

फिर भी आप में से कुछ के जीवन में उतार - चढ़ाव आ सकते हैं व अप्रत्याशित वित्तीय लाभ मिल सकता है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (30 नवम्बर 2023  01:04:20 से 25 दिसम्बर 2023  06:45:48)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2023  15:58:20 से 15 जनवरी 2024  02:43:32)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (25 दिसम्बर 2023  06:45:48 से 18 जनवरी 2024  20:56:52)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (28 दिसम्बर 2023  00:21:19 से 5 फरवरी 2024  21:42:54)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (28 दिसम्बर 2023  11:04:14 से 7 जनवरी 2024  21:10:52)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (7 जनवरी 2024  21:10:52 से 1 फरवरी 2024  14:22:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (15 जनवरी 2024  02:43:32 से 13 फरवरी 2024  15:43:40)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (18 जनवरी 2024  20:56:52 से 12 फरवरी 2024  04:52:43)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (1 फरवरी 2024  14:22:40 से 20 फरवरी 2024  06:01:28)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (5 फरवरी 2024  21:42:54 से 15 मार्च 2024  18:08:20)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (12 फरवरी 2024  04:52:43 से 7 मार्च 2024  10:46:49)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2024  15:43:40 से 14 मार्च 2024  12:36:08)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (20 फरवरी 2024  06:01:28 से 7 मार्च 2024  09:35:31)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (7 मार्च 2024  09:35:31 से 26 मार्च 2024  03:01:05)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (7 मार्च 2024  10:46:49 से 31 मार्च 2024  16:46:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2024  12:36:08 से 13 अप्रैल 2024  21:04:13)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण

 आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (15 मार्च 2024  18:08:20 से 23 अप्रैल 2024  08:38:26)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (26 मार्च 2024  03:01:05 से 9 अप्रैल 2024  21:38:36)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (31 मार्च 2024  16:46:04 से 24 अप्रैल 2024  23:58:39)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (9 अप्रैल 2024  21:38:36 से 10 मई 2024  18:51:22)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी

पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (13 अप्रैल 2024  21:04:13 से 14 मई 2024  17:53:30)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (23 अप्रैल 2024  08:38:26 से 1 जून 2024  15:36:52)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (24 अप्रैल 2024  23:58:39 से 19 मई 2024  08:43:00)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का सप्तम भाव से गोचर (1 मई 2024  12:59:49 से 14 मई 2025  22:36:11)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में सुखद समय लाएगा । आप इन दिनों शारीरिक व भौतिक सुखों का आनन्द ले सकते हैं जैसे उत्तम सुस्वादु भोजन, जायदाद पाना, फालतू समय में आमोद-प्रमोद या किसी अधिकारी द्वारा विशेष सम्मान दिया जाना ।

सामाजिक जीवन में भी आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप ऐसे विशिष्ट व्यक्तियों से मिल सकते हैं या मित्रता कर सकते हैं जो आपके लिए लाभप्रद सिद्ध हों । व्यक्तिगत रुप में भी आप एक चुस्त-दुरुस्त वक्ता व उत्कृष्ट बुद्धिमता के द्वारा पहचान बना सकते हैं । इस समय आप घर से बाहर रहकर कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । आपकी सचरित्रता व शारीरिक भव्यता की ओर सबका ध्यान जाएगा ।

इस समय आरामदायक घर प्राप्त करने का है एवम् इच्छापूर्त्ति होने की संभावना है । एकल व्यक्ति विवाह के विषय में व विवाहित परिवार बढ़ाने के बारे में सोच

सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन का परमानन्द प्राप्त होने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (10 मई 2024  18:51:22 से 31 मई 2024  12:14:18)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 मई 2024  17:53:30 से 15 जून 2024  00:27:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है। कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें। कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है। आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है। उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं। आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैँ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (19 मई 2024  08:43:00 से 12 जून 2024  18:29:26)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है। स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें।

आपको यह अीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है। दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (31 मई 2024  12:14:18 से 14 जून 2024  23:05:16)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (1 जून 2024  15:36:52 से 12 जुलाई 2024  18:58:39)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का सूचक है। आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा। आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं ।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है । यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी । समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे ।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (12 जून 2024  18:29:26 से 7 जुलाई 2024  04:31:19)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (14 जून 2024  23:05:16 से 29 जून 2024  12:25:00)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे  ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2024  00:27:09 से 16 जुलाई 2024  11:18:46)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (29 जून 2024  12:25:00 से 19 जुलाई 2024  20:41:07)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (7 जुलाई 2024  04:31:19 से 31 जुलाई 2024  14:33:27)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (12 जुलाई 2024  18:58:39 से 26 अगस्त 2024  15:25:11)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है ।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है । आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं । आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै । आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है ।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है । आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2024  11:18:46 से 16 अगस्त 2024  19:44:10)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (19 जुलाई 2024  20:41:07 से 22 अगस्त 2024  06:38:33)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (31 जुलाई 2024  14:33:27 से 25 अगस्त 2024  01:16:27)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (16 अगस्त 2024  19:44:10 से 16 सितम्बर 2024  19:42:44)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (22 अगस्त 2024  06:38:33 से 4 सितम्बर 2024  11:34:51)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (25 अगस्त 2024  01:16:27 से 18 सितम्बर 2024  13:57:09)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (26 अगस्त 2024  15:25:11 से 20 अक्टूबर 2024  14:22:16)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (4 सितम्बर 2024  11:34:51 से 23 सितम्बर 2024  10:10:47)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (16 सितम्बर 2024  19:42:44 से 17 अक्टूबर 2024  07:42:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (18 सितम्बर 2024  13:57:09 से 13 अक्टूबर 2024  06:00:37)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व

अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (23 सितम्बर 2024  10:10:47 से 10 अक्टूबर 2024  11:20:00)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (10 अक्टूबर 2024  11:20:00 से 29 अक्टूबर 2024  22:38:24)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (13 अक्टूबर 2024  06:00:37 से 7 नवम्बर 2024  03:31:38)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2024  07:42:24 से 16 नवम्बर 2024  07:31:47)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (20 अक्टूबर 2024  14:22:16 से 21 जनवरी 2025  10:05:06)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (29 अक्टूबर 2024  22:38:24 से 4 जनवरी 2025  12:04:46)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (7 नवम्बर 2024  03:31:38 से 2 दिसम्बर 2024  11:57:13)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2024  07:31:47 से 15 दिसम्बर 2024  22:10:57)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2024 11:57:13 से 28 दिसम्बर 2024 23:40:31)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं। आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2024 22:10:57 से 14 जनवरी 2025 08:55:28)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (28 दिसम्बर 2024 23:40:31 से 28 जनवरी 2025 07:02:40)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (4 जनवरी 2025 12:04:46 से 24 जनवरी 2025 17:40:07)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है। विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2025 08:55:28 से 12 फरवरी 2025 21:55:59)**

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (21 जनवरी 2025  10:05:06 से 3 अप्रैल 2025  01:28:16)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (24 जनवरी 2025  17:40:07 से 11 फरवरी 2025  12:54:23)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (28 जनवरी 2025  07:02:40 से 31 मई 2025  11:33:45)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (11 फरवरी 2025  12:54:23 से 27 फरवरी 2025  23:43:37)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (12 फरवरी 2025  21:55:59 से 14 मार्च 2025  18:50:27)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (27 फरवरी 2025  23:43:37 से 7 मई 2025  04:07:34)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2025  18:50:27 से 14 अप्रैल 2025  03:21:12)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का पंचम भाव से गोचर (29 मार्च 2025  21:44:37 से 3 जून 2027  05:27:26)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अवसाद का द्योतक है । इस दौरान आप देखेंगे कि आप मूर्खतापूर्ण प्रक्रियाओं, अपने ही सगे सम्बन्धियों व अन्य लोगों से झगड़े - फसाद व विवाद में उलझ गए हैं । आपमें से कुछ परिवार के सदस्यों के साथ मुकदमेबाजी में भी लिप्त हो सकते हैं साथ ही विपरीत लिंग वालों के साथ आपकी नहीं बनेगी । अपने व्यवहार को संयत रखें क्योंकि उतावलापन समाज में आपकी मान मर्यादा को मिटा सकता है।

वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें ।

कामकाज के भी सही संचालन की आवश्यकता है । व्यवसायी नया धंधा हाथ में न लें और हानि उठाने को तैयार रहें । यदि आप निवेश या शेयर बाजार में हैं तो वर्तमान स्थिति संतोषजनक नहीं है । कुछ भी नया आरम्भ न करें क्योंकि मनवांछित परिणाम मिलने की आशा नहीं है ।

आपकी पत्नी / पति व बच्चों के स्वास्थ्य को विशेष देखभाल की आवश्यकता है । अपने बच्चे की किसी भी स्वास्थ्य सम्बन्धी शिकायत के प्रति लापरवाही न बरतें । यह बाद में जानलेवा सिद्ध हो सकता है । यदि स्वास्थ्य सम्बन्धी सावधानियों की अनदेखी की गई तो आपकी पत्नी / पति बीमार पड़ सकती / सकते हैं । आपमें से अधिकांश के मानसिक संताप तथा अस्थिरता झेलने की संभावना है । यदि आप विवाहित हैं तो जीवन साथी के प्रति विमुखता उत्पन्न हो सकती है । घर में सुख - चैन बनाए रखने हेतु आपको कुछ प्रयास करना पड़ेगा । विद्यार्थियों को पढ़ाई अरुचिकर लगने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (3 अप्रैल 2025  01:28:16 से 7 जून 2025  02:11:58)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2025  03:21:12 से 15 मई 2025  00:11:48)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (7 मई 2025  04:07:34 से 23 मई 2025  13:01:43)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का अष्टम भाव से गोचर (14 मई 2025  22:36:11 से 18 अक्टूबर 2025  19:49:02)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय अधिकतर निराशाएँ लेकर आया है । स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी क्योंकि इन दिनों आप कुछ ऐसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं जिनमें जीवन को खतरा हो । साथ ही आप थकान व उत्साहहीनता भी महसूस कर सकते हैं ।

सफलतापूर्वक काम सम्पन्न करने में अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता पड़ सकती है । एकाग्रचित्त होकर काम करें व्यर्थ विवादों में न पड़ें अपने पद व प्रतिष्ठा को बिल्कुल ढ़ील न दें क्योंकि इस समय अपमानजनक रुप से यह हाथ से फिसल सकते हैं । आपको राजकीय आक्रोश का सामना, मुकदमेबाजी में लिप्त होना यहाँ तक कि कारागार जाने जैसी स्थितियों तक का सामना करना पड़ सकता है ।

वित्तीय मामलों पर विशेष नजर रखें, चोरों व व्यर्थ के खर्चों से सावधान रहें ।

यदि आप यात्रा की योजना बना रहे हैं तो उसे फिलहाल टाल दें । यात्रा कष्टदायक हो सकती है और संभव है कि वांछित परिणाम प्राप्त न हों ।

परिवारजन व मित्रों से विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे शत्रुता पनप सकती है । इन दिनों आपका व्यवहार चिड़चिड़ा, दयाहीन व बिना सोच-समझा हो सकता है । स्वभाव को शान्त रखें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2025  00:11:48 से 15 जून 2025  06:44:12)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने

की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (23 मई 2025 13:01:43 से 6 जून 2025 09:26:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

**जन्म चंद्रमा से केतु का दशम भाव से गोचर (30 मई 2025 00:27:43 से 25 नवम्बर 2026 17:46:18)**
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मिले जुले परिणाम लाएगा जो चन्द्रमा के बढ़ने व घटने पर निर्भर करेंगे।

चन्द्रमा के बढ़ते समय शुक्ल - पक्ष में आपकी आप ऐसे व्यक्तियों की सहायता से बढ़ेगी जो सामान्यत: दुष्ट हों। आप कार्य में प्रगति व और अधिक धन लाभ की आशा भी कर सकते हैं।

परन्तु, चन्द्रमा के घटते समय कृष्ण - पक्ष में आपमें से अधिकांश को कुसंगत के कारण धन हानि व भौतिक सम्पत्ति की हानि का सामना भी करना पड़ सकता है। व्यापार में हानि व कार्य क्षेत्र में प्रगति की कमी के कारण आपको मानसिक व्यथा झेलनी पड़ सकती है।

सामान्यत: केतु की यह स्थिति शत्रुओं के बढ़ने व माता - पिता की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं की द्योतक है।

आपके निवास - स्थान पर इस दौरान कोई उत्सव हो सकता है। आपके कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों से अच्छा सामन्जस्य बनाने की भी संभावना है जो आपके लिए लाभप्रद हो सकता है।

आपमें से कुछ को अपने काम - धंधे में अचानक बढ़त अनुभव होगी। व्यवसाय में आपको और भी उच्च पद मिल सकता है जिससे आपका उत्तरदायित्व व सम्मान बढ़ेगा।

**जन्म चंद्रमा से राहु का चतुर्थ भाव से गोचर (30 मई 2025 00:27:43 से 25 नवम्बर 2026 17:46:18)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय कठिनाइयाँ झेलने का है। आपको जमीन - जायदाद के मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ेगी क्योंकि राहू की यह यात्रा उनमें क्षति दर्शाती है। इस समय आपको अपना निवास भी बदलना पड़ सकता है। इस दौरान जमीन जायदाद सम्बन्धी मुकदमों से दूर रहना बुद्धिमानी होगी।

इन दिनों आपके बीमार पड़ने का खतरा है अत: स्वास्थ्य के प्रति अधिक सतर्कता बरतनी पड़ सकती है। अपने जीवन साथी व बच्चों के स्वास्थ्य का भी अच्छी तरह ध्यान रखें। आप मानसिक रुप सक चिन्तित व आस पास की हर वस्तु के प्रति उदासीन रहेंगे। आपकी माता का स्वास्थ्य चिंता का विषय रहेगा क्योंकि वे मानसिक अशान्ति व शारीरिक दर्द से पीड़ित हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप किसी सम्बन्धी अथवा मित्र के देहावसान के कारण शोक - संतप्त हो सकते हैं।

आपको इस समय विशेष में कुछ अवैध कार्य करने की लालसा जागृत हो सकती है। अत: आपको चैतन्य रहना पड़ सकता है व प्रयास करना पड़ सकता है कि विपरीत नकारात्मक सोच आपके पास न फटके।

यात्रा से बचें। किसी भी प्रकार की यात्रा में आप दुर्घटनाग्रस्त होकर अपना वाहन अथवा मूल्यवान सामान गँवा सकते हैं।

घर के वातावरण को शान्तिपूर्ण बनाए रखने हेतु भी आपको सही प्रयास व मार्गदर्शन करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि वे आपके जीवन में कठिनाइयाँ और बढ़ा सकते हैं। फिर भी आपमें से कुछ के शत्रु कुछ मेल-मिलाप कर सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (31 मई 2025 11:33:45 से 29 जून 2025 14:09:50)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है। आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (6 जून 2025  09:26:40 से 22 जून 2025  21:29:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे  ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (7 जून 2025  02:11:58 से 28 जुलाई 2025  19:59:31)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2025  06:44:12 से 16 जुलाई 2025  17:32:08)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (22 जून 2025  21:29:40 से 30 अगस्त 2025  16:45:05)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (29 जून 2025  14:09:50 से 26 जुलाई 2025  08:56:40)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2025  17:32:08 से 17 अगस्त 2025  01:52:39)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (26 जुलाई 2025  08:56:40 से 21 अगस्त 2025  01:19:33)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (28 जुलाई 2025  19:59:31 से 13 सितम्बर 2025  21:22:53)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्न्ता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2025  01:52:39 से 17 सितम्बर 2025  01:47:21)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (21 अगस्त 2025  01:19:33 से 15 सितम्बर 2025  00:17:11)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (30 अगस्त 2025  16:45:05 से 15 सितम्बर 2025  11:07:20)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (13 सितम्बर 2025  21:22:53 से 27 अक्टूबर 2025  15:42:36)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (15 सितम्बर 2025 00:17:11 से 9 अक्टूबर 2025 10:49:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (15 सितम्बर 2025 11:07:20 से 3 अक्टूबर 2025 03:43:39)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2025 01:47:21 से 17 अक्टूबर 2025 13:46:01)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (3 अक्टूबर 2025 03:43:39 से 24 अक्टूबर 2025 12:34:16)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (9 अक्टूबर 2025 10:49:04 से 2 नवम्बर 2025 13:15:34)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2025  13:46:01 से 16 नवम्बर 2025  13:37:21)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुनोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का नवम भाव से गोचर (18 अक्टूबर 2025  19:49:02 से 5 दिसम्बर 2025  17:25:17)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन व वित्तीय लाभ का सूचक है । आप व्यापार व व्यवसाय में लाभ, कार्यालय में अधिकारपूर्ण पद, उद्यम में सफलता व अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं । यह लेखकों, प्रकाशकों, व्याख्याताओं व पुस्तकों के क्षेत्र से सम्बन्धित सभी के लिए अच्छा समय सिद्ध हो सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपको सम्मान मिलने की संभावना है, आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती चली जाएगी । धार्मिक कृत्यों में सर्वोपरि रुचि होगी और आप इतने धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे जितना संभव हो सकता है । आपको संतों का संग भी मिलेगा और आप सत्कार्यों पर धन व्यय करने को तत्पर रहेंगे ।

धन व आर्थिक लाभ मानों हर ओर से, हर संभव स्त्रोत से प्रवाहित होकर आता रहेगा । आप कृषि भूमि या अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं ।

अविवाहित अपनी इच्छा के अनुरुप पात्र से विवाह के विषय में सोच सकते हैं और संतान की इच्छा रखने वालों के लिए भी यह उचित समय है । आपमें से अधिकांश बहुत बढ़िया भोजन व शारीरिक ऐशोआराम का आनन्द लेंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप सुदूर यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (24 अक्टूबर 2025  12:34:16 से 23 नवम्बर 2025  20:10:50)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर

परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (27 अक्टूबर 2025  15:42:36 से 7 दिसम्बर 2025  20:17:31)**
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है  । अच्छा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (2 नवम्बर 2025  13:15:34 से 26 नवम्बर 2025  11:21:59)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2025  13:37:21 से 16 दिसम्बर 2025  04:19:50)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (23 नवम्बर 2025  20:10:50 से 6 दिसम्बर 2025  20:41:52)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (26 नवम्बर 2025  11:21:59 से 20 दिसम्बर 2025  07:45:14)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का अष्टम भाव से गोचर (5 दिसम्बर 2025  17:25:17 से 2 जून 2026  01:49:32)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय अधिकतर निराशाएँ लेकर आया है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी क्योंकि इन दिनों आप कुछ ऐसे रोगों से ग्रसित हो सकते हैं जिनमें जीवन को खतरा हो। साथ ही आप थकान व उत्साहहीनता भी महसूस कर सकते हैं।

सफलतापूर्वक काम सम्पन्न करने में अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता पड़ सकती है। एकाग्रचित्त होकर काम करें व्यर्थ विवादों में न पड़ें अपने पद व प्रतिष्ठा को बिल्कुल ढ़ील न दें क्योंकि इस समय अपमानजनक रुप से यह हाथ से फिसल सकते हैं। आपको राजकीय आक्रोश का सामना, मुकदमेबाजी में लिप्त होना यहाँ तक कि कारागार जाने जैसी स्थितियों तक का सामना करना पड़ सकता है।

वित्तीय मामलों पर विशेष नजर रखें, चोरों व व्यर्थ के खर्चों से सावधान रहें।

यदि आप यात्रा की योजना बना रहे हैं तो उसे फिलहाल टाल दें। यात्रा कष्टदायक हो सकती है और संभव है कि वांछित परिणाम प्राप्त न हों।

परिवारजन व मित्रों से विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे शत्रुता पनप सकती है। इन दिनों आपका व्यवहार चिड़चिड़ा, दयाहीन व बिना सोच-समझा हो सकता है। स्वभाव को शान्त रखें।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (6 दिसम्बर 2025  20:41:52 से 29 दिसम्बर 2025  07:23:36)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (7 दिसम्बर 2025  20:17:31 से 16 जनवरी 2026  04:28:18)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह हानि उठाने का समय है। अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है। कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा। विवाद से दूर रहें। किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें। यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें। आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं। अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें। इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2025  04:19:50 से 14 जनवरी 2026  15:07:05)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (20 दिसम्बर 2025  07:45:14 से 13 जनवरी 2026  03:57:50)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2025  07:23:36 से 17 जनवरी 2026  10:23:37)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (13 जनवरी 2026  03:57:50 से 6 फरवरी 2026  01:11:24)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2026  15:07:05 से 13 फरवरी 2026  04:08:44)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (16 जनवरी 2026  04:28:18 से 23 फरवरी 2026  11:50:08)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने

व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (17 जनवरी 2026  10:23:37 से 3 फरवरी 2026  21:51:49)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (3 फरवरी 2026  21:51:49 से 11 अप्रैल 2026  01:14:44)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (6 फरवरी 2026  01:11:24 से 2 मार्च 2026  00:56:51)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2026  04:08:44 से 15 मार्च 2026  01:02:49)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (23 फरवरी 2026  11:50:08 से 2 अप्रैल 2026  15:29:22)**

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (2 मार्च 2026  00:56:51 से 26 मार्च 2026  05:09:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मार्च 2026  01:02:49 से 14 अप्रैल 2026  09:32:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुन्नौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (26 मार्च 2026  05:09:04 से 19 अप्रैल 2026  15:46:39)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026  15:29:22 से 11 मई 2026  12:38:27)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026  01:14:44 से 30 अप्रैल 2026  06:52:02)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026  09:32:24 से 15 मई 2026  06:21:46)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026  15:46:39 से 14 मई 2026  10:53:34)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026  06:52:02 से 15 मई 2026  00:31:46)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:27 से 20 जून 2026 23:59:23)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का सूचक है । आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा । यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा । आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी ।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं ।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है । यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी । समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे ।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:34 से 8 जून 2026 17:42:46)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:46 से 29 मई 2026 11:12:45)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:45)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (29 मई 2026 11:12:45 से 22 जून 2026 15:33:27)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का नवम भाव से गोचर (2 जून 2026  01:49:32 से 31 अक्टूबर 2026  12:02:52)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन व वित्तीय लाभ का सूचक है । आप व्यापार व व्यवसाय में लाभ, कार्यालय में अधिकारपूर्ण पद, उद्यम में सफलता व अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं । यह लेखकों, प्रकाशकों, व्याख्याताओं व पुस्तकों के क्षेत्र से सम्बन्धित सभी के लिए अच्छा समय सिद्ध हो सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपको सम्मान मिलने की संभावना है, आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती चली जाएगी । धार्मिक कृत्यों में सर्वोपरि रुचि होगी और आप इतने धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे जितना संभव हो सकता है । आपको संतों का संग भी मिलेगा और आप सत्कार्यों पर धन व्यय करने को तत्पर रहेंगे ।

धन व आर्थिक लाभ मानों हर ओर से, हर संभव स्त्रोत से प्रवाहित होकर आता रहेगा । आप कृषि भूमि या अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं ।

अविवाहित अपनी इच्छा के अनुरुप पात्र से विवाह के विषय में सोच सकते हैं और संतान की इच्छा रखने वालों के लिए भी यह उचित समय है । आपमें से अधिकांश बहुत बढ़िया भोजन व शारीरिक ऐशोआराम का आनन्द लेंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप सुदूर यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (8 जून 2026  17:42:46 से 4 जुलाई 2026  19:13:43)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2026  12:52:45 से 16 जुलाई 2026  23:39:06)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (20 जून 2026  23:59:23 से 2 अगस्त 2026  22:51:17)**

ॐ

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै। आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (22 जून 2026  15:33:27 से 7 जुलाई 2026  10:41:56)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (4 जुलाई 2026  19:13:43 से 1 अगस्त 2026  09:28:13)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (7 जुलाई 2026  10:41:56 से 5 अगस्त 2026  19:51:58)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी। आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे। आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें।

ॐ

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2026  23:39:06 से 17 अगस्त 2026  07:58:29)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (1 अगस्त 2026  09:28:13 से 2 सितम्बर 2026  13:44:54)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (2 अगस्त 2026  22:51:17 से 18 सितम्बर 2026  16:35:21)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (5 अगस्त 2026  19:51:58 से 22 अगस्त 2026  19:31:39)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक

रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2026  07:58:29 से 17 सितम्बर 2026  07:52:40)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (22 अगस्त 2026  19:31:39 से 7 सितम्बर 2026  13:33:08)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026  13:44:54 से 6 नवम्बर 2026  01:09:05)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026  13:33:08 से 26 सितम्बर 2026  12:38:52)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

ॐ

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026  07:52:40 से 17 अक्टूबर 2026  19:51:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026  16:35:21 से 12 नवम्बर 2026  20:18:33)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026  12:38:52 से 2 दिसम्बर 2026  17:27:15)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026  19:51:24 से 16 नवम्बर 2026  19:42:55)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का दशम भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026  12:02:52 से 25 जनवरी 2027  01:31:11)**

इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन की गति में व्यवधान लाएगा । इस समय आपका सोच नकारात्मक हो सकता है व स्वयं को भाग्यहीन महसूस कर सकते हैं । इच्छाएँ पूर्ण न होने के कारण आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है । इधर - उधर भटकने से बचें क्योंकि इस विशेष समय में निराशा हाथ लगने की ही संभावना है ।

यही समय है जब आप विशेष चैतन्य रहें कि आप कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारी व घर पर बड़ों से विवाद में न पड़ें । यदि आप सावधान नहीं रहे तो संभव है आपका पद व प्रतिष्ठा न रहे और आपका किसी सुदूर स्थान पर स्थानान्तरण हो जाय ।

स्वयं आपके व आपके बच्चों के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । अपने नेत्र व गले के प्रति सावधानी बरतें । शरीर को थकान से बचाने के लिए यही समय है जब आपको स्वस्थ रहन-सहन की शैली अपनानी होगी । इस समय विशेष सावधानी बरतें कि कहीं आपकी लापरवाही से बच्चों का जीवन खतरे में न पड़ जाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026  01:09:05 से 22 नवम्बर 2026  17:20:30)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026  20:18:33 से 10 मार्च 2027  00:15:09)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026  19:42:55 से 16 दिसम्बर 2026  10:24:45)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026  17:20:30 से 1 जनवरी 2027  23:22:16)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

**जन्म चंद्रमा से केतु का नवम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026  17:46:18 से 24 मई 2028  15:12:48)**
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। अन्य प्रभावों के अतिरिक्त यह छोटी - मोटी शारीरिक व्याधियों व मानसिक रुप से आशंकाओं के उभरने का सूचक है। अपने वित्त को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित करें क्योंकि आप अपनी पसीने की खरी कमाई लॉटरी, सट्टेबाजी आदि में गँवा सकते हैं। धन को सँभालकर सुरक्षित रखें क्योंकि इस विशेष समय में निर्धनता का सामना हो सकता है।

आपमें से अधिकांश ऐसी अवैध प्रक्रियाओं में लिप्त हो सकते हैं जिन्हें धर्म नहीं स्वीकारता। भाई - बहनों से विवाद - बहस में न पड़े। अपने मित्रों व परिचितों से सावधानीपूर्वक सँभल कर बर्ताव करें जिससे वे आपको त्यागकर न चले जाए।

इस दौरान आपको विदेश अथवा किसी पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

कृष्ण - पक्ष में आपको शत्रुओं व काम-काज में प्रतिद्वंद्वियों के कारण हानि उठानी पड़ सकती है।

**जन्म चंद्रमा से राहु का तृतीय भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026  17:46:18 से 24 मई 2028  15:12:48)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह यथेष्ट शुभ समय का सूचक है। वित्तीय रुप से समय उत्तम है। आपको अनेक जाने व अनजाने स्त्रोतों से धन प्राप्त होने की आशा है। यहाँ तक कि शत्रुओं से भी धन लाभ संभव है। यदि सेवारत हैं तो वेतन में वृद्धि की आशा कर सकते हैं और यदि व्यापाररत हैं तो अतिरिक्त लाभ की संभावना है।

कार्य में प्रगति भी संभावित है। आपकी परियोजनाएँ यहाँ तक कि वे भी जिन्हें आप स्थगित कर चुके थे, सब सफलतापूर्वक पूर्ण हो जाएँगी। आपके सहकर्मी तथा वरिष्ठ अधिकारी भी आपके साथ सहयोग कर सकते हैं। आपकी कार्यकुशलता व कार्यक्षेत्र में आपकी विद्वता की ओर सबका ध्यान आकर्षित होगा।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा व हर समस्या से आप साहस व शक्ति के साथ जूझेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी समय अच्छा है। आप प्रतिष्ठा में एवम् समाज में यश में और अधिक वृद्धि की आशा कर सकते हैं।

घर मानों सुविधा का पर्याय होगा। घर में शान्तिदायक वातावरण का आनन्द उठाने की संभावना है। यह समय इसलिए भी उत्तम माना जा सकता है क्योंकि रसना की तृप्ति हेतु अनेक सुअवसर आएँगे, घर व बाहर अत्यंत सुस्वादु भोजन मिलेगा। कार्य पूर्ण करने में भाई - बहनों का भी सहयोग मिलेगा। यदि आप विपरीत लिंग वालों से प्रेम - अनुराग की मनोकामना रखते हैं तो यही सही समय हो सकता है। यदि आप विवाहित हैं तो आपकी बीमार पत्नी / पति व बच्चों के पुन: स्वास्थ्य लाभ की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026  17:27:15 से 22 दिसम्बर 2026  07:39:23)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2026  10:24:45 से 14 जनवरी 2027  21:10:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (22 दिसम्बर 2026  07:39:23 से 10 जनवरी 2027  00:36:58)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (1 जनवरी 2027  23:22:16 से 29 जनवरी 2027  18:41:33)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (10 जनवरी 2027  00:36:58 से 28 जनवरी 2027  03:34:31)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2027  21:10:09 से 13 फरवरी 2027  10:08:49)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का नवम भाव से गोचर (25 जनवरी 2027  01:31:11 से 26 जून 2027  05:18:37)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन व वित्तीय लाभ का सूचक है । आप व्यापार व व्यवसाय में लाभ, कार्यालय में अधिकारपूर्ण पद, उद्यम में सफलता व अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं । यह लेखकों, प्रकाशकों, व्याख्याताओं व पुस्तकों के क्षेत्र से सम्बन्धित सभी के लिए अच्छा समय सिद्ध हो सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपको सम्मान मिलने की संभावना है, आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती चली जाएगी । धार्मिक कृत्यों में सर्वोपरि रुचि होगी और आप इतने धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे जितना संभव हो सकता है । आपको संतों का संग भी मिलेगा और आप सत्कार्यों पर धन व्यय करने को तत्पर रहेंगे ।

धन व आर्थिक लाभ मानों हर ओर से, हर संभव स्त्रोत से प्रवाहित होकर आता रहेगा। आप कृषि भूमि या अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं।

अविवाहित अपनी इच्छा के अनुरुप पात्र से विवाह के विषय में सोच सकते हैं और संतान की इच्छा रखने वालों के लिए भी यह उचित समय है। आपमें से अधिकांश बहुत बढ़िया भोजन व शारीरिक ऐशोआराम का आनन्द लेंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप सुदूर यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (28 जनवरी 2027  03:34:31 से 24 फरवरी 2027  04:41:29)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है। व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (29 जनवरी 2027  18:41:33 से 24 फरवरी 2027  15:16:00)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ का समय है। इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा। यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है। व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं। अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं। कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2027  10:08:49 से 15 मार्च 2027  06:59:49)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (24 फरवरी 2027  04:41:29 से 12 मार्च 2027  05:06:29)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (24 फरवरी 2027  15:16:00 से 21 मार्च 2027  18:51:33)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं। आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (10 मार्च 2027  00:15:09 से 26 अप्रैल 2027  11:45:17)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है। इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै। आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे। आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है। आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है। अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें। आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (12 मार्च 2027  05:06:29 से 5 अप्रैल 2027  16:15:58)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है। व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मार्च 2027  06:59:49 से 14 अप्रैल 2027  15:28:06)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (21 मार्च 2027  18:51:33 से 15 अप्रैल 2027  15:20:19)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और

आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (5 अप्रैल 2027  16:15:58 से 22 अप्रैल 2027  08:11:54)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2027  15:28:06 से 15 मई 2027  12:19:28)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (15 अप्रैल 2027  15:20:19 से 10 मई 2027  08:48:37)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है। वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं। आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है। आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं। आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं। यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा। इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (22 अप्रैल 2027  08:11:54 से 6 मई 2027  12:36:37)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (26 अप्रैल 2027  11:45:17 से 5 जुलाई 2027  04:34:13)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है। इसमें अनेक

मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दुःख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (6 मई 2027  12:36:37 से 23 मई 2027  18:32:45)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (10 मई 2027  08:48:37 से 4 जून 2027  00:40:51)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2027  12:19:28 से 15 जून 2027  18:55:39)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (23 मई 2027  18:32:45 से 30 जुलाई 2027  18:30:52)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे  ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का षष्ठ भाव से गोचर (3 जून 2027  05:27:26 से 20 अक्टूबर 2027  07:12:37)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मुख्य रुप से धन लाभ का सूचक है । इस दौरान आप समस्त बिल, ऋण व शुल्क आदि चुका देंगे । धन सरलता से और आशा से अधिक प्रचुर मात्रा में आएगा । आप भूखण्ड अथवा मकान क्रय कर सकते हैं । यदि आपके पास पहले से ही भूखण्ड है तो मकान बनाने के विषय में सोच सकते हैं । यह समय शत्रुओं को हराकर विजय प्राप्त करने का है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शान्ति अनुभव करेंगे।

व्यावसायिक व सामाजिक दृष्टि से भी आपके लिए अच्छा समय है । आपमें से कुछ के अधिकारी विशेष रुप से आपका समर्थन करेंगे । मित्र भी अभूतपूर्व सहायता करेंगे व सहानुभूति दर्शाएँगे ।

विवाहित व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय व प्रेममय होगा और प्रेमियों को परस्पर अनेक भावनात्मक क्षण व्यतीत करने को मिल सकते हैं जो शिशु की इच्छा रखते हैं उन्हें संभव है कि इस समय परिवार में नए सदस्य का स्वागत करने का सुअवसर मिले । आपको ग्रहों के परिवर्तन के कारण आपके सम्बन्धी भी सुखी रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (4 जून 2027  00:40:51 से 28 जून 2027  14:39:28)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह अाीास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2027  18:55:39 से 17 जुलाई 2027  05:48:38)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का दशम भाव से गोचर (26 जून 2027  05:18:37 से 26 नवम्बर 2027  18:44:31)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन की गति में व्यवधान लाएगा । इस समय आपका सोच नकारात्मक हो सकता है व स्वयं को भाग्यहीन महसूस कर सकते हैं । इच्छाएँ पूर्ण न होने के कारण आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है । इधर - उधर भटकने से बचें क्योंकि इस विशेष समय में निराशा हाथ लगने की ही संभावना है ।

यही समय है जब आप विशेष चैतन्य रहें कि आप कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारी व घर पर बड़ों से विवाद में न पड़ें । यदि आप सावधान नहीं रहे तो संभव है आपका पद व प्रतिष्ठा न रहे और आपका किसी सुदूर स्थान पर स्थानान्तरण हो जाय ।

स्वयं आपके व आपके बच्चों के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । अपने नेत्र व गले के प्रति सावधानी बरतें । शरीर को थकान से बचाने के लिए यही समय है जब आपको स्वस्थ रहन-सहन की शैली अपनानी होगी । इस समय विशेष सावधानी बरतें कि कहीं आपकी लापरवाही से बच्चों का जीवन खतरे में न पड़ जाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (28 जून 2027  14:39:28 से 23 जुलाई 2027  01:46:38)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.

आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (5 जुलाई 2027 04:34:13 से 24 अगस्त 2027 09:51:16)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्न्ता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (17 जुलाई 2027 05:48:38 से 17 अगस्त 2027 14:13:26)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (23 जुलाई 2027 01:46:38 से 16 अगस्त 2027 09:34:33)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (30 जुलाई 2027 18:30:52 से 14 अगस्त 2027 11:53:28)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला

सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (14 अगस्त 2027  11:53:28 से 31 अगस्त 2027  02:01:13)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (16 अगस्त 2027  09:34:33 से 9 सितम्बर 2027  14:40:38)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2027  14:13:26 से 17 सितम्बर 2027  14:10:15)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (24 अगस्त 2027  09:51:16 से 8 अक्टूबर 2027  01:28:30)**

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (31 अगस्त 2027  02:01:13 से 21 सितम्बर 2027  18:20:50)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (9 सितम्बर 2027  14:40:38 से 3 अक्टूबर 2027  18:24:08)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2027  14:10:15 से 18 अक्टूबर 2027  02:08:38)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (21 सितम्बर 2027  18:20:50 से 21 अक्टूबर 2027  08:14:10)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (3 अक्टूबर 2027 18:24:08 से 27 अक्टूबर 2027 21:57:04)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (8 अक्टूबर 2027 01:28:30 से 18 नवम्बर 2027 08:45:30)**
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अत: धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अत: आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (18 अक्टूबर 2027 02:08:38 से 17 नवम्बर 2027 01:58:16)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का पंचम भाव से गोचर (20 अक्टूबर 2027 07:12:37 से 23 फरवरी 2028 19:22:50)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अवसाद का द्योतक है । इस दौरान आप देखेंगे कि आप मूर्खतापूर्ण प्रक्रियाओं,

अपने ही सगे सम्बन्धियों व अन्य लोगों से झगड़े - फसाद व विवाद में उलझ गए हैं । आपमें से कुछ परिवार के सदस्यों के साथ मुकदमेबाजी में भी लिप्त हो सकते हैं साथ ही विपरीत लिंग वालों के साथ आपकी नहीं बनेगी । अपने व्यवहार को संयत रखें क्योंकि उतावलापन समाज में आपकी मान मर्यादा को मिटा सकता है।

वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें ।

कामकाज के भी सही संचालन की आवश्यकता है । व्यवसायी नया धंधा हाथ में न लें और हानि उठाने को तैयार रहें । यदि आप निवेश या शेयर बाजार में हैं तो वर्तमान स्थिति संतोषजनक नहीं है । कुछ भी नया आरम्भ न करें क्योंकि मनवांछित परिणाम मिलने की आशा नहीं है ।

आपकी पत्नी / पति व बच्चों के स्वास्थ्य को विशेष देखभाल की आवश्यकता है । अपने बच्चे की किसी भी स्वास्थ्य सम्बन्धी शिकायत के प्रति लापरवाही न बरतें । यह बाद में जानलेवा सिद्ध हो सकता है । यदि स्वास्थ्य सम्बन्धी सावधानियों की अनदेखी की गई तो आपकी पत्नी / पति बीमार पड़ सकती / सकते हैं । आपमें से अधिकांश के मानसिक संताप तथा अस्थिरता झेलने की संभावना है । यदि आप विवाहित हैं तो जीवन साथी के प्रति विमुखता उत्पन्न हो सकती है । घर में सुख - चैन बनाए रखने हेतु आपको कुछ प्रयास करना पड़ेगा । विद्यार्थियों को पढ़ाई अरुचिकर लगने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (21 अक्टूबर 2027  08:14:10 से 5 नवम्बर 2027  17:10:42)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (27 अक्टूबर 2027  21:57:04 से 21 नवम्बर 2027  02:08:02)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (5 नवम्बर 2027  17:10:42 से 26 नवम्बर 2027  00:28:53)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (17 नवम्बर 2027  01:58:16 से 16 दिसम्बर 2027  16:38:40)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है

परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (18 नवम्बर 2027  08:45:30 से 27 दिसम्बर 2027  13:04:42)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह हानि उठाने का समय है । अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है । कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय धटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा । विवाद से दूर रहें । किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें । यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है ।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें । आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं । अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें । इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (21 नवम्बर 2027  02:08:02 से 15 दिसम्बर 2027  08:10:53)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (26 नवम्बर 2027  00:28:53 से 15 दिसम्बर 2027  02:06:26)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का एकादश भाव से गोचर (26 नवम्बर 2027  18:44:31 से 28 फरवरी 2028  19:17:05)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह सुखमय समय का प्रतीक है । इस समय कार्यालय में पदोन्नति, व्यापार में लाभ यहाँ तक कि व्यावसायिक क्षेत्र में और उच्च अधिकारी का पद प्राप्त हो सकता है । सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है क्योंकि आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है । इस समय आपकी शान-शौकत व आपकी सशरीर उपस्थिति पर सबका ध्यान जाएगा । आप अपने प्रियजन व मित्रों से कोई लाभ मिलने की आशा कर सकते हैं । इस दौरान आप देखेंगे कि आपके शत्रु नरम पड़ गए हैं व पराजित हो गए हैं ।

धार्मिक कृत्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी व मंत्रोच्चार की शक्ति आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है ।

यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह के विषय में सोच सकते हैं और विवाहित दम्पत्ति परिवार में नए सदस्य के आने की आशा कर सकते हैं आपमें से कुछ इस समय प्रेम - प्रसंग में लिप्त हो सकते हैं ।

धन की बहुतायत रहेगी और आपमें से अधिकांश भूमि, जायदाद, आभूषण नया वाहन व ऐशोआराम के नए साधन लेने के विषय में इस समय सोच सकते हैं । आप अच्छे स्वास्थ्य व मानसिक शान्ति का भरपूर आनन्द उठाएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2027  02:06:26 से 2 जनवरी 2028  20:55:03)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2027  08:10:53 से 8 जनवरी 2028  19:16:33)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2027  16:38:40 से 15 जनवरी 2028  03:23:44)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (27 दिसम्बर 2027  13:04:42 से 3 फरवरी 2028  15:44:00)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रुप से धन लाभ हेतु । इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे । इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है ।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्तवपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है । नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी । यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं । सफलता के फलस्वरुप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे । आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है । यह समय अत्यंक सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है ।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी ।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (2 जनवरी 2028  20:55:03 से 9 मार्च 2028  10:05:31)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक

मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (8 जनवरी 2028 19:16:33 से 2 फरवरी 2028 18:24:20)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्तवपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (15 जनवरी 2028 03:23:44 से 13 फरवरी 2028 16:22:55)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (2 फरवरी 2028 18:24:20 से 28 फरवरी 2028 20:14:48)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (3 फरवरी 2028 15:44:00 से 12 मार्च 2028 16:37:27)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा । आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा । कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे । आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं । अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह क्रूर हो सकता है ।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा ।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है । आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं ।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे । अधिक दु:ख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें । अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगने दें ।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2028  16:22:55 से 14 मार्च 2028  13:14:46)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का षष्ठ भाव से गोचर (23 फरवरी 2028  19:22:50 से 8 अगस्त 2029  12:31:59)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मुख्य रुप से धन लाभ का सूचक है । इस दौरान आप समस्त बिल, ऋण व शुल्क आदि चुका देंगे । धन सरलता से और आशा से अधिक प्रचुर मात्रा में आएगा । आप भूखण्ड अथवा मकान क्रय कर सकते हैं । यदि आपके पास पहले से ही भूखण्ड है तो मकान बनाने के विषय में सोच सकते हैं । यह समय शत्रुओं को हराकर विजय प्राप्त करने का है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शान्ति अनुभव करेंगे।

व्यावसायिक व सामाजिक दृष्टि से भी आपके लिए अच्छा समय है । आपमें से कुछ के अधिकारी विशेष रुप से आपका समर्थन करेंगे । मित्र भी अभूतपूर्व सहायता करेंगे व सहानुभूति दर्शाएँगे ।

विवाहित व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय व प्रेममय होगा और प्रेमियों को परस्पर अनेक भावनात्मक क्षण व्यतीत करने को मिल सकते हैं जो शिशु की इच्छा रखते हैं उन्हें संभव है कि इस समय परिवार में नए सदस्य का स्वागत करने का सुअवसर मिले । आपको ग्रहों के परिवर्तन के कारण आपके सम्बन्धी भी सुखी रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का दशम भाव से गोचर (28 फरवरी 2028  19:17:05 से 24 जुलाई 2028  15:36:02)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन की गति में व्यवधान लाएगा । इस समय आपका सोच नकारात्मक हो सकता है व स्वयं को भाग्यहीन महसूस कर सकते हैं । इच्छाएँ पूर्ण न होने के कारण आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है । इधर - उधर भटकने से बचें क्योंकि इस विशेष समय में निराशा हाथ लगने की ही संभावना है ।

यही समय है जब आप विशेष चैतन्य रहें कि आप कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारी व घर पर बड़ों से विवाद में न पड़ें । यदि आप सावधान नहीं रहे तो संभव है आपका पद व प्रतिष्ठा न रहे और आपका किसी सुदूर स्थान पर स्थानान्तरण हो जाय ।

स्वयं आपके व आपके बच्चों के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । अपने नेत्र व गले के प्रति सावधानी बरतें । शरीर को थकान से बचाने के लिए यही समय है जब आपको स्वस्थ रहन-सहन की शैली अपनानी होगी । इस समय विशेष सावधानी बरतें कि कहीं आपकी लापरवाही से बच्चों का जीवन खतरे में न पड़ जाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (28 फरवरी 2028  20:14:48 से 28 मार्च 2028  18:21:38)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (9 मार्च 2028  10:05:31 से 28 मार्च 2028  13:49:58)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (12 मार्च 2028 16:37:27 से 20 अप्रैल 2028 13:25:56)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन में क्षुब्धता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है । अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं ।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं । अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है ।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें । शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं ।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आप उत्साहहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं । आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी । अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें ।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है । आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है । आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं । व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है । आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2028 13:14:46 से 13 अप्रैल 2028 21:43:56)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (28 मार्च 2028 13:49:58 से 12 अप्रैल 2028 23:48:15)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (28 मार्च 2028 18:21:38 से 1 अगस्त 2028 12:32:24)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह आीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको

अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (12 अप्रैल 2028  23:48:15 से 27 अप्रैल 2028  20:19:30)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (13 अप्रैल 2028  21:43:56 से 14 मई 2028  18:36:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (20 अप्रैल 2028  13:25:56 से 31 मई 2028  00:23:49)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शुभ समय का सूचक है । आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा । यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा । आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी ।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं । आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं ।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है । यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी । समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी । आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे ।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा । सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (27 अप्रैल 2028  20:19:30 से 5 जुलाई 2028  17:02:01)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 मई 2028  18:36:24 से 15 जून 2028  01:13:35)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से राहु का द्वितीय भाव से गोचर (24 मई 2028  15:12:48 से 4 फरवरी 2030  13:05:23)**
इस अवधि में राहू चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह वित्तीय, शारीरिक व सामाजिक, तीनों पक्षों के लिए कठिन समय का सूचक है । इस समय व्यय पर नजर रखें तथा चोरों व अप्रत्याशित खर्चों के प्रति सावधान रहें ।

वर्ष के इस काल में स्वास्थ्य व भोजन सम्बन्धी आदतों के प्रति सावधानी बरतें । अनजान व असमय भोजन से बचें क्योंकि इससे पेट गड़बड़ हो सकता है । नेत्रों को भी आपकी विशेष सावधानी की आवश्यकता है । आपमें से अधिकांश की पत्नी / पति का स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है ।

यही समय है जब आपको मुकदमेबाजी व कोर्ट - कचहरी से दूर ही रहना है क्योंकि इस दौरान अपना मुकदमा हार भी सकते हैं ।

अपने निकटजन व प्रियजनों से विवाद से बचें । इन दिनों आपकी जीवनसाथी से भी खटपट हो सकती है । कहीं भी आपको यदि किसी बेईमानी का आभास हो तो दूर ही रहें क्योंकि यह या कोई अन्य अपकीर्ति जो विपरीत लिंग वाले किसी व्यक्ति से सम्बन्धित हो, समाज में आपकी छवि को हानि पहुँचा सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से केतु का अष्टम भाव से गोचर (24 मई 2028  15:12:48 से 4 फरवरी 2030  13:05:23)**
इस अवधि में केतु चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक कष्टों का सूचक ह । इस दौरान स्वास्थ्य की पूरी देखभाल करें व किसी भी प्रकार जीवन को खतरे में डालने से बचें । इस समय आपको अनेक रोग घेर सकते हैं । ज्वर, बदन दर्द व जननेन्द्रिय रोग आपको पीड़ा का आभास करा सकते हैं ।

मानसिक रुप से भी आप शक्तिहीन महसूस करेंगे । आपके निवास स्थान पर घटित कोई घटना अवसाद का कारण बन सकती है ।

व्यय पर नजर रखें व अप्रत्याशित खर्चों के लिए धन बचाएँ ।

अवैध कार्यों से बचें जो आपको अभियुक्त बनाकर कानून के दरवाजे तक ले जाएँ । अपने गलत कार्यों के कारण समाज में आपकी बदनामी हो सकती है ।

फिर भी, शुक्ल पक्ष में आपमें से कुछ अच्छे समय की आशा कर सकते हैं व जीवन में नया जोश अनुभव कर सकते हैं । इस समय आपकी भोजन व आध्यात्मिक प्रक्रियाओं में रुचि बढ़ सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (31 मई 2028  00:23:49 से 12 जुलाई 2028  15:15:20)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है ।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है । आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं । आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै । आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है ।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है । आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2028  01:13:35 से 16 जुलाई 2028  12:06:05)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (5 जुलाई 2028  17:02:01 से 21 जुलाई 2028  14:38:03)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (12 जुलाई 2028 15:15:20 से 26 अगस्त 2028 20:17:34)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2028 12:06:05 से 16 अगस्त 2028 20:28:23)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (21 जुलाई 2028 14:38:03 से 5 अगस्त 2028 07:40:58)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का एकादश भाव से गोचर (24 जुलाई 2028 15:36:02 से 26 दिसम्बर 2028 13:39:33)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह सुखमय समय का प्रतीक है । इस समय कार्यालय में पदोन्नति, व्यापार में लाभ

यहाँ तक कि व्यावसायिक क्षेत्र में और उच्च अधिकारी का पद प्राप्त हो सकता है । सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है क्योंकि आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है । इस समय आपकी शान-शौकत व आपकी सशरीर उपस्थिति पर सबका ध्यान जाएगा । आप अपने प्रियजन व मित्रों से कोई लाभ मिलने की आशा कर सकते हैं । इस दौरान आप देखेंगे कि आपके शत्रु नरम पड़ गए हैं व पराजित हो गए हैं ।

धार्मिक कृत्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी व मंत्रोच्चार की शक्ति आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है ।

यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह के विषय में सोच सकते हैं और विवाहित दम्पत्ति परिवार में नए सदस्य के आने की आशा कर सकते हैं आपमें से कुछ इस समय प्रेम - प्रसंग में लिप्त हो सकते हैं ।

धन की बहुतायत रहेगी और आपमें से अधिकांश भूमि, जायदाद, आभूषण नया वाहन व ऐशोआराम के नए साधन लेने के विषय में इस समय सोच सकते हैं । आप अच्छे स्वास्थ्य व मानसिक शान्ति का भरपूर आनन्द उठाएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (1 अगस्त 2028  12:32:24 से 31 अगस्त 2028  21:33:52)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (5 अगस्त 2028  07:40:58 से 23 अगस्त 2028  13:24:32)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (16 अगस्त 2028  20:28:23 से 16 सितम्बर 2028  20:21:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (23 अगस्त 2028  13:24:32 से 30 अक्टूबर 2028  08:29:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (26 अगस्त 2028  20:17:34 से 14 अक्टूबर 2028  10:21:36)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (31 अगस्त 2028  21:33:52 से 27 सितम्बर 2028  17:13:28)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (16 सितम्बर 2028  20:21:09 से 17 अक्टूबर 2028  08:15:09)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (27 सितम्बर 2028  17:13:28 से 23 अक्टूबर 2028  01:30:43)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक

कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (14 अक्टूबर 2028  10:21:36 से 8 दिसम्बर 2028  22:21:01)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2028  08:15:09 से 16 नवम्बर 2028  08:01:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अत: कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (23 अक्टूबर 2028  01:30:43 से 16 नवम्बर 2028  15:05:01)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह मूल रुप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है । आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं ।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी ।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है । आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं ।

सामाजिक रुप से यह समय सुखद रहेगा । मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा ।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं । यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (30 अक्टूबर 2028  08:29:40 से 17 नवम्बर 2028  18:45:03)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से

अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2028  08:01:24 से 15 दिसम्बर 2028  22:40:26)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा ह्रदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अत: स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (16 नवम्बर 2028  15:05:01 से 10 दिसम्बर 2028  18:56:55)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है । एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है । यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है ।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं । घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें ।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है । यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं ।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा ।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें । यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (17 नवम्बर 2028  18:45:03 से 6 दिसम्बर 2028  22:03:32)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्तव व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (6 दिसम्बर 2028  22:03:32 से 26 दिसम्बर 2028  22:15:04)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (8 दिसम्बर 2028 22:21:01 से 28 जुलाई 2029 22:52:04)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (10 दिसम्बर 2028 18:56:55 से 3 जनवरी 2029 18:30:06)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए भौतिक व ऐन्द्रिक भो विलास सुख का सूचक है । आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं । यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा । आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं । सामाजिक रुप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है । समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है । आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढ़ेर सारे अवसर मिलेंगे । इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे । आप वस्त्र, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं ।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है । आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है ।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं । ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (15 दिसम्बर 2028 22:40:26 से 14 जनवरी 2029 09:26:28)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वादश भाव से गोचर (26 दिसम्बर 2028 13:39:33 से 29 मार्च 2029 14:31:58)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का सूचक है । उतना पैसा आने की आशा नहीं होगी जितना जाएगा । इस सबके अतिरिक्त व्यापार व व्यवसाय में भी कठिनाई सामने आ सकती है विशेष रुप से यदि वह पशुधन से सम्बन्धित हो ।

इसके अतिरिक्त आपको कुछ धन मांगलिक कार्यों व लम्बी यात्रा पर भी व्यय करना पड़ सकता है। यह समय आपको अपनी जन्मस्थली व संतान से दूर रहने को विवश कर सकता है ।

यदि आप नौकरीपेशा हैं तो अपना पद व स्थान बचाए रखें क्योंकि वह भी खतरे में हैं ।

आपको शारीरिक व मानसिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं और आप मनस्ताप, पश्चाताप व भय से ग्रसित हो सकते हैं । ऐसा कोई कार्य न करें जिससे जीवन जोखिम में पड़ जाय ।

इस दौरान आपके भटक जाने व ऐसा व्यवहार करने का खतरा हो सकता है जो आपके लिए सामान्य नहीं है । आपके चरित्र की गुणवत्ता अस्थाई रुप से गायब हो सकती है और अपने निकटवर्त्ती व प्रियजनों के प्रति आपका रवैया नकारात्मक हो सकता है ।

समाज आपके विपरीत जा सकता है और समाज में आपका अपमान व बदनामी हो सकती है । ध्यान रखिए कि आप किसी अप्रिय स्थिति में न फँस जाय ।

ॐ

फिर भी आप में से कुछ की अतिरिक्त आय हो सकती है जिससे आप मनपसन्द वाहन खरीद सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (26 दिसम्बर 2028  22:15:04 से 18 जनवरी 2029  06:40:28)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (3 जनवरी 2029  18:30:06 से 27 जनवरी 2029  16:47:35)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ का समय है । इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा । यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है ।

आर्थिक रुप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है । व्यक्तिगत रुप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं । अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं । कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी । आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं ।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2029  09:26:28 से 12 फरवरी 2029  22:28:24)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (18 जनवरी 2029  06:40:28 से 8 फरवरी 2029  17:12:35)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (27 जनवरी 2029  16:47:35 से 20 फरवरी 2029  15:34:52)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है । आप अपनी विवित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं ।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं । आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है ।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं । आपके सहयोगी व परिचातों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा । इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है ।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा । आप इस समय अच्छे वस्त्र पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं । आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है ।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है । यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है । आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं ।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो । आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है । शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं । हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (8 फरवरी 2029  17:12:35 से 3 मार्च 2029  09:37:18)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुन: एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (12 फरवरी 2029  22:28:24 से 14 मार्च 2029  19:23:11)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अत: उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (20 फरवरी 2029  15:34:52 से 16 मार्च 2029  16:08:59)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है । आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं । यदि आप कृषि व्यवसाय में है तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है ।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्त्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है । साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे ।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है । आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं । इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है ।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे । इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (3 मार्च 2029  09:37:18 से 20 मार्च 2029  18:26:53)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2029  19:23:11 से 14 अप्रैल 2029  03:53:51)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अत: स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ

सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (16 मार्च 2029  16:08:59 से 9 अप्रैल 2029  19:34:16)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है । वित्तीय रुप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे ।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी ।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है । आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं । आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे ।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है । आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं । आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं । यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं ।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा । इस अवधि में आप अच्दे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (20 मार्च 2029  18:26:53 से 4 अप्रैल 2029  17:17:57)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

**जन्म चंद्रमा से गुरु का एकादश भाव से गोचर (29 मार्च 2029  14:31:58 से 25 अगस्त 2029  01:00:28)**
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह सुखमय समय का प्रतीक है । इस समय कार्यालय में पदोन्नति, व्यापार में लाभ यहाँ तक कि व्यावसायिक क्षेत्र में और उच्च अधिकारी का पद प्राप्त हो सकता है । सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है क्योंकि आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है । इस समय आपकी शान-शौकत व आपकी सशरीर उपस्थिति पर सबका ध्यान जाएगा । आप अपने प्रियजन व मित्रों से कोई लाभ मिलने की आशा कर सकते हैं । इस दौरान आप देखेंगे कि आपके शत्रु नरम पड़ गए हैं व पराजित हो गए हैं ।

धार्मिक कृत्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी व मंत्रोच्चार की शक्ति आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है ।

यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह के विषय में सोच सकते हैं और विवाहित दम्पत्ति परिवार में नए सदस्य के आने की आशा कर सकते हैं आपमें से कुछ इस समय प्रेम - प्रसंग में लिप्त हो सकते हैं ।

धन की बहुतायत रहेगी और आपमें से अधिकांश भूमि, जायदाद, आभूषण नया वाहन व ऐशोआराम के नए साधन लेने के विषय में इस समय सोच सकते हैं । आप अच्छे स्वास्थ्य व मानसिक शान्ति का भरपूर आनन्द उठाएँगे ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (4 अप्रैल 2029  17:17:57 से 24 अप्रैल 2029  23:52:12)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (9 अप्रैल 2029 19:34:16 से 4 मई 2029 02:31:20)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है । आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं । शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है । यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े ।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें । आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं ।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2029 03:53:51 से 15 मई 2029 00:45:38)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (24 अप्रैल 2029 23:52:12 से 10 मई 2029 03:22:41)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (4 मई 2029 02:31:20 से 28 मई 2029 13:12:42)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है । स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें । यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रुप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है । आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं ।

धन की दृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है । वित्तीय नुकसान न हो अत:स्त्रियों के सम्पर्क से बचें ।

आपको यह अीाास भी होसकता है कि कुछ दुष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है । यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें ।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है । स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

व्यावसायिक रुप में भी यह समय सुचारु रुप से कार्य - संचालन का नहीं है । दुष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं । आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (10 मई 2029 03:22:41 से 8 जून 2029 16:31:35)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2029  00:45:38 से 15 जून 2029  07:20:55)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (28 मई 2029  13:12:42 से 22 जून 2029  03:51:14)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधू / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अत: आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अत: सामाजिक वृत्त में  आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (8 जून 2029  16:31:35 से 28 जून 2029  21:37:40)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2029  07:20:55 से 16 जुलाई 2029  18:12:23)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (22 जून 2029  03:51:14 से 16 जुलाई 2029  23:27:25)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम् भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है । इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है ।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है । व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा ।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा । आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं । आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा ।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अत: आपके नए मित्र बनाने की संभावना है । आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है । कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी । आपके सद्गुणों सत्कृत्यों की ओर स्वत: ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा । अत: आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (28 जून 2029  21:37:40 से 13 जुलाई 2029  01:22:23)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (13 जुलाई 2029  01:22:23 से 28 जुलाई 2029  17:19:27)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढ़ूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2029  18:12:23 से 17 अगस्त 2029  02:35:20)**
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्तवपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (16 जुलाई 2029  23:27:25 से 11 अगस्त 2029  02:25:53)**
इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है । इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा ।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है ।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है । समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें ।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है । अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें ।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

**जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (28 जुलाई 2029  17:19:27 से 19 अगस्त 2029  20:39:42)**
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (28 जुलाई 2029  22:52:04 से 15 सितम्बर 2029  04:05:37)**
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

**जन्म चंद्रमा से शनि का सप्तम भाव से गोचर (8 अगस्त 2029  12:31:59 से 5 अक्टूबर 2029  16:53:21)**
इस अवधि में शनि चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन में उदासी का सूचक है । जीवन के लगभग हर क्षेत्र, हर पहलू पर पहले से अधिक ध्यान केन्द्रित करना पड़ेगा । आमदनी सीमित रहेगी और उस पर भी छल - कपट व धोखाधड़ी से धन - हानि हो सकती है । जो भी हो, ऋण लेने से बचें क्योंकि इस ऋण से मुक्ति मिलने में अत्यधिक समय लग सकता है ।

काम - धंधे में भी अपनी ओर से और अधिक परिश्रम करना पडेगा । अपने गन्तव्य तक पहुँचने के लिए और अधिक दूरी तय करनी होगी । यदि आप साझेदारी में धंधा करते हैं तो छद्मवेशी धोखेबाजों से सावधान रहें ।

यदि सेवारत हैं या किसी पद पर हैं तो उसकी गरिमा बनाए रखें, ऐसा कुछ न करं जो वह छिन जाय ।

विद्यार्थियों को एकाग्रता से पढ़ाई करने में कठिनाई हो सकती है ।

आपमें से कुछ इस दौरान विदेश जाएँगे । वैसे यात्रा पर जाने से बचें क्योंकि आपमें से अधिकांश के लिए यह दुःखदायक सिद्ध होगी । यह समय इस बात का द्योतक है कि आपका अपना घर न रहने के कारण आपको विवश होकर अन्यत्र रहना पड़ेगा ।

स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है । परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें । आपमें से कुछ गुर्दे, यौन - अंग तथा मूत्र - नलिका से सम्बन्धित रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं ।

अपनी पत्नी / पति व बच्चों की किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी शिकायत हेतु लापरवाही न बरतें क्योंकि बाद में इससे जीवन खतरे में पड़ सकता है ।

घर पर शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखना आवश्यक है । पहले जीवनसाथी की मृत्यु के कारण आपमें से कुछ पुनर्विवाह कर सकते हैं । मित्रता को पूर्णतया विकसित होने दें और मित्रों से अच्छा सामन्जस्य बनाए रखें । यदि सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपके अंतरंग मित्र आपको त्याग देंगे ।

इस समय मानसिक संतुलन बनाए रखना कठिन है । आपमें से अधिकांश में निरंतर मानसिक क्लेश व अशान्ति की भावना की संभावना है ।

किसी भी प्रकार के मुकदमे आदि से दूर रहना बुद्धिमानी होगी । यह मुकदमा अथवा चुना लड़ने हेतु अच्छा समय नहीं है ।

Parashara's Light 9.0 © GeoVision Software Inc. Licensed to Santhosh Kumar Gollapelli.